

नामावलिमञ्जरी

## COLOPHON

This document was typeset using Xe<sub>La</sub>TeX, and uses the Sanskrit 2003 font extensively.

नामावलिमञ्जरी is also available online (in PDF format) at:  
<http://stotrasamhita.github.io>

FOR PERSONAL USE ONLY  
NOT FOR COMMERCIAL PRINTING/DISTRIBUTION

## अनुक्रमणिका

१	सहस्रनामावल्यः	1
	गणेश गकार सहस्रनामावलिः . . . . .	3
	वक्रतुण्ड महागणपति सहस्रनामावलिः . . . . .	23
	रामसहस्रनामावलिः . . . . .	44
	विष्णुसहस्रनामावलिः . . . . .	64
	शिवसहस्रनामावलिः . . . . .	84
२	त्रिशतीनामावल्यः	105
	ललितात्रिशतीनामावलिः . . . . .	107
३	शतनामावल्यः	115
	आदिशङ्कराष्टोत्तरशतनामावलिः . . . . .	117
	हनुमदष्टोत्तरशतनामावलिः . . . . .	120
	अन्नपूर्णाष्टोत्तरशतनामावलिः . . . . .	123
	कार्तिकेयाष्टोत्तरशतनामावलिः . . . . .	126
	कृष्णाष्टोत्तरशतनामावलिः . . . . .	129
	गङ्गाष्टोत्तरशतनामावलिः . . . . .	132
	गणपत्यष्टोत्तरशतनामावलिः . . . . .	135
	गकारादि गणपति अष्टोत्तरशतनामावलिः . . . . .	138
	गोदाष्टोत्तरशतनामावलिः . . . . .	141

चन्द्रशेखरेन्द्र सरस्वती अष्टोत्तरशतनामावलि: . . . . .	145
जगदानन्दकारक शतनामावलि: . . . . .	148
देवसेना अष्टोत्तरशतनामावलि: . . . . .	151
रामाष्टोत्तरशतनामावलि: . . . . .	154
लक्ष्म्यष्टोत्तरशतनामावलि: . . . . .	157
वल्ली अष्टोत्तरशतनामावलि: . . . . .	160
विष्णोरष्टोत्तरशतदिव्यस्थानीयनामावलि: . . . . .	163
वेङ्कटेशाष्टोत्तरशतनामावलि: (वराहपुराणान्तर्गता) . . . . .	166
वेङ्कटेशाष्टोत्तरशतनामावलि: . . . . .	170
शक्त्यष्टोत्तरशतदिव्यस्थानीयनामावलि: . . . . .	173
शिवाष्टोत्तरशतनामावलि: . . . . .	176
शिवाष्टोत्तरशतदिव्यस्थानीयनामावलि: . . . . .	179
सरस्वत्यष्टोत्तरशतनामावलि: . . . . .	182
सीताष्टोत्तरशतनामावलि: . . . . .	185
सुब्रह्मण्यस्य हस्तस्थितस्य अस्त्रायुध अष्टोत्तरशतनामावलि: . . . . .	188
सूर्याष्टोत्तरशतनामावलि: . . . . .	191
हरिहराष्टोत्तरशतनामावलि: . . . . .	194

विभाग: १

सहस्रनामावत्यः



## ॥ गणेश गकार सहस्रनामावलि: ॥

ॐ गणेश्वराय नमः

ॐ गणाध्यक्षाय नमः

ॐ गणाराध्याय नमः

ॐ गणप्रियाय नमः

ॐ गणनाथाय नमः

ॐ गणस्वामिने नमः

ॐ गणेशाय नमः

ॐ गणनायकाय नमः

ॐ गणमूर्तये नमः

ॐ गणपतये नमः १०

ॐ गणत्रात्रे नमः

ॐ गणञ्जयाय नमः

ॐ गणपाय नमः

ॐ गणक्रीडाय नमः

ॐ गणदेवाय नमः

ॐ गणाधिपाय नमः

ॐ गणज्येष्ठाय नमः

ॐ गणश्रेष्ठाय नमः

ॐ गणप्रेष्ठाय नमः

ॐ गणाधिराजाय नमः २०

ॐ गणराजे नमः

ॐ गणगोप्त्रे नमः

ॐ गणाङ्गाय नमः

ॐ गणदैवताय नमः

ॐ गणबन्धवे नमः

ॐ गणसुहृदे नमः

ॐ गणाधीशाय नमः

ॐ गणप्रथाय नमः

ॐ गणप्रियसखाय नमः

ॐ गणप्रियसुहृदे नमः ३०

ॐ गणप्रियरताय नमः

ॐ गणप्रीतिविवर्धनाय नमः

ॐ गणमण्डलमध्यस्थाय नमः

ॐ गणकेलिपरायणाय नमः

ॐ गणाग्रण्ये नमः

ॐ गणेशानाय नमः

ॐ गणगीताय नमः

ॐ गणोच्छ्रयाय नमः

ॐ गण्याय नमः

ॐ गणहिताय नमः ४०

ॐ गर्जद्गणसेनाय नमः

ॐ गणोद्धताय नमः

ॐ गणभीतिप्रमथनाय नमः

ॐ गणभीत्यपहारकाय नमः

ॐ गणनार्हाय नमः

ॐ गणप्रौढाय नमः

ॐ गणभर्त्रे नमः

ॐ गणप्रभवे नमः

ॐ गणसेनाय नमः  
 ॐ गणचराय नमः ५०  
 ॐ गणप्राज्ञाय नमः  
 ॐ गणैकराजे नमः  
 ॐ गणाग्र्याय नमः  
 ॐ गणनाम्ने नमः  
 ॐ गणपालनतत्पराय नमः  
 ॐ गणजिते नमः  
 ॐ गणगर्भस्थाय नमः  
 ॐ गणप्रवणमानसाय नमः  
 ॐ गणगर्वपरीहर्त्रे नमः  
 ॐ गणाय नमः ६०  
 ॐ गणनमस्कृताय नमः  
 ॐ गणार्चितान्त्रियुगलाय नमः  
 ॐ गणरक्षणकृते नमः  
 ॐ गणध्याताय नमः  
 ॐ गणगुरवे नमः  
 ॐ गणप्रणयतत्पराय नमः  
 ॐ गणागणपरित्रात्रे नमः  
 ॐ गणादिहरणोद्धुराय नमः  
 ॐ गणसेतवे नमः  
 ॐ गणनुताय नमः ७०  
 ॐ गणकेतवे नमः  
 ॐ गणाग्रगाय नमः  
 ॐ गणहेतवे नमः  
 ॐ गणग्राहिणे नमः

ॐ गणानुग्रहकारकाय नमः  
 ॐ गणागणानुग्रहभुवे नमः  
 ॐ गणागणवरप्रदाय नमः  
 ॐ गणस्तुताय नमः  
 ॐ गणप्राणाय नमः  
 ॐ गणसर्वस्वदायकाय नमः ८०  
 ॐ गणवल्लभमूर्तये नमः  
 ॐ गणभूतये नमः  
 ॐ गणेष्टदाय नमः  
 ॐ गणसौख्यप्रदात्रे नमः  
 ॐ गणदुःखप्रणाशनाय नमः  
 ॐ गणप्रथितनाम्ने नमः  
 ॐ गणाभीष्टकराय नमः  
 ॐ गणमान्याय नमः  
 ॐ गणख्याताय नमः  
 ॐ गणवीताय नमः ९०  
 ॐ गणोत्कटाय नमः  
 ॐ गणपालाय नमः  
 ॐ गणवराय नमः  
 ॐ गणगौरवदायकाय नमः  
 ॐ गणगर्जितसन्तुष्टाय नमः  
 ॐ गणस्वच्छन्दगाय नमः  
 ॐ गणराजाय नमः  
 ॐ गणश्रीदाय नमः  
 ॐ गणाभयकराय नमः  
 ॐ गणमूर्धाभिषिक्ताय नमः १००



ॐ गणसैन्यपुरस्सराय नमः  
 ॐ गुणातीताय नमः  
 ॐ गुणमयाय नमः  
 ॐ गुणत्रयविभागकृते नमः  
 ॐ गुणिने नमः  
 ॐ गुणाकृतिधराय नमः  
 ॐ गुणशालिने नमः  
 ॐ गुणप्रियाय नमः  
 ॐ गुणपूर्णाय नमः  
 ॐ गुणाम्भोधये नमः ११०  
 ॐ गुण भाजे नमः  
 ॐ गुणदूरगाय नमः  
 ॐ गुणागुणवपुषे नमः  
 ॐ गौणशरीराय नमः  
 ॐ गुणमण्डिताय नमः  
 ॐ गुणस्त्रष्ट्रे नमः  
 ॐ गुणेशानाय नमः  
 ॐ गुणेशाय नमः  
 ॐ गुणेश्वराय नमः  
 ॐ गुणसृष्टजगत्सङ्घाय नमः १२०  
 ॐ गुणसङ्घाय नमः  
 ॐ गुणैकराजे नमः  
 ॐ गुणप्रवृष्टाय नमः  
 ॐ गुणभुवे नमः  
 ॐ गुणीकृतचराचराय नमः  
 ॐ गुणप्रवणसन्तुष्टाय नमः

ॐ गुणहीनपराङ्मुखाय नमः  
 ॐ गुणैकभुवे नमः  
 ॐ गुणश्रेष्ठाय नमः  
 ॐ गुणज्येष्ठाय नमः १३०  
 ॐ गुणप्रभवे नमः  
 ॐ गुणज्ञाय नमः  
 ॐ गुणसम्पूज्याय नमः  
 ॐ गुणैकसदनाय नमः  
 ॐ गुणप्रणयवते नमः  
 ॐ गौणप्रकृतये नमः  
 ॐ गुणभाजनाय नमः  
 ॐ गुणप्रणतपादाब्जाय नमः  
 ॐ गुणिगीताय नमः  
 ॐ गुणोज्ज्वलाय नमः १४०  
 ॐ गुणवते नमः  
 ॐ गुणसम्पन्नाय नमः  
 ॐ गुणानन्दितमानसाय नमः  
 ॐ गुणसञ्चारचतुराय नमः  
 ॐ गुणसञ्चयसुन्दराय नमः  
 ॐ गुणगौराय नमः  
 ॐ गुणाधाराय नमः  
 ॐ गुणसंवृतचेतनाय नमः  
 ॐ गुणकृते नमः  
 ॐ गुणभृते नमः १५०  
 ॐ गुणाग्र्याय नमः  
 ॐ गुणपारदृशे नमः

ॐ गुणप्रचारिणे नमः  
 ॐ गुणयुजे नमः  
 ॐ गुणागुणविवेककृते नमः  
 ॐ गुणाकराय नमः  
 ॐ गुणकराय नमः  
 ॐ गुणप्रवणवर्धनाय नमः  
 ॐ गुणगूढचराय नमः  
 ॐ गौणसर्वसंसारचेष्टिताय नमः  
 १६०  
 ॐ गुणदक्षिणसौहार्दाय नमः  
 ॐ गुणलक्षणतत्त्वविदे नमः  
 ॐ गुणहारिणे नमः  
 ॐ गुणकलाय नमः  
 ॐ गुणसङ्घसखाय नमः  
 ॐ गुणसंस्कृतसंसाराय नमः  
 ॐ गुणतत्त्वविवेचकाय नमः  
 ॐ गुणगर्वधराय नमः  
 ॐ गौणसुखदुःखोदयाय नमः  
 ॐ गुणाय नमः १७०  
 ॐ गुणाधीशाय नमः  
 ॐ गुणलयाय नमः  
 ॐ गुणवीक्षणालालसाय नमः  
 ॐ गुणगौरवदात्रे नमः  
 ॐ गुणदात्रे नमः  
 ॐ गुणप्रदाय नमः  
 ॐ गुणकृते नमः

ॐ गुणसम्बन्धाय नमः  
 ॐ गुणभृते नमः  
 ॐ गुणबन्धनाय नमः १८०  
 ॐ गुणहृदाय नमः  
 ॐ गुणस्थायिने नमः  
 ॐ गुणदायिने नमः  
 ॐ गुणोत्कटाय नमः  
 ॐ गुणचक्रधराय नमः  
 ॐ गौणावताराय नमः  
 ॐ गुणबान्धवाय नमः  
 ॐ गुणबन्धवे नमः  
 ॐ गुणप्रज्ञाय नमः  
 ॐ गुणप्राज्ञाय नमः १९०  
 ॐ गुणालयाय नमः  
 ॐ गुणधात्रे नमः  
 ॐ गुणप्राणाय नमः  
 ॐ गुणगोपाय नमः  
 ॐ गुणाश्रयाय नमः  
 ॐ गुणयायिने नमः  
 ॐ गुणाधायिने नमः  
 ॐ गुणपाय नमः  
 ॐ गुणपालकाय नमः  
 ॐ गुणाहततनवे नमः २००  
 ॐ गौणाय नमः  
 ॐ गीर्वाणाय नमः  
 ॐ गुणगौरवाय नमः

ॐ गुणवत्पूजितपदाय नमः  
 ॐ गुणवत्प्रीतिदायकाय नमः  
 ॐ गुणवत्गीतकीर्तये नमः  
 ॐ गुणवद्भद्रसौहृदाय नमः  
 ॐ गुणवद्वरदाय नमः  
 ॐ गुणवत्प्रतिपालकाय नमः  
 ॐ गुणवत्गुणसन्तुष्टाय नमः २१०  
 ॐ गुणवद्रचितस्तवाय नमः  
 ॐ गुणवद्रक्षणपराय नमः  
 ॐ गुणवत्प्रणयप्रियाय नमः  
 ॐ गुणवच्चक्रसञ्चाराय नमः  
 ॐ गुणवत्कीर्तिवर्धनाय नमः  
 ॐ गुणवद्गुणचित्तस्थाय नमः  
 ॐ गुणवद्गुणरक्षणाय नमः  
 ॐ गुणवत्पोषणकराय नमः  
 ॐ गुणवच्छत्रुसूदनाय नमः  
 ॐ गुणवत्सिद्धिदात्रे नमः २२०  
 ॐ गुणवद्गौरवप्रदाय नमः  
 ॐ गुणवत्प्रणवस्वान्ताय नमः  
 ॐ गुणवद्गुणभूषणाय नमः  
 ॐ गुणवत्कुलविद्वेषि विनाशकरण  
 क्षमाय नमः  
 ॐ गुणिस्तुतगुणाय नमः  
 ॐ गर्जत्प्रलयाम्बुदनिःस्वनाय  
 नमः  
 ॐ गजाय नमः

ॐ गजपतये नमः  
 ॐ गर्जद्गजयुद्धविशारदाय नमः  
 ॐ गजास्याय नमः २३०  
 ॐ गजकर्णाय नमः  
 ॐ गजराजाय नमः  
 ॐ गजाननाय नमः  
 ॐ गजरूपधराय नमः  
 ॐ गर्जद्गजयूथोद्धुरध्वनये नमः  
 ॐ गजाधीशाय नमः  
 ॐ गजाधाराय नमः  
 ॐ गजासुरजयोद्धुराय नमः  
 ॐ गजदन्ताय नमः  
 ॐ गजवराय नमः २४०  
 ॐ गजकुम्भाय नमः  
 ॐ गजध्वनये नमः  
 ॐ गजमायाय नमः  
 ॐ गजमयाय नमः  
 ॐ गजश्रिये नमः  
 ॐ गजगर्जिताय नमः  
 ॐ गजामयहराय नमः  
 ॐ गजपुष्टिप्रदायकाय नमः  
 ॐ गजोत्पत्तये नमः  
 ॐ गजत्रात्रे नमः २५०  
 ॐ गजहेतवे नमः  
 ॐ गजाधिपाय नमः  
 ॐ गजमुख्याय नमः

ॐ गजकुलप्रवराय नमः  
 ॐ गजदैत्यघ्ने नमः  
 ॐ गजकेतवे नमः  
 ॐ गजाध्यक्षाय नमः  
 ॐ गजसेतवे नमः  
 ॐ गजाकृतये नमः  
 ॐ गजवन्द्याय नमः २६०  
 ॐ गजप्राणाय नमः  
 ॐ गजसेव्याय नमः  
 ॐ गजप्रभवे नमः  
 ॐ गजमत्ताय नमः  
 ॐ गजेशानाय नमः  
 ॐ गजेशाय नमः  
 ॐ गजपुङ्गवाय नमः  
 ॐ गजदन्तधराय नमः  
 ॐ गुञ्जन्मधुपाय नमः  
 ॐ गजवेषभृते नमः २७०  
 ॐ गजच्छन्नाय नमः  
 ॐ गजाग्रस्थाय नमः  
 ॐ गजयायिने नमः  
 ॐ गजाजयाय नमः  
 ॐ गजराजे नमः  
 ॐ गजयूथस्थाय नमः  
 ॐ गजगञ्जकभञ्जकाय नमः  
 ॐ गर्जितोज्झितदैत्यासवे नमः  
 ॐ गर्जितत्रातविष्टपाय नमः

ॐ गानज्ञाय नमः २८०  
 ॐ गानकुशलाय नमः  
 ॐ गानतत्त्वविवेचकाय नमः  
 ॐ गानश्लाघिने नमः  
 ॐ गानरसाय नमः  
 ॐ गानज्ञानपरायणाय नमः  
 ॐ गानागमज्ञाय नमः  
 ॐ गानाङ्गाय नमः  
 ॐ गानप्रवणचेतनाय नमः  
 ॐ गानकृते नमः  
 ॐ गानचतुराय नमः २९०  
 ॐ गानविद्याविशारदाय नमः  
 ॐ गानध्येयाय नमः  
 ॐ गानगम्याय नमः  
 ॐ गानध्यानपरायणाय नमः  
 ॐ गानभुवे नमः  
 ॐ गानशीलाय नमः  
 ॐ गानशालिने नमः  
 ॐ गतश्रमाय नमः  
 ॐ गानविज्ञानसम्पन्नाय नमः  
 ॐ गानश्रवणलालसाय नमः ३००  
 ॐ गानयत्ताय नमः  
 ॐ गानमयाय नमः  
 ॐ गानप्रणयवते नमः  
 ॐ गानध्यात्रे नमः  
 ॐ गानबुद्धये नमः

ॐ गानोत्सुकमनसे नमः  
 ॐ गानोत्सुकाय नमः  
 ॐ गानभूमये नमः  
 ॐ गानसीम्ने नमः  
 ॐ गुनोज्ज्वलाय नमः ३१०  
 ॐ गानाङ्गज्ञानवते नमः  
 ॐ गानमानवते नमः  
 ॐ गानपेशलाय नमः  
 ॐ गानवत्प्रणयाय नमः  
 ॐ गानसमुद्राय नमः  
 ॐ गानभूषणाय नमः  
 ॐ गानसिन्धवे नमः  
 ॐ गानपराय नमः  
 ॐ गानप्राणाय नमः  
 ॐ गणाश्रयाय नमः ३२०  
 ॐ गानैकभुवे नमः  
 ॐ गानहृष्टाय नमः  
 ॐ गानचक्षुषे नमः  
 ॐ गणैकदृशे नमः  
 ॐ गानमत्ताय नमः  
 ॐ गानरुचये नमः  
 ॐ गानविदे नमः  
 ॐ गनवित्प्रियाय नमः  
 ॐ गानान्तरात्मने नमः  
 ॐ गानाढ्याय नमः ३३०  
 ॐ गानभ्राजत्सभाय नमः

ॐ गानमायाय नमः  
 ॐ गानधराय नमः  
 ॐ गानविद्याविशोधकाय नमः  
 ॐ गानाहितघ्नाय नमः  
 ॐ गानेन्द्राय नमः  
 ॐ गानलीनाय नमः  
 ॐ गतिप्रियाय नमः  
 ॐ गानाधीशाय नमः  
 ॐ गानलयाय नमः ३४०  
 ॐ गानाधाराय नमः  
 ॐ गतीश्वराय नमः  
 ॐ गानवन्मानदाय नमः  
 ॐ गानभूतये नमः  
 ॐ गानैकभूतिमते नमः  
 ॐ गानतानतताय नमः  
 ॐ गानतानदानविमोहिताय नमः  
 ॐ गुरवे नमः  
 ॐ गुरूदरश्रोणये नमः  
 ॐ गुरुतत्त्वार्थदर्शनाय नमः ३५०  
 ॐ गुरुस्तुताय नमः  
 ॐ गुरुगुणाय नमः  
 ॐ गुरुमायाय नमः  
 ॐ गुरुप्रियाय नमः  
 ॐ गुरुकीर्तये नमः  
 ॐ गुरुभुजाय नमः  
 ॐ गुरुवक्षसे नमः

ॐ गुरुप्रभाय नमः  
 ॐ गुरुलक्षणसम्पन्नाय नमः  
 ॐ गुरुद्रोहपराङ्मुखाय नमः ३६०  
 ॐ गुरुविधाय नमः  
 ॐ गुरुप्राणाय नमः  
 ॐ गुरुबाहुबलोच्छ्रयाय नमः  
 ॐ गुरुदैत्यप्राणहराय नमः  
 ॐ गुरुदैत्यापहारकाय नमः  
 ॐ गुरुगर्वहराय नमः  
 ॐ गुरुप्रवराय नमः  
 ॐ गुरुदर्पघ्ने नमः  
 ॐ गुरुगौरवदायिने नमः  
 ॐ गुरुभीत्यपहारकाय नमः ३७०  
 ॐ गुरुशुण्डाय नमः  
 ॐ गुरुस्कन्धाय नमः  
 ॐ गुरुजङ्घाय नमः  
 ॐ गुरुप्रथाय नमः  
 ॐ गुरुभालाय नमः  
 ॐ गुरुगलाय नमः  
 ॐ गुरुश्रिये नमः  
 ॐ गुरुगर्वनुदे नमः  
 ॐ गुरुरवे नमः  
 ॐ गुरुपीनांसाय नमः ३८०  
 ॐ गुरुप्रणयलालसाय नमः  
 ॐ गुरुमुख्याय नमः  
 ॐ गुरुकुलस्थायिने नमः

ॐ गुणगुणाय नमः  
 ॐ गुरुसंशयभेत्त्रे नमः  
 ॐ गुरुमानप्रदायकाय नमः  
 ॐ गुरुधर्मसदाराध्याय नमः  
 ॐ गुरुधर्मनिकेतनाय नमः  
 ॐ गुरुदैत्यकुलच्छेत्रे नमः  
 ॐ गुरुसैन्याय नमः ३९०  
 ॐ गुरुद्युतये नमः  
 ॐ गुरुधर्माग्रगण्याय नमः  
 ॐ गुरुधर्मधुरन्धराय नमः  
 ॐ गरिष्ठाय नमः  
 ॐ गुरुसन्तापशमनाय नमः  
 ॐ गुरुपूजिताय नमः  
 ॐ गुरुधर्मधराय नमः  
 ॐ गौरधर्माधाराय नमः  
 ॐ गदापहाय नमः  
 ॐ गुरुशास्त्रविचारज्ञाय नमः ४००  
 ॐ गुरुशास्त्रकृतोद्यमाय नमः  
 ॐ गुरुशास्त्रार्थनिलयाय नमः  
 ॐ गुरुशास्त्रालयाय नमः  
 ॐ गुरुमन्त्राय नमः  
 ॐ गुरुश्रेष्ठाय नमः  
 ॐ गुरुमन्त्रफलप्रदाय नमः  
 ॐ गुरुस्त्रीगमनोद्दाम-  
 प्रायश्चित्तनिवारकाय  
 नमः

ॐ गुरुसंसारसुखदाय नमः  
 ॐ गुरुसंसारदुःखभिदे नमः  
 ॐ गुरुश्वाघापराय नमः ४१०  
 ॐ गौरभानुखण्डावतंसभृते नमः  
 ॐ गुरुप्रसन्नमूर्तये नमः  
 ॐ गुरुशापविमोचकाय नमः  
 ॐ गुरुकान्तये नमः  
 ॐ गुरुमयाय नमः  
 ॐ गुरुशासनपालकाय नमः  
 ॐ गुरुतन्त्राय नमः  
 ॐ गुरुप्रज्ञाय नमः  
 ॐ गुरुभाय नमः  
 ॐ गुरुदैवताय नमः ४२०  
 ॐ गुरुविक्रमसञ्चाराय नमः  
 ॐ गुरुदृशे नमः  
 ॐ गुरुविक्रमाय नमः  
 ॐ गुरुक्रमाय नमः  
 ॐ गुरुप्रेष्ठाय नमः  
 ॐ गुरुपाखण्डखण्डकाय नमः  
 ॐ गुरुगर्जितसम्पूर्णब्रह्माण्डाय  
 नमः  
 ॐ गुरुगर्जिताय नमः  
 ॐ गुरुपुत्रप्रियसखाय नमः  
 ॐ गुरुपुत्रभयापहाय नमः ४३०  
 ॐ गुरुपुत्रपरित्रात्रे नमः  
 ॐ गुरुपुत्रवरप्रदाय नमः

ॐ गुरुपुत्रार्तिशमनाय नमः  
 ॐ गुरुपुत्राधिनाशनाय नमः  
 ॐ गुरुपुत्रप्राणदात्रे नमः  
 ॐ गुरुभक्तिपरायणाय नमः  
 ॐ गुरुविज्ञानविभवाय नमः  
 ॐ गौरभानुवरप्रदाय नमः  
 ॐ गौरभानुस्तुताय नमः  
 ॐ गौरभानुत्रासापहारकाय नमः  
 ४४०  
 ॐ गौरभानुप्रियाय नमः  
 ॐ गौरभानवे नमः  
 ॐ गौरववर्धनाय नमः  
 ॐ गौरभानुपरित्रात्रे नमः  
 ॐ गौरभानुसखाय नमः  
 ॐ गौरभानुप्रभवे नमः  
 ॐ गौरभानुभीतिप्रणाशनाय नमः  
 ॐ गौरीतेजस्समुत्पन्नाय नमः  
 ॐ गौरीहृदयनन्दनाय नमः  
 ॐ गौरीस्तनन्धयाय नमः ४५०  
 ॐ गौरीमनोवाञ्छितसिद्धिकृते  
 नमः  
 ॐ गौराय नमः  
 ॐ गौरगुणाय नमः  
 ॐ गौरप्रकाशाय नमः  
 ॐ गौरभैरवाय नमः  
 ॐ गौरीशनन्दनाय नमः

ॐ गौरीप्रियपुत्राय नमः  
 ॐ गदाधराय नमः  
 ॐ गौरीवरप्रदाय नमः  
 ॐ गौरीप्रणयाय नमः ४६०  
 ॐ गौरसच्छवये नमः  
 ॐ गौरीगणेश्वराय नमः  
 ॐ गौरीप्रवणाय नमः  
 ॐ गौरभावनाय नमः  
 ॐ गौरात्मने नमः  
 ॐ गौरकीर्तये नमः  
 ॐ गौरभावाय नमः  
 ॐ गरिष्ठदृशे नमः  
 ॐ गौतमाय नमः  
 ॐ गौतमीनाथाय नमः ४७०  
 ॐ गौतमीप्राणवल्लभाय नमः  
 ॐ गौतमाभीष्टवरदाय नमः  
 ॐ गौतमाभयदायकाय नमः  
 ॐ गौतमप्रणयप्रह्वाय नमः  
 ॐ गौतमाश्रमदुःखघ्ने नमः  
 ॐ गौतमीतीरसञ्चारिणे नमः  
 ॐ गौतमीतीर्थनायकाय नमः  
 ॐ गौतमापत्परिहराय नमः  
 ॐ गौतमाधिविनाशनाय नमः  
 ॐ गोपतये नमः ४८०  
 ॐ गोधनाय नमः  
 ॐ गोपाय नमः

ॐ गोपालप्रियदर्शनाय नमः  
 ॐ गोपालाय नमः  
 ॐ गोगणाधीशाय नमः  
 ॐ गोकश्मलनिवर्तकाय नमः  
 ॐ गोसहस्राय नमः  
 ॐ गोपवराय नमः  
 ॐ गोपगोपीसुखावहाय नमः  
 ॐ गोवर्धनाय नमः ४९०  
 ॐ गोपगोपाय नमः  
 ॐ गोपाय नमः  
 ॐ गोकुलवर्धनाय नमः  
 ॐ गोचराय नमः  
 ॐ गोचराध्यक्षाय नमः  
 ॐ गोचरप्रीतिवृद्धिकृते नमः  
 ॐ गोमिने नमः  
 ॐ गोकष्टसन्त्रात्रे नमः  
 ॐ गोसन्तापनिवर्तकाय नमः  
 ॐ गोष्ठाय नमः ५००  
 ॐ गोष्ठाश्रयाय नमः  
 ॐ गोष्ठपतये नमः  
 ॐ गोधनवर्धनाय नमः  
 ॐ गोष्ठप्रियाय नमः  
 ॐ गोष्ठमयाय नमः  
 ॐ गोष्ठामयनिवर्तकाय नमः  
 ॐ गोलोकाय नमः  
 ॐ गोलकाय नमः



ॐ गोभृते नमः  
 ॐ गोभर्त्रे नमः ५१०  
 ॐ गोसुखावहाय नमः  
 ॐ गोदुहे नमः  
 ॐ गोधुग्गणप्रेष्ठाय नमः  
 ॐ गोदोग्ध्रे नमः  
 ॐ गोमयप्रियाय नमः  
 ॐ गोत्राय नमः  
 ॐ गोत्रपतये नमः  
 ॐ गोत्रप्रभवे नमः  
 ॐ गोत्रभयापहाय नमः  
 ॐ गोत्रवृद्धिकराय नमः ५२०  
 ॐ गोत्रप्रियाय नमः  
 ॐ गोत्रार्तिनाशनाय नमः  
 ॐ गोत्रोद्धारपराय नमः  
 ॐ गोत्रप्रवराय नमः  
 ॐ गोत्रदेवतायै नमः  
 ॐ गोत्रविख्यातनाम्ने नमः  
 ॐ गोत्रिणे नमः  
 ॐ गोत्रप्रपालकाय नमः  
 ॐ गोत्रसेतवे नमः  
 ॐ गोत्रकेतवे नमः ५३०  
 ॐ गोत्रहेतवे नमः  
 ॐ गतक्लमाय नमः  
 ॐ गोत्रत्राणकराय नमः  
 ॐ गोत्रपतये नमः

ॐ गोत्रेशपूजिताय नमः  
 ॐ गोत्रभिदे नमः  
 ॐ गोत्रभित्तात्रे नमः  
 ॐ गोत्रभिद्वरदायकाय नमः  
 ॐ गोत्रभित्पूजितपदाय नमः  
 ॐ गोत्रभिच्छत्रुसूदनाय नमः ५४०  
 ॐ गोत्रभित्प्रीतिदाय नमः  
 ॐ गोत्रभिदे नमः  
 ॐ गोत्रपालकाय नमः  
 ॐ गोत्रभिद्रीतचरिताय नमः  
 ॐ गोत्रभिद्राज्यरक्षकाय नमः  
 ॐ गोत्रभिज्जयदायिने नमः  
 ॐ गोत्रभित्प्रणयाय नमः  
 ॐ गोत्रभिद्भयसम्भेत्त्रे नमः  
 ॐ गोत्रभिन्मानदायकाय नमः  
 ॐ गोत्रभिद्रोपनपराय नमः ५५०  
 ॐ गोत्रभित्सैन्यनायकाय नमः  
 ॐ गोत्राधिपप्रियाय नमः  
 ॐ गोत्रापुत्रप्रीताय नमः  
 ॐ गिरिप्रियाय नमः  
 ॐ ग्रन्थज्ञाय नमः  
 ॐ ग्रन्थकृते नमः  
 ॐ ग्रन्थग्रन्थिभिदे नमः  
 ॐ ग्रन्थविघ्नघ्ने नमः  
 ॐ ग्रन्थादये नमः  
 ॐ ग्रन्थसञ्चाराय नमः ५६०

ॐ ग्रन्थश्रवणलोलुपाय नमः  
 ॐ ग्रन्ताधीनक्रियाय नमः  
 ॐ ग्रन्थप्रियाय नमः  
 ॐ ग्रन्थार्थतत्त्वविदे नमः  
 ॐ ग्रन्थसंशयसञ्छेदिने नमः  
 ॐ ग्रन्थवक्त्रे नमः  
 ॐ ग्रहाग्रण्ये नमः  
 ॐ ग्रन्थगीतगुणाय नमः  
 ॐ ग्रन्थगीताय नमः  
 ॐ ग्रन्थादिपूजिताय नमः ५७०  
 ॐ ग्रन्थारम्भस्तुताय नमः  
 ॐ ग्रन्थग्राहिणे नमः  
 ॐ ग्रन्थार्थपारदृशे नमः  
 ॐ ग्रन्थदृशे नमः  
 ॐ ग्रन्थविज्ञानाय नमः  
 ॐ ग्रन्थसन्दर्भशोधकाय नमः  
 ॐ ग्रन्थकृतपूजिताय नमः  
 ॐ ग्रन्थकराय नमः  
 ॐ ग्रन्थपरायणाय नमः  
 ॐ ग्रन्थपारायणपराय नमः ५८०  
 ॐ ग्रन्थसन्देहभञ्जकाय नमः  
 ॐ ग्रन्थकृद्वरदात्रे नमः  
 ॐ ग्रन्थकृद्वन्दिताय नमः  
 ॐ ग्रन्थानुरक्ताय नमः  
 ॐ ग्रन्थज्ञाय नमः  
 ॐ ग्रन्थानुग्रहदायकाय नमः

ॐ ग्रन्थान्तरात्मने नमः  
 ॐ ग्रन्थार्थपण्डिताय नमः  
 ॐ ग्रन्थसौहृदाय नमः  
 ॐ ग्रन्थपारङ्गमाय नमः ५९०  
 ॐ ग्रन्थगुणविदे नमः  
 ॐ ग्रन्थविग्रहाय नमः  
 ॐ ग्रन्थसेवते नमः  
 ॐ ग्रन्थहेतवे नमः  
 ॐ ग्रन्थकेतवे नमः  
 ॐ ग्रहाग्रगाय नमः  
 ॐ ग्रन्थपूज्याय नमः  
 ॐ ग्रन्थगेयाय नमः  
 ॐ ग्रन्थग्रन्थनलालसाय नमः  
 ॐ ग्रन्थभूमये नमः ६००  
 ॐ ग्रहश्रेष्ठाय नमः  
 ॐ ग्रहकेतवे नमः  
 ॐ ग्रहाश्रयाय नमः  
 ॐ ग्रन्थकाराय नमः  
 ॐ ग्रन्थकारमान्याय नमः  
 ॐ ग्रन्थप्रसारकाय नमः  
 ॐ ग्रन्थश्रमज्ञाय नमः  
 ॐ ग्रन्थाज्ञाय नमः  
 ॐ ग्रन्थभ्रमनिवारकाय नमः  
 ॐ ग्रन्थप्रवणसर्वाज्ञाय नमः ६१०  
 ॐ ग्रन्थप्रणयतत्पराय नमः  
 ॐ गीताय नमः

ॐ गीतगुणाय नमः  
 ॐ गीतकीर्तये नमः  
 ॐ गीतविशारदाय नमः  
 ॐ गीतस्फीतयशसे नमः  
 ॐ गीतप्रणयाय नमः  
 ॐ गीतचञ्चुराय नमः  
 ॐ गीतप्रसन्नाय नमः  
 ॐ गीतात्मने नमः ६२०  
 ॐ गीतलोलाय नमः  
 ॐ गीतस्पृहाय नमः  
 ॐ गीताश्रयाय नमः  
 ॐ गीतमयाय नमः  
 ॐ गीततत्त्वार्थकोविदाय नमः  
 ॐ गीतसंशयसञ्छेत्त्रे नमः  
 ॐ गीतसङ्गीतशासनाय नमः  
 ॐ गीतार्थज्ञाय नमः  
 ॐ गीततत्त्वाय नमः  
 ॐ गीतातत्त्वाय नमः ६३०  
 ॐ गताश्रयाय नमः  
 ॐ गीतासाराय नमः  
 ॐ गीताकृते नमः  
 ॐ गीताकृद्विघ्ननाशनाय नमः  
 ॐ गीताशक्ताय नमः  
 ॐ गीतलीनाय नमः  
 ॐ गीताविगतसञ्चराय नमः  
 ॐ गीतैकदृशे नमः

ॐ गीतभूतये नमः  
 ॐ गीतप्रीताय नमः ६४०  
 ॐ गतालसाय नमः  
 ॐ गीतवाद्यपटवे नमः  
 ॐ गीतप्रभवे नमः  
 ॐ गीतार्थतत्त्वविदे नमः  
 ॐ गीतागीतविवेकज्ञाय नमः  
 ॐ गीताप्रवणचेतनाय नमः  
 ॐ गतभिये नमः  
 ॐ गतविद्वेषाय नमः  
 ॐ गतसंसारबन्धनाय नमः  
 ॐ गतमायाय नमः ६५०  
 ॐ गतत्रासाय नमः  
 ॐ गतदुःखाय नमः  
 ॐ गतज्वराय नमः  
 ॐ गतासुहृदे नमः  
 ॐ गताज्ञानाय नमः  
 ॐ गतदुष्टाशयाय नमः  
 ॐ गताय नमः  
 ॐ गतार्तये नमः  
 ॐ गतसङ्कल्पाय नमः  
 ॐ गतदुष्टविचेष्टिताय नमः ६६०  
 ॐ गताहङ्कारसञ्चाराय नमः  
 ॐ गतदर्पाय नमः  
 ॐ गताहिताय नमः  
 ॐ गतविघ्नाय नमः

ॐ गतभयाय नमः  
 ॐ गतागतनिवारकाय नमः  
 ॐ गतव्यथाय नमः  
 ॐ गतापायाय नमः  
 ॐ गतदोषाय नमः  
 ॐ गतेः पराय नमः ६७०  
 ॐ गतसर्वविकाराय नमः  
 ॐ गजगञ्जितकुञ्जराय नमः  
 ॐ गतकम्पितभूपृष्ठाय नमः  
 ॐ गतरुजे नमः  
 ॐ गतकल्मषाय नमः  
 ॐ गतदैन्याय नमः  
 ॐ गतस्तैन्याय नमः  
 ॐ गतमानाय नमः  
 ॐ गतश्रमाय नमः  
 ॐ गतक्रोधाय नमः ६८०  
 ॐ गतग्लानये नमः  
 ॐ गतम्लानाय नमः  
 ॐ गतभ्रमाय नमः  
 ॐ गताभावाय नमः  
 ॐ गतभवाय नमः  
 ॐ गततत्त्वार्थसंशयाय नमः  
 ॐ गयासुरशिरश्छेत्ते नमः  
 ॐ गयासुरवरप्रदाय नमः  
 ॐ गयावासाय नमः  
 ॐ गयानाथाय नमः ६९०

ॐ गयावासिनमस्कृतय नमः  
 ॐ गयातीर्थफलाध्यक्षाय नमः  
 ॐ गयायात्राफलप्रदाय नमः  
 ॐ गयामयाय नमः  
 ॐ गयाक्षेत्राय नमः  
 ॐ गयाक्षेत्रनिवासकृते नमः  
 ॐ गयावासिस्तुताय नमः  
 ॐ गायन्मधुव्रतलसत्कटाय नमः  
 ॐ गायकाय नमः  
 ॐ गायकवराय नमः ७००  
 ॐ गायकेष्टफलप्रदाय नमः  
 ॐ गायकप्रणयिने नमः  
 ॐ गात्रे नमः  
 ॐ गायकाभयदायकाय नमः  
 ॐ गायकप्रवणस्वान्ताय नमः  
 ॐ गायकायप्रथमाय नमः  
 ॐ गायकोद्गीतसम्प्रीताय नमः  
 ॐ गायकोत्कटविघ्नघ्ने नमः  
 ॐ गानगेयाय नमः  
 ॐ गायकेशाय नमः ७१०  
 ॐ गायकान्तरसञ्चाराय नमः  
 ॐ गायकप्रियदाय नमः  
 ॐ गायकाधीनविग्रहाय नमः  
 ॐ गेयाय नमः  
 ॐ गेयगुणाय नमः  
 ॐ गेयचरिताय नमः

ॐ गेयतत्त्वविदे नमः  
 ॐ गायकत्रासघ्ने नमः  
 ॐ ग्रन्थाय नमः  
 ॐ ग्रन्थतत्त्वविवेचकाय नमः ७२०  
 ॐ गाढानुरागय नमः  
 ॐ गाढाङ्गाय नमः  
 ॐ गाढगङ्गाजलाय नमः  
 ॐ गाढावगाढजलधये नमः  
 ॐ गाढप्रज्ञाय नमः  
 ॐ गतामयाय नमः  
 ॐ गाढप्रत्यर्थिसैन्याय नमः  
 ॐ गाढानुग्रहतत्पराय नमः  
 ॐ गाढश्लेषरसाभिज्ञाय नमः  
 ॐ गाढनिर्वृतिसाधकाय नमः ७३०  
 ॐ गङ्गाधरेष्टवरदाय नमः  
 ॐ गङ्गाधरभयापहाय नमः  
 ॐ गङ्गाधरगुरवे नमः  
 ॐ गङ्गाधरध्यातपदाय नमः  
 ॐ गङ्गाधरस्तुताय नमः  
 ॐ गङ्गाधराराध्याय नमः  
 ॐ गतस्मयाय नमः  
 ॐ गङ्गाधरप्रियाय नमः  
 ॐ गङ्गाधराय नमः  
 ॐ गङ्गाम्बुसुन्दराय नमः ७४०  
 ॐ गङ्गाजलरसास्वाद चतुराय  
 नमः

ॐ गङ्गातीरयाय नमः  
 ॐ गङ्गाजलप्रणयवते नमः  
 ॐ गङ्गातीरविहारकृते नमः  
 ॐ गङ्गाप्रियाय नमः  
 ॐ गङ्गाजलावगाहनपराय नमः  
 ॐ गन्धमादनसंवासाय नमः  
 ॐ गन्धमादनकेलिकृते नमः  
 ॐ गन्धानुलिप्तसर्वाङ्गाय नमः  
 ॐ गन्धलुब्धमधुव्रताय नमः ७५०  
 ॐ गन्धाय नमः  
 ॐ गन्धर्वराजाय नमः  
 ॐ गन्धर्वप्रियकृते नमः  
 ॐ गन्धर्वविद्यातत्त्वज्ञाय नमः  
 ॐ गन्धर्वप्रीतिवर्धनाय नमः  
 ॐ गकारबीजनिलयाय नमः  
 ॐ गकाराय नमः  
 ॐ गर्विगर्वनुदे नमः  
 ॐ गन्धर्वगणसंसेव्याय नमः  
 ॐ गन्धर्ववरदायकाय नमः ७६०  
 ॐ गन्धर्वाय नमः  
 ॐ गन्धमातङ्गाय नमः  
 ॐ गन्धर्वकुलदैवताय नमः  
 ॐ गन्धर्वगर्वसंछेत्ते नमः  
 ॐ गन्धर्ववरदर्पघ्ने नमः  
 ॐ गन्धर्वप्रवणस्वान्ताय नमः  
 ॐ गन्धर्वगणसंस्तुताय नमः

ॐ गन्धर्वार्चितपादाब्जाय नमः  
 ॐ गन्धर्वभयहारकाय नमः  
 ॐ गन्धर्वभयदाय नमः ७७०  
 ॐ गन्धर्वप्रतिपालकाय नमः  
 ॐ गन्धर्वगीतचरिताय नमः  
 ॐ गन्धर्वप्रणयोत्सुकाय नमः  
 ॐ गन्धर्वगानश्रवणप्रणयिने नमः  
 ॐ गर्वभञ्जनाय नमः  
 ॐ गन्धर्वत्राणसन्नद्धाय नमः  
 ॐ गन्धर्वसमरक्षमाय नमः  
 ॐ गन्धर्वस्त्रीभिराराध्याय नमः  
 ॐ गानाय नमः  
 ॐ गानपटवे नमः ७८०  
 ॐ गच्छाय नमः  
 ॐ गच्छपतये नमः  
 ॐ गच्छनायकाय नमः  
 ॐ गच्छगर्वघ्ने नमः  
 ॐ गच्छराजाय नमः  
 ॐ गच्छेशाय नमः  
 ॐ गच्छराजनमस्कृताय नमः  
 ॐ गच्छप्रियाय नमः  
 ॐ गच्छगुरवे नमः  
 ॐ गच्छत्राणकृतोद्यमाय नमः  
 ७९०  
 ॐ गच्छप्रभवे नमः  
 ॐ गच्छचराय नमः

ॐ गच्छप्रियकृतोद्यमाय नमः  
 ॐ गच्छगीतगुणाय नमः  
 ॐ गच्छमर्यादाप्रतिपालकाय नमः  
 ॐ गच्छधात्रे नमः  
 ॐ गच्छभर्त्रे नमः  
 ॐ गच्छवन्द्याय नमः  
 ॐ गुरोर्गुरवे नमः  
 ॐ गृत्साय नमः ८००  
 ॐ गृत्समदाय नमः  
 ॐ गृत्समदाभीष्टवरप्रदाय नमः  
 ॐ गीर्वाणगीतचरिताय नमः  
 ॐ गीर्वाणगणसेविताय नमः  
 ॐ गीर्वाणवरदात्रे नमः  
 ॐ गीर्वाणभयनाशकृते नमः  
 ॐ गीर्वाणगुणसंवीताय नमः  
 ॐ गीर्वाणारातिसूदनाय नमः  
 ॐ गीर्वाणधाम्ने नमः  
 ॐ गीर्वाणगोप्त्रे नमः ८१०  
 ॐ गीर्वाणगर्वहृदे नमः  
 ॐ गीर्वाणार्तिहराय नमः  
 ॐ गीर्वाणवरदायकाय नमः  
 ॐ गीर्वाणशरणाय नमः  
 ॐ गीतनाम्ने नमः  
 ॐ गीर्वाणसुन्दराय नमः  
 ॐ गीर्वाणप्राणदाय नमः  
 ॐ गन्त्रे नमः

ॐ गीर्वाणानीकरक्षकाय नमः  
 ॐ गुहेहापूरकाय नमः ८२०  
 ॐ गन्धमत्ताय नमः  
 ॐ गीर्वाणपुष्टिदाय नमः  
 ॐ गीर्वाणप्रयुतत्रात्रे नमः  
 ॐ गीतगोत्राय नमः  
 ॐ गताहिताय नमः  
 ॐ गीर्वाणसेवितपदाय नमः  
 ॐ गीर्वाणप्रथिताय नमः  
 ॐ गलते नमः  
 ॐ गीर्वाणगोत्रप्रवराय नमः  
 ॐ गीर्वाणफलदायकाय नमः ८३०  
 ॐ गीर्वाणप्रियकर्त्रे नमः  
 ॐ गीर्वाणागमसारविदे नमः  
 ॐ गीर्वाणागमसम्पत्तये नमः  
 ॐ गीर्वाणव्यसनापहाय नमः  
 ॐ गीर्वाणप्रणयाय नमः  
 ॐ गीतग्रहणोत्सुकमानसाय नमः  
 ॐ गीर्वाणभ्रमसम्भेत्ते नमः  
 ॐ गीर्वाणगुरुपूजिताय नमः  
 ॐ ग्रहाय नमः  
 ॐ ग्रहपतये नमः ८४०  
 ॐ ग्राहाय नमः  
 ॐ ग्रहपीडाप्रणाशनाय नमः  
 ॐ ग्रहस्तुताय नमः  
 ॐ ग्रहाध्यक्षाय नमः

ॐ ग्रहेशाय नमः  
 ॐ ग्रहदैवताय नमः  
 ॐ ग्रहकृते नमः  
 ॐ ग्रहभर्त्रे नमः  
 ॐ ग्रहेशानाय नमः  
 ॐ ग्रहेश्वराय नमः ८५०  
 ॐ ग्रहाराध्याय नमः  
 ॐ ग्रहत्रात्रे नमः  
 ॐ ग्रहगोप्त्रे नमः  
 ॐ ग्रहोत्कटाय नमः  
 ॐ ग्रहगीतगुणाय नमः  
 ॐ ग्रन्थप्रणेत्रे नमः  
 ॐ ग्रहवन्दिताय नमः  
 ॐ गविने नमः  
 ॐ गवीश्वराय नमः  
 ॐ गर्विणे नमः ८६०  
 ॐ गर्विष्ठाय नमः  
 ॐ गर्विगर्वघ्ने नमः  
 ॐ गवाम्प्रियाय नमः  
 ॐ गवान्नाथाय नमः  
 ॐ गवीशानाय नमः  
 ॐ गवाम्पतये नमः  
 ॐ गव्यप्रियाय नमः  
 ॐ गवाम्गोप्त्रे नमः  
 ॐ गविसम्पत्तिसाधकाय नमः  
 ॐ गविरक्षणसन्नद्धाय नमः ८७०

ॐ गवाम्भयहराय नमः

ॐ गविगर्वहराय नमः

ॐ गोदाय नमः

ॐ गोप्रदाय नमः

ॐ गोजयप्रदाय नमः

ॐ गजायुतबलाय नमः

ॐ गण्डगुञ्जन्मत्तमधुव्रताय नमः

ॐ

गण्डस्थललसद्दानमिलन्मत्तालिमण्डितसु

नमः

ॐ गुडाय नमः

ॐ गुडप्रियाय नमः ८८०

ॐ गण्डगलदानाय नमः

ॐ गुडाशनाय नमः

ॐ गुडाकेशाय नमः

ॐ गुडाकेशसहायाय नमः

ॐ गुडलङ्घुभुजे नमः

ॐ गुडभुजे नमः

ॐ गुडभुगण्याय नमः

ॐ गुडाकेशवरप्रदाय नमः

ॐ गुडाकेशार्चितपदाय नमः

ॐ गुडाकेशसखाय नमः ८९०

ॐ गदाधरार्चितपदाय नमः

ॐ गदाधरवरप्रदाय नमः

ॐ गदायुधाय नमः

ॐ गदापाणये नमः

ॐ गदायुद्धविशारदाय नमः

ॐ गदघ्ने नमः

ॐ गददर्पघ्नाय नमः

ॐ गदगर्वप्रणाशनाय नमः

ॐ गदग्रस्तपरित्रात्रे नमः

ॐ गदाडम्बरखण्डकाय नमः ९००

ॐ गुहाय नमः

ॐ गुहाग्रजाय नमः

ॐ गुप्ताय नमः

ॐ गुहाशायिने नमः

ॐ गुहाशयाय नमः

ॐ गुहप्रीतिकराय नमः

ॐ गूढाय नमः

ॐ गूढगुल्फाय नमः

ॐ गुणैकदृशे नमः

ॐ गिरे नमः ९१०

ॐ गीष्पतये नमः

ॐ गिरीशानाय नमः

ॐ गीर्देवीगीतसद्गुणाय नमः

ॐ गीर्देवाय नमः

ॐ गीष्प्रियाय नमः

ॐ गीर्भुवे नमः

ॐ गीरात्मने नमः

ॐ गीष्प्रियङ्कराय नमः

ॐ ग्

ॐ गीरसज्ञाय नमः ९२०



ॐ गीःप्रसन्नाय नमः  
 ॐ गिरीश्वराय नमः  
 ॐ गिरीशजाय नमः  
 ॐ गिरौशायिने नमः  
 ॐ गिरिराजसुखावहाय नमः  
 ॐ गिरिराजार्चितपदाय नमः  
 ॐ गिरिराजनमस्कृताय नमः  
 ॐ गिरिराजगुहाविष्टाय नमः  
 ॐ गिरिराजाभयप्रदाय नमः  
 ॐ गिरिराजेष्टवरदाय नमः ९३०  
 ॐ गिरिराजप्रपालकाय नमः  
 ॐ गिरिराजसुतासूनवे नमः  
 ॐ गिरिराजजयप्रदाय नमः  
 ॐ गिरिव्रजवनस्थायिने नमः  
 ॐ गिरिव्रजचराय नमः  
 ॐ गर्गाय नमः  
 ॐ गर्गप्रियाय नमः  
 ॐ गर्गदेवाय नमः  
 ॐ गर्गनमस्कृताय नमः  
 ॐ गर्गभीतिहराय नमः ९४०  
 ॐ गर्गवरदाय नमः  
 ॐ गर्गसंस्तुताय नमः  
 ॐ गर्गगीतप्रसन्नात्मने नमः  
 ॐ गर्गानन्दकराय नमः  
 ॐ गर्गप्रियाय नमः  
 ॐ गर्गमानप्रदाय नमः

ॐ गर्गारिभञ्जकाय नमः  
 ॐ गर्गवर्गपरित्रात्रे नमः  
 ॐ गर्गसिद्धिप्रदायकाय नमः  
 ॐ गर्गग्लानिहराय नमः ९५०  
 ॐ गर्गभ्रमहृदे नमः  
 ॐ गर्गसङ्गताय नमः  
 ॐ गर्गचार्याय नमः  
 ॐ गर्गमुनये नमः  
 ॐ गर्गसन्मानभाजनाय नमः  
 ॐ गम्भीराय नमः  
 ॐ गणितप्रज्ञाय नमः  
 ॐ गणितागमसारविदे नमः  
 ॐ गणकाय नमः  
 ॐ गणकश्लाघ्याय नमः ९६०  
 ॐ गणकप्रणयोत्सुकाय नमः  
 ॐ गणकप्रवणस्वान्ताय नमः  
 ॐ गणिताय नमः  
 ॐ गणितागमाय नमः  
 ॐ गद्याय नमः  
 ॐ गद्यमयाय नमः  
 ॐ गद्यपद्यविद्याविशारदाय नमः  
 ॐ गललग्नमहानागाय नमः  
 ॐ गलदर्चिषे नमः  
 ॐ गलन्मदाय नमः ९७०  
 ॐ गलत्कुष्ठिव्यथाहन्त्रे नमः  
 ॐ गलत्कुष्ठिसुखप्रदाय नमः

ॐ गम्भीरनाभये नमः  
 ॐ गम्भीरस्वराय नमः  
 ॐ गम्भीरलोचनाय नमः  
 ॐ गम्भीरगुणसम्पन्नाय नमः  
 ॐ गम्भीरगतिशोभनाय नमः  
 ॐ गर्भप्रदाय नमः  
 ॐ गर्भरूपाय नमः  
 ॐ गर्भापद्विनिवारकाय नमः ९८०  
 ॐ गर्भागमनसन्नाशाय नमः  
 ॐ गर्भदाय नमः  
 ॐ गर्भशोकनुदे नमः  
 ॐ गर्भत्रात्रे नमः  
 ॐ गर्भगोप्त्रे नमः  
 ॐ गर्भपुष्टिकराय नमः  
 ॐ गर्भाश्रयाय नमः

ॐ गर्भमयाय नमः  
 ॐ गर्भामयनिवारकाय नमः  
 ॐ गर्भाधाराय नमः ९९०  
 ॐ गर्भधराय नमः  
 ॐ गर्भसन्तोषसाधकाय नमः  
 ॐ गर्भगौरवसन्धानसाधनाय  
 नमः  
 ॐ गर्भवर्गहृदे नमः  
 ॐ गरीयसे नमः  
 ॐ गर्वनुदे नमः  
 ॐ गर्वमर्दिने नमः  
 ॐ गरदमर्दकाय नमः  
 ॐ गरसन्तापशमनाय नमः  
 ॐ गुरुराज्यसुखप्रदाय नमः १०००

॥ इति श्रीरुद्रयामले गकारादि श्री गणपतिसहस्रनामावलिः सम्पूर्णा ॥

## ॥ वक्रतुण्ड महागणपति सहस्रनामावलि: ॥

ॐ गणेश्वराय नमः  
 ॐ गणक्रीडाय नमः  
 ॐ गणनाथाय नमः  
 ॐ गणाधिपाय नमः  
 ॐ एकदंष्ट्राय नमः  
 ॐ वक्रतुण्डाय नमः  
 ॐ गजवक्त्राय नमः  
 ॐ मदोदराय नमः  
 ॐ लम्बोदराय नमः  
 ॐ धूम्रवर्णाय नमः १०  
 ॐ विकटाय नमः  
 ॐ विघ्ननायकाय नमः  
 ॐ सुमुखाय नमः  
 ॐ दुर्मुखाय नमः  
 ॐ बुद्धाय नमः  
 ॐ विघ्नराजाय नमः  
 ॐ गजाननाय नमः  
 ॐ भीमाय नमः  
 ॐ प्रमोदाय नमः  
 ॐ आमोदाय नमः २०  
 ॐ सुरानन्दाय नमः  
 ॐ मदोत्कटाय नमः  
 ॐ हेरम्बाय नमः  
 ॐ शम्बराय नमः

ॐ शम्भवे नमः  
 ॐ लम्बकर्णाय नमः  
 ॐ महाबलाय नमः  
 ॐ नन्दनाय नमः  
 ॐ अलम्पटाय नमः  
 ॐ अभीरवे नमः ३०  
 ॐ भीमाय नमः  
 ॐ मेघनादाय नमः  
 ॐ गणञ्जयाय नमः  
 ॐ विनायकाय नमः  
 ॐ विरूपाक्षाय नमः  
 ॐ धीरशूराय नमः  
 ॐ वरप्रदाय नमः  
 ॐ महागणपतये नमः  
 ॐ बुद्धिप्रियाय नमः  
 ॐ क्षिप्रप्रसादनाय नमः ४०  
 ॐ रुद्रप्रियाय नमः  
 ॐ गणाध्यक्षाय नमः  
 ॐ उमापुत्राय नमः  
 ॐ अघनाशनाय नमः  
 ॐ कुमारगुरवे नमः  
 ॐ ईशानपुत्राय नमः  
 ॐ मूषकवाहनाय नमः  
 ॐ सिद्धिप्रियाय नमः

ॐ सिद्धिपतये नमः

ॐ सिद्धाय नमः ५०

ॐ सिद्धिविनायकाय नमः

ॐ अविघ्नाय नमः

ॐ तुम्बुरुवे नमः

ॐ सिंहवाहनाय नमः

ॐ मोहिनीप्रियाय नमः

ॐ कटङ्कटाय नमः

ॐ राजपुत्राय नमः

ॐ शकलाय नमः

ॐ सम्मिताय नमः

ॐ अमिताय नमः ६०

ॐ कूश्माण्डसामसम्भूतये नमः

ॐ दुर्जयाय नमः

ॐ धूर्जयाय नमः

ॐ जयाय नमः

ॐ भूपतये नमः

ॐ भुवनेशाय नमः

ॐ भूतानां पतये नमः

ॐ अव्ययाय नमः

ॐ विश्वकर्त्रे नमः

ॐ विश्वमुखाय नमः ७०

ॐ विश्वरूपाय नमः

ॐ निधये नमः

ॐ घृणये नमः

ॐ कवये नमः

ॐ कवीनामृषभाय नमः

ॐ ब्रह्मण्याय नमः

ॐ ब्रह्मणस्पतये नमः

ॐ ज्येष्ठराजाय नमः

ॐ निधिपतये नमः

ॐ निधिप्रियपतिप्रियाय नमः ८०

ॐ हिरण्मयपुरान्तःस्थाय नमः

ॐ सूर्यमण्डलमध्यगाय नमः

ॐ कराहतिध्वस्तसिन्धुसलिलाय नमः

ॐ पूषदन्तहृते नमः

ॐ उमाङ्गकेलिकुतुकिने नमः

ॐ मुक्तिदाय नमः

ॐ कुलपालकाय नमः

ॐ किरीटिने नमः

ॐ कुण्डलिने नमः

ॐ हारिणे नमः ९०

ॐ वनमालिने नमः

ॐ मनोमयाय नमः

ॐ वैमुख्यहतदैत्यश्रियै नमः

ॐ पादाहत्याजितक्षितये नमः

ॐ सद्योजाताय नमः

ॐ स्वर्णमुञ्जमेखलिने नमः

ॐ दुर्निमित्तहृते नमः

ॐ दुःस्वप्नहृते नमः

ॐ प्रहसनाय नमः

ॐ गुणिने नमः १००  
 ॐ नादप्रतिष्ठिताय नमः  
 ॐ सुरूपाय नमः  
 ॐ सर्वनेत्राधिवासाय नमः  
 ॐ वीरासनाश्रयाय नमः  
 ॐ पीताम्बराय नमः  
 ॐ खण्डरदाय नमः  
 ॐ खण्डेन्दुकृतशेखराय नमः  
 ॐ चित्राङ्गश्यामदशनाय नमः  
 ॐ भालचन्द्राय नमः  
 ॐ चतुर्भुजाय नमः ११०  
 ॐ योगाधिपाय नमः  
 ॐ तारकस्थाय नमः  
 ॐ पुरुषाय नमः  
 ॐ गजकर्णकाय नमः  
 ॐ गणाधिराजाय नमः  
 ॐ विजयस्थिराय नमः  
 ॐ गणपतये नमः  
 ॐ ध्वजिने नमः  
 ॐ देवदेवाय नमः  
 ॐ स्मरप्राणदीपकाय नमः १२०  
 ॐ वायुकीलकाय नमः  
 ॐ विपश्चिद्वरदाय नमः  
 ॐ नादोन्नादभिन्नबलाहकाय नमः  
 ॐ वाराहरदनाय नमः  
 ॐ मृत्युञ्जयाय नमः

ॐ व्याघ्राजिनाम्बराय नमः  
 ॐ इच्छाशक्तिधराय नमः  
 ॐ देवत्रात्रे नमः  
 ॐ दैत्यविमर्दनाय नमः  
 ॐ शम्भुवक्रोद्भवाय नमः १३०  
 ॐ शम्भुकोपघ्ने नमः  
 ॐ शम्भुहास्यभुवे नमः  
 ॐ शम्भुतेजसे नमः  
 ॐ शिवाशोकहारिणे नमः  
 ॐ गौरीसुखावहाय नमः  
 ॐ उमाङ्गमलजाय नमः  
 ॐ गौरीतेजोभुवे नमः  
 ॐ स्वर्धुनीभवाय नमः  
 ॐ यज्ञकायाय नमः  
 ॐ महानादाय नमः १४०  
 ॐ गिरिवर्ष्मणे नमः  
 ॐ शुभाननाय नमः  
 ॐ सर्वात्मने नमः  
 ॐ सर्वदेवात्मने नमः  
 ॐ ब्रह्ममूर्ध्ने नमः  
 ॐ ककुप्श्रुतये नमः  
 ॐ ब्रह्माण्डकुम्भाय नमः  
 ॐ चिद्बोमभालाय नमः  
 ॐ सत्यशिरोरुहाय नमः  
 ॐ जगज्जन्मलयोन्मेष-निमिषाय  
 नमः १५०

ॐ अग्न्यर्कसोमदृशे नमः  
 ॐ गिरीन्द्रैकरदाय नमः  
 ॐ धर्माय नमः  
 ॐ धर्मिष्ठाय नमः  
 ॐ सामबृंहिताय नमः  
 ॐ ग्रहर्क्षदशनाय नमः  
 ॐ वाणीजिह्वाय नमः  
 ॐ वासवनासिकाय नमः  
 ॐ भ्रूमध्यसंस्थितकराय नमः  
 ॐ ब्रह्मविद्यामदोत्कटाय नमः  
 १६०  
 ॐ कुलाचलांसाय नमः  
 ॐ सोमार्कघण्टाय नमः  
 ॐ रुद्रशिरोधराय नमः  
 ॐ नदीनदभुजाय नमः  
 ॐ सर्पाङ्गुलीकाय नमः  
 ॐ तारकानखाय नमः  
 ॐ व्योमनाभये नमः  
 ॐ श्रीहृदयाय नमः  
 ॐ मेरुपृष्ठाय नमः  
 ॐ अर्णवोदराय नमः १७०  
 ॐ कुक्षिस्थ-यक्ष-गन्धर्व-रक्षः-  
 किन्नर-मानुषाय  
 नमः  
 ॐ पृथ्वीकटये नमः  
 ॐ सृष्टिलिङ्गाय नमः

ॐ शैलोरवे नमः  
 ॐ दस्त्रजानुकाय नमः  
 ॐ पातालजङ्घाय नमः  
 ॐ मुनिपात्कालाङ्गुष्ठाय नमः  
 ॐ त्रयीतनवे नमः  
 ॐ ज्योतिषे नमः  
 ॐ मण्डललाङ्गूलाय नमः १८०  
 ॐ हृदयालातनिश्चलाय नमः  
 ॐ हृत्पद्मकर्णिकाशालिने नमः  
 ॐ वियत्केलिसरोवराय नमः  
 ॐ सद्भक्तध्याननिगडाय नमः  
 ॐ पूजावारिनिवारिताय नमः  
 ॐ प्रतापिने नमः  
 ॐ कश्यपसुताय नमः  
 ॐ गणपाय नमः  
 ॐ विष्टपिने नमः  
 ॐ बलिने नमः १९०  
 ॐ यशस्विने नमः  
 ॐ धार्मिकाय नमः  
 ॐ स्वोजसे नमः  
 ॐ प्रथमाय नमः  
 ॐ प्रमथेश्वराय नमः  
 ॐ चिन्तामणये नमः  
 ॐ दीपपतये नमः  
 ॐ कल्पद्रुमवनालयाय नमः  
 ॐ रत्नमण्डपमध्यस्थाय नमः

ॐ रत्नसिंहासनाश्रयाय नमः २००  
 ॐ तीव्राशिरसे नमः  
 ॐ धृतपदाय नमः  
 ॐ ज्वलिनीमौलिलालिताय नमः  
 ॐ नन्दानन्दितपीठश्रिये नमः  
 ॐ भोगदाय नमः  
 ॐ भूषितासनाय नमः  
 ॐ सकामदायिनीपीठाय नमः  
 ॐ स्फुरदुग्रासनाश्रयाय नमः  
 ॐ तेजोवतीशिरोरत्नाय नमः  
 ॐ सत्यानित्यावतंसिताय नमः  
 २१०  
 ॐ सविघ्ननाशिनीपीठाय नमः  
 ॐ सर्वशक्त्यम्बुजाश्रयाय नमः  
 ॐ लिपिपद्मासनाधाराय नमः  
 ॐ वह्निधाम्ने नमः  
 ॐ त्रयाश्रयाय नमः  
 ॐ उन्नतप्रपदागूढगुल्फ-  
 संवृतपार्ष्णीकाय  
 नमः  
 ॐ पीनजङ्घाय नमः  
 ॐ श्लिष्टजानवे नमः  
 ॐ स्थूलोरवे नमः  
 ॐ प्रोन्नमत्कटये नमः २२०  
 ॐ निम्ननाभये नमः  
 ॐ स्थूलकुक्षये नमः

ॐ पीनवक्षसे नमः  
 ॐ बृहद्भुजाय नमः  
 ॐ पीनस्कन्धाय नमः  
 ॐ कम्बुकण्ठाय नमः  
 ॐ लम्बोष्ठाय नमः  
 ॐ लम्बनासिकाय नमः  
 ॐ भग्नवामरदाय नमः  
 ॐ तुङ्गसव्यदन्ताय नमः २३०  
 ॐ महाहनवे नमः  
 ॐ ह्रस्वनेत्रत्रयाय नमः  
 ॐ शूर्पकर्णाय नमः  
 ॐ निविडमस्तकाय नमः  
 ॐ स्तम्बकाकारकुम्भाग्राय नमः  
 ॐ रत्नमौलये नमः  
 ॐ निरङ्कुशाय नमः  
 ॐ सर्पहारकटीसूत्राय नमः  
 ॐ सर्पयज्ञोपवीतवते नमः  
 ॐ सर्पकोटीरकटकाय नमः २४०  
 ॐ सर्पग्रैवेयकाङ्गदाय नमः  
 ॐ सर्पकक्ष्योदराबन्धाय नमः  
 ॐ सर्पराजोत्तरीयकाय नमः  
 ॐ रक्ताय नमः  
 ॐ रक्ताम्बरधराय नमः  
 ॐ रक्तमाल्यविभूषणाय नमः  
 ॐ रक्तेक्षणाय नमः  
 ॐ रक्तकराय नमः

ॐ रक्तताल्वोष्ठपल्लवाय नमः  
 ॐ श्वेताय नमः २५०  
 ॐ श्वेताम्बरधराय नमः  
 ॐ श्वेतमाल्यविभूषणाय नमः  
 ॐ श्वेतातपत्ररुचिराय नमः  
 ॐ श्वेतचामरवीजिताय नमः  
 ॐ सर्वावयवसम्पूर्णाय नमः  
 ॐ सर्वलक्षणलक्षिताय नमः  
 ॐ सर्वाभरणशोभाढ्याय नमः  
 ॐ सर्वशोभासमन्विताय नमः  
 ॐ सर्वमङ्गलमाङ्गल्याय नमः  
 ॐ सर्वकारणकारणाय नमः २६०  
 ॐ सर्वदैककराय नमः  
 ॐ शार्ङ्गिणे नमः  
 ॐ बीजापूरगदाधराय नमः  
 ॐ इक्षुचापधराय नमः  
 ॐ शूलिने नमः  
 ॐ चक्रपाणये नमः  
 ॐ सरोजभृते नमः  
 ॐ पाशिने नमः  
 ॐ धृतोत्पलाय नमः  
 ॐ शालिमञ्जरीभृते नमः २७०  
 ॐ स्वदन्तभृते नमः  
 ॐ कल्पवल्लीधराय नमः  
 ॐ विश्वाभयदैककराय नमः  
 ॐ वशिने नमः

ॐ अक्षमालाधराय नमः  
 ॐ ज्ञानमुद्रावते नमः  
 ॐ मुद्रायुधाय नमः  
 ॐ पूर्णपात्रिणे नमः  
 ॐ कम्बुधराय नमः  
 ॐ विधूतालिसमूहकाय नमः २८०  
 ॐ मातुलुङ्गधराय नमः  
 ॐ चूतकलिकाभृते नमः  
 ॐ कुठारवते नमः  
 ॐ पुष्करस्थाय नमः  
 ॐ स्वर्णघटीपूर्णरत्नाभिवर्षकाय  
 नमः  
 ॐ भारतीसुन्दरीनाथाय नमः  
 ॐ विनायकरतिप्रियाय नमः  
 ॐ महालक्ष्मीप्रियतमाय नमः  
 ॐ सिद्धलक्ष्मीमनोरमाय नमः  
 ॐ रमारमेशपूर्वाङ्गाय नमः २९०  
 ॐ दक्षिणोमामहेश्वराय नमः  
 ॐ महीवराहवामाङ्गाय नमः  
 ॐ रतिकन्दर्पपश्चिमाय नमः  
 ॐ आमोदमोदजननाय नमः  
 ॐ सप्रमोदाय नमः  
 ॐ प्रमोदनाय नमः  
 ॐ सामैधित्रे नमः  
 ॐ समिद्धश्रिये नमः  
 ॐ ऋद्धिसिद्धिप्रवर्तकाय नमः



ॐ दत्तसौमुख्यसुमुखाय नमः ३००  
 ॐ कान्तिकन्दलिताश्रयाय नमः  
 ॐ मदनावत्याश्रिताङ्घ्रये नमः  
 ॐ कृतदौर्मुख्यदुर्मुखाय नमः  
 ॐ विघ्नसम्पल्लवोपघ्नाय नमः  
 ॐ सेवोन्निद्रमदद्रवाय नमः  
 ॐ विघ्नकृन्निघ्नचरणाय नमः  
 ॐ द्राविणीशक्तिसत्कृताय नमः  
 ॐ तीव्राप्रसन्ननयनाय नमः  
 ॐ ज्वालिनीपालितैकदृशे नमः  
 ॐ मोहिनीमोहनाय नमः ३१०  
 ॐ भोगदायिनीकान्तिमण्डिताय  
 नमः  
 ॐ कामिनीकान्तवक्रश्रिये नमः  
 ॐ अधिष्ठितवसुन्धराय नमः  
 ॐ वसुन्धरामदोन्नद्धाय नमः  
 ॐ महाशङ्खनिधये नमः  
 ॐ प्रभवे नमः  
 ॐ नमद्वसुमतीमौलये नमः  
 ॐ महापद्मनिधिप्रभवे नमः  
 ॐ सर्वसद्गुणसंसेव्याय नमः  
 ॐ शोचिष्केशहृदाश्रयाय नमः  
 ३२०  
 ॐ ईशानमूर्ध्ने नमः  
 ॐ देवेन्द्रशिखाय नमः  
 ॐ पवननन्दनाय नमः

ॐ अग्रप्रत्यग्रनयनाय नमः  
 ॐ दिव्यास्त्राणां प्रयोगविदे नमः  
 ॐ ऐरावतादिसर्वाशावारणावरण-  
 प्रियाय  
 नमः  
 ॐ वज्राद्यस्त्रपरीवाराय नमः  
 ॐ गणचण्डसमाश्रयाय नमः  
 ॐ जयाजयपरीवाराय नमः  
 ॐ विजयाविजयावहाय नमः ३३०  
 ॐ अजिताजितपादाब्जाय नमः  
 ॐ नित्यानित्यावतंसिताय नमः  
 ॐ विलासिनीकृतोल्लासाय नमः  
 ॐ शौण्डिसौन्दर्यमण्डिताय नमः  
 ॐ अनन्तानन्तसुखदाय नमः  
 ॐ सुमङ्गलसुमङ्गलाय नमः  
 ॐ इच्छाशक्ति-ज्ञानशक्ति-  
 क्रियाशक्ति-निषेविताय  
 नमः  
 ॐ सुभगासंश्रितपदाय नमः  
 ॐ ललिताललिताश्रयाय नमः  
 ॐ कामिनीकामनाय नमः ३४०  
 ॐ कामाय नमः  
 ॐ मानिनीकेलिलालिताय नमः  
 ॐ सरस्वत्याश्रयाय नमः  
 ॐ गौरीनन्दनाय नमः  
 ॐ श्रीनिकेतनाय नमः

ॐ गुरुगुप्तपदाय नमः  
 ॐ वाचा सिद्धाय नमः  
 ॐ वागीश्वरेश्वराय नमः  
 ॐ नलिनीकामुकाय नमः  
 ॐ वामारामाय नमः ३५०  
 ॐ ज्येष्ठामनोरमाय नमः  
 ॐ रौद्रीमुद्रितपादाब्जाय नमः  
 ॐ हुम्बीजाय नमः  
 ॐ तुङ्गशक्तिकाय नमः  
 ॐ विश्वादिजननत्राणाय नमः  
 ॐ स्वाहाशक्तये नमः  
 ॐ सकीलकाय नमः  
 ॐ अमृताब्धिकृतावासाय नमः  
 ॐ मदघूर्णितलोचनाय नमः  
 ॐ उच्छिष्टगणाय नमः ३६०  
 ॐ उच्छिष्टगणेशाय नमः  
 ॐ गणनायकाय नमः  
 ॐ सार्वकालिकसंसिद्धये नमः  
 ॐ नित्यशैवाय नमः  
 ॐ दिगम्बराय नमः  
 ॐ अनपायाय नमः  
 ॐ अनन्तदृष्टये नमः  
 ॐ अप्रमेयाय नमः  
 ॐ अजरामराय नमः  
 ॐ अनाविलाय नमः ३७०  
 ॐ अप्रतिरथाय नमः

ॐ अच्युताय नमः  
 ॐ अमृताय नमः  
 ॐ अक्षराय नमः  
 ॐ अप्रतर्क्याय नमः  
 ॐ अक्षयाय नमः  
 ॐ अजय्याय नमः  
 ॐ अनाधाराय नमः  
 ॐ अनामयाय नमः  
 ॐ अमोघसिद्धये नमः ३८०  
 ॐ अद्वैताय नमः  
 ॐ अघोराय नमः  
 ॐ अप्रमिताननाय नमः  
 ॐ अनाकाराय नमः  
 ॐ अधिभूम्यग्निबलघ्नाय नमः  
 ॐ अव्यक्तलक्षणाय नमः  
 ॐ आधारपीठाय नमः  
 ॐ आधाराय नमः  
 ॐ आधाराधेयवर्जिताय नमः  
 ॐ आखुकेतनाय नमः ३९०  
 ॐ आशापूरकाय नमः  
 ॐ आखुमहारथाय नमः  
 ॐ इक्षुसागरमध्यस्थाय नमः  
 ॐ इक्षुभक्षणलालसाय नमः  
 ॐ इक्षुचापातिरेकश्रिये नमः  
 ॐ इक्षुचापनिषेविताय नमः  
 ॐ इन्द्रगोपसमानश्रिये नमः

ॐ इन्द्रनीलसमद्युतये नमः  
 ॐ इन्दीवरदलश्यामाय नमः  
 ॐ इन्दुमण्डलनिर्मलाय नमः ४००  
 ॐ इन्द्रप्रियाय नमः  
 ॐ इडाभागाय नमः  
 ॐ इडाधामेन्दिराप्रियाय नमः  
 ॐ इक्ष्वाकुविघ्नविध्वंसिने नमः  
 ॐ इतिकर्तव्यतेप्सिताय नमः  
 ॐ ईशानमौलये नमः  
 ॐ ईशानाय नमः  
 ॐ ईशानसुताय नमः  
 ॐ ईतिघ्ने नमः  
 ॐ ईषणात्रयकल्पान्ताय नमः ४१०  
 ॐ ईहामात्रविवर्जिताय नमः  
 ॐ उपेन्द्राय नमः  
 ॐ उडुभृन्मौलिरुण्डेरकबलि-  
 प्रियाय नमः  
 ॐ उन्नताननाय नमः  
 ॐ उत्तुङ्गाय नमः  
 ॐ उदारत्रिदशाग्रण्ये नमः  
 ॐ ऊर्जस्वते नमः  
 ॐ ऊष्मलमदाय नमः  
 ॐ ऊहापोहदुरासदाय नमः  
 ॐ ऋग्यजुःसामसम्भूतये नमः  
 ४२०  
 ॐ ऋद्धिसिद्धिप्रवर्तकाय नमः

ॐ ऋजुचित्तैकसुलभाय नमः  
 ॐ ऋणत्रयविमोचकाय नमः  
 ॐ स्वभक्तानां लुप्तविघ्नाय नमः  
 ॐ सुरद्विषां लुप्तशक्तये नमः  
 ॐ विमुखार्चानां लुप्तश्रिये नमः  
 ॐ लूताविस्फोटनाशनाय नमः  
 ॐ एकारपीठमध्यस्थाय नमः  
 ॐ एकपादकृतासनाय नमः  
 ॐ एजिताखिलदैत्यश्रिये नमः  
 ४३०  
 ॐ एजिताखिलसंश्रयाय नमः  
 ॐ ऐश्वर्यनिधये नमः  
 ॐ ऐश्वर्याय नमः  
 ॐ ऐहिकामुष्मिकप्रदाय नमः  
 ॐ ऐरम्मदसमोन्मेषाय नमः  
 ॐ ऐरावतनिभाननाय नमः  
 ॐ ओङ्कारवाच्याय नमः  
 ॐ ओङ्काराय नमः  
 ॐ ओजस्वते नमः  
 ॐ ओषधिपतये नमः ४४०  
 ॐ औदार्यनिधये नमः  
 ॐ औद्धत्यधुर्याय नमः  
 ॐ औन्नत्यनिःस्वनाय नमः  
 ॐ सुरनागानाम् अङ्कुशाय नमः  
 ॐ सुरविद्विषाम् अङ्कुशाय नमः  
 ॐ असमस्तविसर्गाणां पदेषु

परिकीर्तिताय नमः

ॐ कमण्डलुधराय नमः

ॐ कल्पाय नमः

ॐ कपर्दिने नमः

ॐ कलभाननाय नमः ४५०

ॐ कर्मसाक्षिणे नमः

ॐ कर्मकर्त्रे नमः

ॐ कर्मकर्मफलप्रदाय नमः

ॐ कदम्बगोलकाकाराय नमः

ॐ कूश्माण्डगणनायकाय नमः

ॐ कारुण्यदेहाय नमः

ॐ कपिलाय नमः

ॐ कथकाय नमः

ॐ कटिसूत्रभृते नमः

ॐ खर्वाय नमः ४६०

ॐ खङ्गप्रियाय नमः

ॐ खङ्गखातान्तःस्थाय नमः

ॐ खनिर्मलाय नमः

ॐ खल्वाटशृङ्गनिलयाय नमः

ॐ खट्वाङ्गिने नमः

ॐ खन्दुरासदाय नमः

ॐ गुणाढ्याय नमः

ॐ गहनाय नमः

ॐ गस्थाय नमः

ॐ गद्यपद्यसुधाधर्वाय नमः ४७०

ॐ गद्यगानप्रियाय नमः

ॐ गर्जाय नमः

ॐ गीतगीर्वाणपूर्वजाय नमः

ॐ गुह्याचाररताय नमः

ॐ गुह्याय नमः

ॐ गुह्यागमनिरूपिताय नमः

ॐ गुहाशयाय नमः

ॐ गुहाब्धिस्थाय नमः

ॐ गुरुगम्याय नमः

ॐ गुरोर्गुरवे नमः ४८०

ॐ घण्टाघर्घरिकामालिने नमः

ॐ घटकुम्भाय नमः

ॐ घटोदराय नमः

ॐ चण्डाय नमः

ॐ चण्डेश्वरसुहृदे नमः

ॐ चण्डेशाय नमः

ॐ चण्डविक्रमाय नमः

ॐ चराचरपतये नमः

ॐ चिन्तामणये नमः

ॐ चर्वणलालसाय नमः ४९०

ॐ छन्दसे नमः

ॐ छन्दोवपुषे नमः

ॐ छन्दोदुर्लक्ष्याय नमः

ॐ छन्दविग्रहाय नमः

ॐ जगद्योनये नमः

ॐ जगत्साक्षिणे नमः

ॐ जगदीशाय नमः

ॐ जगन्मयाय नमः  
 ॐ जपाय नमः  
 ॐ जपपराय नमः ५००  
 ॐ जप्याय नमः  
 ॐ जिह्वासिंहासनप्रभवे नमः  
 ॐ झलज्झल्लोलसद्धान-  
 झङ्कारिभ्रमराकुलाय  
 नमः  
 ॐ टङ्कारस्फारसंरावाय नमः  
 ॐ टङ्कारिमणिनूपुराय नमः  
 ॐ ठद्वयिने नमः  
 ॐ पल्लवान्तःस्थाय नमः  
 ॐ सर्वमन्त्रैकसिद्धिदाय नमः  
 ॐ डिण्डिमुण्डाय नमः  
 ॐ डाकिनीशाय नमः ५१०  
 ॐ डामराय नमः  
 ॐ डिण्डिमप्रियाय नमः  
 ॐ ढक्कानिनादमुदिताय नमः  
 ॐ ढौकाय नमः  
 ॐ दुण्ढिविनायकाय नमः  
 ॐ तत्त्वानां परमतत्त्वाय नमः  
 ॐ तत्त्वम्पदनिरूपिताय नमः  
 ॐ तारकान्तरसंस्थानाय नमः  
 ॐ तारकाय नमः  
 ॐ तारकान्तकाय नमः ५२०  
 ॐ स्थाणवे नमः

ॐ स्थाणुप्रियाय नमः  
 ॐ स्थात्रे नमः  
 ॐ स्थावराय जङ्गमाय जगते नमः  
 ॐ दक्षयज्ञप्रमथनाय नमः  
 ॐ दात्रे नमः  
 ॐ दानवमोहनाय नमः  
 ॐ दयावते नमः  
 ॐ दिव्यविभवाय नमः  
 ॐ दण्डभृते नमः ५३०  
 ॐ दण्डनायकाय नमः  
 ॐ दन्तप्रभिन्नाभ्रमालाय नमः  
 ॐ दैत्यवारणदारणाय नमः  
 ॐ दंष्ट्रालग्नद्विपघटाय नमः  
 ॐ देवार्थनृगजाकृतये नमः  
 ॐ धनधान्यपतये नमः  
 ॐ धन्याय नमः  
 ॐ धनदाय नमः  
 ॐ धरणीधराय नमः  
 ॐ ध्यानैकप्रकटाय नमः ५४०  
 ॐ ध्येयाय नमः  
 ॐ ध्यानाय नमः  
 ॐ ध्यानपरायणाय नमः  
 ॐ नन्द्याय नमः  
 ॐ नन्दिप्रियाय नमः  
 ॐ नादाय नमः  
 ॐ नादमध्यप्रतिष्ठिताय नमः

ॐ निष्कलाय नमः  
 ॐ निर्ममाय नमः  
 ॐ नित्याय नमः ५५०  
 ॐ नित्यानित्याय नमः  
 ॐ निरामयाय नमः  
 ॐ परस्मै व्योम्ने नमः  
 ॐ परस्मै धाम्ने नमः  
 ॐ परमात्मने नमः  
 ॐ परस्मै पदाय नमः  
 ॐ परात्परस्मै नमः  
 ॐ पशुपतये नमः  
 ॐ पशुपाशविमोचकाय नमः  
 ॐ पूर्णानन्दाय नमः ५६०  
 ॐ परानन्दाय नमः  
 ॐ पुराणपुरुषोत्तमाय नमः  
 ॐ पद्मप्रसन्ननयनाय नमः  
 ॐ प्रणताज्ञानमोचनाय नमः  
 ॐ प्रमाणप्रत्ययातीताय नमः  
 ॐ प्रणतार्तिनिवारणाय नमः  
 ॐ फलहस्ताय नमः  
 ॐ फणिपतये नमः  
 ॐ फेत्काराय नमः  
 ॐ फणितप्रियाय नमः ५७०  
 ॐ बाणार्चिताङ्घ्रियुगलाय नमः  
 ॐ बालकेलिकुतूहलिने नमः  
 ॐ ब्रह्मणे नमः

ॐ ब्रह्मार्चितपदाय नमः  
 ॐ ब्रह्मचारिणे नमः  
 ॐ बृहस्पतये नमः  
 ॐ बृहत्तमाय नमः  
 ॐ ब्रह्मपराय नमः  
 ॐ ब्रह्मण्याय नमः  
 ॐ ब्रह्मवित्प्रियाय नमः ५८०  
 ॐ बृहन्नादाग्यचीत्काराय नमः  
 ॐ ब्रह्माण्डावलिमेखलाय नमः  
 ॐ भ्रूक्षेपदत्तलक्ष्मीकाय नमः  
 ॐ भर्गाय नमः  
 ॐ भद्राय नमः  
 ॐ भयापहाय नमः  
 ॐ भगवते नमः  
 ॐ भक्तिसुलभाय नमः  
 ॐ भूतिदाय नमः  
 ॐ भूतिभूषणाय नमः ५९०  
 ॐ भव्याय नमः  
 ॐ भूतालयाय नमः  
 ॐ भोगदात्रे नमः  
 ॐ भ्रूमध्यगोचराय नमः  
 ॐ मन्त्राय नमः  
 ॐ मन्त्रपतये नमः  
 ॐ मन्त्रिणे नमः  
 ॐ मदमत्तमाय नमः  
 ॐ मनोरमाय नमः

ॐ मेखलावते नमः ६००  
 ॐ मन्दगतये नमः  
 ॐ मतिमते नमः  
 ॐ कमलेक्षणाय नमः  
 ॐ महाबलाय नमः  
 ॐ महावीराय नमः  
 ॐ महाप्राणाय नमः  
 ॐ महामनसे नमः  
 ॐ यज्ञाय नमः  
 ॐ यज्ञपतये नमः  
 ॐ यज्ञगोत्रे नमः ६१०  
 ॐ यज्ञफलप्रदाय नमः  
 ॐ यशस्कराय नमः  
 ॐ योगगम्याय नमः  
 ॐ याज्ञिकाय नमः  
 ॐ याजकप्रियाय नमः  
 ॐ रसाय नमः  
 ॐ रसप्रियाय नमः  
 ॐ रस्याय नमः  
 ॐ रञ्जकाय नमः  
 ॐ रावणार्चिताय नमः ६२०  
 ॐ रक्षोरक्षाकराय नमः  
 ॐ रत्नगर्भाय नमः  
 ॐ राज्यसुखप्रदाय नमः  
 ॐ लक्ष्यालक्षप्रदाय नमः  
 ॐ लक्ष्याय नमः

ॐ लयस्थाय नमः  
 ॐ लङ्कुकप्रियाय नमः  
 ॐ लानप्रियाय नमः  
 ॐ लास्यपदाय नमः  
 ॐ लाभकृते नमः ६३०  
 ॐ लोकविश्रुताय नमः  
 ॐ वरेण्याय नमः  
 ॐ वह्निवदनाय नमः  
 ॐ वन्द्याय नमः  
 ॐ वेदान्तगोचराय नमः  
 ॐ विकर्त्रे नमः  
 ॐ विश्वतश्चक्षुषे नमः  
 ॐ विधात्रे नमः  
 ॐ विश्वतोमुखाय नमः  
 ॐ वामदेवाय नमः ६४०  
 ॐ विश्वनेत्रे नमः  
 ॐ वज्रिणे नमः  
 ॐ वज्रनिवारणाय नमः  
 ॐ विश्वबन्धनविष्कम्भाधाराय  
 नमः  
 ॐ विश्वेश्वरप्रभवे नमः  
 ॐ शब्दब्रह्मणे नमः  
 ॐ शमप्राप्याय नमः  
 ॐ शम्भुशक्तिगणेश्वराय नमः  
 ॐ शास्त्रे नमः  
 ॐ शिखाग्रनिलयाय नमः ६५०

ॐ शरण्याय नमः  
 ॐ शिखरीश्वराय नमः  
 ॐ षट्तुकुसुमस्त्रग्विणे नमः  
 ॐ षडाधाराय नमः  
 ॐ षडक्षराय नमः  
 ॐ संसारवैद्याय नमः  
 ॐ सर्वज्ञाय नमः  
 ॐ सर्वभेषजभेषजाय नमः  
 ॐ सृष्टिस्थितिलयक्रीडाय नमः  
 ॐ सुरकुञ्जरभेदनाय नमः ६६०  
 ॐ सिन्दूरितमहाकुम्भाय नमः  
 ॐ सदसद्व्यक्तिदायकाय नमः  
 ॐ साक्षिणे नमः  
 ॐ समुद्रमथनाय नमः  
 ॐ स्वसंवेद्याय नमः  
 ॐ स्वदक्षिणाय नमः  
 ॐ स्वतन्त्राय नमः  
 ॐ सत्यसङ्कल्पाय नमः  
 ॐ सामगानरताय नमः  
 ॐ सुखिने नमः ६७०  
 ॐ हंसाय नमः  
 ॐ हस्तिपिशाचीशाय नमः  
 ॐ हवनाय नमः  
 ॐ हव्यकव्यभुजे नमः  
 ॐ हव्याय नमः  
 ॐ हुतप्रियाय नमः

ॐ हर्षाय नमः  
 ॐ हल्लेखामन्त्रमध्यगाय नमः  
 ॐ क्षेत्राधिपाय नमः  
 ॐ क्षमाभर्त्रे नमः ६८०  
 ॐ क्षमापरपरायणाय नमः  
 ॐ क्षिप्रक्षेमकराय नमः  
 ॐ क्षेमानन्दाय नमः  
 ॐ क्षोणीसुरदुमाय नमः  
 ॐ धर्मप्रदाय नमः  
 ॐ अर्थदाय नमः  
 ॐ कामदात्रे नमः  
 ॐ सौभाग्यवर्धनाय नमः  
 ॐ विद्याप्रदाय नमः  
 ॐ विभवदाय नमः ६९०  
 ॐ भुक्तिमुक्तिफलप्रदाय नमः  
 ॐ आभिरूप्यकराय नमः  
 ॐ वीराय नमः  
 ॐ श्रीप्रदाय नमः  
 ॐ विजयप्रदाय नमः  
 ॐ सर्ववश्यकराय नमः  
 ॐ गर्भदोषघ्ने नमः  
 ॐ पुत्रपौत्रदाय नमः  
 ॐ मेघादाय नमः  
 ॐ कीर्तिदाय नमः ७००  
 ॐ शोकहारिणे नमः  
 ॐ दौर्भाग्यनाशनाय नमः



ॐ श्रीशोकहारिणे नमः  
 ॐ दौर्भाग्यनाशनाय नमः  
 ॐ सर्वशक्तिभृते नमः  
 ॐ प्रतिवादिमुखस्तम्भाय नमः  
 ॐ हृष्टचित्तप्रसादनाय नमः  
 ॐ पराभिचारशमनाय नमः  
 ॐ दुःखभञ्जनकारकाय नमः  
 ॐ लवाय नमः ७१०  
 ॐ त्रुटये नमः  
 ॐ कलायै नमः  
 ॐ काष्ठायै नमः  
 ॐ निमेषाय नमः  
 ॐ तत्पराय नमः  
 ॐ क्षणाय नमः  
 ॐ घट्यै नमः  
 ॐ मुहूर्ताय नमः  
 ॐ प्रहराय नमः  
 ॐ दिवानक्ताय नमः ७२०  
 ॐ अहर्निशाय नमः  
 ॐ पक्षाय नमः  
 ॐ मासाय नमः  
 ॐ अयनाय नमः  
 ॐ वर्षाय नमः  
 ॐ युगाय नमः  
 ॐ कल्पाय नमः  
 ॐ महालयाय नमः

ॐ राशये नमः  
 ॐ तारायै नमः ७३०  
 ॐ तिथये नमः  
 ॐ योगाय नमः  
 ॐ वाराय नमः  
 ॐ करणाय नमः  
 ॐ अंशकाय नमः  
 ॐ लग्नाय नमः  
 ॐ होरायै नमः  
 ॐ कालचक्राय नमः  
 ॐ मेरवे नमः  
 ॐ सप्तऋषिभ्यो नमः ७४०  
 ॐ ध्रुवाय नमः  
 ॐ राहवे नमः  
 ॐ मन्दाय नमः  
 ॐ कवये नमः  
 ॐ जीवाय नमः  
 ॐ बुधाय नमः  
 ॐ भौमाय नमः  
 ॐ शशिने नमः  
 ॐ रवये नमः  
 ॐ कालाय नमः ७५०  
 ॐ सृष्टिस्थितये नमः  
 ॐ विश्वस्मै नमः  
 ॐ स्थावराय नमः  
 ॐ जङ्गमाय नमः

ॐ जगते नमः  
 ॐ भुवे नमः  
 ॐ अद्भ्यो नमः  
 ॐ अग्नये नमः  
 ॐ मरुद्भ्यो नमः  
 ॐ व्योम्ने नमः ७६०  
 ॐ अहङ्कृतये नमः  
 ॐ प्रकृतये नमः  
 ॐ पुंसे नमः  
 ॐ ब्रह्मणे नमः  
 ॐ विष्णवे नमः  
 ॐ शिवाय नमः  
 ॐ रुद्राय नमः  
 ॐ ईशाय नमः  
 ॐ शक्तये नमः  
 ॐ सदाशिवाय नमः ७७०  
 ॐ त्रिदशेभ्यो नमः  
 ॐ पितृभ्यो नमः  
 ॐ सिद्धेभ्यो नमः  
 ॐ यक्षेभ्यो नमः  
 ॐ रक्षोभ्यो नमः  
 ॐ किन्नरेभ्यो नमः  
 ॐ साध्येभ्यो नमः  
 ॐ विद्याधरेभ्यो नमः  
 ॐ भूतेभ्यो नमः  
 ॐ मनुष्येभ्यो नमः ७८०

ॐ पशुभ्यो नमः  
 ॐ खगेभ्यो नमः  
 ॐ समुद्रेभ्यो नमः  
 ॐ सरिद्भ्यो नमः  
 ॐ शैलेभ्यो नमः  
 ॐ भूतभव्यभवोद्भवाय नमः  
 ॐ साङ्ख्याय नमः  
 ॐ पातञ्जलयोगाय नमः  
 ॐ पुराणेभ्यो नमः  
 ॐ श्रुतये नमः ७९०  
 ॐ स्मृतये नमः  
 ॐ वेदाङ्गेभ्यो नमः  
 ॐ सदाचाराय नमः  
 ॐ मीमांसायै नमः  
 ॐ न्यायविस्तराय नमः  
 ॐ आयुर्वेदाय नमः  
 ॐ धनुर्वेदाय नमः  
 ॐ गान्धर्वाय नमः  
 ॐ काव्यनाटकाय नमः  
 ॐ वैखानसाय नमः ८००  
 ॐ भागवताय नमः  
 ॐ सात्वताय नमः  
 ॐ पाञ्चरात्रकाय नमः  
 ॐ शैवाय नमः  
 ॐ पाशुपताय नमः  
 ॐ कालमुखाय नमः

ॐ भैरवशासनाय नमः  
 ॐ शाक्ताय नमः  
 ॐ वैनायकाय नमः  
 ॐ सौराय नमः ८१०  
 ॐ जैनाय नमः  
 ॐ आर्हतसंहितायै नमः  
 ॐ सते नमः  
 ॐ असते नमः  
 ॐ व्यक्ताय नमः  
 ॐ अव्यक्ताय नमः  
 ॐ सचेतनाय नमः  
 ॐ अचेतनाय नमः  
 ॐ बन्धाय नमः  
 ॐ मोक्षाय नमः ८२०  
 ॐ सुखाय नमः  
 ॐ भोगाय नमः  
 ॐ योगाय नमः  
 ॐ सत्याय नमः  
 ॐ अणवे नमः  
 ॐ महते नमः  
 ॐ स्वस्ति-हुं-फट्-स्वधा-स्वाहा-  
 श्रौषड्-वौषड्-वषण्-नमः  
 ॐ ज्ञानविज्ञानाय नमः  
 ॐ आनन्दाय नमः  
 ॐ बोधाय नमः ८३०  
 ॐ संविदे नमः

ॐ शमाय नमः  
 ॐ यमाय नमः  
 ॐ एकस्मै नमः  
 ॐ एकाक्षराधाराय नमः  
 ॐ एकाक्षरपरायणाय नमः  
 ॐ एकाग्रधिये नमः  
 ॐ एकवीराय नमः  
 ॐ एकानेकस्वरूपधृषे नमः  
 ॐ द्विरूपाय नमः ८४०  
 ॐ द्विभुजाय नमः  
 ॐ द्व्यक्षाय नमः  
 ॐ द्विरदाय नमः  
 ॐ द्वीपरक्षकाय नमः  
 ॐ द्वैमातुराय नमः  
 ॐ द्विवदनाय नमः  
 ॐ द्वन्द्वातीताय नमः  
 ॐ द्वयातिगाय नमः  
 ॐ त्रिधाम्ने नमः  
 ॐ त्रिकराय नमः ८५०  
 ॐ त्रेत्रे नमः  
 ॐ त्रिवर्गफलदायकाय नमः  
 ॐ त्रिगुणात्मने नमः  
 ॐ त्रिलोकादये नमः  
 ॐ त्रिशक्तीशाय नमः  
 ॐ त्रिलोचनाय नमः  
 ॐ चतुर्बाहवे नमः

ॐ चतुर्दन्ताय नमः  
 ॐ चतुरात्मने नमः  
 ॐ चतुर्मुखाय नमः ८६०  
 ॐ चतुर्विधोपायमयाय नमः  
 ॐ चतुर्वर्णाश्रमाश्रयाय नमः  
 ॐ  
 चतुर्विधवचोवृत्तिपरिवृत्तिप्रवर्तकाय  
 नमः  
 ॐ चतुर्थीपूजनप्रीताय नमः  
 ॐ चतुर्थीतिथिसम्भवाय नमः  
 ॐ पञ्चाक्षरात्मने नमः  
 ॐ पञ्चात्मने नमः  
 ॐ पञ्चास्याय नमः  
 ॐ पञ्चकृत्यकृते नमः  
 ॐ पञ्चाधाराय नमः ८७०  
 ॐ पञ्चवर्णाय नमः  
 ॐ पञ्चाक्षरपरायणाय नमः  
 ॐ पञ्चतालाय नमः  
 ॐ पञ्चकराय नमः  
 ॐ पञ्चप्रणवभाविताय नमः  
 ॐ पञ्चब्रह्ममयस्फूर्तये नमः  
 ॐ पञ्चावारणवारिताय नमः  
 ॐ पञ्चभक्ष्यप्रियाय नमः  
 ॐ पञ्चबाणाय नमः  
 ॐ पञ्चशिवात्मकाय नमः ८८०  
 ॐ षट्कोणपीठाय नमः

ॐ षट्कधाम्ने नमः  
 ॐ षड्ग्रन्थिभेदकाय नमः  
 ॐ षडध्वध्वान्तविध्वंसिने नमः  
 ॐ षडङ्गुलमहाहृदाय नमः  
 ॐ षण्मुखाय नमः  
 ॐ षण्मुखभ्रात्रे नमः  
 ॐ षट्शक्तिपरिवारिताय नमः  
 ॐ षड्वैरिवर्गविध्वंसिने नमः  
 ॐ षडूर्मिभयभञ्जनाय नमः ८९०  
 ॐ षट्कर्कदूराय नमः  
 ॐ षट्कर्मनिरताय नमः  
 ॐ षट्संश्रयाय नमः  
 ॐ सप्तपातालचरणाय नमः  
 ॐ सप्तद्वीपोरुमण्डलाय नमः  
 ॐ सप्तस्वर्लोकमुकुटाय नमः  
 ॐ सप्तसप्तिवरप्रदाय नमः  
 ॐ सप्ताङ्गराज्यसुखदाय नमः  
 ॐ सप्तर्षिगणमण्डिताय नमः  
 ॐ सप्तच्छन्दोनिधये नमः ९००  
 ॐ सप्तहोत्रे नमः  
 ॐ सप्तस्वराश्रयाय नमः  
 ॐ सप्ताब्धिकेलिकासाराय नमः  
 ॐ सप्तमातृनिषेविताय नमः  
 ॐ सप्तच्छन्दोमोदमदाय नमः  
 ॐ सप्तच्छन्दसे नमः  
 ॐ मखप्रियाय नमः

ॐ अष्टमूर्तये नमः  
 ॐ ध्येयमूर्तये नमः  
 ॐ अष्टप्रकृतिकारणाय नमः ९१०  
 ॐ अष्टाङ्गयोगफलभुवे नमः  
 ॐ अष्टपत्राम्बुजासनाय नमः  
 ॐ अष्टशक्तिसमृद्धिश्रिये नमः  
 ॐ अष्टैश्वर्यप्रदायकाय नमः  
 ॐ अष्टपीठोपपीठश्रिये नमः  
 ॐ अष्टमातृसमावृताय नमः  
 ॐ अष्टभैरवसेव्याय नमः  
 ॐ अष्टवसुवन्द्याय नमः  
 ॐ अष्टमूर्तिभृते नमः  
 ॐ अष्टचक्रस्फुरन्मूर्तये नमः ९२०  
 ॐ अष्टद्रव्यहविःप्रियाय नमः  
 ॐ नवनागासनाध्यासिने नमः  
 ॐ नवविध्यनुशासित्रे नमः  
 ॐ नवद्वारपुराधाराय नमः  
 ॐ नवद्वारनिकेतनाय नमः  
 ॐ नरनारायणस्तुत्याय नमः  
 ॐ नवदुर्गानिषेविताय नमः  
 ॐ नवनाथमहानाथाय नमः  
 ॐ नवनागविभूषणाय नमः  
 ॐ नवरत्नविचित्राङ्गाय नमः ९३०  
 ॐ नवशक्तिशिरोधृताय नमः  
 ॐ दशात्मकाय नमः  
 ॐ दशभुजाय नमः

ॐ दशदिक्पतिवन्दिताय नमः  
 ॐ दशाध्यायाय नमः  
 ॐ दशप्राणाय नमः  
 ॐ दशेन्द्रियनियामकाय नमः  
 ॐ दशाक्षरमहामन्त्राय नमः  
 ॐ दशाशाव्याधिविग्रहाय नमः  
 ॐ एकादशादिभिर्द्रुतैः संस्तुताय  
 नमः ९४०  
 ॐ एकादशाक्षराय नमः  
 ॐ द्वादशोद्दण्डदोर्दण्डाय नमः  
 ॐ द्वादशान्तनिकेतनाय नमः  
 ॐ त्रयोदशभिदे नमः  
 ॐ आभिन्नविश्वेदेवाधिदैवताय  
 नमः  
 ॐ चतुर्दशेन्द्रप्रभवाय नमः  
 ॐ चतुर्दशमनुप्रभवे नमः  
 ॐ चतुर्दशादिविद्याढ्याय नमः  
 ॐ चतुर्दशजगत्प्रभवे नमः  
 ॐ सामपञ्चदशाय नमः ९५०  
 ॐ पञ्चदशीशीतांशुनिर्मलाय नमः  
 ॐ षोडशाधारनिलयाय नमः  
 ॐ षोडशस्वरमातृकाय नमः  
 ॐ षोडशान्तपदावासाय नमः  
 ॐ षोडशेन्दुकलात्मकाय नमः  
 ॐ कलासप्तदशिने नमः  
 ॐ सप्तदशाय नमः

ॐ सप्तदशाक्षराय नमः  
 ॐ अष्टादशद्वीपपतये नमः  
 ॐ अष्टादशपुराणकृते नमः ९६०  
 ॐ अष्टादशौषधीसृष्टये नमः  
 ॐ अष्टादशविधिस्मृताय नमः  
 ॐ अष्टादशलपिव्यष्टिसमष्टिज्ञान-  
 कोविदाय नमः  
 ॐ एकविंशाय नमः  
 ॐ पुंसे नमः  
 ॐ एकविंशत्यङ्गुलिपल्लवाय नमः  
 ॐ चतुर्विंशतितत्त्वात्मने नमः  
 ॐ पञ्चविंशाख्यपूरुषाय नमः  
 ॐ सप्तविंशतितारेशाय नमः  
 ॐ सप्तविंशतियोगकृते नमः ९७०  
 ॐ द्वात्रिंशद्भैरवाधीशाय नमः  
 ॐ चतुस्त्रिंशन्महाहृदाय नमः  
 ॐ षड्विंशत्तत्त्वसम्भूतये नमः  
 ॐ अष्टत्रिंशत्कलातनवे नमः  
 ॐ नमदेकोनपञ्चाशन्मरुद्वर्ग-  
 निरर्गलाय  
 नमः  
 ॐ पञ्चाशदक्षरश्रेणये नमः  
 ॐ पञ्चाशद्रुद्रविग्रहाय नमः  
 ॐ पञ्चाशद्विष्णुशक्तीशाय नमः  
 ॐ पञ्चाशन्मातृकालयाय नमः  
 ॐ द्विपञ्चाशद्वपुश्रेणिने नमः ९८०

ॐ त्रिषष्ट्यक्षरसंश्रयाय नमः  
 ॐ चतुष्षष्ट्यर्णनिर्णेत्रे नमः  
 ॐ चतुष्षष्टिकलानिधये नमः  
 ॐ चतुःषष्टिमहासिद्धयोगिनी-  
 वृन्दवन्दिताय  
 नमः  
 ॐ  
 अष्टषष्टिमहातीर्थक्षेत्रभैरवभावनाय  
 नमः  
 ॐ चतुर्णवतिमन्त्रात्मने नमः  
 ॐ षण्णवत्यधिकप्रभवे नमः  
 ॐ शतानन्दाय नमः  
 ॐ शतधृतये नमः  
 ॐ शतपत्रायतेक्षणाय नमः ९९०  
 ॐ शतानीकाय नमः  
 ॐ शतमखाय नमः  
 ॐ शतधारवरायुधाय नमः  
 ॐ सहस्रपत्रनिलयाय नमः  
 ॐ सहस्रफणभूषणाय नमः  
 ॐ सहस्रशीर्ष्णे नमः  
 ॐ पुरुषाय नमः  
 ॐ सहस्राक्षाय नमः  
 ॐ सहस्रपदे नमः  
 ॐ सहस्रनामसंस्तुत्याय नमः  
 १०००  
 ॐ सहस्राक्षबलापहाय नमः

ॐ दशसाहस्रफणिभृत्फणिराज-  
कृतासनाय

नमः

ॐ अष्टाशीतिसहस्रौघ-  
महर्षिस्तोत्रयन्त्रिताय

नमः

ॐ लक्षाधीशप्रियाधाराय नमः

ॐ लक्षाधीशमनोमयाय नमः

ॐ चतुर्लक्षजपप्रीताय नमः

ॐ चतुर्लक्षप्रकाशिताय नमः

ॐ चतुरशीतिलक्षाणां जीवानां

देहसंस्थिताय नमः

ॐ कोटिसूर्यप्रतीकाशाय नमः

ॐ कोटिचन्द्रांशुनिर्मलाय नमः

१०१०

ॐ शिवाभवाध्युष्टकोटि-

विनायकधुरन्धराय

नमः

ॐ सप्तकोटिमहामन्त्र-

मन्त्रितावयवद्युतये

नमः

ॐ त्रयस्त्रिंशत्कोटिसुरश्रेणी-

प्रणतपादुकाय

नमः

ॐ अनन्तदेवतासेव्याय नमः

ॐ अनन्तशुभदायकाय नमः

ॐ अनन्तनाम्ने नमः

ॐ अनन्तश्रिये नमः

ॐ अनन्तानन्तसौख्यदाय नमः

॥ इति श्री शाक्तप्रमोदान्तर्गतगणेशतन्त्रादुद्धृता

श्री वक्रतुण्ड-महागणपति-सहस्रनामावलि: सम्पूर्णा ॥

## ॥ रामसहस्रनामावलि: ॥

ॐ राजीवलोचनाय नमः

ॐ श्रीमते नमः

ॐ श्रीरामाय नमः

ॐ रघुपुङ्गवाय नमः

ॐ रामभद्राय नमः

ॐ सदाचाराय नमः

ॐ राजेन्द्राय नमः

ॐ जानकीपतये नमः

ॐ अग्रगण्याय नमः

ॐ वरेण्याय नमः १०

ॐ वरदाय नमः

ॐ परमेश्वराय नमः

ॐ जनार्दनाय नमः

ॐ जितामित्राय नमः

ॐ परार्थैकप्रयोजनाय नमः

ॐ विश्वामित्रप्रियाय नमः

ॐ दान्ताय नमः

ॐ शत्रुजिते नमः

ॐ शत्रुतापनाय नमः

ॐ सर्वज्ञाय नमः २०

ॐ सर्वदेवादये नमः

ॐ शरण्याय नमः

ॐ वालिमर्दनाय नमः

ॐ ज्ञानभव्याय नमः

ॐ अपरिच्छेद्याय नमः

ॐ वाग्मिने नमः

ॐ सत्यव्रताय नमः

ॐ शुचये नमः

ॐ ज्ञानगम्याय नमः

ॐ दृढप्रज्ञाय नमः ३०

ॐ खरध्वंसिने नमः

ॐ प्रतापवते नमः

ॐ धृतिमते नमः

ॐ आत्मवते नमः

ॐ वीराय नमः

ॐ जितक्रोधाय नमः

ॐ अरिमर्दनाय नमः

ॐ विश्वरूपाय नमः

ॐ विशालाक्षाय नमः

ॐ प्रभवे नमः ४०

ॐ परिवृढाय नमः

ॐ दृढाय नमः

ॐ ईशाय नमः

ॐ खड्गधराय नमः

ॐ श्रीमते नमः

ॐ कौसलेयाय नमः

ॐ अनसूयकाय नमः

ॐ विपुलांसाय नमः



ॐ महोरस्काय नमः

ॐ परमेष्ठिने नमः ५०

ॐ परायणाय नमः

ॐ सत्यव्रताय नमः

ॐ सत्यसन्धाय नमः

ॐ गुरवे नमः

ॐ परमधार्मिकाय नमः

ॐ लोकज्ञाय नमः

ॐ लोकवन्द्याय नमः

ॐ लोकात्मने नमः

ॐ लोककृत नमः

ॐ परस्मै नमः ६०

ॐ अनादये नमः

ॐ भगवते नमः

ॐ सेव्याय नमः

ॐ जितमायाय नमः

ॐ रघूद्वहाय नमः

ॐ रामाय नमः

ॐ दयाकराय नमः

ॐ दक्षाय नमः

ॐ सर्वज्ञाय नमः

ॐ सर्वपावनाय नमः ७०

ॐ ब्रह्मण्याय नमः

ॐ नीतिमते नमः

ॐ गोप्त्रे नमः

ॐ सर्वदेवमयाय नमः

ॐ हरये नमः

ॐ सुन्दराय नमः

ॐ पीतवाससे नमः

ॐ सूत्रकाराय नमः

ॐ पुरातनाय नमः

ॐ सौम्याय नमः ८०

ॐ महर्षये नमः

ॐ कोदण्डिने नमः

ॐ सर्वज्ञाय नमः

ॐ सर्वकोविदाय नमः

ॐ कवये नमः

ॐ सुग्रीववरदाय नमः

ॐ सर्वपुण्याधिकप्रदाय नमः

ॐ भव्याय नमः

ॐ जितारिषड्वर्गाय नमः

ॐ महोदराय नमः ९०

ॐ अघनाशनाय नमः

ॐ सुकीर्तये नमः

ॐ आदिपुरुषाय नमः

ॐ कान्ताय नमः

ॐ पुण्यकृतागमाय नमः

ॐ आकल्मषाय नमः

ॐ चतुर्बाहवे नमः

ॐ सर्वावासाय नमः

ॐ दुरासदाय नमः

ॐ स्मितभाषिणे नमः १००

ॐ निवृत्तात्मने नमः  
 ॐ स्मृतिमते नमः  
 ॐ वीर्यवते नमः  
 ॐ प्रभवे नमः  
 ॐ धीराय नमः  
 ॐ दान्ताय नमः  
 ॐ घनश्यामाय नमः  
 ॐ सर्वायुधविशारदाय नमः  
 ॐ अध्यात्मयोगनिलयाय नमः  
 ॐ सुमनसे नमः ११०  
 ॐ लक्ष्मणाग्रजाय नमः  
 ॐ सर्वतीर्थमयाय नमः  
 ॐ शूराय नमः  
 ॐ सर्वयज्ञफलप्रदाय नमः  
 ॐ यज्ञस्वरूपिणे नमः  
 ॐ यज्ञेशाय नमः  
 ॐ जरामरणवर्जिताय नमः  
 ॐ वर्णाश्रमकराय नमः  
 ॐ वर्णिने नमः  
 ॐ शत्रुजिते नमः १२०  
 ॐ पुरुषोत्तमाय नमः  
 ॐ विभीषणप्रतिष्ठात्रे नमः  
 ॐ परमात्मने नमः  
 ॐ परात्पराय नमः  
 ॐ प्रमाणभूताय नमः  
 ॐ दुर्ज्ञेयाय नमः

ॐ पूर्णाय नमः  
 ॐ परपुरञ्जयाय नमः  
 ॐ अनन्तदृष्ट्याय नमः  
 ॐ आनन्दाय नमः १३०  
 ॐ धनुर्वेदाय नमः  
 ॐ धनुर्धराय नमः  
 ॐ गुणाकाराय नमः  
 ॐ गुणश्रेष्ठाय नमः  
 ॐ सच्चिदानन्दविग्रहाय नमः  
 ॐ अभिवन्द्याय नमः  
 ॐ महाकायाय नमः  
 ॐ विश्वकर्मणे नमः  
 ॐ विशारदाय नमः  
 ॐ विनीतात्मने नमः १४०  
 ॐ वीतरागाय नमः  
 ॐ तपस्वीशाय नमः  
 ॐ जनेश्वराय नमः  
 ॐ कल्याणप्रकृतये नमः  
 ॐ कल्पाय नमः  
 ॐ सर्वेशाय नमः  
 ॐ सर्वकामदाय नमः  
 ॐ अक्षयाय नमः  
 ॐ पुरुषाय नमः  
 ॐ साक्षिणे नमः १५०  
 ॐ केशवाय नमः  
 ॐ पुरुषोत्तमाय नमः

ॐ लोकाध्यक्षाय नमः  
 ॐ महामायाय नमः  
 ॐ विभीषणवरप्रदाय नमः  
 ॐ आनन्दविग्रहाय नमः  
 ॐ ज्योतिषे नमः  
 ॐ हनुमत्प्रभवे नमः  
 ॐ अक्षयाय नमः  
 ॐ भ्राजिष्णवे नमः १६०  
 ॐ सहनाय नमः  
 ॐ भोक्त्रे नमः  
 ॐ सत्यवादिने नमः  
 ॐ बहुश्रुताय नमः  
 ॐ सुखदाय नमः  
 ॐ कारणाय नमः  
 ॐ कर्त्रे नमः  
 ॐ भवबन्धविमोचनाय नमः  
 ॐ देवचूडामणये नमः  
 ॐ नेत्रे नमः १७०  
 ॐ ब्रह्मण्याय नमः  
 ॐ ब्रह्मवर्धनाय नमः  
 ॐ संसारतारकाय नमः  
 ॐ रामाय नमः  
 ॐ सर्वदुःखविमोक्षकृते नमः  
 ॐ विद्वत्तमाय नमः  
 ॐ विश्वकर्त्रे नमः  
 ॐ विश्वहर्त्रे नमः

ॐ विश्वकृते नमः  
 ॐ नित्याय नमः १८०  
 ॐ नित्यकल्याणाय नमः  
 ॐ सीताशोकविनाशकृते नमः  
 ॐ काकुत्स्थाय नमः  
 ॐ पुण्डरीकाक्षाय नमः  
 ॐ विश्वामित्रभयापहाय नमः  
 ॐ मारीचमथनाय नमः  
 ॐ रामाय नमः  
 ॐ विराधवधपण्डिताय नमः  
 ॐ दुःस्वप्ननाशनाय नमः  
 ॐ रम्याय नमः १९०  
 ॐ किरीटिने नमः  
 ॐ त्रिदशाधिपाय नमः  
 ॐ महाधनुषे नमः  
 ॐ महाकायाय नमः  
 ॐ भीमाय नमः  
 ॐ भीमपराक्रमाय नमः  
 ॐ तत्त्वस्वरूपिणे नमः  
 ॐ तत्त्वज्ञाय नमः  
 ॐ तत्त्ववादिने नमः  
 ॐ सुविक्रमाय नमः २००  
 ॐ भूतात्मने नमः  
 ॐ भूतकृते नमः  
 ॐ स्वामिने नमः  
 ॐ कालज्ञानिने नमः

ॐ महापटवे नमः  
 ॐ अनिर्विण्णाय नमः  
 ॐ गुणग्राहिणे नमः  
 ॐ निष्कलङ्काय नमः  
 ॐ कलङ्कघ्ने नमः  
 ॐ स्वभावभद्राय नमः २१०  
 ॐ शत्रुघ्नाय नमः  
 ॐ केशवाय नमः  
 ॐ स्थाणवे नमः  
 ॐ ईश्वराय नमः  
 ॐ भूतादये नमः  
 ॐ शम्भवे नमः  
 ॐ आदित्याय नमः  
 ॐ स्थविष्ठाय नमः  
 ॐ शाश्वताय नमः  
 ॐ ध्रुवाय नमः २२०  
 ॐ कवचिने नमः  
 ॐ कुण्डलिने नमः  
 ॐ चक्रिणे नमः  
 ॐ खड्गिने नमः  
 ॐ भक्तजनप्रियाय नमः  
 ॐ अमृत्यवे नमः  
 ॐ जन्मरहिताय नमः  
 ॐ सर्वजिते नमः  
 ॐ सर्वगोचाराय नमः  
 ॐ अनुत्तमाय नमः २३०

ॐ अप्रमेयात्मने नमः  
 ॐ सर्वादये नमः  
 ॐ गुणसागराय नमः  
 ॐ समाय नमः  
 ॐ समात्मने नमः  
 ॐ समगाय नमः  
 ॐ जटामुकुटमण्डिताय नमः  
 ॐ अजेयाय नमः  
 ॐ सर्वभूतात्मने नमः  
 ॐ विष्वक्सेनाय नमः २४०  
 ॐ महातपसे नमः  
 ॐ लोकाध्यक्षाय नमः  
 ॐ महाबाहवे नमः  
 ॐ अमृताय नमः  
 ॐ वेदवित्तमाय नमः  
 ॐ सहिष्णवे नमः  
 ॐ सद्गतये नमः  
 ॐ शास्त्रे नमः  
 ॐ विश्वयोनये नमः  
 ॐ महाद्युतये नमः २५०  
 ॐ अतीन्द्राय नमः  
 ॐ ऊर्जिताय नमः  
 ॐ प्रांशवे नमः  
 ॐ उपेन्द्राय नमः  
 ॐ वामनाय नमः  
 ॐ बलिने नमः

ॐ धनुर्वेदाय नमः  
 ॐ विधात्रे नमः  
 ॐ ब्रह्मणे नमः  
 ॐ विष्णवे नमः २६०  
 ॐ शङ्कराय नमः  
 ॐ हंसाय नमः  
 ॐ मरीचये नमः  
 ॐ गोविन्दाय नमः  
 ॐ रत्नगर्भाय नमः  
 ॐ महामतये नमः  
 ॐ व्यासाय नमः  
 ॐ वाचस्पतये नमः  
 ॐ सर्वदर्पितासुरमर्दना नमः  
 ॐ जानकीवल्लभाय नमः २७०  
 ॐ पूज्याय नमः  
 ॐ प्रकटाय नमः  
 ॐ प्रीतिवर्धनाय नमः  
 ॐ सम्भवाय नमः  
 ॐ अतीन्द्रियाय नमः  
 ॐ वैद्याय नमः  
 ॐ अनिर्देशाय नमः  
 ॐ जाम्बवत्प्रभवे नमः  
 ॐ दमनाय नमः  
 ॐ मधनाय नमः २८०  
 ॐ व्यापिने नमः  
 ॐ विश्वरूपिणे नमः

ॐ निरञ्जनाय नमः  
 ॐ नारायणाय नमः  
 ॐ अग्रण्ये नमः  
 ॐ साधवे नमः  
 ॐ जटायुप्रीतिवर्धनाय नमः  
 ॐ नैकरूपाय नमः  
 ॐ जगन्नाथाय नमः  
 ॐ सुरकार्यहिताय नमः २९०  
 ॐ स्वभवे नमः  
 ॐ जितक्रोधाय नमः  
 ॐ जितारातये नमः  
 ॐ प्लवगाधिपराज्यदाय नमः  
 ॐ वसुदाय नमः  
 ॐ सुभुजाय नमः  
 ॐ नैकमायाय नमः  
 ॐ भव्यप्रमोदनाय नमः  
 ॐ चण्डांशवे नमः  
 ॐ सिद्धिदाय नमः ३००  
 ॐ कल्पाय नमः  
 ॐ शरणागतवत्सलाय नमः  
 ॐ अगदाय नमः  
 ॐ रोगहर्त्रे नमः  
 ॐ मन्त्रज्ञाय नमः  
 ॐ मन्त्रभावनाय नमः  
 ॐ सौमित्रिवत्सलाय नमः  
 ॐ धुर्याय नमः

ॐ व्यक्ताव्यक्तस्वरूपधृते नमः  
 ॐ वसिष्ठाय नमः ३१०  
 ॐ ग्रामण्ये नमः  
 ॐ श्रीमते नमः  
 ॐ अनुकूलाय नमः  
 ॐ प्रियंवदाय नमः  
 ॐ अतुलाय नमः  
 ॐ सात्त्विकाय नमः  
 ॐ धीराय नमः  
 ॐ शरासनविशारदाय नमः  
 ॐ ज्येष्ठाय नमः  
 ॐ सर्वगुणोपेताय नमः ३२०  
 ॐ शक्तिमते नमः  
 ॐ ताटकान्तकाय नमः  
 ॐ वैकुण्ठाय नमः  
 ॐ प्राणिनां प्राणाय नमः  
 ॐ कमठाय नमः  
 ॐ कमलापतये नमः  
 ॐ गोवर्धनवधराय नमः  
 ॐ मत्स्यरूपाय नमः  
 ॐ कारुण्यसागराय नमः  
 ॐ कुम्भकर्णप्रभेत्ते नमः ३३०  
 ॐ गोपिगोपालसंवृताय नमः  
 ॐ मायविने नमः  
 ॐ विश्वादनाय नमः  
 ॐ व्यापिने नमः

ॐ रैणुकेयबलापहाय नमः  
 ॐ पिनाकमथनाय नमः  
 ॐ वन्द्याय नमः  
 ॐ समर्थाय नमः  
 ॐ गरुडध्वजाय नमः  
 ॐ लोकत्रयाश्रयाय नमः ३४०  
 ॐ लोकचरिताय नमः  
 ॐ भरताग्रजाय नमः  
 ॐ श्रीधराय नमः  
 ॐ सद्गतये नमः  
 ॐ लोकसाक्षिणे नमः  
 ॐ नारायणाय नमः  
 ॐ बुधाय नमः  
 ॐ मनोवेगिने नमः  
 ॐ मनोरूपिणे नमः  
 ॐ पूर्णाय नमः ३५०  
 ॐ पुरुषपुङ्गवाय नमः  
 ॐ यदुश्रेष्ठाय नमः  
 ॐ यदुपतये नमः  
 ॐ भूतवासाय नमः  
 ॐ सुविक्रमाय नमः  
 ॐ तेजोधराय नमः  
 ॐ धराधाराय नमः  
 ॐ चतुर्मूर्तये नमः  
 ॐ महानिधये नमः  
 ॐ चाणूरमर्दनाय नमः ३६०

ॐ दिव्याय नमः  
 ॐ शान्ताय नमः  
 ॐ भरतवन्दिताय नमः  
 ॐ शब्दातिगाय नमः  
 ॐ गम्भीरात्मने नमः  
 ॐ कोमलाङ्गाय नमः  
 ॐ प्रजागराय नमः  
 ॐ लोकगर्भाय नमः  
 ॐ शेषशायिने नमः  
 ॐ क्षीराब्धिनिलयाय नमः ३७०  
 ॐ अमलाय नमः  
 ॐ आत्मयोनये नमः  
 ॐ अदीनात्मने नमः  
 ॐ सहस्राक्षाय नमः  
 ॐ सहस्रपादे नमः  
 ॐ अमृतांशवे नमः  
 ॐ महागर्भाय नमः  
 ॐ निवृत्तविषयस्पृहाय नमः  
 ॐ त्रिकालज्ञाय नमः  
 ॐ मुनये नमः ३८०  
 ॐ साक्षिणे नमः  
 ॐ विहायसगतये नमः  
 ॐ कृतिने नमः  
 ॐ पर्जन्याय नमः  
 ॐ कुमुदाय नमः  
 ॐ भूतावासाय नमः

ॐ कमललोचनाय नमः  
 ॐ श्रीवत्सवक्षसे नमः  
 ॐ श्रीवासाय नमः  
 ॐ वीरघ्ने नमः ३९०  
 ॐ लक्ष्मणाग्रजाय नमः  
 ॐ लोकाभिरामाय नमः  
 ॐ लोकारिमर्दनाय नमः  
 ॐ सेवकप्रियाय नमः  
 ॐ सनातनतमाय नमः  
 ॐ मेघश्यामलाय नमः  
 ॐ राक्षसान्तकृते नमः  
 ॐ दिव्यायुधधराय नमः  
 ॐ श्रीमते नमः  
 ॐ अप्रमेयाय नमः ४००  
 ॐ जितेन्द्रियाय नमः  
 ॐ भूदेववन्द्याय नमः  
 ॐ जनकप्रियकृते नमः  
 ॐ प्रपितामहाय नमः  
 ॐ उत्तमाय नमः  
 ॐ सात्त्विकाय नमः  
 ॐ सत्याय नमः  
 ॐ सत्यसन्ध्याय नमः  
 ॐ त्रिविक्रमाय नमः  
 ॐ सुव्रताय नमः ४१०  
 ॐ सुलभाय नमः  
 ॐ सूक्ष्माय नमः

ॐ सुघोषाय नमः  
 ॐ सुखदाय नमः  
 ॐ सुधिये नमः  
 ॐ दामोदराय नमः  
 ॐ अच्युताय नमः  
 ॐ शार्ङ्गिणे नमः  
 ॐ वामनाय नमः  
 ॐ मधुराधिपाय नमः ४२०  
 ॐ देवकीनन्दनाय नमः  
 ॐ शौरये नमः  
 ॐ शूराय नमः  
 ॐ कैटभमर्दनाय नमः  
 ॐ सप्ततालप्रभेत्त्रे नमः  
 ॐ मित्रवंशप्रवर्धनाय नमः  
 ॐ कालस्वरूपिणे नमः  
 ॐ कालात्मने नमः  
 ॐ कालाय नमः  
 ॐ कल्याणदाय नमः ४३०  
 ॐ कवये नमः  
 ॐ संवत्सराय नमः  
 ॐ ऋतवे नमः  
 ॐ पक्षाय नमः  
 ॐ अयनाय नमः  
 ॐ दिवसाय नमः  
 ॐ युगाय नमः  
 ॐ स्तव्याय नमः

ॐ विविक्ताये नमः  
 ॐ निर्लेपाय नमः ४४०  
 ॐ सर्वव्यापिने नमः  
 ॐ निराकुलाय नमः  
 ॐ अनादिनिधनाय नमः  
 ॐ सर्वलोकपूज्याय नमः  
 ॐ निरामयाय नमः  
 ॐ रसाय नमः  
 ॐ रसज्ञाय नमः  
 ॐ सारज्ञाये नमः  
 ॐ लोकसाराय नमः  
 ॐ रसात्मकाय नमः ४५०  
 ॐ सर्वदुःखातिगाय नमः  
 ॐ विद्याराशये नमः  
 ॐ परमगोचराय नमः  
 ॐ शेषाय नमः  
 ॐ विशेषाय नमः  
 ॐ विगतकल्मषाय नमः  
 ॐ रघुनायकाय नमः  
 ॐ वर्णश्रेष्ठाय नमः  
 ॐ वर्णवाह्याये नमः  
 ॐ वर्ण्याय नमः ४६०  
 ॐ वर्ण्यगुणोज्ज्वलाय नमः  
 ॐ कर्मसाक्षिणे नमः  
 ॐ अमरश्रेष्ठाय नमः  
 ॐ देवदेवाय नमः



ॐ सुखप्रदाय नमः  
 ॐ देवाधिदेवाय नमः  
 ॐ देवर्षये नमः  
 ॐ देवासुरनमस्कृताय नमः  
 ॐ सर्वदेवमयाय नमः  
 ॐ चक्रिणे नमः ४७०  
 ॐ शार्ङ्गपाणये नमः  
 ॐ रघूत्तमाय नमः  
 ॐ मनसे नमः  
 ॐ बुद्ध्यै नमः  
 ॐ अहङ्काराय नमः  
 ॐ प्रकृत्यै नमः  
 ॐ पुरुषाय नमः  
 ॐ अव्ययाय नमः  
 ॐ अहल्यापावनाय नमः  
 ॐ स्वामिने नमः ४८०  
 ॐ पितृभक्ताय नमः  
 ॐ वरप्रदाय नमः  
 ॐ न्यायाय नमः  
 ॐ न्यायिने नमः  
 ॐ नयिने नमः  
 ॐ श्रीमते नमः  
 ॐ नयाय नमः  
 ॐ नगधराय नमः  
 ॐ ध्रुवाय नमः  
 ॐ लक्ष्मीविश्वम्भराभर्त्रे नमः ४९०

ॐ देवेन्द्राय नमः  
 ॐ बलिमर्दनाय नमः  
 ॐ वाणारिमर्दनाय नमः  
 ॐ यज्वने नमः  
 ॐ अनुत्तमाय नमः  
 ॐ मुनिसेविताय नमः  
 ॐ देवाग्रण्ये नमः  
 ॐ शिवध्यानतत्पराय नमः  
 ॐ परमाय नमः  
 ॐ परस्मै नमः ५००  
 ॐ सामगेयाय नमः  
 ॐ प्रियाय नमः  
 ॐ अक्रूराय नमः  
 ॐ पुण्यकीर्तये नमः  
 ॐ सुलोचनाय नमः  
 ॐ पुण्याय नमः  
 ॐ पुण्याधिकाय नमः  
 ॐ पूर्वस्मै नमः  
 ॐ पूर्णाय नमः  
 ॐ पूरयित्रे नमः ५१०  
 ॐ रवये नमः  
 ॐ जटिलाय नमः  
 ॐ  
 कल्मषध्वान्तप्रभञ्जनविभावसवे  
 नमः  
 ॐ अव्यक्तलक्षणायै नमः

ॐ व्यक्तायै नमः  
 ॐ दशास्यद्विपकेसरिणे नमः  
 ॐ कलानिधये नमः  
 ॐ कलानाथाय नमः  
 ॐ कमलानन्दवर्धनाय नमः  
 ॐ जयिने नमः ५२०  
 ॐ जितारये नमः  
 ॐ सर्वादये नमः  
 ॐ शमनाय नमः  
 ॐ भवभञ्जनाय नमः  
 ॐ अलङ्कारिष्णवे नमः  
 ॐ अचलाय नमः  
 ॐ रोचिष्णवे नमः  
 ॐ विक्रमोत्तमाय नमः  
 ॐ आशवे नमः  
 ॐ शब्दपतये नमः ५३०  
 ॐ शब्दागोचराय नमः  
 ॐ रञ्जनाय नमः  
 ॐ रघवे नमः  
 ॐ निःशब्दाय नमः  
 ॐ प्रणवाय नमः  
 ॐ मालिने नमः  
 ॐ स्थूलाय नमः  
 ॐ सूक्ष्माय नमः  
 ॐ विचक्षणाय नमः  
 ॐ आत्मयोनये नमः ५४०

ॐ अयोनये नमः  
 ॐ सप्तजिह्वाय नमः  
 ॐ सहस्रपदे नमः  
 ॐ सनातनतमाय नमः  
 ॐ स्रग्विणे नमः  
 ॐ विशालाय नमः  
 ॐ जविनां वराय नमः  
 ॐ शक्तिमते नमः  
 ॐ शङ्खभृते नमः  
 ॐ नाथाय नमः ५५०  
 ॐ गदापद्मरथाङ्गभृते नमः  
 ॐ निरीहाय नमः  
 ॐ निर्विकल्पाय नमः  
 ॐ चिद्रूपाय नमः  
 ॐ वीतसाध्वसाय नमः  
 ॐ शताननाय नमः  
 ॐ सहस्राक्षाय नमः  
 ॐ शतमूर्तये नमः  
 ॐ घनप्रभाय नमः  
 ॐ हृत्पुण्डरीकशयनाय नमः ५६०  
 ॐ कठिनाय नमः  
 ॐ द्रवाय नमः  
 ॐ उग्राय नमः  
 ॐ ग्रहपतये नमः  
 ॐ श्रीमते नमः  
 ॐ समर्थाय नमः

ॐ अनर्थनाशनाय नमः

ॐ अधर्मशत्रवे नमः

ॐ रक्षोघ्नाय नमः

ॐ पुरुहुताय नमः ५७०

ॐ पुरुष्टुताय नमः

ॐ ब्रह्मगर्भाय नमः

ॐ बृहद्गर्भाय नमः

ॐ धर्मधेनवे नमः

ॐ धनागमाय नमः

ॐ हिरण्यगर्भाय नमः

ॐ ज्योतिष्मते नमः

ॐ सुललाटाय नमः

ॐ सुविक्रमाय नमः

ॐ शिवपूजारताय नमः ५८०

ॐ श्रीमते नमः

ॐ भवानीप्रियकृते नमः

ॐ वशिने नमः

ॐ नराय नमः

ॐ नारायणाय नमः

ॐ श्यामाय नमः

ॐ कपर्दिने नमः

ॐ नीललोहिताय नमः

ॐ रुद्राय नमः

ॐ पशुपतये नमः ५९०

ॐ स्थाणवे नमः

ॐ विश्वामित्राय नमः

ॐ द्विजेश्वराय नमः

ॐ मातामहाय नमः

ॐ मातरिश्वने नमः

ॐ विरिञ्चाय नमः

ॐ विष्टरश्रवसे नमः

ॐ सर्वभूतानाम् अक्षोभ्याय नमः

ॐ चण्डाय नमः

ॐ सत्यपराक्रमाय नमः ६००

ॐ वालखिल्याय नमः

ॐ महाकल्पाय नमः

ॐ कल्पवृक्षाय नमः

ॐ कलाधराय नमः

ॐ निदाघाय नमः

ॐ तपनाय नमः

ॐ अमोघाय नमः

ॐ श्लक्ष्णाय नमः

ॐ परबलापहृते नमः

ॐ कबन्धमथनाय नमः ६१०

ॐ दिव्याय नमः

ॐ कम्बुग्रीवशिवप्रियाय नमः

ॐ शङ्खाय नमः

ॐ अनिलाय नमः

ॐ सुनिष्पन्नाय नमः

ॐ सुलभाय नमः

ॐ शिशिरात्मकाय नमः

ॐ असंसृष्टाय नमः

ॐ अतिथये नमः  
 ॐ शूराय नमः ६२०  
 ॐ प्रमाथिने नमः  
 ॐ पापनाशकृते नमः  
 ॐ वसुश्रवसे नमः  
 ॐ कव्यवाहाय नमः  
 ॐ प्रत्यनसे नमः  
 ॐ विश्वभोजनाय नमः  
 ॐ रामाय नमः  
 ॐ नीलोत्पलश्यामाय नमः  
 ॐ ज्ञानस्कन्धाय नमः  
 ॐ महाद्युतये नमः ६३०  
 ॐ पवित्रपादाय नमः  
 ॐ पापारये नमः  
 ॐ मणिपूराय नमः  
 ॐ नभोगतये नमः  
 ॐ उत्तारणाय नमः  
 ॐ दुष्कृतिघ्ने नमः  
 ॐ दुर्धर्षाय नमः  
 ॐ दुःसहाय नमः  
 ॐ अभयाय नमः  
 ॐ अमृतेशाय नमः ६४०  
 ॐ अमृतवपुषे नमः  
 ॐ धर्मिणे नमः  
 ॐ धर्माय नमः  
 ॐ कृपाकराय नमः

ॐ भर्गाय नमः  
 ॐ विवस्वते नमः  
 ॐ आदित्याय नमः  
 ॐ योगाचार्याय नमः  
 ॐ दिवस्पतये नमः  
 ॐ उदारकीर्तये नमः ६५०  
 ॐ उद्योगिने नमः  
 ॐ वाङ्मयाय नमः  
 ॐ सदसन्मयाय नमः  
 ॐ नक्षत्रमालिने नमः  
 ॐ नाकेशाय नमः  
 ॐ स्वाधिष्ठानाय नमः  
 ॐ षडाश्रयाय नमः  
 ॐ चतुर्वर्गफलाय नमः  
 ॐ वर्णिने नमः  
 ॐ शक्तित्रयफलाय नमः ६६०  
 ॐ निधये नमः  
 ॐ निदानगर्भाय नमः  
 ॐ निर्व्याजाय नमः  
 ॐ गिरीशाय नमः  
 ॐ व्यालमर्दनाय नमः  
 ॐ श्रीवल्लभाय नमः  
 ॐ शिवारम्भाय नमः  
 ॐ शान्तये नमः  
 ॐ भद्राय नमः  
 ॐ समञ्जसाय नमः ६७०

ॐ भूशयाय नमः  
 ॐ भूतिकृते नमः  
 ॐ भूत्यै नमः  
 ॐ भूषणाय नमः  
 ॐ भूतवाहनाय नमः  
 ॐ अकायाय नमः  
 ॐ भक्तकायस्थाय नमः  
 ॐ कालज्ञानिने नमः  
 ॐ महावटवे नमः  
 ॐ परार्थवृत्तये नमः ६८०  
 ॐ अचलाय नमः  
 ॐ विविक्ताय नमः  
 ॐ श्रुतिसागराय नमः  
 ॐ स्वभावभद्राय नमः  
 ॐ मध्यस्थाय नमः  
 ॐ संसारभयनाशनाय नमः  
 ॐ वेद्याय नमः  
 ॐ वैद्याय नमः  
 ॐ वियद्गोप्त्रे नमः  
 ॐ सर्वामरमुनीश्वराय नमः ६९०  
 ॐ सुरेन्द्राय नमः  
 ॐ करणाय नमः  
 ॐ कर्मणे नमः  
 ॐ कर्मकृते नमः  
 ॐ कर्मिणे नमः  
 ॐ अधोक्षजाय नमः

ॐ ध्येयाय नमः  
 ॐ धुर्याय नमः  
 ॐ धराधीशाय नमः  
 ॐ सङ्कल्पाय नमः ७००  
 ॐ शर्वरीपतये नमः  
 ॐ परमार्थगुरवे नमः  
 ॐ वृद्धाय नमः  
 ॐ शुचये नमः  
 ॐ आश्रितवत्सलाय नमः  
 ॐ विष्णवे नमः  
 ॐ जिष्णवे नमः  
 ॐ विभवे नमः  
 ॐ वन्द्याय नमः  
 ॐ यज्ञेशाय नमः ७१०  
 ॐ यज्ञपालकाय नमः  
 ॐ प्रभविष्णवे नमः  
 ॐ ग्रसिष्णवे नमः  
 ॐ लोकात्मने नमः  
 ॐ लोकभावनाय नमः  
 ॐ केशवाय नमः  
 ॐ केशिघ्ने नमः  
 ॐ काव्याय नमः  
 ॐ कवये नमः  
 ॐ कारणकारणाय नमः ७२०  
 ॐ कालकर्त्रे नमः  
 ॐ कालशेषाय नमः

ॐ वासुदेवाय नमः  
 ॐ पुरुष्टुताय नमः  
 ॐ आदिकर्त्रे नमः  
 ॐ वराहाय नमः  
 ॐ माधवाय नमः  
 ॐ मधुसूदनाय नमः  
 ॐ नारायणाय नमः  
 ॐ नराय नमः ७३०  
 ॐ हंसाय नमः  
 ॐ विष्वक्सेनाय नमः  
 ॐ जनार्दनाय नमः  
 ॐ विश्वकर्त्रे नमः  
 ॐ महायज्ञाय नमः  
 ॐ ज्योतिष्मते नमः  
 ॐ पुरुषोत्तमाय नमः  
 ॐ वैकुण्ठाय नमः  
 ॐ पुण्डरीकाक्षाय नमः  
 ॐ कृष्णाय नमः ७४०  
 ॐ सूर्याय नमः  
 ॐ सुरार्चिताय नमः  
 ॐ नारसिंहाय नमः  
 ॐ महाभीमाय नमः  
 ॐ वक्रदंष्ट्राय नमः  
 ॐ नखायुधाय नमः  
 ॐ आदिदेवाय नमः  
 ॐ जगत्कर्त्रे नमः

ॐ योगीशाय नमः  
 ॐ गरुडध्वजाय नमः ७५०  
 ॐ गोविन्दाय नमः  
 ॐ गोपतये नमः  
 ॐ गोप्रेन नमः  
 ॐ भूपतये नमः  
 ॐ भुवनेश्वराय नमः  
 ॐ पद्मनाभाय नमः  
 ॐ हृषीकेशाय नमः  
 ॐ धात्रे नमः  
 ॐ दामोदराय नमः  
 ॐ प्रभवे नमः ७६०  
 ॐ त्रिविक्रमाय नमः  
 ॐ त्रिलोकेशाय नमः  
 ॐ ब्रह्मेशाय नमः  
 ॐ प्रीतिवर्धनाय नमः  
 ॐ वामनाय नमः  
 ॐ दुष्टदमनाय नमः  
 ॐ गोविन्दाय नमः  
 ॐ गोपवल्लभाय नमः  
 ॐ भक्तप्रियाय नमः  
 ॐ अच्युताय नमः ७७०  
 ॐ सत्याय नमः  
 ॐ सत्यकीर्तये नमः  
 ॐ धृत्यै नमः  
 ॐ शुचये नमः

ॐ कारुण्याय नमः  
 ॐ करुणाय नमः  
 ॐ व्यासाय नमः  
 ॐ पापघ्ने नमः  
 ॐ शान्तिवर्धनाय नमः  
 ॐ सन्न्यासिने नमः ७८०  
 ॐ शास्त्रतत्त्वज्ञाय नमः  
 ॐ मन्दराद्रिनिकेतनाय नमः  
 ॐ बदरीनिलयाय नमः  
 ॐ शान्ताय नमः  
 ॐ तपस्विने नमः  
 ॐ वैद्युतप्रभाय नमः  
 ॐ भूतावासाय नमः  
 ॐ गुहावासाय नमः  
 ॐ श्रीनिवासाय नमः  
 ॐ श्रियः पतये नमः ७९०  
 ॐ तपोवासाय नमः  
 ॐ मुदावासाय नमः  
 ॐ सत्यवासाय नमः  
 ॐ सनातनाय नमः  
 ॐ पुरुषाय नमः  
 ॐ पुष्कराय नमः  
 ॐ पुण्याय नमः  
 ॐ पुष्कराक्षाय नमः  
 ॐ महेश्वराय नमः  
 ॐ पूर्णमूर्तये नमः ८००

ॐ पुराणज्ञाय नमः  
 ॐ पुण्यदाय नमः  
 ॐ पुण्यवर्धनाय नमः  
 ॐ शङ्खिने नमः  
 ॐ चक्रिणे नमः  
 ॐ गदिने नमः  
 ॐ शार्ङ्गिणे नमः  
 ॐ लाङ्गलिने नमः  
 ॐ मुसलिने नमः  
 ॐ हलिने नमः ८१०  
 ॐ किरीटिने नमः  
 ॐ कुण्डलिने नमः  
 ॐ हारिणे नमः  
 ॐ मेखलिने नमः  
 ॐ कवचिने नमः  
 ॐ ध्वजिने नमः  
 ॐ योद्धे नमः  
 ॐ जेत्रे नमः  
 ॐ महावीर्याय नमः  
 ॐ शत्रुजिते नमः ८२०  
 ॐ शत्रुतापनाय नमः  
 ॐ शास्त्रे नमः  
 ॐ शास्त्रकराय नमः  
 ॐ शास्त्राय नमः  
 ॐ शङ्कराय नमः  
 ॐ शङ्करस्तुताय नमः

ॐ सारथये नमः  
 ॐ सात्त्विकाय नमः  
 ॐ स्वामिने नमः  
 ॐ सामवेदप्रियाय नमः ८३०  
 ॐ समाय नमः  
 ॐ पवनाय नमः  
 ॐ संहताय नमः  
 ॐ शक्तये नमः  
 ॐ सम्पूर्णाङ्गाय नमः  
 ॐ समृद्धिमते नमः  
 ॐ स्वर्गदाय नमः  
 ॐ कामदाय नमः  
 ॐ श्रीदाय नमः  
 ॐ कीर्तिदाय नमः ८४०  
 ॐ अकीर्तिनाशकाय नमः  
 ॐ मोक्षदाय नमः  
 ॐ पुण्डरीकाक्षाय नमः  
 ॐ क्षीराब्धिकृतकेतनाय नमः  
 ॐ सर्वात्मने नमः  
 ॐ सर्वलोकेशाय नमः  
 ॐ प्रेरकाय नमः  
 ॐ पापनाशनाय नमः  
 ॐ सर्वदेवाय नमः  
 ॐ जगन्नाथाय नमः ८५०  
 ॐ सर्वलोकमहेश्वराय नमः  
 ॐ सर्गस्थित्यन्तकृते नमः

ॐ देवाय नमः  
 ॐ सर्वलोकसुखावहाय नमः  
 ॐ अक्षय्याय नमः  
 ॐ शाश्वताय नमः  
 ॐ अनन्ताय नमः  
 ॐ क्षयवृद्धिविवर्जिताय नमः  
 ॐ निर्लेपाय नमः  
 ॐ निर्गुणाय नमः ८६०  
 ॐ सूक्ष्माय नमः  
 ॐ निर्विकाराय नमः  
 ॐ निरञ्जनाय नमः  
 ॐ सर्वोपाधिविनिर्मुक्ताय नमः  
 ॐ सत्तामात्रव्यवस्थिताय नमः  
 ॐ अधिकारिणे नमः  
 ॐ विभवे नमः  
 ॐ नित्याय नमः  
 ॐ परमात्मने नमः  
 ॐ सनातनाय नमः ८७०  
 ॐ अचलाय नमः  
 ॐ निर्मलाय नमः  
 ॐ व्यापिने नमः  
 ॐ नित्यतृप्ताय नमः  
 ॐ निराश्रयाय नमः  
 ॐ श्यामाय नमः  
 ॐ यूने नमः  
 ॐ लोहिताक्षाय नमः



ॐ दिप्तास्याय नमः  
 ॐ मितभाषणाय नमः ८८०  
 ॐ आजानुबाहवे नमः  
 ॐ सुमुखाय नमः  
 ॐ सिंहस्कन्धाय नमः  
 ॐ महाभुजाय नमः  
 ॐ सत्यवते नमः  
 ॐ गुणसम्पन्नाय नमः  
 ॐ स्व्यन्तेजसे नमः  
 ॐ सुदीप्तिमते नमः  
 ॐ कालात्मने नमः  
 ॐ भगवते नमः ८९०  
 ॐ कालाय नमः  
 ॐ कालचक्रप्रवर्तकाय नमः  
 ॐ नारायणाय नमः  
 ॐ परस्मै ज्योतिषे नमः  
 ॐ परमात्मने नमः  
 ॐ सनातनाय नमः  
 ॐ विश्वसृजे नमः  
 ॐ विश्वगोप्त्रे नमः  
 ॐ विश्वभोक्त्रे नमः  
 ॐ शाश्वताय नमः ९००  
 ॐ विश्वेश्वराय नमः  
 ॐ विश्वमूर्तये नमः  
 ॐ विश्वात्मने नमः  
 ॐ विश्वभावनायै नमः

ॐ सर्वभूतसुहृदे नमः  
 ॐ शान्ताय नमः  
 ॐ सर्वभूतनुकम्पनाय नमः  
 ॐ सर्वेश्वराय नमः  
 ॐ सर्वस्मै नमः  
 ॐ श्रीमते नमः ९१०  
 ॐ आश्रितवत्सलाय नमः  
 ॐ सर्वगाय नमः  
 ॐ सर्वभूतेशाय नमः  
 ॐ सर्वभूताशयस्थिताय नमः  
 ॐ अभ्यन्तरस्थाय नमः  
 ॐ तमसश्छेत्ते नमः  
 ॐ नारायणाय नमः  
 ॐ परस्मै नमः  
 ॐ अनादिनिधनाय नमः  
 ॐ स्रष्ट्रे नमः ९२०  
 ॐ प्रजापतिपतये नमः  
 ॐ हरये नमः  
 ॐ नारसिंहाय नमः  
 ॐ हृषीकेशाय नमः  
 ॐ सर्वात्मने नमः  
 ॐ सर्वदृशे नमः  
 ॐ वशिने नमः  
 ॐ जगतस्तस्थुषाय नमः  
 ॐ प्रभवे नमः  
 ॐ नेत्रे नमः ९३०

ॐ सनातनाय नमः  
 ॐ कर्त्रे नमः  
 ॐ धात्रे नमः  
 ॐ विधात्रे नमः  
 ॐ सर्वेषां प्रभवे नमः  
 ॐ ईश्वराय नमः  
 ॐ सहस्रमूर्तये नमः  
 ॐ विश्वात्मने नमः  
 ॐ विष्णवे नमः  
 ॐ विश्वदृशे नमः ९४०  
 ॐ अव्ययाय नमः  
 ॐ पुराणपुरुषाय नमः  
 ॐ स्रष्ट्रे नमः  
 ॐ सहस्राक्षाय नमः  
 ॐ सहस्रपदे नमः  
 ॐ तत्त्वाय नमः  
 ॐ नारायणाय नमः  
 ॐ विष्णवे नमः  
 ॐ वासुदेवाय नमः  
 ॐ सनातनाय नमः ९५०  
 ॐ परमात्मने नमः  
 ॐ परस्मै ब्रह्मणे नमः  
 ॐ सच्चिदानन्दविग्रहाय नमः  
 ॐ परस्मै ज्योतिषे नमः  
 ॐ परस्मै धाम्ने नमः  
 ॐ पराकाशाय नमः

ॐ परात्पराय नमः  
 ॐ अच्युताय नमः  
 ॐ पुरुषाय नमः  
 ॐ कृष्णाय नमः ९६०  
 ॐ शाश्वताय नमः  
 ॐ शिवाय नमः  
 ॐ ईश्वराय नमः  
 ॐ नित्याय नमः  
 ॐ सर्वगताय नमः  
 ॐ स्थाणवे नमः  
 ॐ उग्राय नमः  
 ॐ साक्षिणे नमः  
 ॐ प्रजापतये नमः  
 ॐ हिरण्यगर्भाय नमः ९७०  
 ॐ सवित्रे नमः  
 ॐ लोककृते नमः  
 ॐ लोकभृते नमः  
 ॐ विभवे नमः  
 ॐ रामाय नमः  
 ॐ श्रीमते नमः  
 ॐ महाविष्णवे नमः  
 ॐ जिष्णवे नमः  
 ॐ देवहितावहाय नमः  
 ॐ तत्त्वात्मने नमः ९८०  
 ॐ तारकाय नमः  
 ॐ ब्रह्मणे नमः

ॐ शाश्वताय नमः  
 ॐ सर्वसिद्धिदाय नमः  
 ॐ आकारवाच्याय नमः  
 ॐ भगवते नमः  
 ॐ श्रीये नमः  
 ॐ भूलीलापतये नमः  
 ॐ पुंसे नमः  
 ॐ सर्वलोकेश्वराय नमः ९९०  
 ॐ श्रीमते नमः  
 ॐ सर्वज्ञाय नमः  
 ॐ सर्वतोमुखाय नमः  
 ॐ स्वामिने नमः  
 ॐ सुशीलाय नमः  
 ॐ सुलभाय नमः  
 ॐ सर्वज्ञायै नमः  
 ॐ सर्वशक्तिमते नमः  
 ॐ नित्याय नमः  
 ॐ सम्पूर्णकामाय नमः १०००

ॐ नैसर्गिकसुहृदे नमः  
 ॐ सुखिने नमः  
 ॐ कृपापीयूषजलदये नमः  
 ॐ सर्वदेहिनां शरण्याय नमः  
 ॐ श्रीमते नमः  
 ॐ नारायणाय नमः  
 ॐ स्वामिने नमः  
 ॐ जगतां पतये नमः  
 ॐ ईश्वराय नमः  
 ॐ श्रीशाय नमः १०१०  
 ॐ भूतानां शरण्याय नमः  
 ॐ संश्रिताभीष्टदायकाय नमः  
 ॐ अनन्ताय नमः  
 ॐ श्रीपतये नमः  
 ॐ रामाय नमः  
 ॐ गुणभृते नमः  
 ॐ निर्गुणाय नमः  
 ॐ महते नमः

॥ इति श्रीमदानन्दरामायणे वाल्मीकीये श्रीरामसहस्रनामावलिः सम्पूर्णा ॥

## ॥ विष्णुसहस्रनामावलि: ॥

ॐ विश्वस्मै नमः  
 ॐ विष्णवे नमः  
 ॐ वषट्काराय नमः  
 ॐ भूतभव्यभवत्प्रभवे नमः  
 ॐ भूतकृते नमः  
 ॐ भूतभृते नमः  
 ॐ भावाय नमः  
 ॐ भूतात्मने नमः  
 ॐ भूतभावनाय नमः  
 ॐ पूतात्मने नमः १०  
 ॐ परमात्मने नमः  
 ॐ मुक्तानां परमायै गतये नमः  
 ॐ अव्ययाय नमः  
 ॐ पुरुषाय नमः  
 ॐ साक्षिणे नमः  
 ॐ क्षेत्रज्ञाय नमः  
 ॐ अक्षराय नमः  
 ॐ योगाय नमः  
 ॐ योगविदां नेत्रे नमः  
 ॐ प्रधानपुरुषेश्वराय नमः २०  
 ॐ नारसिंहवपुषे नमः  
 ॐ श्रीमते नमः  
 ॐ केशवाय नमः  
 ॐ पुरुषोत्तमाय नमः

ॐ सर्वस्मै नमः  
 ॐ शर्वाय नमः  
 ॐ शिवाय नमः  
 ॐ स्थाणवे नमः  
 ॐ भूतादये नमः  
 ॐ निधयेऽव्ययाय नमः ३०  
 ॐ सम्भवाय नमः  
 ॐ भावनाय नमः  
 ॐ भर्त्रे नमः  
 ॐ प्रभवाय नमः  
 ॐ प्रभवे नमः  
 ॐ ईश्वराय नमः  
 ॐ स्वयम्भुवे नमः  
 ॐ शम्भवे नमः  
 ॐ आदित्याय नमः  
 ॐ पुष्कराक्षाय नमः ४०  
 ॐ महास्वनाय नमः  
 ॐ अनादिनिधनाय नमः  
 ॐ धात्रे नमः  
 ॐ विधात्रे नमः  
 ॐ धातव उत्तमाय नमः  
 ॐ अप्रमेयाय नमः  
 ॐ हृषीकेशाय नमः  
 ॐ पद्मनाभाय नमः

ॐ अमरप्रभवे नमः  
 ॐ विश्वकर्मणे नमः ५०  
 ॐ मनवे नमः  
 ॐ त्वष्ट्रे नमः  
 ॐ स्थविष्ठाय नमः  
 ॐ स्थविराय ध्रुवाय नमः  
 ॐ अग्राह्याय नमः  
 ॐ शाश्वताय नमः  
 ॐ कृष्णाय नमः  
 ॐ लोहिताक्षाय नमः  
 ॐ प्रतर्दनाय नमः  
 ॐ प्रभूताय नमः ६०  
 ॐ त्रिककुब्ध्यान्ने नमः  
 ॐ पवित्राय नमः  
 ॐ मङ्गलाय परस्मै नमः  
 ॐ ईशानाय नमः  
 ॐ प्राणदाय नमः  
 ॐ प्राणाय नमः  
 ॐ ज्येष्ठाय नमः  
 ॐ श्रेष्ठाय नमः  
 ॐ प्रजापतये नमः  
 ॐ हिरण्यगर्भाय नमः ७०  
 ॐ भूगर्भाय नमः  
 ॐ माधवाय नमः  
 ॐ मधुसूदनाय नमः  
 ॐ ईश्वराय नमः

ॐ विक्रमिणे नमः  
 ॐ धन्विने नमः  
 ॐ मेधाविने नमः  
 ॐ विक्रमाय नमः  
 ॐ क्रमाय नमः  
 ॐ अनुत्तमाय नमः ८०  
 ॐ दुराधर्षाय नमः  
 ॐ कृतज्ञाय नमः  
 ॐ कृतये नमः  
 ॐ आत्मवते नमः  
 ॐ सुरेशाय नमः  
 ॐ शरणाय नमः  
 ॐ शर्मणे नमः  
 ॐ विश्वरेतसे नमः  
 ॐ प्रजाभवाय नमः  
 ॐ अह्ने नमः ९०  
 ॐ संवत्सराय नमः  
 ॐ व्यालाय नमः  
 ॐ प्रत्ययाय नमः  
 ॐ सर्वदर्शनाय नमः  
 ॐ अजाय नमः  
 ॐ सर्वेश्वराय नमः  
 ॐ सिद्धाय नमः  
 ॐ सिद्धये नमः  
 ॐ सर्वादये नमः  
 ॐ अच्युताय नमः १००

ॐ वृषाकपये नमः  
 ॐ अमेयात्मने नमः  
 ॐ सर्वयोगविनिस्सृताय नमः  
 ॐ वसवे नमः  
 ॐ वसुमनसे नमः  
 ॐ सत्याय नमः  
 ॐ समात्मने नमः  
 ॐ असम्मिताय नमः  
 ॐ समाय नमः  
 ॐ अमोघाय नमः ११०  
 ॐ पुण्डरीकाक्षाय नमः  
 ॐ वृषकर्मणे नमः  
 ॐ वृषाकृतये नमः  
 ॐ रुद्राय नमः  
 ॐ बहुशिरसे नमः  
 ॐ बभ्रवे नमः  
 ॐ विश्वयोनये नमः  
 ॐ शुचिश्रवसे नमः  
 ॐ अमृताय नमः  
 ॐ शाश्वतस्स्थानवे नमः १२०  
 ॐ वरारोहाय नमः  
 ॐ महातपसे नमः  
 ॐ सर्वगाय नमः  
 ॐ सर्वविद्भानवे नमः  
 ॐ विष्वक्सेनाय नमः  
 ॐ जनार्दनाय नमः

ॐ वेदाय नमः  
 ॐ वेदविदे नमः  
 ॐ अव्यङ्गाय नमः  
 ॐ वेदाङ्गाय नमः १३०  
 ॐ वेदविदे नमः  
 ॐ कवये नमः  
 ॐ लोकाध्यक्षाय नमः  
 ॐ सुराध्यक्षाय नमः  
 ॐ धर्माध्यक्षाय नमः  
 ॐ कृताकृताय नमः  
 ॐ चतुरात्मने नमः  
 ॐ चतुर्व्यूहाय नमः  
 ॐ चतुर्दंष्ट्राय नमः  
 ॐ चतुर्भुजाय नमः १४०  
 ॐ भ्राजिष्णवे नमः  
 ॐ भोजनाय नमः  
 ॐ भोक्त्रे नमः  
 ॐ सहिष्णवे नमः  
 ॐ जगदादिजाय नमः  
 ॐ अनघाय नमः  
 ॐ विजयाय नमः  
 ॐ जेत्रे नमः  
 ॐ विश्वयोनये नमः  
 ॐ पुनर्वसवे नमः १५०  
 ॐ उपेन्द्राय नमः  
 ॐ वामनाय नमः

ॐ प्रांशवे नमः  
 ॐ अमोघाय नमः  
 ॐ शुचये नमः  
 ॐ ऊर्जिताय नमः  
 ॐ अतीन्द्राय नमः  
 ॐ सङ्ग्रहाय नमः  
 ॐ सर्गाय नमः  
 ॐ धृतात्मने नमः १६०  
 ॐ नियमाय नमः  
 ॐ यमाय नमः  
 ॐ वेद्याय नमः  
 ॐ वैद्याय नमः  
 ॐ सदायोगिने नमः  
 ॐ वीरघ्ने नमः  
 ॐ माधवाय नमः  
 ॐ मधवे नमः  
 ॐ अतीन्द्रियाय नमः  
 ॐ महामायाय नमः १७०  
 ॐ महोत्साहाय नमः  
 ॐ महाबलाय नमः  
 ॐ महाबुद्धये नमः  
 ॐ महावीर्याय नमः  
 ॐ महाशक्तये नमः  
 ॐ महाद्युतये नमः  
 ॐ अनिर्देश्यवपुषे नमः  
 ॐ श्रीमते नमः

ॐ अमेयात्मने नमः  
 ॐ महाद्रिधृषे नमः १८०  
 ॐ महेष्वासाय नमः  
 ॐ महीभर्त्रे नमः  
 ॐ श्रीनिवासाय नमः  
 ॐ सतां गतये नमः  
 ॐ अनिरुद्धाय नमः  
 ॐ सुरानन्दाय नमः  
 ॐ गोविन्दाय नमः  
 ॐ गोविदां पतये नमः  
 ॐ मरीचये नमः  
 ॐ दमनाय नमः १९०  
 ॐ हंसाय नमः  
 ॐ सुपर्णाय नमः  
 ॐ भुजगोत्तमाय नमः  
 ॐ हिरण्यनाभाय नमः  
 ॐ सुतपसे नमः  
 ॐ पद्मनाभाय नमः  
 ॐ प्रजापतये नमः  
 ॐ अमृत्यवे नमः  
 ॐ सर्वदृशे नमः  
 ॐ सिंहाय नमः २००  
 ॐ सन्धात्रे नमः  
 ॐ सन्धिमतये नमः  
 ॐ स्थिराय नमः  
 ॐ अजाय नमः

ॐ दुर्मर्षणाय नमः  
 ॐ शास्त्रे नमः  
 ॐ विश्रुतात्मने नमः  
 ॐ सुरारिघ्ने नमः  
 ॐ गुरवे नमः  
 ॐ गुरुतमाय नमः २१०  
 ॐ धाम्ने नमः  
 ॐ सत्याय नमः  
 ॐ सत्यपराक्रमाय नमः  
 ॐ निमिषाय नमः  
 ॐ अनिमिषाय नमः  
 ॐ स्रग्विणे नमः  
 ॐ वाचस्पतये उदारधिये नमः  
 ॐ अग्रण्ये नमः  
 ॐ ग्रामण्ये नमः  
 ॐ श्रीमते नमः २२०  
 ॐ न्यायाय नमः  
 ॐ नेत्रे नमः  
 ॐ समीरणाय नमः  
 ॐ सहस्रमूर्ध्ने नमः  
 ॐ विश्वात्मने नमः  
 ॐ सहस्राक्षाय नमः  
 ॐ सहस्रपदे नमः  
 ॐ आवर्तनाय नमः  
 ॐ निवृत्तात्मने नमः  
 ॐ संवृताय नमः २३०

ॐ सम्प्रमर्दनाय नमः  
 ॐ अहःसंवर्तकाय नमः  
 ॐ वह्नये नमः  
 ॐ अनिलाय नमः  
 ॐ धरणीधराय नमः  
 ॐ सुप्रसादाय नमः  
 ॐ प्रसन्नात्मने नमः  
 ॐ विश्वधृषे नमः  
 ॐ विश्वभुजे नमः  
 ॐ विभवे नमः २४०  
 ॐ सत्कर्त्रे नमः  
 ॐ सत्कृताय नमः  
 ॐ साधवे नमः  
 ॐ जह्वे नमः  
 ॐ नारायणाय नमः  
 ॐ नराय नमः  
 ॐ असङ्ख्येयाय नमः  
 ॐ अप्रमेयात्मने नमः  
 ॐ विशिष्टाय नमः  
 ॐ शिष्टकृते नमः २५०  
 ॐ शुचये नमः  
 ॐ सिद्धार्थाय नमः  
 ॐ सिद्धसङ्कल्पाय नमः  
 ॐ सिद्धिदाय नमः  
 ॐ सिद्धिसाधनाय नमः  
 ॐ वृषाहिणे नमः



ॐ वृषभाय नमः  
 ॐ विष्णवे नमः  
 ॐ वृषपर्वणे नमः  
 ॐ वृषोदराय नमः २६०  
 ॐ वर्धनाय नमः  
 ॐ वर्धमानाय नमः  
 ॐ विविक्ताय नमः  
 ॐ श्रुतिसागराय नमः  
 ॐ सुभुजाय नमः  
 ॐ दुर्धराय नमः  
 ॐ वाग्मिने नमः  
 ॐ महेन्द्राय नमः  
 ॐ वसुदाय नमः  
 ॐ वसवे नमः २७०  
 ॐ नैकरूपाय नमः  
 ॐ बृहद्रूपाय नमः  
 ॐ शिपिविष्टाय नमः  
 ॐ प्रकाशनाय नमः  
 ॐ ओजस्तेजोद्युतिधराय नमः  
 ॐ प्रकाशात्मने नमः  
 ॐ प्रतापनाय नमः  
 ॐ ऋद्धाय नमः  
 ॐ स्पष्टाक्षराय नमः  
 ॐ मन्त्राय नमः २८०  
 ॐ चन्द्रांशवे नमः  
 ॐ भास्करद्युतये नमः

ॐ अमृतांशूद्रवाय नमः  
 ॐ भानवे नमः  
 ॐ शशबिन्दवे नमः  
 ॐ सुरेश्वराय नमः  
 ॐ औषधाय नमः  
 ॐ जगतस्सेतवे नमः  
 ॐ सत्यधर्मपराक्रमाय नमः  
 ॐ भूतभव्यभवननाथाय नमः २९०  
 ॐ पवनाय नमः  
 ॐ पावनाय नमः  
 ॐ अनलाय नमः  
 ॐ कामघ्ने नमः  
 ॐ कामकृते नमः  
 ॐ कान्ताय नमः  
 ॐ कामाय नमः  
 ॐ कामप्रदाय नमः  
 ॐ प्रभवे नमः  
 ॐ युगादिकृते नमः ३००  
 ॐ युगावर्ताय नमः  
 ॐ नैकमायाय नमः  
 ॐ महाशनाय नमः  
 ॐ अदृश्याय नमः  
 ॐ व्यक्तरूपाय नमः  
 ॐ सहस्रजिते नमः  
 ॐ अनन्तजिते नमः  
 ॐ इष्टाय नमः

ॐ अविशिष्टाय नमः

ॐ शिष्टेष्टाय नमः ३१०

ॐ शिखण्डिने नमः

ॐ नहुषाय नमः

ॐ वृषाय नमः

ॐ क्रोधघ्ने नमः

ॐ क्रोधकृत्कर्त्रे नमः

ॐ विश्वबाहवे नमः

ॐ महीधराय नमः

ॐ अच्युताय नमः

ॐ प्रथिताय नमः

ॐ प्राणाय नमः ३२०

ॐ प्राणदाय नमः

ॐ वासवानुजाय नमः

ॐ अपान्निधये नमः

ॐ अधिष्ठानाय नमः

ॐ अप्रमत्ताय नमः

ॐ प्रतिष्ठिताय नमः

ॐ स्कन्दाय नमः

ॐ स्कन्दधराय नमः

ॐ धुर्याय नमः

ॐ वरदाय नमः ३३०

ॐ वायुवाहनाय नमः

ॐ वासुदेवाय नमः

ॐ बृहद्भानवे नमः

ॐ आदिदेवाय नमः

ॐ पुरन्दराय नमः

ॐ अशोकाय नमः

ॐ तारणाय नमः

ॐ ताराय नमः

ॐ शूराय नमः

ॐ शौरये नमः ३४०

ॐ जनेश्वराय नमः

ॐ अनुकूलाय नमः

ॐ शतावर्ताय नमः

ॐ पद्मिने नमः

ॐ पद्मनिभेक्षणाय नमः

ॐ पद्मनाभाय नमः

ॐ अरविन्दाक्षाय नमः

ॐ पद्मगर्भाय नमः

ॐ शरीरभृते नमः

ॐ महर्द्धये नमः ३५०

ॐ ऋद्धाय नमः

ॐ वृद्धात्मने नमः

ॐ महाक्षाय नमः

ॐ गरुडध्वजाय नमः

ॐ अतुलाय नमः

ॐ शरभाय नमः

ॐ भीमाय नमः

ॐ समयज्ञाय नमः

ॐ हविर्हरये नमः

ॐ सर्वलक्षणलक्षणाय नमः ३६०

ॐ लक्ष्मीवते नमः  
 ॐ समितिञ्जयाय नमः  
 ॐ विक्षराय नमः  
 ॐ रोहिताय नमः  
 ॐ मार्गाय नमः  
 ॐ हेतवे नमः  
 ॐ दामोदराय नमः  
 ॐ सहाय नमः  
 ॐ महीधराय नमः  
 ॐ महाभागाय नमः ३७०  
 ॐ वेगवते नमः  
 ॐ अमिताशनाय नमः  
 ॐ उद्भवाय नमः  
 ॐ क्षोभणाय नमः  
 ॐ देवाय नमः  
 ॐ श्रीगर्भाय नमः  
 ॐ परमेश्वराय नमः  
 ॐ करणाय नमः  
 ॐ कारणाय नमः  
 ॐ कर्त्रे नमः ३८०  
 ॐ विकर्त्रे नमः  
 ॐ गहनाय नमः  
 ॐ गुहाय नमः  
 ॐ व्यवसायाय नमः  
 ॐ व्यवस्थानाय नमः  
 ॐ संस्थानाय नमः

ॐ स्थानदाय नमः  
 ॐ ध्रुवाय नमः  
 ॐ परर्द्धये नमः  
 ॐ परमस्पष्टाय नमः ३९०  
 ॐ तुष्टाय नमः  
 ॐ पुष्टाय नमः  
 ॐ शुभेक्षणाय नमः  
 ॐ रामाय नमः  
 ॐ विरामाय नमः  
 ॐ विरताय नमः  
 ॐ मार्गाय नमः  
 ॐ नेयाय नमः  
 ॐ नयाय नमः  
 ॐ अनयाय नमः ४००  
 ॐ वीराय नमः  
 ॐ शक्तिमतां श्रेष्ठाय नमः  
 ॐ धर्माय नमः  
 ॐ धर्मविदुत्तमाय नमः  
 ॐ वैकुण्ठाय नमः  
 ॐ पुरुषाय नमः  
 ॐ प्राणाय नमः  
 ॐ प्राणदाय नमः  
 ॐ प्रणवाय नमः  
 ॐ पृथ्वे नमः ४१०  
 ॐ हिरण्यगर्भाय नमः  
 ॐ शत्रुघ्नाय नमः

ॐ व्याप्ताय नमः  
 ॐ वायवे नमः  
 ॐ अधोक्षजाय नमः  
 ॐ ऋतवे नमः  
 ॐ सुदर्शनाय नमः  
 ॐ कालाय नमः  
 ॐ परमेष्ठिने नमः  
 ॐ परिग्रहाय नमः ४२०  
 ॐ उग्राय नमः  
 ॐ संवत्सराय नमः  
 ॐ दक्षाय नमः  
 ॐ विश्रामाय नमः  
 ॐ विश्वदक्षिणाय नमः  
 ॐ विस्ताराय नमः  
 ॐ स्थावरस्थाणवे नमः  
 ॐ प्रमाणाय नमः  
 ॐ बीजायाव्ययाय नमः  
 ॐ अर्थाय नमः ४३०  
 ॐ अनर्थाय नमः  
 ॐ महाकोशाय नमः  
 ॐ महाभोगाय नमः  
 ॐ महाधनाय नमः  
 ॐ अनिर्विण्णाय नमः  
 ॐ स्थविष्ठाय नमः  
 ॐ अभुवे नमः  
 ॐ धर्मयूपाय नमः

ॐ महामखाय नमः  
 ॐ नक्षत्रनेमये नमः ४४०  
 ॐ नक्षत्रिणे नमः  
 ॐ क्षमाय नमः  
 ॐ क्षामाय नमः  
 ॐ समीहनाय नमः  
 ॐ यज्ञाय नमः  
 ॐ इज्याय नमः  
 ॐ महेज्याय नमः  
 ॐ क्रतवे नमः  
 ॐ सत्राय नमः  
 ॐ सताङ्गतये नमः ४५०  
 ॐ सर्वदर्शिने नमः  
 ॐ विमुक्तात्मने नमः  
 ॐ सर्वज्ञाय नमः  
 ॐ ज्ञानाय उत्तमाय नमः  
 ॐ सुव्रताय नमः  
 ॐ सुमुखाय नमः  
 ॐ सूक्ष्माय नमः  
 ॐ सुघोषाय नमः  
 ॐ सुखदाय नमः  
 ॐ सुहृदे नमः ४६०  
 ॐ मनोहराय नमः  
 ॐ जितक्रोधाय नमः  
 ॐ वीरबाह्वे नमः  
 ॐ विदारणाय नमः

ॐ स्वापनाय नमः  
 ॐ स्ववशाय नमः  
 ॐ व्यापिने नमः  
 ॐ नैकात्मने नमः  
 ॐ नैककर्मकृते नमः  
 ॐ वत्सराय नमः  
 ॐ वत्सलाय नमः  
 ॐ वत्सिने नमः  
 ॐ रत्नगर्भाय नमः  
 ॐ धनेश्वराय नमः  
 ॐ धर्मगुणे नमः  
 ॐ धर्मकृते नमः  
 ॐ धर्मिणे नमः  
 ॐ सते नमः  
 ॐ असते नमः  
 ॐ क्षराय नमः  
 ॐ अक्षराय नमः  
 ॐ अविज्ञात्रे नमः  
 ॐ सहस्रांशवे नमः  
 ॐ विधात्रे नमः  
 ॐ कृतलक्षणाय नमः  
 ॐ गभस्तिनेमये नमः  
 ॐ सत्त्वस्थाय नमः  
 ॐ सिंहाय नमः  
 ॐ भूतमहेश्वराय नमः  
 ॐ आदिदेवाय नमः

४७०

४८०

४९०

ॐ महादेवाय नमः  
 ॐ देवेशाय नमः  
 ॐ देवभृद्गुरवे नमः  
 ॐ उत्तराय नमः  
 ॐ गोपतये नमः  
 ॐ गोप्त्रे नमः  
 ॐ ज्ञानगम्याय नमः  
 ॐ पुरातनाय नमः  
 ॐ शरीरभूतभृते नमः  
 ॐ भोक्त्रे नमः  
 ॐ कपीन्द्राय नमः  
 ॐ भूरिदक्षिणाय नमः  
 ॐ सोमपाय नमः  
 ॐ अमृतपाय नमः  
 ॐ सोमाय नमः  
 ॐ पुरुजिते नमः  
 ॐ पुरुसत्तमाय नमः  
 ॐ विनयाय नमः  
 ॐ जयाय नमः  
 ॐ सत्यसन्धाय नमः  
 ॐ दाशार्हाय नमः  
 ॐ सात्त्वतां पतये नमः  
 ॐ जीवाय नमः  
 ॐ विनयितासाक्षिणे नमः  
 ॐ मुकुन्दाय नमः  
 ॐ अमितविक्रमाय नमः

५००

५१०

ॐ अम्भोनिधये नमः  
 ॐ अनन्तात्मने नमः  
 ॐ महोदधिशयाय नमः  
 ॐ अन्तकाय नमः ५२०  
 ॐ अजाय नमः  
 ॐ महार्हाय नमः  
 ॐ स्वाभाव्याय नमः  
 ॐ जितामित्राय नमः  
 ॐ प्रमोदनाय नमः  
 ॐ आनन्दाय नमः  
 ॐ नन्दनाय नमः  
 ॐ नन्दाय नमः  
 ॐ सत्यधर्मणे नमः  
 ॐ त्रिविक्रमाय नमः ५३०  
 ॐ महर्षये कपिलाचार्याय नमः  
 ॐ कृतज्ञाय नमः  
 ॐ मेदिनीपतये नमः  
 ॐ त्रिपदाय नमः  
 ॐ त्रिदशाध्यक्षाय नमः  
 ॐ महाशृङ्गाय नमः  
 ॐ कृतान्तकृते नमः  
 ॐ महावराहाय नमः  
 ॐ गोविन्दाय नमः  
 ॐ सुषेणाय नमः ५४०  
 ॐ कनकाङ्गदिने नमः  
 ॐ गुह्याय नमः

ॐ गभीराय नमः  
 ॐ गहनाय नमः  
 ॐ गुप्ताय नमः  
 ॐ चक्रगदाधराय नमः  
 ॐ वेधसे नमः  
 ॐ स्वाङ्गाय नमः  
 ॐ अजिताय नमः  
 ॐ कृष्णाय नमः ५५०  
 ॐ दृढाय नमः  
 ॐ सङ्कर्षणायाच्युताय नमः  
 ॐ वरुणाय नमः  
 ॐ वारुणाय नमः  
 ॐ वृक्षाय नमः  
 ॐ पुष्कराक्षाय नमः  
 ॐ महामनसे नमः  
 ॐ भगवते नमः  
 ॐ भगघ्ने नमः  
 ॐ आनन्दिने नमः ५६०  
 ॐ वनमालिने नमः  
 ॐ हलायुधाय नमः  
 ॐ आदित्याय नमः  
 ॐ ज्योतिरादित्याय नमः  
 ॐ सहिष्णवे नमः  
 ॐ गतिसत्तमाय नमः  
 ॐ सुधन्वने नमः  
 ॐ खण्डपरशवे नमः

ॐ दारुणाय नमः  
 ॐ द्रविणप्रदाय नमः ५७०  
 ॐ दिवस्पृशे नमः  
 ॐ सर्वदृग्व्यासाय नमः  
 ॐ वाचस्पतयेऽयोनिजाय नमः  
 ॐ त्रिसाम्ने नमः  
 ॐ सामगाय नमः  
 ॐ साम्ने नमः  
 ॐ निर्वाणाय नमः  
 ॐ भेषजाय नमः  
 ॐ भिषजे नमः  
 ॐ सन्न्यासकृते नमः ५८०  
 ॐ शमाय नमः  
 ॐ शान्ताय नमः  
 ॐ निष्ठायै नमः  
 ॐ शान्त्यै नमः  
 ॐ परायणाय नमः  
 ॐ शुभाङ्गाय नमः  
 ॐ शान्तिदाय नमः  
 ॐ स्रष्ट्रे नमः  
 ॐ कुमुदाय नमः  
 ॐ कुवलेशयाय नमः ५९०  
 ॐ गोहिताय नमः  
 ॐ गोपतये नमः  
 ॐ गोप्त्रे नमः  
 ॐ वृषभाक्षाय नमः

ॐ वृषप्रियाय नमः  
 ॐ अनिवर्तिने नमः  
 ॐ निवृत्तात्मने नमः  
 ॐ सङ्क्षेप्त्रे नमः  
 ॐ क्षेमकृते नमः  
 ॐ शिवाय नमः ६००  
 ॐ श्रीवत्सवक्षसे नमः  
 ॐ श्रीवासाय नमः  
 ॐ श्रीपतये नमः  
 ॐ श्रीमतां वराय नमः  
 ॐ श्रीदाय नमः  
 ॐ श्रीशाय नमः  
 ॐ श्रीनिवासाय नमः  
 ॐ श्रीनिधये नमः  
 ॐ श्रीविभावनाय नमः  
 ॐ श्रीधराय नमः ६१०  
 ॐ श्रीकराय नमः  
 ॐ श्रेयसे नमः  
 ॐ श्रीमते नमः  
 ॐ लोकत्रयाश्रयाय नमः  
 ॐ स्वक्षाय नमः  
 ॐ स्वङ्गाय नमः  
 ॐ शतानन्दाय नमः  
 ॐ नन्दये नमः  
 ॐ ज्योतिर्गणेश्वराय नमः  
 ॐ विजितात्मने नमः ६२०

ॐ अविधेयात्मने नमः  
 ॐ सत्कीर्तये नमः  
 ॐ छिन्नसंशयाय नमः  
 ॐ उदीर्णाय नमः  
 ॐ सर्वतश्चक्षुषे नमः  
 ॐ अनीशाय नमः  
 ॐ शाश्वतस्स्थिराय नमः  
 ॐ भूशाय नमः  
 ॐ भूषणाय नमः  
 ॐ भूतये नमः ६३०  
 ॐ विशोकाय नमः  
 ॐ शोकनाशनाय नमः  
 ॐ अर्चिष्मते नमः  
 ॐ अर्चिताय नमः  
 ॐ कुम्भाय नमः  
 ॐ विशुद्धात्मने नमः  
 ॐ विशोधनाय नमः  
 ॐ अनिरुद्धाय नमः  
 ॐ अप्रतिरथाय नमः  
 ॐ प्रद्युम्नाय नमः ६४०  
 ॐ अमितविक्रमाय नमः  
 ॐ कालनेमिनिघ्ने नमः  
 ॐ वीराय नमः  
 ॐ शौरये नमः  
 ॐ शूरजनेश्वराय नमः  
 ॐ त्रिलोकात्मने नमः

ॐ त्रिलोकेशाय नमः  
 ॐ केशवाय नमः  
 ॐ केशिघ्ने नमः  
 ॐ हरये नमः ६५०  
 ॐ कामदेवाय नमः  
 ॐ कामपालाय नमः  
 ॐ कामिने नमः  
 ॐ कान्ताय नमः  
 ॐ कृतागमाय नमः  
 ॐ अनिर्देश्यवपुषे नमः  
 ॐ विष्णवे नमः  
 ॐ वीराय नमः  
 ॐ अनन्ताय नमः  
 ॐ धनञ्जयाय नमः ६६०  
 ॐ ब्रह्मण्याय नमः  
 ॐ ब्रह्मकृते नमः  
 ॐ ब्रह्मणे नमः  
 ॐ ब्रह्मणे नमः  
 ॐ ब्रह्मविवर्धनाय नमः  
 ॐ ब्रह्मविदे नमः  
 ॐ ब्राह्मणाय नमः  
 ॐ ब्रह्मिणे नमः  
 ॐ ब्रह्मज्ञाय नमः  
 ॐ ब्राह्मणप्रियाय नमः ६७०  
 ॐ महाक्रमाय नमः  
 ॐ महाकर्मणे नमः



ॐ महातेजसे नमः  
 ॐ महोरगाय नमः  
 ॐ महाक्रतवे नमः  
 ॐ महायज्वने नमः  
 ॐ महायज्ञाय नमः  
 ॐ महाहविषे नमः  
 ॐ स्तव्याय नमः  
 ॐ स्तवप्रियाय नमः ६८०  
 ॐ स्तोत्राय नमः  
 ॐ स्तुतये नमः  
 ॐ स्तोत्रे नमः  
 ॐ रणप्रियाय नमः  
 ॐ पूर्णाय नमः  
 ॐ पूरयित्रे नमः  
 ॐ पुण्याय नमः  
 ॐ पुण्यकीर्तये नमः  
 ॐ अनामयाय नमः  
 ॐ मनोजवाय नमः ६९०  
 ॐ तीर्थकराय नमः  
 ॐ वसुरेतसे नमः  
 ॐ वसुप्रदाय नमः  
 ॐ वसुप्रदाय नमः  
 ॐ वासुदेवाय नमः  
 ॐ वसुवे नमः  
 ॐ वसुमनसे नमः  
 ॐ हविषे नमः

ॐ सद्रतये नमः  
 ॐ सत्कृतये नमः ७००  
 ॐ सत्तायै नमः  
 ॐ सद्भूतये नमः  
 ॐ सत्परायणाय नमः  
 ॐ शूरसेनाय नमः  
 ॐ यदुश्रेष्ठाय नमः  
 ॐ सन्निवासाय नमः  
 ॐ सुयामुनाय नमः  
 ॐ भूतावासाय नमः  
 ॐ वासुदेवाय नमः  
 ॐ सर्वासुनिलयाय नमः ७१०  
 ॐ अनलाय नमः  
 ॐ दर्पघ्ने नमः  
 ॐ दर्पदाय नमः  
 ॐ दृष्टाय नमः  
 ॐ दुर्धराय नमः  
 ॐ अपराजिताय नमः  
 ॐ विश्वमूर्तये नमः  
 ॐ महामूर्तये नमः  
 ॐ दीप्तमूर्तये नमः  
 ॐ अमूर्तिमते नमः ७२०  
 ॐ अनेकमूर्तये नमः  
 ॐ अव्यक्ताय नमः  
 ॐ शतमूर्तये नमः  
 ॐ शताननाय नमः

ॐ एकस्मै नमः  
 ॐ नैकस्मै नमः  
 ॐ सवाय नमः  
 ॐ काय नमः  
 ॐ कस्मै नमः  
 ॐ यस्मै नमः ७३०  
 ॐ तस्मै नमः  
 ॐ पदायानुत्तमाय नमः  
 ॐ लोकबन्धवे नमः  
 ॐ लोकनाथाय नमः  
 ॐ माधवाय नमः  
 ॐ भक्तवत्सलाय नमः  
 ॐ सुवर्णवर्णाय नमः  
 ॐ हेमाङ्गाय नमः  
 ॐ वराङ्गाय नमः  
 ॐ चन्दनाङ्गदिने नमः ७४०  
 ॐ वीरघ्ने नमः  
 ॐ विषमाय नमः  
 ॐ शून्याय नमः  
 ॐ घृताशिषे नमः  
 ॐ अचलाय नमः  
 ॐ चलाय नमः  
 ॐ अमानिने नमः  
 ॐ मानदाय नमः  
 ॐ मान्याय नमः  
 ॐ लोकस्वामिने नमः ७५०

ॐ त्रिलोकधृषे नमः  
 ॐ सुमेधसे नमः  
 ॐ मेधजाय नमः  
 ॐ धन्याय नमः  
 ॐ सत्यमेधसे नमः  
 ॐ धराधराय नमः  
 ॐ तेजोवृषाय नमः  
 ॐ द्युतिधराय नमः  
 ॐ सर्वशस्त्रभृतां वराय नमः  
 ॐ प्रग्रहाय नमः ७६०  
 ॐ निग्रहाय नमः  
 ॐ व्यग्राय नमः  
 ॐ नैकशृङ्गाय नमः  
 ॐ गदाग्रजाय नमः  
 ॐ चतुर्मूर्तये नमः  
 ॐ चतुर्बाहवे नमः  
 ॐ चतुर्व्यूहाय नमः  
 ॐ चतुर्गतये नमः  
 ॐ चतुरात्मने नमः  
 ॐ चतुर्भावाय नमः ७७०  
 ॐ चतुर्वेदविदे नमः  
 ॐ एकपदे नमः  
 ॐ समावर्ताय नमः  
 ॐ अनिवृत्तात्मने नमः  
 ॐ दुर्जयाय नमः  
 ॐ दुरतिक्रमाय नमः

ॐ दुर्लभाय नमः  
 ॐ दुर्गमाय नमः  
 ॐ दुर्गाय नमः  
 ॐ दुरावासाय नमः ७८०  
 ॐ दुरारिघ्ने नमः  
 ॐ शुभाङ्गाय नमः  
 ॐ लोकसारङ्गाय नमः  
 ॐ सुतन्त्रवे नमः  
 ॐ तन्तुवर्धनाय नमः  
 ॐ इन्द्रकर्मणे नमः  
 ॐ महाकर्मणे नमः  
 ॐ कृतकर्मणे नमः  
 ॐ कृतागमाय नमः  
 ॐ उद्भवाय नमः ७९०  
 ॐ सुन्दराय नमः  
 ॐ सुन्दाय नमः  
 ॐ रत्ननाभाय नमः  
 ॐ सुलोचनाय नमः  
 ॐ अर्काय नमः  
 ॐ वाजसनाय नमः  
 ॐ शृङ्गिणे नमः  
 ॐ जयन्ताय नमः  
 ॐ सर्वविज्जयिने नमः  
 ॐ सुवर्णबिन्दवे नमः ८००  
 ॐ अक्षोभ्याय नमः  
 ॐ सर्ववागीश्वरेश्वराय नमः

ॐ महाहृदाय नमः  
 ॐ महागर्ताय नमः  
 ॐ महाभूताय नमः  
 ॐ महानिधये नमः  
 ॐ कुमुदाय नमः  
 ॐ कुन्दराय नमः  
 ॐ कुन्दाय नमः  
 ॐ पर्जन्याय नमः ८१०  
 ॐ पावनाय नमः  
 ॐ अनिलाय नमः  
 ॐ अमृताशाय नमः  
 ॐ अमृतवपुषे नमः  
 ॐ सर्वज्ञाय नमः  
 ॐ सर्वतोमुखाय नमः  
 ॐ सुलभाय नमः  
 ॐ सुव्रताय नमः  
 ॐ सिद्धाय नमः  
 ॐ शत्रुजिते नमः ८२०  
 ॐ शत्रुतापनाय नमः  
 ॐ न्यग्रोधाय नमः  
 ॐ उदुम्बराय नमः  
 ॐ अश्वत्थाय नमः  
 ॐ चाणूरान्ध्रनिषूदनाय नमः  
 ॐ सहस्रार्चिषे नमः  
 ॐ सप्तजिह्वाय नमः  
 ॐ सप्तैधसे नमः

ॐ सप्तवाहनाय नमः

ॐ अमूर्तये नमः

८३०

ॐ अनघाय नमः

ॐ अचिन्त्याय नमः

ॐ भयकृते नमः

ॐ भयनाशनाय नमः

ॐ अणवे नमः

ॐ बृहते नमः

ॐ कृशाय नमः

ॐ स्थूलाय नमः

ॐ गुणभृते नमः

ॐ निर्गुणाय नमः

८४०

ॐ महते नमः

ॐ अधृताय नमः

ॐ स्वधृताय नमः

ॐ स्वास्याय नमः

ॐ प्राग्वंशाय नमः

ॐ वंशवर्धनाय नमः

ॐ भारभृते नमः

ॐ कथिताय नमः

ॐ योगिने नमः

ॐ योगीशाय नमः

८५०

ॐ सर्वकामदाय नमः

ॐ आश्रमाय नमः

ॐ श्रमणाय नमः

ॐ क्षामाय नमः

ॐ सुपर्णाय नमः

ॐ वायुवाहनाय नमः

ॐ धनुर्धराय नमः

ॐ धनुर्वेदाय नमः

ॐ दण्डाय नमः

ॐ दमयित्रे नमः

८६०

ॐ दमाय नमः

ॐ अपराजिताय नमः

ॐ सर्वसहाय नमः

ॐ नियन्त्रे नमः

ॐ अनियमाय नमः

ॐ अयमाय नमः

ॐ सत्त्ववते नमः

ॐ सात्त्विकाय नमः

ॐ सत्याय नमः

ॐ सत्यधर्मपरायणाय नमः ८७०

ॐ अभिप्रायाय नमः

ॐ प्रियार्हाय नमः

ॐ अर्हाय नमः

ॐ प्रियकृते नमः

ॐ प्रीतिवर्धनाय नमः

ॐ विहायसगतये नमः

ॐ ज्योतिषे नमः

ॐ सुरुचये नमः

ॐ हुतभुजे नमः

ॐ विभवे नमः

८८०

ॐ रवये नमः  
 ॐ विरोचनाय नमः  
 ॐ सूर्याय नमः  
 ॐ सवित्रे नमः  
 ॐ रविलोचनाय नमः  
 ॐ अनन्ताय नमः  
 ॐ हुतभुजे नमः  
 ॐ भोक्त्रे नमः  
 ॐ सुखदाय नमः  
 ॐ नैकजाय नमः ८९०  
 ॐ अग्रजाय नमः  
 ॐ अनिर्विण्णाय नमः  
 ॐ सदामर्षिणे नमः  
 ॐ लोकाधिष्ठानाय नमः  
 ॐ अद्भुताय नमः  
 ॐ सनाते नमः  
 ॐ सनातनतमाय नमः  
 ॐ कपिलाय नमः  
 ॐ कपये नमः  
 ॐ अव्ययाय नमः ९००  
 ॐ स्वस्तिदाय नमः  
 ॐ स्वस्तिकृते नमः  
 ॐ स्वस्तये नमः  
 ॐ स्वस्तिभुजे नमः  
 ॐ स्वस्तिदक्षिणाय नमः  
 ॐ अरौद्राय नमः

ॐ कुण्डलिने नमः  
 ॐ चक्रिणे नमः  
 ॐ विक्रमिणे नमः  
 ॐ ऊर्जितशासनाय नमः ९१०  
 ॐ शब्दातिगाय नमः  
 ॐ शब्दसहाय नमः  
 ॐ शिशिराय नमः  
 ॐ शर्वरीकराय नमः  
 ॐ अक्रूराय नमः  
 ॐ पेशलाय नमः  
 ॐ दक्षाय नमः  
 ॐ दक्षिणाय नमः  
 ॐ क्षमिणां वराय नमः  
 ॐ विद्वत्तमाय नमः ९२०  
 ॐ वीतभयाय नमः  
 ॐ पुण्यश्रवणकीर्तनाय नमः  
 ॐ उत्तारणाय नमः  
 ॐ दुष्कृतिघ्ने नमः  
 ॐ पुण्याय नमः  
 ॐ दुस्स्वप्ननाशनाय नमः  
 ॐ वीरघ्ने नमः  
 ॐ रक्षणाय नमः  
 ॐ सद्भ्यो नमः  
 ॐ जीवनाय नमः ९३०  
 ॐ पर्यवस्थिताय नमः  
 ॐ अनन्तरूपाय नमः

ॐ अनन्तश्रिये नमः  
 ॐ जितमन्यवे नमः  
 ॐ भयापहाय नमः  
 ॐ चतुरश्राय नमः  
 ॐ गभीरात्मने नमः  
 ॐ विदिशाय नमः  
 ॐ व्यादिशाय नमः  
 ॐ दिशाय नमः ९४०  
 ॐ अनादये नमः  
 ॐ भुवो भुवे नमः  
 ॐ लक्ष्म्यै नमः  
 ॐ सुवीराय नमः  
 ॐ रुचिराङ्गदाय नमः  
 ॐ जननाय नमः  
 ॐ जनजन्मादये नमः  
 ॐ भीमाय नमः  
 ॐ भीमपराक्रमाय नमः  
 ॐ आधारनिलयाय नमः ९५०  
 ॐ अधात्रे नमः  
 ॐ पुष्पहासाय नमः  
 ॐ प्रजागराय नमः  
 ॐ ऊर्ध्वगाय नमः  
 ॐ सत्पथाचाराय नमः  
 ॐ प्राणदाय नमः  
 ॐ प्रणवाय नमः  
 ॐ पणाय नमः

ॐ प्रमाणाय नमः  
 ॐ प्राणनिलयाय नमः ९६०  
 ॐ प्राणभृते नमः  
 ॐ प्राणजीवनाय नमः  
 ॐ तत्त्वाय नमः  
 ॐ तत्त्वविदे नमः  
 ॐ एकात्मने नमः  
 ॐ जन्ममृत्युजरातिगाय नमः  
 ॐ भूर्भुवस्वस्तरवे नमः  
 ॐ ताराय नमः  
 ॐ सवित्रे नमः  
 ॐ प्रपितामहाय नमः ९७०  
 ॐ यज्ञाय नमः  
 ॐ यज्ञपतये नमः  
 ॐ यज्वने नमः  
 ॐ यज्ञाङ्गाय नमः  
 ॐ यज्ञवाहनाय नमः  
 ॐ यज्ञभृते नमः  
 ॐ यज्ञकृते नमः  
 ॐ यज्ञिने नमः  
 ॐ यज्ञभुजे नमः  
 ॐ यज्ञसाधनाय नमः ९८०  
 ॐ यज्ञान्तकृते नमः  
 ॐ यज्ञगुह्याय नमः  
 ॐ अन्नाय नमः  
 ॐ अन्नादाय नमः

ॐ आत्मयोनये नमः

ॐ स्वयञ्जाताय नमः

ॐ वैखानाय नमः

ॐ सामगायनाय नमः

ॐ देवकीनन्दनाय नमः

ॐ स्रष्ट्रे नमः

ॐ क्षितीशाय नमः

ॐ पापनाशनाय नमः

९९०

ॐ शङ्खभृते नमः

ॐ नन्दकिने नमः

ॐ चक्रिणे नमः

ॐ शार्ङ्गधन्वने नमः

ॐ गदाधराय नमः

ॐ रथाङ्गपाणये नमः

ॐ अक्षोभ्याय नमः

ॐ सर्वप्रहरणायुधाय नमः १०००

॥ इति श्रीविष्णुसहस्रनामावलिः सम्पूर्णा ॥

## ॥ शिवसहस्रनामावलि: ॥

ॐ स्थिराय नमः  
 ॐ स्थाणवे नमः  
 ॐ प्रभवे नमः  
 ॐ भीमाय नमः  
 ॐ प्रवराय नमः  
 ॐ वरदाय नमः  
 ॐ वराय नमः  
 ॐ सर्वात्मने नमः  
 ॐ सर्वविख्याताय नमः  
 ॐ सर्वस्मै नमः १०  
 ॐ सर्वकराय नमः  
 ॐ भवाय नमः  
 ॐ जटिने नमः  
 ॐ चर्मिणे नमः  
 ॐ शिखण्डिने नमः  
 ॐ सर्वाङ्गाय नमः  
 ॐ सर्वभावनाय नमः  
 ॐ हराय नमः  
 ॐ हरिणाक्षाय नमः  
 ॐ सर्वभूतहराय नमः २०  
 ॐ प्रभवे नमः  
 ॐ प्रवृत्तये नमः  
 ॐ निवृत्तये नमः  
 ॐ नियताय नमः

ॐ शाश्वताय नमः  
 ॐ ध्रुवाय नमः  
 ॐ श्मशानवासिने नमः  
 ॐ भगवते नमः  
 ॐ खचराय नमः  
 ॐ गोचराय नमः ३०  
 ॐ अर्दनाय नमः  
 ॐ अभिवाद्याय नमः  
 ॐ महाकर्मणे नमः  
 ॐ तपस्विने नमः  
 ॐ भूतभावनाय नमः  
 ॐ उन्मत्तवेषप्रच्छन्नाय नमः  
 ॐ सर्वलोकप्रजापतये नमः  
 ॐ महारूपाय नमः  
 ॐ महाकायाय नमः  
 ॐ वृषरूपाय नमः ४०  
 ॐ महायशसे नमः  
 ॐ महात्मने नमः  
 ॐ सर्वभूतात्मने नमः  
 ॐ विश्वरूपाय नमः  
 ॐ महाहनवे नमः  
 ॐ लोकपालाय नमः  
 ॐ अन्तर्हितात्मने नमः  
 ॐ प्रसादाय नमः



ॐ हयगर्दभये नमः

ॐ पवित्राय नमः ५०

ॐ महते नमः

ॐ नियमाय नमः

ॐ नियमाश्रिताय नमः

ॐ सर्वकर्मणे नमः

ॐ स्वयम्भूताय नमः

ॐ आदये नमः

ॐ आदिकराय नमः

ॐ निधये नमः

ॐ सहस्राक्षाय नमः

ॐ विशालाक्षाय नमः ६०

ॐ सोमाय नमः

ॐ नक्षत्रसाधकाय नमः

ॐ चन्द्राय नमः

ॐ सूर्याय नमः

ॐ शनये नमः

ॐ केतवे नमः

ॐ ग्रहाय नमः

ॐ ग्रहपतये नमः

ॐ वराय नमः

ॐ अत्रये नमः ७०

ॐ अत्र्या नमस्कर्त्रे नमः

ॐ मृगबाणार्पणाय नमः

ॐ अनघाय नमः

ॐ महातपसे नमः

ॐ घोरतपसे नमः

ॐ अदीनाय नमः

ॐ दीनसाधकाय नमः

ॐ संवत्सरकराय नमः

ॐ मन्त्राय नमः

ॐ प्रमाणाय नमः ८०

ॐ परमायतपसे नमः

ॐ योगिने नमः

ॐ योज्याय नमः

ॐ महाबीजाय नमः

ॐ महारेतसे नमः

ॐ महाबलाय नमः

ॐ सुवर्णरेतसे नमः

ॐ सर्वज्ञाय नमः

ॐ सुबीजाय नमः

ॐ बीजवाहनाय नमः ९०

ॐ दशबाहवे नमः

ॐ अनिमिषाय नमः

ॐ नीलकण्ठाय नमः

ॐ उमापतये नमः

ॐ विश्वरूपाय नमः

ॐ स्वयंश्रेष्ठाय नमः

ॐ बलवीराय नमः

ॐ अबलगणाय नमः

ॐ गणकर्त्रे नमः

ॐ गणपतये नमः १००

ॐ दिग्वाससे नमः

ॐ कामाय नमः

ॐ मन्त्रविदे नमः

ॐ परममन्त्राय नमः

ॐ सर्वभावकराय नमः

ॐ हराय नमः

ॐ कमण्डलुधराय नमः

ॐ धन्विने नमः

ॐ बाणहस्ताय नमः

ॐ कपालवते नमः ११०

ॐ अशनिने नमः

ॐ शतघ्निने नमः

ॐ खड्गिने नमः

ॐ पट्टिशिने नमः

ॐ आयुधिने नमः

ॐ महते नमः

ॐ स्रुवहस्ताय नमः

ॐ सुरूपाय नमः

ॐ तेजसे नमः

ॐ तेजस्करनिधये नमः १२०

ॐ उष्णीषिणे नमः

ॐ सुवक्राय नमः

ॐ उदग्राय नमः

ॐ विनताय नमः

ॐ दीर्घाय नमः

ॐ हरिकेशाय नमः

ॐ सुतीर्थाय नमः

ॐ कृष्णाय नमः

ॐ शृगालरूपाय नमः

ॐ सिद्धार्थाय नमः १३०

ॐ मुण्डाय नमः

ॐ सर्वशुभङ्कराय नमः

ॐ अजाय नमः

ॐ बहुरूपाय नमः

ॐ गन्धधारिणे नमः

ॐ कपर्दिने नमः

ॐ उर्ध्वरेतसे नमः

ॐ ऊर्ध्वलिङ्गाय नमः

ॐ ऊर्ध्वशायिने नमः

ॐ नभस्थलाय नमः १४०

ॐ त्रिजटिने नमः

ॐ चीरवाससे नमः

ॐ रुद्राय नमः

ॐ सेनापतये नमः

ॐ विभवे नमः

ॐ अहश्चराय नमः

ॐ नक्तञ्चराय नमः

ॐ तिग्ममन्यवे नमः

ॐ सुवर्चसाय नमः

ॐ गजघ्ने नमः १५०

ॐ दैत्यघ्ने नमः

ॐ कालाय नमः

ॐ लोकधात्रे नमः  
 ॐ गुणाकराय नमः  
 ॐ सिंहशार्दूलरूपाय नमः  
 ॐ आर्द्रचर्माम्बरावृताय नमः  
 ॐ कालयोगिने नमः  
 ॐ महानादाय नमः  
 ॐ सर्वकामाय नमः  
 ॐ चतुष्पथाय नमः १६०  
 ॐ निशाचराय नमः  
 ॐ प्रेतचारिणे नमः  
 ॐ भूतचारिणे नमः  
 ॐ महेश्वराय नमः  
 ॐ बहुभूताय नमः  
 ॐ बहुधराय नमः  
 ॐ स्वर्भानवे नमः  
 ॐ अमिताय नमः  
 ॐ गतये नमः  
 ॐ नृत्यप्रियाय नमः १७०  
 ॐ नित्यनर्ताय नमः  
 ॐ नर्तकाय नमः  
 ॐ सर्वलालसाय नमः  
 ॐ घोराय नमः  
 ॐ महातपसे नमः  
 ॐ पाशाय नमः  
 ॐ नित्याय नमः  
 ॐ गिरिरुहाय नमः

ॐ नभसे नमः  
 ॐ सहस्रहस्ताय नमः १८०  
 ॐ विजयाय नमः  
 ॐ व्यवसायाय नमः  
 ॐ अतन्द्रिताय नमः  
 ॐ अधर्षणाय नमः  
 ॐ धर्षणात्मने नमः  
 ॐ यज्ञघ्ने नमः  
 ॐ कामनाशकाय नमः  
 ॐ दक्षयागापहारिणे नमः  
 ॐ सुसहाय नमः  
 ॐ मध्यमाय नमः १९०  
 ॐ तेजोऽपहारिणे नमः  
 ॐ बलघ्ने नमः  
 ॐ मुदिताय नमः  
 ॐ अर्थाय नमः  
 ॐ अजिताय नमः  
 ॐ अवराय नमः  
 ॐ गम्भीरघोषाय नमः  
 ॐ गम्भीराय नमः  
 ॐ गम्भीरबलवाहनाय नमः  
 ॐ न्यग्रोधरूपाय नमः २००  
 ॐ न्यग्रोधाय नमः  
 ॐ वृक्षकर्णस्थितये नमः  
 ॐ विभवे नमः  
 ॐ सुतीक्ष्णदशनाय नमः

ॐ महाकायाय नमः  
 ॐ महाननाय नमः  
 ॐ विश्वक्सेनाय नमः  
 ॐ हरये नमः  
 ॐ यज्ञाय नमः  
 ॐ संयुगापीडवाहनाय नमः २१०  
 ॐ तीक्ष्णतापाय नमः  
 ॐ हर्यश्वाय नमः  
 ॐ सहायाय नमः  
 ॐ कर्मकालविदे नमः  
 ॐ विष्णुप्रसादिताय नमः  
 ॐ यज्ञाय नमः  
 ॐ समुद्राय नमः  
 ॐ बडवामुखाय नमः  
 ॐ हुताशनसहायाय नमः  
 ॐ प्रशान्तात्मने नमः २२०  
 ॐ हुताशनाय नमः  
 ॐ उग्रतेजसे नमः  
 ॐ महातेजसे नमः  
 ॐ जन्याय नमः  
 ॐ विजयकालविदे नमः  
 ॐ ज्योतिषामयनाय नमः  
 ॐ सिद्धये नमः  
 ॐ सर्वविग्रहाय नमः  
 ॐ शिखिने नमः  
 ॐ मुण्डिने नमः २३०

ॐ जटिने नमः  
 ॐ ज्वलिने नमः  
 ॐ मूर्तिजाय नमः  
 ॐ मूर्धगाय नमः  
 ॐ बलिने नमः  
 ॐ वेणविने नमः  
 ॐ पणविने नमः  
 ॐ तालिने नमः  
 ॐ खलिने नमः  
 ॐ कालकटङ्कटाय नमः २४०  
 ॐ नक्षत्रविग्रहमतये नमः  
 ॐ गुणबुद्धये नमः  
 ॐ लयाय नमः  
 ॐ अगमाय नमः  
 ॐ प्रजापतये नमः  
 ॐ विश्वबाहवे नमः  
 ॐ विभागाय नमः  
 ॐ सर्वगाय नमः  
 ॐ अमुखाय नमः  
 ॐ विमोचनाय नमः २५०  
 ॐ सुसरणाय नमः  
 ॐ हिरण्यकवचोद्भवाय नमः  
 ॐ मेढ्रजाय नमः  
 ॐ बलचारिणे नमः  
 ॐ महीचारिणे नमः  
 ॐ स्नुताय नमः

ॐ सर्वतूर्यनिनादिने नमः  
 ॐ सर्वतोद्यपरिग्रहाय नमः  
 ॐ व्यालरूपाय नमः  
 ॐ गुहावासिने नमः २६०  
 ॐ गुहाय नमः  
 ॐ मालिने नमः  
 ॐ तरङ्गविदे नमः  
 ॐ त्रिदशाय नमः  
 ॐ त्रिकालधृषे नमः  
 ॐ कर्मसर्वबन्धविमोचनाय नमः  
 ॐ असुरेन्द्राणां बन्धनाय नमः  
 ॐ युधि शत्रुविनाशनाय नमः  
 ॐ साङ्ख्यप्रसादाय नमः  
 ॐ दुर्वाससे नमः २७०  
 ॐ सर्वसाधुनिषेविताय नमः  
 ॐ प्रस्कन्दनाय नमः  
 ॐ विभागज्ञाय नमः  
 ॐ अतुल्याय नमः  
 ॐ यज्ञविभागविदे नमः  
 ॐ सर्ववासाय नमः  
 ॐ सर्वचारिणे नमः  
 ॐ दुर्वाससे नमः  
 ॐ वासवाय नमः  
 ॐ अमराय नमः २८०  
 ॐ हैमाय नमः  
 ॐ हेमकराय नमः

ॐ अयज्ञाय नमः  
 ॐ सर्वधारिणे नमः  
 ॐ धरोत्तमाय नमः  
 ॐ लोहिताक्षाय नमः  
 ॐ महाक्षाय नमः  
 ॐ विजयाक्षाय नमः  
 ॐ विशारदाय नमः  
 ॐ सङ्ग्रहाय नमः २९०  
 ॐ निग्रहाय नमः  
 ॐ कर्त्रे नमः  
 ॐ सर्पचीरनिवासनाय नमः  
 ॐ मुख्याय नमः  
 ॐ अमुख्याय नमः  
 ॐ देहाय नमः  
 ॐ काहलये नमः  
 ॐ सर्वकामदाय नमः  
 ॐ सर्वकालप्रसादाय नमः  
 ॐ सुबलाय नमः ३००  
 ॐ बलरूपधृषे नमः  
 ॐ सर्वकामवराय नमः  
 ॐ सर्वदाय नमः  
 ॐ सर्वतोमुखाय नमः  
 ॐ आकाशनिर्विरूपाय नमः  
 ॐ निपातिने नमः  
 ॐ अवशाय नमः  
 ॐ खगाय नमः

ॐ रौद्ररूपाय नमः  
 ॐ अंशवे नमः ३१०  
 ॐ आदित्याय नमः  
 ॐ बहुरश्मये नमः  
 ॐ सुवर्चसिने नमः  
 ॐ वसुवेगाय नमः  
 ॐ महावेगाय नमः  
 ॐ मनोवेगाय नमः  
 ॐ निशाचराय नमः  
 ॐ सर्ववासिने नमः  
 ॐ श्रियावासिने नमः  
 ॐ उपदेशकराय नमः ३२०  
 ॐ अकराय नमः  
 ॐ मुनये नमः  
 ॐ आत्मनिरालोकाय नमः  
 ॐ सम्भग्राय नमः  
 ॐ सहस्रदाय नमः  
 ॐ पक्षिणे नमः  
 ॐ पक्षरूपाय नमः  
 ॐ अतिदीप्ताय नमः  
 ॐ विशाम्पतये नमः  
 ॐ उन्मादाय नमः ३३०  
 ॐ मदनाय नमः  
 ॐ कामाय नमः  
 ॐ अश्वत्थाय नमः  
 ॐ अर्थकराय नमः

ॐ यशसे नमः  
 ॐ वामदेवाय नमः  
 ॐ वामाय नमः  
 ॐ प्राचे नमः  
 ॐ दक्षिणाय नमः  
 ॐ वामनाय नमः ३४०  
 ॐ सिद्धयोगिने नमः  
 ॐ महर्षये नमः  
 ॐ सिद्धार्थाय नमः  
 ॐ सिद्धसाधकाय नमः  
 ॐ भिक्षवे नमः  
 ॐ भिक्षुरूपाय नमः  
 ॐ विपणाय नमः  
 ॐ मृदवे नमः  
 ॐ अव्ययाय नमः  
 ॐ महासेनाय नमः ३५०  
 ॐ विशाखाय नमः  
 ॐ षष्टिभागाय नमः  
 ॐ गवां पतये नमः  
 ॐ वज्रहस्ताय नमः  
 ॐ विष्कम्भिने नमः  
 ॐ चमूस्तम्भनाय नमः  
 ॐ वृत्तावृत्तकराय नमः  
 ॐ तालाय नमः  
 ॐ मधवे नमः  
 ॐ मधुकलोचनाय नमः ३६०

ॐ वाचस्पत्याय नमः  
 ॐ वाजसनाय नमः  
 ॐ नित्यमाश्रमपूजिताय नमः  
 ॐ ब्रह्मचारिणे नमः  
 ॐ लोकचारिणे नमः  
 ॐ सर्वचारिणे नमः  
 ॐ विचारविदे नमः  
 ॐ ईशानाय नमः  
 ॐ ईश्वराय नमः  
 ॐ कालाय नमः ३७०  
 ॐ निशाचारिणे नमः  
 ॐ पिनाकवते नमः  
 ॐ निमित्तस्थाय नमः  
 ॐ निमित्ताय नमः  
 ॐ नन्दये नमः  
 ॐ नन्दिकराय नमः  
 ॐ हरये नमः  
 ॐ नन्दीश्वराय नमः  
 ॐ नन्दिने नमः  
 ॐ नन्दनाय नमः ३८०  
 ॐ नन्दिवर्धनाय नमः  
 ॐ भगहारिणे नमः  
 ॐ निहन्त्रे नमः  
 ॐ कालाय नमः  
 ॐ ब्रह्मणे नमः  
 ॐ पितामहाय नमः

ॐ चतुर्मुखाय नमः  
 ॐ महालिङ्गाय नमः  
 ॐ चारुलिङ्गाय नमः  
 ॐ लिङ्गाध्यक्षाय नमः ३९०  
 ॐ सुराध्यक्षाय नमः  
 ॐ योगाध्यक्षाय नमः  
 ॐ युगावहाय नमः  
 ॐ बीजाध्यक्षाय नमः  
 ॐ बीजकर्त्रे नमः  
 ॐ अध्यात्मानुगताय नमः  
 ॐ बलाय नमः  
 ॐ इतिहासाय नमः  
 ॐ सकल्पाय नमः  
 ॐ गौतमाय नमः ४००  
 ॐ निशाकराय नमः  
 ॐ दम्भाय नमः  
 ॐ अदम्भाय नमः  
 ॐ वैदम्भाय नमः  
 ॐ वश्याय नमः  
 ॐ वशकराय नमः  
 ॐ कलये नमः  
 ॐ लोककर्त्रे नमः  
 ॐ पशुपतये नमः  
 ॐ महाकर्त्रे नमः ४१०  
 ॐ अनौषधाय नमः  
 ॐ अक्षराय नमः

ॐ परमाय ब्रह्मणे नमः  
 ॐ बलवते नमः  
 ॐ शक्राय नमः  
 ॐ नीतये नमः  
 ॐ अनीतये नमः  
 ॐ शुद्धात्मने नमः  
 ॐ शुद्धाय नमः  
 ॐ मान्याय नमः ४२०  
 ॐ गतागताय नमः  
 ॐ बहुप्रसादाय नमः  
 ॐ सुस्वप्नाय नमः  
 ॐ दर्पणाय नमः  
 ॐ अमित्रजिते नमः  
 ॐ वेदकाराय नमः  
 ॐ मन्त्रकाराय नमः  
 ॐ विदुषे नमः  
 ॐ समरमर्दनाय नमः  
 ॐ महामेघनिवासिने नमः ४३०  
 ॐ महाघोराय नमः  
 ॐ वशिने नमः  
 ॐ कराय नमः  
 ॐ अग्निज्वालाय नमः  
 ॐ महाज्वालाय नमः  
 ॐ अतिधूम्राय नमः  
 ॐ हुताय नमः  
 ॐ हविषे नमः

ॐ वृषणाय नमः  
 ॐ शङ्कराय नमः ४४०  
 ॐ नित्यं वर्चस्विने नमः  
 ॐ धूमकेतनाय नमः  
 ॐ नीलाय नमः  
 ॐ अङ्गलुब्धाय नमः  
 ॐ शोभनाय नमः  
 ॐ निरवग्रहाय नमः  
 ॐ स्वस्तिदाय नमः  
 ॐ स्वस्तिभावाय नमः  
 ॐ भागिने नमः  
 ॐ भागकराय नमः ४५०  
 ॐ लघवे नमः  
 ॐ उत्सङ्गाय नमः  
 ॐ महाङ्गाय नमः  
 ॐ महागर्भपरायणाय नमः  
 ॐ कृष्णवर्णाय नमः  
 ॐ सुवर्णाय नमः  
 ॐ सर्वदेहिनां इन्द्रियाय नमः  
 ॐ महापादाय नमः  
 ॐ महाहस्ताय नमः  
 ॐ महाकायाय नमः ४६०  
 ॐ महायशसे नमः  
 ॐ महामूर्ध्ने नमः  
 ॐ महामात्राय नमः  
 ॐ महानेत्राय नमः



ॐ निशालयाय नमः  
 ॐ महान्तकाय नमः  
 ॐ महाकर्णाय नमः  
 ॐ महोष्ठाय नमः  
 ॐ महाहनवे नमः  
 ॐ महानासाय नमः  
 ॐ महाकम्बवे नमः  
 ॐ महाग्रीवाय नमः  
 ॐ श्मशानभाजे नमः  
 ॐ महावक्षसे नमः  
 ॐ महोरस्काय नमः  
 ॐ अन्तरात्मने नमः  
 ॐ मृगालयाय नमः  
 ॐ लम्बनाय नमः  
 ॐ लम्बितोष्ठाय नमः  
 ॐ महामायाय नमः  
 ॐ पयोनिधये नमः  
 ॐ महादन्ताय नमः  
 ॐ महादंष्ट्राय नमः  
 ॐ महाजिह्वाय नमः  
 ॐ महामुखाय नमः  
 ॐ महानखाय नमः  
 ॐ महारोम्णे नमः  
 ॐ महाकोशाय नमः  
 ॐ महाजटाय नमः  
 ॐ प्रसन्नाय नमः

४७०

४८०

४९०

ॐ प्रसादाय नमः  
 ॐ प्रत्ययाय नमः  
 ॐ गिरिसाधनाय नमः  
 ॐ स्नेहनाय नमः  
 ॐ अस्नेहनाय नमः  
 ॐ अजिताय नमः  
 ॐ महामुनये नमः  
 ॐ वृक्षाकाराय नमः  
 ॐ वृक्षकेतवे नमः  
 ॐ अनलाय नमः  
 ॐ वायुवाहनाय नमः  
 ॐ गण्डलिने नमः  
 ॐ मेरुधाम्ने नमः  
 ॐ देवाधिपतये नमः  
 ॐ अथर्वशीर्षाय नमः  
 ॐ सामास्याय नमः  
 ॐ ऋक्सहस्रामितेक्षणाय नमः  
 ॐ यजुः पाद भुजाय नमः  
 ॐ गुह्याय नमः  
 ॐ प्रकाशाय नमः  
 ॐ जङ्गमाय नमः  
 ॐ अमोघार्थाय नमः  
 ॐ प्रसादाय नमः  
 ॐ अभिगम्याय नमः  
 ॐ सुदर्शनाय नमः  
 ॐ उपकाराय नमः

५००

५१०

ॐ प्रियाय नमः  
 ॐ सर्वस्मै नमः  
 ॐ कनकाय नमः  
 ॐ कञ्चनच्छवये नमः ५२०  
 ॐ नाभये नमः  
 ॐ नन्दिकराय नमः  
 ॐ भावाय नमः  
 ॐ पुष्करस्थपतये नमः  
 ॐ स्थिराय नमः  
 ॐ द्वादशाय नमः  
 ॐ त्रासनाय नमः  
 ॐ आद्याय नमः  
 ॐ यज्ञाय नमः  
 ॐ यज्ञसमाहिताय नमः ५३०  
 ॐ नक्ताय नमः  
 ॐ कलये नमः  
 ॐ कालाय नमः  
 ॐ मकराय नमः  
 ॐ कालपूजिताय नमः  
 ॐ सगणाय नमः  
 ॐ गणकाराय नमः  
 ॐ भूतवाहनसारथये नमः  
 ॐ भस्मशयाय नमः  
 ॐ भस्मगोत्रे नमः ५४०  
 ॐ भस्मभूताय नमः  
 ॐ तरवे नमः

ॐ गणाय नमः  
 ॐ लोकपालाय नमः  
 ॐ अलोकाय नमः  
 ॐ महात्मने नमः  
 ॐ सर्वपूजिताय नमः  
 ॐ शुक्लाय नमः  
 ॐ त्रिशुक्लाय नमः  
 ॐ सम्पन्नाय नमः ५५०  
 ॐ शुचये नमः  
 ॐ भूतनिषेविताय नमः  
 ॐ आश्रमस्थाय नमः  
 ॐ क्रियावस्थाय नमः  
 ॐ विश्वकर्ममतये नमः  
 ॐ वराय नमः  
 ॐ विशालशाखाय नमः  
 ॐ ताम्रोष्ठाय नमः  
 ॐ अम्बुजालाय नमः  
 ॐ सुनिश्चलाय नमः ५६०  
 ॐ कपिलाय नमः  
 ॐ कपिशाय नमः  
 ॐ शुक्लाय नमः  
 ॐ आयुषे नमः  
 ॐ परस्मै नमः  
 ॐ अपरस्मै नमः  
 ॐ गन्धर्वाय नमः  
 ॐ अदितये नमः

ॐ ताक्ष्याय नमः  
 ॐ सुविज्ञेयाय नमः ५७०  
 ॐ सुशारदाय नमः  
 ॐ परश्वधायुधाय नमः  
 ॐ देवाय नमः  
 ॐ अनुकारिणे नमः  
 ॐ सुबान्धवाय नमः  
 ॐ तुम्बवीणाय नमः  
 ॐ महाक्रोधाया नमः  
 ॐ ऊर्ध्वरेतसे नमः  
 ॐ जलेशयाय नमः  
 ॐ उग्राय नमः ५८०  
 ॐ वंशकराय नमः  
 ॐ वंशाय नमः  
 ॐ वंशनादाय नमः  
 ॐ अनिन्दिताय नमः  
 ॐ सर्वाङ्गरूपाय नमः  
 ॐ मायाविने नमः  
 ॐ सुहृदे नमः  
 ॐ अनिलाय नमः  
 ॐ अनलाय नमः  
 ॐ बन्धनाय नमः ५९०  
 ॐ बन्धकर्त्रे नमः  
 ॐ सुबन्धनविमोचनाय नमः  
 ॐ सयज्ञारये नमः  
 ॐ सकामारये नमः

ॐ महादंष्ट्राय नमः  
 ॐ महायुधाय नमः  
 ॐ बहुधानिन्दिताय नमः  
 ॐ शर्वाय नमः  
 ॐ शङ्कराय नमः  
 ॐ शङ्कराय नमः ६००  
 ॐ अधनाय नमः  
 ॐ अमरेशाय नमः  
 ॐ महादेवाय नमः  
 ॐ विश्वदेवाय नमः  
 ॐ सुरारिघ्ने नमः  
 ॐ अहिर्बुध्याय नमः  
 ॐ अनिलाभाय नमः  
 ॐ चेकितानाय नमः  
 ॐ हविषे नमः  
 ॐ अजैकपदे नमः ६१०  
 ॐ कापालिने नमः  
 ॐ त्रिशङ्कवे नमः  
 ॐ अजिताय नमः  
 ॐ शिवाय नमः  
 ॐ धन्वन्तरये नमः  
 ॐ धूमकेतवे नमः  
 ॐ स्कन्दाय नमः  
 ॐ वैश्रवणाय नमः  
 ॐ धात्रे नमः  
 ॐ शक्राय नमः ६२०

ॐ विष्णवे नमः  
 ॐ मित्राय नमः  
 ॐ त्वष्ट्रे नमः  
 ॐ धृवाय नमः  
 ॐ धराय नमः  
 ॐ प्रभावाय नमः  
 ॐ सर्वगाय वायवे नमः  
 ॐ अर्यम्णे नमः  
 ॐ सवित्रे नमः  
 ॐ रवये नमः ६३०  
 ॐ उषङ्गवे नमः  
 ॐ विधात्रे नमः  
 ॐ मान्धात्रे नमः  
 ॐ भूतभावनाय नमः  
 ॐ विभवे नमः  
 ॐ वर्णविभाविने नमः  
 ॐ सर्वकामगुणावहाय नमः  
 ॐ पद्मनाभाय नमः  
 ॐ महागर्भाय नमः  
 ॐ चन्द्रवक्त्राय नमः ६४०  
 ॐ अनिलाय नमः  
 ॐ अनलाय नमः  
 ॐ बलवते नमः  
 ॐ उपशान्ताय नमः  
 ॐ पुराणाय नमः  
 ॐ पुण्यचञ्चुरिणे नमः

ॐ कुरुकर्त्रे नमः  
 ॐ कुरुवासिने नमः  
 ॐ कुरुभूताय नमः  
 ॐ गुणौषधाय नमः ६५०  
 ॐ सर्वाशयाय नमः  
 ॐ दर्भचारिणे नमः  
 ॐ सर्वेषां प्राणिनां पतये नमः  
 ॐ देवदेवाय नमः  
 ॐ सुखासक्ताय नमः  
 ॐ सते नमः  
 ॐ असते नमः  
 ॐ सर्वरत्नविदे नमः  
 ॐ कैलासगिरिवासिने नमः  
 ॐ हिमवद्गिरिसंश्रयाय नमः ६६०  
 ॐ कूलहारिणे नमः  
 ॐ कूलकर्त्रे नमः  
 ॐ बहुविधाय नमः  
 ॐ बहुप्रदाय नमः  
 ॐ वणिजाय नमः  
 ॐ वर्धकिने नमः  
 ॐ वृक्षाय नमः  
 ॐ बकुलाय नमः  
 ॐ चन्दनाय नमः  
 ॐ छदाय नमः ६७०  
 ॐ सारग्रीवाय नमः  
 ॐ महाजत्रवे नमः

ॐ अलोलाय नमः  
 ॐ महौषधाय नमः  
 ॐ सिद्धार्थकारिणे नमः  
 ॐ सिद्धार्थाय नमः  
 ॐ छन्दोव्याकरणोत्तराय नमः  
 ॐ सिंहनादाय नमः  
 ॐ सिंहदंष्ट्राय नमः  
 ॐ सिंहगाय नमः ६८०  
 ॐ सिंहवाहनाय नमः  
 ॐ प्रभावात्मने नमः  
 ॐ जगत्कालस्थालाय नमः  
 ॐ लोकहिताय नमः  
 ॐ तरवे नमः  
 ॐ सारङ्गाय नमः  
 ॐ नवचक्राङ्गाय नमः  
 ॐ केतुमालिने नमः  
 ॐ सभावनाय नमः  
 ॐ भूतालयाय नमः ६९०  
 ॐ भूतपतये नमः  
 ॐ अहोरात्राय नमः  
 ॐ अनिन्दिताय नमः  
 ॐ सर्वभूतानां वाहित्रे नमः  
 ॐ सर्वभूतानां निलयाय नमः  
 ॐ विभवे नमः  
 ॐ भवाय नमः  
 ॐ अमोघाय नमः

ॐ संयताय नमः  
 ॐ अश्वाय नमः ७००  
 ॐ भोजनाय नमः  
 ॐ प्राणधारणाय नमः  
 ॐ धृतिमते नमः  
 ॐ मतिमते नमः  
 ॐ दक्षाय नमः  
 ॐ सत्कृताय नमः  
 ॐ युगाधिपाय नमः  
 ॐ गोपालये नमः  
 ॐ गोपतये नमः  
 ॐ ग्रामाय नमः ७१०  
 ॐ गोचर्मवसनाय नमः  
 ॐ हरये नमः  
 ॐ हिरण्यबाहवे नमः  
 ॐ प्रवेशिनां गुहापालाय नमः  
 ॐ प्रकृष्टारये नमः  
 ॐ महाहर्षाय नमः  
 ॐ जितकामाय नमः  
 ॐ जितेन्द्रियाय नमः  
 ॐ गान्धाराय नमः  
 ॐ सुवासाय नमः ७२०  
 ॐ तपस्सक्ताय नमः  
 ॐ रतये नमः  
 ॐ नराय नमः  
 ॐ महागीताय नमः

ॐ महानृत्याय नमः  
 ॐ अप्सरोगणसेविताय नमः  
 ॐ महाकेतवे नमः  
 ॐ महाधातवे नमः  
 ॐ नैकसानुचराय नमः  
 ॐ चलाय नमः ७३०  
 ॐ आवेदनीयाय नमः  
 ॐ आदेशाय नमः  
 ॐ सर्वगन्धसुखाहवाय नमः  
 ॐ तोरणाय नमः  
 ॐ तारणाय नमः  
 ॐ वाताय नमः  
 ॐ परिध्यै नमः  
 ॐ पतिखेचराय नमः  
 ॐ संयोग वर्धनाय नमः  
 ॐ वृद्धाय नमः ७४०  
 ॐ अतिवृद्धाय नमः  
 ॐ गुणाधिकाय नमः  
 ॐ नित्याय आत्मसहायाय नमः  
 ॐ देवासुरपतये नमः  
 ॐ पत्ये नमः  
 ॐ युक्ताय नमः  
 ॐ युक्तबाहवे नमः  
 ॐ देवाय दिविसुपर्वणाय नमः  
 ॐ आषाढाय नमः  
 ॐ सुषाढाय नमः ७५०

ॐ ध्रुवाय नमः  
 ॐ हरिणाय नमः  
 ॐ हराय नमः  
 ॐ आवर्तमानेभ्योवपुषे नमः  
 ॐ वसुश्रेष्ठाय नमः  
 ॐ महापथाय नमः  
 ॐ विमर्शाय शिरोहारिणे नमः  
 ॐ सर्वलक्षणलक्षिताय नमः  
 ॐ अक्षाय रथयोगिने नमः  
 ॐ सर्वयोगिने नमः ७६०  
 ॐ महाबलाय नमः  
 ॐ समाम्नायाय नमः  
 ॐ असमाम्नायाय नमः  
 ॐ तीर्थदेवाय नमः  
 ॐ महारथाय नमः  
 ॐ निर्जीवाय नमः  
 ॐ जीवनाय नमः  
 ॐ मन्त्राय नमः  
 ॐ शुभाक्षाय नमः  
 ॐ बहुकर्कशाय नमः ७७०  
 ॐ रत्नप्रभूताय नमः  
 ॐ रत्नाङ्गाय नमः  
 ॐ महार्णवनिपानविदे नमः  
 ॐ मूलाय नमः  
 ॐ विशालाय नमः  
 ॐ अमृताय नमः

ॐ व्यक्ताव्यक्ताय नमः  
 ॐ तपोनिधये नमः  
 ॐ आरोहणाय नमः  
 ॐ अधिरोहाय नमः ७८०  
 ॐ शीलधारिणे नमः  
 ॐ महायशसे नमः  
 ॐ सेनाकल्पाय नमः  
 ॐ महाकल्पाय नमः  
 ॐ योगाय नमः  
 ॐ युगकराय नमः  
 ॐ हरये नमः  
 ॐ युगरूपाय नमः  
 ॐ महारूपाय नमः  
 ॐ महानागहनाय नमः ७९०  
 ॐ अवधाय नमः  
 ॐ न्यायनिर्वपणाय नमः  
 ॐ पादाय नमः  
 ॐ पण्डिताय नमः  
 ॐ अचलोपमाय नमः  
 ॐ बहुमालाय नमः  
 ॐ महामालाय नमः  
 ॐ शशिने हरसुलोचनाय नमः  
 ॐ विस्ताराय लवणाय कूपाय  
 नमः  
 ॐ त्रियुगाय नमः ८००  
 ॐ सफलोदयाय नमः

ॐ त्रिलोचनाय नमः  
 ॐ विषण्णाङ्गाय नमः  
 ॐ मणिविद्धाय नमः  
 ॐ जटाधराय नमः  
 ॐ विन्दवे नमः  
 ॐ विसर्गाय नमः  
 ॐ सुमुखाय नमः  
 ॐ शराय नमः  
 ॐ सर्वायुधाय नमः ८१०  
 ॐ सहाय नमः  
 ॐ निवेदनाय नमः  
 ॐ सुखाजाताय नमः  
 ॐ सुगन्धाराय नमः  
 ॐ महाधनुषे नमः  
 ॐ भगवते गन्धपालिने नमः  
 ॐ सर्वकर्मणां उत्थानाय नमः  
 ॐ मन्थानाय बहुलाय वायवे नमः  
 ॐ सकलाय नमः  
 ॐ सर्वलोचनाय नमः ८२०  
 ॐ तलस्तालाय नमः  
 ॐ करस्थालिने नमः  
 ॐ ऊर्ध्वसंहननाय नमः  
 ॐ महते नमः  
 ॐ छत्राय नमः  
 ॐ सुच्छत्राय नमः  
 ॐ विख्यातलोकाय नमः

ॐ सर्वाश्रयाय क्रमाय नमः  
 ॐ मु ण्डाय नमः  
 ॐ विरूपाय नमः ८३०  
 ॐ विकृताय नमः  
 ॐ दण्डिने नमः  
 ॐ कुण्डिने नमः  
 ॐ विकुर्वणाय नमः  
 ॐ हर्यक्षाय नमः  
 ॐ ककुभाय नमः  
 ॐ वज्रिणे नमः  
 ॐ शतजिह्वाय नमः  
 ॐ सहस्रपादे सहस्रमुर्ध्ने नमः  
 ॐ देवेन्द्राय नमः ८४०  
 ॐ सर्वदेवमयाय नमः  
 ॐ गुरवे नमः  
 ॐ सहस्रबाहवे नमः  
 ॐ सर्वाङ्गाय नमः  
 ॐ शरण्याय नमः  
 ॐ सर्वलोककृते नमः  
 ॐ पवित्राय नमः  
 ॐ त्रिककुन्मन्त्राय नमः  
 ॐ कनिष्ठाय नमः  
 ॐ कृष्णापिङ्गलाय नमः ८५०  
 ॐ ब्रह्मदण्डविनिर्मात्रे नमः  
 ॐ शतघ्नीपाश शक्तिमते नमः  
 ॐ पद्मगर्भाय नमः

ॐ महागर्भाय नमः  
 ॐ ब्रह्मगर्भाय नमः  
 ॐ जलोद्भवाय नमः  
 ॐ गभस्तये नमः  
 ॐ ब्रह्मकृते नमः  
 ॐ ब्रह्मिणे नमः  
 ॐ ब्रह्मविदे नमः ८६०  
 ॐ ब्राह्मणाय नमः  
 ॐ गतये नमः  
 ॐ अनन्तरूपाय नमः  
 ॐ नैकात्मने नमः  
 ॐ स्वयम्भुवाय तिग्मतेजसे नमः  
 ॐ ऊर्ध्वगात्मने नमः  
 ॐ पशुपतये नमः  
 ॐ वातरंहसे नमः  
 ॐ मनोजवाय नमः  
 ॐ चन्दनिने नमः ८७०  
 ॐ पद्मनालाग्राय नमः  
 ॐ सुरभ्युत्तरणाय नमः  
 ॐ नराय नमः  
 ॐ कर्णिकारमहास्रग्विणे नमः  
 ॐ नीलमौलये नमः  
 ॐ पिनाकधृते नमः  
 ॐ उमापतये नमः  
 ॐ उमाकान्ताय नमः  
 ॐ जाह्नवीधृते नमः



ॐ उमाधवाय नमः ८८०  
 ॐ वराय वराहाय नमः  
 ॐ वरदाय नमः  
 ॐ वरेण्याय नमः  
 ॐ सुमहास्वनाय नमः  
 ॐ महाप्रसादाय नमः  
 ॐ दमनाय नमः  
 ॐ शत्रुघ्ने नमः  
 ॐ श्वेतपिङ्गलाय नमः  
 ॐ पीतात्मने नमः  
 ॐ परमात्मने नमः ८९०  
 ॐ प्रयतात्मने नमः  
 ॐ प्रधानधृते नमः  
 ॐ सर्वपार्श्वमुखाय नमः  
 ॐ त्र्यक्षाय नमः  
 ॐ धर्मसाधारणाय वराय नमः  
 ॐ चराचरात्मने नमः  
 ॐ सूक्ष्मात्मने नमः  
 ॐ अमृताय गोवृषेश्वराय नमः  
 ॐ साध्यर्षये नमः  
 ॐ आदित्याय वसवे नमः ९००  
 ॐ विवस्वते सवितामृताय नमः  
 ॐ व्यासाय नमः  
 ॐ सुसङ्क्षेपाय विस्तराय सर्गाय  
 नमः  
 ॐ पर्ययाय नराय नमः

ॐ ऋतवे नमः  
 ॐ संवत्सराय नमः  
 ॐ मासाय नमः  
 ॐ पक्षाय नमः  
 ॐ सङ्ख्यासमापनाय नमः  
 ॐ कलाभ्यो नमः ९१०  
 ॐ काष्ठाभ्यो नमः  
 ॐ लवेभ्यो नमः  
 ॐ मात्राभ्यो नमः  
 ॐ मुहूर्ताहः क्षपाभ्यो नमः  
 ॐ क्षणेभ्यो नमः  
 ॐ विश्वक्षेत्राय नमः  
 ॐ प्रजाबीजाय नमः  
 ॐ लिङ्गाय नमः  
 ॐ आद्याय निर्गमाय नमः  
 ॐ सते नमः ९२०  
 ॐ असते नमः  
 ॐ व्यक्ताय नमः  
 ॐ अव्यक्ताय नमः  
 ॐ पित्रे नमः  
 ॐ मात्रे नमः  
 ॐ पितामहाय नमः  
 ॐ स्वर्गद्वाराय नमः  
 ॐ प्रजाद्वाराय नमः  
 ॐ मोक्षद्वाराय नमः  
 ॐ त्रिविष्टपाय नमः ९३०

ॐ निर्वाणाय नमः  
 ॐ ह्लादनाय नमः  
 ॐ ब्रह्मलोकाय नमः  
 ॐ परस्यै गतये नमः  
 ॐ देवासुर विनिर्मात्रे नमः  
 ॐ देवासुरपरायणाय नमः  
 ॐ देवासुरगुरवे नमः  
 ॐ देवाय नमः  
 ॐ देवासुर नमस्कृताय नमः  
 ॐ देवासुर महामात्राय नमः ९४०  
 ॐ देवासुर गणाश्रयाय नमः  
 ॐ देवासुरगणाध्यक्षाय नमः  
 ॐ देवासुर गणाग्रण्ये नमः  
 ॐ देवातिदेवाय नमः  
 ॐ देवर्षये नमः  
 ॐ देवासुरवरप्रदाय नमः  
 ॐ देवासुरेश्वराय नमः  
 ॐ विश्वस्मै नमः  
 ॐ देवासुरमहेश्वराय नमः  
 ॐ सर्वदेवमयाय नमः ९५०  
 ॐ अचिन्त्याय नमः  
 ॐ देवतात्मने नमः  
 ॐ आत्मसम्भवाय नमः  
 ॐ उद्भिदे नमः  
 ॐ त्रिविक्रमाय नमः  
 ॐ वैद्याय नमः

ॐ विरजसे नमः  
 ॐ नीरजसे नमः  
 ॐ अमराय नमः  
 ॐ ईड्याय नमः ९६०  
 ॐ हस्तीश्वराय नमः  
 ॐ व्याघ्राय नमः  
 ॐ देवसिंहाय नमः  
 ॐ नरर्षभाय नमः  
 ॐ विबुधाय नमः  
 ॐ अग्रवराय नमः  
 ॐ सूक्ष्माय नमः  
 ॐ सर्वदेवाय नमः  
 ॐ तपोमयाय नमः  
 ॐ सुयुक्ताय नमः ९७०  
 ॐ शोभनाय नमः  
 ॐ वज्रिणे नमः  
 ॐ प्रासानां प्रभवाय नमः  
 ॐ अव्ययाय नमः  
 ॐ गुहाय नमः  
 ॐ कान्ताय नमः  
 ॐ निजाय सर्गाय नमः  
 ॐ पवित्राय नमः  
 ॐ सर्वपावनाय नमः  
 ॐ शृङ्गिणे नमः ९८०  
 ॐ शृङ्गप्रियाय नमः  
 ॐ बभ्रवे नमः

ॐ राजराजाय नमः  
 ॐ निरामयाय नमः  
 ॐ अभिरामाय नमः  
 ॐ सुरगणाय नमः  
 ॐ विरामाय नमः  
 ॐ सर्वसाधनाय नमः  
 ॐ ललाटाक्षाय नमः  
 ॐ विश्वदेवाय नमः ९९०  
 ॐ हरिणाय नमः  
 ॐ ब्रह्मवर्चसे नमः  
 ॐ स्थावराणां पतये नमः  
 ॐ नियमेन्द्रियवर्धनाय नमः  
 ॐ सिद्धार्थाय नमः

ॐ सिद्धभूतार्थाय नमः  
 ॐ अचिन्त्याय नमः  
 ॐ सत्यव्रताय नमः  
 ॐ शुचये नमः  
 ॐ व्रताधिपाय नमः १०००  
 ॐ परस्मै नमः  
 ॐ ब्रह्मणे नमः  
 ॐ भक्तानां परमायै गतये नमः  
 ॐ विमुक्ताय नमः  
 ॐ मुक्ततेजसे नमः  
 ॐ श्रीमते नमः  
 ॐ श्रीवर्धनाय नमः  
 ॐ जगते नमः

॥ इति श्रीशिवसहस्रनामावलिः सम्पूर्णा ॥



विभाग: २

त्रिशतीनामावल्यः



## ॥ ललितात्रिशतीनामावलि: ॥

ॐ ककाररूपायै नमः  
 ॐ कल्याण्यै नमः  
 ॐ कल्याणगुणशालिन्यै नमः  
 ॐ कल्याणशैलनिलयायै नमः  
 ॐ कमनीयायै नमः  
 ॐ कलावत्यै नमः  
 ॐ कमलाक्ष्यै नमः  
 ॐ कल्मषघ्न्यै नमः  
 ॐ करुणामृतसागरायै नमः  
 ॐ कदम्बकाननावासायै नमः १०  
 ॐ कदम्बकुसुमप्रियायै नमः  
 ॐ कन्दर्पविद्यायै नमः  
 ॐ कन्दर्प-जनकापाङ्ग-वीक्षणायै  
 नमः  
 ॐ कर्पूरवीटि-सौरभ्य-कल्लोलित-  
 ककुत्तटायै  
 नमः  
 ॐ कलिदोषहरायै नमः  
 ॐ कञ्जलोचनायै नमः  
 ॐ कम्पविग्रहायै नमः  
 ॐ कर्मादिसाक्षिण्यै नमः  
 ॐ कारयित्र्यै नमः  
 ॐ कर्मफलप्रदायै नमः २०  
 ॐ एकाररूपायै नमः

ॐ एकाक्षर्यै नमः  
 ॐ एकानेकाक्षराकृत्यै नमः  
 ॐ एतत्तदित्यनिर्देश्यायै नमः  
 ॐ एकानन्द-चिदाकृत्यै नमः  
 ॐ एवमित्यागमाबोध्यायै नमः  
 ॐ एकभक्ति-मदर्चितायै नमः  
 ॐ एकाग्रचित्त-निर्ध्यातायै नमः  
 ॐ एषणा-रहितादृतायै नमः  
 ॐ एलासुगान्धचिकुरायै नमः ३०  
 ॐ एनःकूटविनाशिन्यै नमः  
 ॐ एकभोगायै नमः  
 ॐ एकरसायै नमः  
 ॐ एकैश्वर्य-प्रदायिन्यै नमः  
 ॐ एकातपत्र-साम्राज्य-प्रदायै  
 नमः  
 ॐ एकान्तपूजितायै नमः  
 ॐ एधमानप्रभायै नमः  
 ॐ एजदनेकजगदीश्वर्यै नमः  
 ॐ एकवीरादि-संसेव्यायै नमः  
 ॐ एकप्राभव-शालिन्यै नमः ४०  
 ॐ ईकाररूपायै नमः  
 ॐ ईशित्र्यै नमः  
 ॐ ईप्सितार्थ-प्रदायिन्यै नमः  
 ॐ ईदृगित्य-विनिर्देश्यायै नमः

ॐ ईश्वरत्व-विधायिन्यै नमः  
 ॐ ईशानादि-ब्रह्ममय्यै नमः  
 ॐ ईशित्वाद्यष्टसिद्धिदायै नमः  
 ॐ ईक्षित्र्यै नमः  
 ॐ ईक्षण-सृष्टाण्ड-कोट्यै नमः  
 ॐ ईश्वर-वल्लभायै नमः ५०  
 ॐ ईडितायै नमः  
 ॐ ईश्वरार्धाङ्ग-शरीरायै नमः  
 ॐ ईशाधि-देवतायै नमः  
 ॐ ईश्वर-प्रेरणकर्यै नमः  
 ॐ ईशताण्डव-साक्षिण्यै नमः  
 ॐ ईश्वरोत्सङ्ग-निलयायै नमः  
 ॐ ईतिबाधा-विनाशिन्यै नमः  
 ॐ ईहाविरहितायै नमः  
 ॐ ईशशक्त्यै नमः  
 ॐ ईषत्-स्मिताननायै नमः ६०  
 ॐ लकाररूपायै नमः  
 ॐ ललितायै नमः  
 ॐ लक्ष्मी-वाणी-निषेवितायै नमः  
 ॐ लाकिन्यै नमः  
 ॐ ललनारूपायै नमः  
 ॐ लसदाडिम-पाटलायै नमः  
 ॐ ललन्तिकालसत्फालायै नमः  
 ॐ ललाट-नयनार्चितायै नमः  
 ॐ लक्षणोज्ज्वल-दिव्याङ्ग्यै नमः  
 ॐ लक्षकोट्यण्ड-नायिकायै नमः

७०

ॐ लक्ष्यार्थायै नमः  
 ॐ लक्षणागम्यायै नमः  
 ॐ लब्धकामायै नमः  
 ॐ लतातनवे नमः  
 ॐ ललामराजदलिकायै नमः  
 ॐ लम्बिमुक्तालताञ्चितायै नमः  
 ॐ लम्बोदर-प्रसुवे नमः  
 ॐ लभ्यायै नमः  
 ॐ लज्जाढ्यायै नमः  
 ॐ लयवर्जितायै नमः ८०  
 ॐ हीङ्काररूपायै नमः  
 ॐ हीङ्कारनिलयायै नमः  
 ॐ हीम्पदप्रियायै नमः  
 ॐ हीङ्कारबीजायै नमः  
 ॐ हीङ्कारमन्त्रायै नमः  
 ॐ हीङ्कारलक्षणायै नमः  
 ॐ हीङ्कारजपसुप्रीतायै नमः  
 ॐ हीम्मत्यै नमः  
 ॐ हींविभूषणायै नमः  
 ॐ हींशीलायै नमः ९०  
 ॐ हीम्पदाराध्यायै नमः  
 ॐ हीङ्गर्भायै नमः  
 ॐ हीम्पदाभिधायै नमः  
 ॐ हीङ्कारवाच्यायै नमः  
 ॐ हीङ्कारपूज्यायै नमः



ॐ हीङ्कारपीठिकायै नमः  
 ॐ हीङ्कारवेद्यायै नमः  
 ॐ हीङ्कारचिन्त्यायै नमः  
 ॐ हीं नमः  
 ॐ हीं-शरीरिण्यै नमः १००  
 ॐ हकाररूपायै नमः  
 ॐ हलधृक्पूजितायै नमः  
 ॐ हरिणेक्षणायै नमः  
 ॐ हरप्रियायै नमः  
 ॐ हराराध्यायै नमः  
 ॐ हरिब्रह्मेन्द्रवन्दितायै नमः  
 ॐ हयारूढा-सेवितायै नमः  
 ॐ हयमेघ-समर्चितायै नमः  
 ॐ हर्यक्षवाहनायै नमः  
 ॐ हंसवाहनायै नमः ११०  
 ॐ हतदानवायै नमः  
 ॐ हत्यादिपापशमन्यै नमः  
 ॐ हरिदश्वादि-सेवितायै नमः  
 ॐ हस्तिकुम्भोत्तुङ्गकुचायै नमः  
 ॐ हस्तिकृत्ति-प्रियाङ्गनायै नमः  
 ॐ हरिद्राकुङ्कुमादिग्धायै नमः  
 ॐ हर्यश्वाद्यमरार्चितायै नमः  
 ॐ हरिकेशसख्यै नमः  
 ॐ हादिविद्यायै नमः  
 ॐ हालामदालसायै नमः १२०  
 ॐ सकाररूपायै नमः

ॐ सर्वज्ञायै नमः  
 ॐ सर्वेश्यै नमः  
 ॐ सर्वमङ्गलायै नमः  
 ॐ सर्वकर्त्र्यै नमः  
 ॐ सर्वभर्त्र्यै नमः  
 ॐ सर्वहन्त्र्यै नमः  
 ॐ सनातनायै नमः  
 ॐ सर्वानवद्यायै नमः  
 ॐ सर्वाङ्गसुन्दर्यै नमः १३०  
 ॐ सर्वसाक्षिण्यै नमः  
 ॐ सर्वात्मिकायै नमः  
 ॐ सर्वसौख्यदात्र्यै नमः  
 ॐ सर्वविमोहिन्यै नमः  
 ॐ सर्वाधारायै नमः  
 ॐ सर्वगतायै नमः  
 ॐ सर्वावगुणवर्जितायै नमः  
 ॐ सर्वारूपायै नमः  
 ॐ सर्वमात्रे नमः  
 ॐ सर्वभूषण-भूषितायै नमः १४०  
 ॐ ककारार्थायै नमः  
 ॐ कालहन्त्र्यै नमः  
 ॐ कामेश्यै नमः  
 ॐ कामितार्थदायै नमः  
 ॐ कामसङ्गीवन्यै नमः  
 ॐ कल्यायै नमः  
 ॐ कठिनस्तन-मण्डलायै नमः

ॐ करभोरवे नमः  
 ॐ कलानाथ-मुख्यै नमः  
 ॐ कचजिताम्बुदायै नमः १५०  
 ॐ कटाक्षस्यन्दि-करुणायै नमः  
 ॐ कपालि-प्राणनायिकायै नमः  
 ॐ कारुण्य-विग्रहायै नमः  
 ॐ कान्तायै नमः  
 ॐ कान्तिधूत-जपावल्यै नमः  
 ॐ कलालापायै नमः  
 ॐ कम्बुकण्ठ्यै नमः  
 ॐ करनिर्जित-पल्लवायै नमः  
 ॐ कल्पवल्ली-समभुजायै नमः  
 ॐ कस्तूरी-तिलकाञ्चितायै नमः  
 १६०  
 ॐ हकारार्थायै नमः  
 ॐ हंसगत्यै नमः  
 ॐ हाटकाभरणोज्ज्वलायै नमः  
 ॐ हारहारि-कुचाभोगायै नमः  
 ॐ हाकिन्यै नमः  
 ॐ हल्यवर्जितायै नमः  
 ॐ हरित्पति-समाराध्यायै नमः  
 ॐ हठात्कार-हतासुरायै नमः  
 ॐ हर्षप्रदायै नमः  
 ॐ हविर्भोक्त्यै नमः १७०  
 ॐ हार्दसन्तमसापहायै नमः  
 ॐ हल्लीसलास्य-सन्तुष्टायै नमः

ॐ हंसमन्त्रार्थ-रूपिण्यै नमः  
 ॐ हानोपादान-निर्मुक्तायै नमः  
 ॐ हर्षिण्यै नमः  
 ॐ हरिसोदर्यै नमः  
 ॐ हाहाहूह-मुख-स्तुत्यायै नमः  
 ॐ हानि-वृद्धि-विवर्जितायै नमः  
 ॐ हय्यङ्गवीन-हृदयायै नमः  
 ॐ हरिगोपारुणांशुकायै नमः १८०  
 ॐ लकाराख्यायै नमः  
 ॐ लतापूज्यायै नमः  
 ॐ लयस्थित्युद्भवेश्वर्यै नमः  
 ॐ लास्य-दर्शन-सन्तुष्टायै नमः  
 ॐ लाभालाभ-विवर्जितायै नमः  
 ॐ लङ्घेतराज्ञायै नमः  
 ॐ लावण्य-शालिन्यै नमः  
 ॐ लघु-सिद्धिदायै नमः  
 ॐ लाक्षारस-सवर्णाभायै नमः  
 ॐ लक्ष्मणाग्रज-पूजितायै नमः  
 १९०  
 ॐ लभ्येतरायै नमः  
 ॐ लब्धभक्ति-सुलभायै नमः  
 ॐ लाङ्गलायुधायै नमः  
 ॐ लग्न-चामर-हस्त-श्री-शारदा-  
 परिवीजितायै  
 नमः  
 ॐ लज्जापद-समाराध्यायै नमः

ॐ लम्पटायै नमः  
 ॐ लकुलेश्वर्यै नमः  
 ॐ लब्धमानायै नमः  
 ॐ लब्धरसायै नमः  
 ॐ लब्धसम्पत्समुन्नत्यै नमः २००  
 ॐ हीङ्कारिण्यै नमः  
 ॐ हीङ्काराद्यायै नमः  
 ॐ हीम्मध्यायै नमः  
 ॐ हींशिखामण्यै नमः  
 ॐ हीङ्कार-कुण्डाग्नि-शिखायै नमः  
 ॐ हीङ्कार-शशिचन्द्रिकायै नमः  
 ॐ हीङ्कार-भास्कररुच्यै नमः  
 ॐ हीङ्काराम्भोद-चञ्चलायै नमः  
 ॐ हीङ्कार-कन्दाङ्कुरिकायै नमः  
 ॐ हीङ्कारैक-परायणायै नमः २१०  
 ॐ हीङ्कार-दीर्घिकाहंस्यै नमः  
 ॐ हीङ्कारोद्यान-केकिन्यै नमः  
 ॐ हीङ्कारारण्य-हरिण्यै नमः  
 ॐ हीङ्कारावाल-वल्लर्यै नमः  
 ॐ हीङ्कार-पञ्जरशुक्यै नमः  
 ॐ हीङ्काराङ्गण-दीपिकायै नमः  
 ॐ हीङ्कार-कन्दरा-सिंह्यै नमः  
 ॐ हीङ्काराम्भोज-भृङ्गिकायै नमः  
 ॐ हीङ्कार-सुमनो-माध्यै नमः  
 ॐ हीङ्कार-तरुमञ्जयै नमः २२०  
 ॐ सकाराख्यायै नमः

ॐ समरसायै नमः  
 ॐ सकलागम-संस्तुतायै नमः  
 ॐ सर्ववेदान्त-तात्पर्यभूम्यै नमः  
 ॐ सदसदाश्रयायै नमः  
 ॐ सकलायै नमः  
 ॐ सच्चिदानन्दायै नमः  
 ॐ साध्यायै नमः  
 ॐ सद्गतिदायिन्यै नमः  
 ॐ सनकादिमुनिध्येयायै नमः २३०  
 ॐ सदाशिव-कुटुम्बिन्यै नमः  
 ॐ सकलाधिष्ठान-रूपायै नमः  
 ॐ सत्यरूपायै नमः  
 ॐ समाकृत्यै नमः  
 ॐ सर्वप्रपञ्च-निर्मात्र्यै नमः  
 ॐ समानाधिक-वर्जितायै नमः  
 ॐ सर्वोत्तुङ्गायै नमः  
 ॐ सङ्गहीनायै नमः  
 ॐ सगुणायै नमः  
 ॐ सकलेष्टदायै नमः २४०  
 ॐ ककारिण्यै नमः  
 ॐ काव्यलोलायै नमः  
 ॐ कामेश्वरमनोहरायै नमः  
 ॐ कामेश्वर-प्राणनाड्यै नमः  
 ॐ कामेशोत्सङ्गवासिन्यै नमः  
 ॐ कामेश्वरालिङ्गिताङ्ग्यै नमः  
 ॐ कामेश्वर-सुखप्रदायै नमः

ॐ कामेश्वर-प्रणयिन्यै नमः  
 ॐ कामेश्वर-विलासिन्यै नमः  
 ॐ कामेश्वर-तपःसिद्ध्यै नमः २५०  
 ॐ कामेश्वर-मनःप्रियायै नमः  
 ॐ कामेश्वर-प्राणनाथायै नमः  
 ॐ कामेश्वर-विमोहिन्यै नमः  
 ॐ कामेश्वर-ब्रह्मविद्यायै नमः  
 ॐ कामेश्वर-गृहेश्वर्यै नमः  
 ॐ कामेश्वराह्लादकर्यै नमः  
 ॐ कामेश्वर-महेश्वर्यै नमः  
 ॐ कामेश्वर्यै नमः  
 ॐ कामकोटिनिलयायै नमः  
 ॐ काङ्क्षितार्थदायै नमः २६०  
 ॐ लकारिण्यै नमः  
 ॐ लब्धरूपायै नमः  
 ॐ लब्धधियै नमः  
 ॐ लब्ध-वाञ्छितायै नमः  
 ॐ लब्धपाप-मनोदूरायै नमः  
 ॐ लब्धाहङ्कार-दुर्गमायै नमः  
 ॐ लब्धशक्त्यै नमः  
 ॐ लब्धदेहायै नमः  
 ॐ लब्धैश्वर्यसमुन्नत्यै नमः  
 ॐ लब्धवृद्ध्यै नमः २७०  
 ॐ लब्धलीलायै नमः  
 ॐ लब्धयौवनशालिन्यै नमः  
 ॐ लब्धातिशय-सर्वाङ्ग-सौन्दर्यायै

नमः  
 ॐ लब्धविभ्रमायै नमः  
 ॐ लब्धरागायै नमः  
 ॐ लब्धपत्यै नमः  
 ॐ लब्ध-नानागमस्थित्यै नमः  
 ॐ लब्धभोगायै नमः  
 ॐ लब्धसुखायै नमः  
 ॐ लब्धहर्षाभिपूरितायै नमः २८०  
 ॐ हीङ्कार-मूर्त्यै नमः  
 ॐ हीङ्कार-सौधशृङ्गकपोतिकायै  
 नमः  
 ॐ हीङ्कार-दुग्धाब्धि-सुधायै नमः  
 ॐ हीङ्कार-कमलेन्दिरायै नमः  
 ॐ हीङ्कार-मणिदीपाच्च्यै नमः  
 ॐ हीङ्कार-तरुशारिकायै नमः  
 ॐ हीङ्कार-पेटक-मण्यै नमः  
 ॐ हीङ्कारादर्श-बिम्बितायै नमः  
 ॐ हीङ्कार-कोशासिलतायै नमः  
 ॐ हीङ्कारास्थान-नर्तक्यै नमः २९०  
 ॐ हीङ्कार-शुक्तिका-मुक्तामण्यै  
 नमः  
 ॐ हीङ्कार-बोधितायै नमः  
 ॐ हीङ्कारमय-सौवर्णस्तम्भ-  
 विद्रुम-पुत्रिकायै  
 नमः  
 ॐ हीङ्कार-वेदोपनिषदे नमः

ॐ हीङ्काराध्वर-दक्षिणायै नमः

ॐ हीङ्कार-नन्दनाराम-

नवकल्पक-वल्लयै

नमः

ॐ हीङ्कार-हिमवद्गङ्गायै नमः

ॐ हीङ्कारार्णव-कौस्तुभायै नमः

ॐ हीङ्कार-मन्त्र-सर्वस्वायै नमः

ॐ हीङ्कार-परसौख्यदायै नमः

३००

॥ इति श्री ललितात्रिशतीनामावलिः सम्पूर्णा ॥



विभाग: ३

शतनामावल्यः





## ॥ आदिशङ्कराष्टोत्तरशतनामावलि: ॥

ॐ श्रीशङ्कराचार्यवर्याय नमः  
 ॐ ब्रह्मानन्दप्रदायकाय नमः  
 ॐ अज्ञानतिमिरादित्याय नमः  
 ॐ सुज्ञानाम्बुधिचन्द्रमसे नमः  
 ॐ वर्णाश्रमप्रतिष्ठात्रे नमः  
 ॐ श्रीमते नमः  
 ॐ मुक्तिप्रदायकाय नमः  
 ॐ शिष्योपदेशनिरताय नमः  
 ॐ भक्ताभीष्टप्रदायकाय नमः  
 ॐ सूक्ष्मतत्त्वरहस्यज्ञाय नमः १०  
 ॐ कार्याकार्यप्रबोधकाय नमः  
 ॐ ज्ञानमुद्राङ्कितकराय नमः  
 ॐ शिष्य-हृत्ताप-हारकाय नमः  
 ॐ परिव्राजाश्रमोद्धर्त्रे नमः  
 ॐ सर्वतन्त्रस्वतन्त्रध्ये नमः  
 ॐ अद्वैतस्थापनाचार्याय नमः  
 ॐ साक्षाच्छङ्कररूपभृते नमः  
 ॐ षण्मतस्थापनाचार्याय नमः  
 ॐ त्रयीमार्गप्रकाशकाय नमः  
 ॐ वेदवेदान्ततत्त्वज्ञाय नमः २०  
 ॐ दुर्वादिमतखण्डनाय नमः  
 ॐ वैराग्यनिरताय नमः  
 ॐ शान्ताय नमः  
 ॐ संसारार्णवतारकाय नमः

ॐ प्रसन्नवदनाम्भोजाय नमः  
 ॐ परमार्थप्रकाशकाय नमः  
 ॐ पुराणस्मृतिसारज्ञाय नमः  
 ॐ नित्यतृप्ताय नमः  
 ॐ महते नमः  
 ॐ शुचये नमः ३०  
 ॐ नित्यानन्दाय नमः  
 ॐ निरातङ्काय नमः  
 ॐ निःसङ्गाय नमः  
 ॐ निर्मलात्मकाय नमः  
 ॐ निर्ममाय नमः  
 ॐ निरहङ्काराय नमः  
 ॐ विश्ववन्द्यपदाम्बुजाय नमः  
 ॐ सत्त्वप्रधानाय नमः  
 ॐ सद्भावाय नमः  
 ॐ सङ्ख्यातीतगुणोज्ज्वलाय नमः ४०  
 ॐ अनघाय नमः  
 ॐ सारहृदयाय नमः  
 ॐ सुधिये नमः  
 ॐ सारस्वतप्रदाय नमः  
 ॐ सत्यात्मने नमः  
 ॐ पुण्यशीलाय नमः  
 ॐ साङ्ख्ययोगविचक्षणाय नमः  
 ॐ तपोराशये नमः

ॐ महातेजसे नमः  
 ॐ गुणत्रयविभागविदे नमः ५०  
 ॐ कलिघ्नाय नमः  
 ॐ कालकर्मज्ञाय नमः  
 ॐ तमोगुणनिवारकाय नमः  
 ॐ भगवते नमः  
 ॐ भारतीजेत्रे नमः  
 ॐ शारदाह्वानपण्डिताय नमः  
 ॐ धर्माधर्मविभागज्ञाय नमः  
 ॐ लक्ष्यभेदप्रदर्शकाय नमः  
 ॐ नादबिन्दुकलाभिज्ञाय नमः  
 ॐ योगिहृत्पद्मभास्कराय नमः ६०  
 ॐ अतीन्द्रिय-ज्ञाननिधये नमः  
 ॐ नित्यानित्यविवेकवते नमः  
 ॐ चिदानन्दाय नमः  
 ॐ चिन्मयात्मने नमः  
 ॐ परकायप्रवेशकृते नमः  
 ॐ अमानुष-चरित्राढ्याय नमः  
 ॐ क्षेमदायिने नमः  
 ॐ क्षमाकराय नमः  
 ॐ भव्याय नमः  
 ॐ भद्रप्रदाय नमः ७०  
 ॐ भूरिमहिम्ने नमः  
 ॐ विश्वरञ्जकाय नमः  
 ॐ स्वप्रकाशाय नमः  
 ॐ सदाधाराय नमः

ॐ विश्वबन्धवे नमः  
 ॐ शुभोदयाय नमः  
 ॐ विशालकीर्तये नमः  
 ॐ वागीशाय नमः  
 ॐ सर्वलोकहितोत्सुकाय नमः  
 ॐ कैलासयात्रा-सम्प्राप्ताय नमः  
 ८०  
 ॐ चन्द्रमौलि-प्रपूजकाय नमः  
 ॐ काञ्च्यां श्रीचक्रराजाख्य-  
 यन्त्रस्थापन-दीक्षिताय  
 नमः  
 ॐ श्रीचक्रात्मक-ताटङ्क-  
 तोषिताम्बा-मनोरथाय  
 नमः  
 ॐ  
 श्रीब्रह्मसूत्रोपनिषद्भाष्यादिग्रन्थकल्पकाय  
 नमः  
 ॐ चतुर्दिक्कतुराम्नायप्रतिष्ठात्रे नमः  
 ॐ महामतये नमः  
 ॐ द्विसप्ततिमतोच्छेत्ते नमः  
 ॐ सर्वदिग्विजयप्रभवे नमः  
 ॐ काषायवसनोपेताय नमः  
 ॐ भस्मोद्धूलितविग्रहाय नमः ९०  
 ॐ ज्ञानात्मकैकदण्डाढ्याय नमः  
 ॐ कमण्डलुलसत्कराय नमः  
 ॐ व्याससन्दर्शनप्रीताय नमः

ॐ भगवत्पादसंज्ञकाय नमः	ॐ सुरेश्वराख्य-सच्छिष्य-
ॐ	सन्न्यासाश्रम-दायकाय
सौन्दर्यलहरीमुख्यबहुस्तोत्रविधायकाय नमः	
नमः	ॐ निर्व्याजकरुणामूर्तये नमः
ॐ चतुःषष्टिकलाभिज्ञाय नमः	ॐ जगत्पूज्याय नमः
ॐ ब्रह्मराक्षस-मोक्षदाय नमः	ॐ जगद्गुरवे नमः
ॐ	ॐ
श्रीमन्मण्डनमिश्राख्यस्वयम्भूजयसन्तुतमैरीपटहवाद्यादिराजलक्षणलक्षिताय	
नमः	नमः
ॐ तोटकाचार्यसम्पूज्याय नमः	ॐ सकृत्स्मरणसन्तुष्टाय नमः
ॐ पद्मपादार्चिताङ्घ्रिकाय नमः १००	ॐ सर्वज्ञाय नमः
ॐ	ॐ ज्ञानदायकाय नमः
हस्तामलकयोगीन्द्रब्रह्मज्ञानप्रदायकाय ॐ भगवत्पादाय नमः	
नमः	

॥ इति श्री आदिशङ्कराष्टोत्तरशतनामावलि: सम्पूर्णा ॥

## ॥ हनुमदष्टोत्तरशतनामावलि: ॥

ॐ आज्ञनेयाय नमः  
 ॐ महावीराय नमः  
 ॐ हनूमते नमः  
 ॐ मारुतात्मजाय नमः  
 ॐ तत्त्वज्ञानप्रदायकाय नमः  
 ॐ सीतामुद्राप्रदायकाय नमः  
 ॐ अशोकवनिकाच्छेत्रे नमः  
 ॐ सर्वमायाविभञ्जनाय नमः  
 ॐ सर्वबन्धविमोक्ते नमः  
 ॐ रक्षोविध्वंसकारकाय नमः १०  
 ॐ परविद्यापरिहाराय नमः  
 ॐ परशौर्यविनाशनाय नमः  
 ॐ परमन्त्रनिराकर्त्रे नमः  
 ॐ परयन्त्रप्रभेदकाय नमः  
 ॐ सर्वग्रहविनाशिने नमः  
 ॐ भीमसेनसहायकृते नमः  
 ॐ सर्वदुःखहराय नमः  
 ॐ सर्वलोकचारिणे नमः  
 ॐ मनोजवाय नमः  
 ॐ पारिजातद्रुमूलस्थाय नमः २०  
 ॐ सर्वमन्त्रस्वरूपवते नमः  
 ॐ सर्वतन्त्रस्वरूपिणे नमः  
 ॐ सर्वयन्त्रात्मकाय नमः  
 ॐ कपीश्वराय नमः

ॐ महाकायाय नमः  
 ॐ सर्वरोगहराय नमः  
 ॐ प्रभवे नमः  
 ॐ बलसिद्धिकराय नमः  
 ॐ सर्वविद्यासम्पत्प्रदायकाय नमः  
 ॐ कपिसेनानायकाय नमः ३०  
 ॐ भविष्यच्चतुराननाय नमः  
 ॐ कुमारब्रह्मचारिणे नमः  
 ॐ रत्नकुण्डलदीप्तिमते नमः  
 ॐ सञ्चलद्वालसन्नद्ध-  
 लम्बमानशिखोज्ज्वलाय  
 नमः  
 ॐ गन्धर्वविद्यातत्त्वज्ञाय नमः  
 ॐ महाबलपराक्रमाय नमः  
 ॐ कारागृहविमोक्ते नमः  
 ॐ शृङ्खलाबन्धमोचकाय नमः  
 ॐ सागरोत्तारकाय नमः  
 ॐ प्राज्ञाय नमः ४०  
 ॐ रामदूताय नमः  
 ॐ प्रतापवते नमः  
 ॐ वानराय नमः  
 ॐ केसरीसुताय नमः  
 ॐ सीताशोकनिवारणाय नमः  
 ॐ अञ्जनागर्भसम्भूताय नमः

ॐ बालार्कसदृशाननाय नमः  
 ॐ विभीषणप्रियकराय नमः  
 ॐ दशग्रीवकुलान्तकाय नमः  
 ॐ लक्ष्मणप्राणदात्रे नमः ५०  
 ॐ वज्रकायाय नमः  
 ॐ महाद्युतये नमः  
 ॐ चिरञ्जीविने नमः  
 ॐ रामभक्ताय नमः  
 ॐ दैत्यकार्यविघातकाय नमः  
 ॐ अक्षहन्त्रे नमः  
 ॐ काञ्चनाभाय नमः  
 ॐ पञ्चवक्त्राय नमः  
 ॐ महातपसे नमः  
 ॐ लङ्किणीभञ्जनाय नमः ६०  
 ॐ श्रीमते नमः  
 ॐ सिंहिकाप्राणभञ्जनाय नमः  
 ॐ गन्धमादनशैलस्थाय नमः  
 ॐ लङ्कापुरविदाहकाय नमः  
 ॐ सुग्रीवसचिवाय नमः  
 ॐ धीराय नमः  
 ॐ शूराय नमः  
 ॐ दैत्यकुलान्तकाय नमः  
 ॐ सुरार्चिताय नमः  
 ॐ महातेजसे नमः ७०  
 ॐ रामचूडामणिप्रदाय नमः  
 ॐ कामरूपिणे नमः

ॐ पिङ्गलाक्षाय नमः  
 ॐ वर्धिमैनाकपूजिताय नमः  
 ॐ कबलीकृतमार्तण्डमण्डलाय  
 नमः  
 ॐ विजितेन्द्रियाय नमः  
 ॐ रामसुग्रीवसन्धात्रे नमः  
 ॐ महिरावणमर्दनाय नमः  
 ॐ स्फटिकाभाय नमः  
 ॐ वागधीशाय नमः ८०  
 ॐ नवव्याकृतिपण्डिताय नमः  
 ॐ चतुर्बाहवे नमः  
 ॐ दीनबन्धवे नमः  
 ॐ महात्मने नमः  
 ॐ भक्तवत्सलाय नमः  
 ॐ सञ्जीवननगाहर्त्रे नमः  
 ॐ शुचये नमः  
 ॐ वाग्मिने नमः  
 ॐ दृढव्रताय नमः  
 ॐ कालनेमिप्रमथनाय नमः ९०  
 ॐ हरिमर्कटमर्कटाय नमः  
 ॐ दान्ताय नमः  
 ॐ शान्ताय नमः  
 ॐ प्रसन्नात्मने नमः  
 ॐ शतकण्ठमदापहृते नमः  
 ॐ योगिने नमः  
 ॐ रामकथालोलाय नमः

ॐ सीताण्वेषणपण्डिताय नमः

ॐ वज्रदंष्ट्राय नमः

ॐ वज्रनखाय नमः १००

ॐ रुद्रवीर्यसमुद्भवाय नमः

ॐ इन्द्रजित्प्रहितामोघ-

ब्रह्मास्त्रविनिवारकाय

नमः

ॐ पार्थध्वजाग्रसंवासिने नमः

ॐ शरपञ्जरभेदकाय नमः

ॐ दशबाहवे नमः

ॐ लोकपूज्याय नमः

ॐ जाम्बवत्प्रीतिवर्धनाय नमः

ॐ सीतासमेतश्रीराम-

पादसेवाधुरन्धराय

नमः

॥ इति श्री हनुमदष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णा ॥

## ॥ अन्नपूर्णाष्टोत्तरशतनामावलि: ॥

ॐ अन्नपूर्णायै नमः

ॐ शिवायै नमः

ॐ देव्यै नमः

ॐ भीमायै नमः

ॐ पुष्ट्यै नमः

ॐ सरस्वत्यै नमः

ॐ सर्वज्ञायै नमः

ॐ पार्वत्यै नमः

ॐ दुर्गायै नमः

ॐ शर्वाण्यै नमः

१०

ॐ शिववल्लभायै नमः

ॐ वेदविद्यायै नमः

ॐ महाविद्यायै नमः

ॐ विद्यादात्र्यै नमः

ॐ विशारदायै नमः

ॐ कुमार्यै नमः

ॐ त्रिपुरायै नमः

ॐ बालायै नमः

ॐ लक्ष्म्यै नमः

ॐ श्रियै नमः

२०

ॐ भयहारिण्यै नमः

ॐ भवान्यै नमः

ॐ विष्णुजनन्यै नमः

ॐ ब्रह्मादिजनन्यै नमः

ॐ गणेशजनन्यै नमः

ॐ शक्त्यै नमः

ॐ कुमारजनन्यै नमः

ॐ शुभायै नमः

ॐ भोगप्रदायै नमः

ॐ भगवत्यै नमः

३०

ॐ भक्ताभीष्टप्रदायिन्यै नमः

ॐ भवरोगहरायै नमः

ॐ भव्यायै नमः

ॐ शुभ्रायै नमः

ॐ परममङ्गलायै नमः

ॐ भवान्यै नमः

ॐ चञ्चलायै नमः

ॐ गौर्यै नमः

ॐ चारुचन्द्रकलाधरायै नमः

ॐ विशालाक्ष्यै नमः

४०

ॐ विश्वमात्रे नमः

ॐ विश्ववन्द्यायै नमः

ॐ विलासिन्यै नमः

ॐ आर्यायै नमः

ॐ कल्याणनिलायायै नमः

ॐ रुद्राण्यै नमः

ॐ कमलासनायै नमः

ॐ शुभप्रदायै नमः

ॐ शुभावर्तायै नमः  
 ॐ वृत्तपीनपयोधरायै नमः ५०  
 ॐ अम्बायै नमः  
 ॐ संहारमथन्यै नमः  
 ॐ मृडान्यै नमः  
 ॐ सर्वमङ्गलायै नमः  
 ॐ विष्णुसंसेवितायै नमः  
 ॐ सिद्धायै नमः  
 ॐ ब्रह्माण्यै नमः  
 ॐ सुरसेवितायै नमः  
 ॐ परमानन्ददायै नमः  
 ॐ शान्त्यै नमः ६०  
 ॐ परमानन्दरूपिण्यै नमः  
 ॐ परमानन्दजनन्यै नमः  
 ॐ परानन्दप्रदायिन्यै नमः  
 ॐ परोपकारनिरतायै नमः  
 ॐ परमायै नमः  
 ॐ भक्तवत्सलायै नमः  
 ॐ पूर्णचन्द्राभवदनायै नमः  
 ॐ पूर्णचन्द्रनिभांशुकायै नमः  
 ॐ शुभलक्षणसम्पन्नायै नमः  
 ॐ शुभानन्दगुणार्णवायै नमः ७०  
 ॐ शुभसौभाग्यनिलयायै नमः  
 ॐ शुभदायै नमः  
 ॐ रतिप्रियायै नमः  
 ॐ चण्डिकायै नमः

ॐ चण्डमथन्यै नमः  
 ॐ चण्डदर्पनिवारिण्यै नमः  
 ॐ मार्ताण्डनयनायै नमः  
 ॐ साध्यै नमः  
 ॐ चन्द्राग्नियनायै नमः  
 ॐ सत्यै नमः ८०  
 ॐ पुण्डरीकहरायै नमः  
 ॐ पूर्णायै नमः  
 ॐ पुण्यदायै नमः  
 ॐ पुण्यरूपिण्यै नमः  
 ॐ मायातीतायै नमः  
 ॐ श्रेष्ठमायायै नमः  
 ॐ श्रेष्ठधर्मायै नमः  
 ॐ आत्मवन्दितायै नमः  
 ॐ असृष्ट्यै नमः  
 ॐ सङ्गरहितायै नमः ९०  
 ॐ सृष्टिहेतवे नमः  
 ॐ कपर्दिन्यै नमः  
 ॐ वृषारूढायै नमः  
 ॐ शूलहस्तायै नमः  
 ॐ स्थितिकारिण्यै नमः  
 ॐ संहारकारिण्यै नमः  
 ॐ मन्दस्मितायै नमः  
 ॐ स्कन्दमात्रे नमः  
 ॐ शुद्धचित्तायै नमः  
 ॐ मुनिस्तुतायै नमः १००



ॐ महाभगवत्यै नमः

ॐ दक्षायै नमः

ॐ दक्षाध्वरविनाशिन्यै नमः

ॐ सर्वार्थदात्र्यै नमः

ॐ सावित्र्यै नमः

ॐ सदाशिवकुटुम्बिन्यै नमः

ॐ नित्यसुन्दरसर्वाङ्ग्यै नमः

ॐ सच्चिदानन्दलक्षणायै नमः

॥ इति श्री शिवरहस्ये श्री अन्नपूर्णाष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णा ॥

## कार्तिकेयाष्टोत्तरशतनामावलि:

ॐ ब्रह्मवादिने नमः  
 ॐ ब्रह्मणे नमः  
 ॐ ब्रह्मब्राह्मणवत्सलाय नमः  
 ॐ ब्रह्मण्याय नमः  
 ॐ ब्रह्मदेवाय नमः  
 ॐ ब्रह्मदाय नमः  
 ॐ ब्रह्मसङ्ग्रहाय नमः  
 ॐ पराय नमः  
 ॐ परमाय तेजसे नमः  
 ॐ मङ्गलानाञ्च मङ्गलाय नमः १०  
 ॐ अप्रमेयगुणाय नमः  
 ॐ मन्त्राणां मन्त्रगाय नमः  
 ॐ सावित्रीमयाय देवाय नमः  
 ॐ सर्वत्रैवापराजिताय नमः  
 ॐ मन्त्राय नमः  
 ॐ सर्वात्मकाय नमः  
 ॐ देवाय नमः  
 ॐ षडक्षरवतां वराय नमः  
 ॐ गवां पुत्राय नमः  
 ॐ सुरारिघ्नाय नमः २०  
 ॐ सम्भवाय नमः  
 ॐ भवभावनाय नमः  
 ॐ पिनाकिने नमः  
 ॐ शत्रुघ्ने नमः

ॐ कूटाय नमः  
 ॐ स्कन्दाय नमः  
 ॐ सुराग्रण्ये नमः  
 ॐ द्वादशाय नमः  
 ॐ भुवे नमः  
 ॐ भुवाय नमः ३०  
 ॐ भाविने नमः  
 ॐ भुवःपुत्राय नमः  
 ॐ नमस्कृताय नमः  
 ॐ नागराजाय नमः  
 ॐ सुधर्मात्मने नमः  
 ॐ नाकपृष्ठाय नमः  
 ॐ सनातनाय नमः  
 ॐ हेमगर्भाय नमः  
 ॐ महागर्भाय नमः  
 ॐ जयाय नमः ४०  
 ॐ विजयेश्वराय नमः  
 ॐ कर्त्रे नमः  
 ॐ विधात्रे नमः  
 ॐ नित्याय नमः  
 ॐ अनित्याय नमः  
 ॐ अरिमर्दनाय नमः  
 ॐ महासेनाय नमः  
 ॐ महातेजसे नमः

ॐ वीरसेनाय नमः  
 ॐ चमूपतये नमः ५०  
 ॐ सुरसेनाय नमः  
 ॐ सुराध्यक्षाय नमः  
 ॐ भीमसेनाय नमः  
 ॐ निरामयाय नमः  
 ॐ शौरये नमः  
 ॐ यदवे नमः  
 ॐ महातेजसे नमः  
 ॐ वीर्यवते नमः  
 ॐ सत्यविक्रमाय नमः  
 ॐ तेजोगर्भाय नमः ६०  
 ॐ असुररिपवे नमः  
 ॐ सुरमूर्तये नमः  
 ॐ सुरोर्जिताय नमः  
 ॐ कृतज्ञाय नमः  
 ॐ वरदाय नमः  
 ॐ सत्याय नमः  
 ॐ शरण्याय नमः  
 ॐ साधुवत्सलाय नमः  
 ॐ सुव्रताय नमः  
 ॐ सूर्यसङ्काशाय नमः ७०  
 ॐ वह्निगर्भाय नमः  
 ॐ रणोत्सुकाय नमः  
 ॐ पिप्पलिने नमः  
 ॐ शीघ्रगाय नमः

ॐ रौद्रये नमः  
 ॐ गाङ्गेयाय नमः  
 ॐ रिपुदारणाय नमः  
 ॐ कार्तिकेयाय नमः  
 ॐ प्रभवे नमः  
 ॐ क्षान्ताय नमः ८०  
 ॐ नीलदंष्ट्राय नमः  
 ॐ महामनसे नमः  
 ॐ निग्रहाय नमः  
 ॐ निग्रहाणां नेत्रे नमः  
 ॐ दैत्यसूदनाय नमः  
 ॐ प्रग्रहाय नमः  
 ॐ परमानन्दाय नमः  
 ॐ क्रोधघ्नाय नमः  
 ॐ तारकोऽच्छिदाय नमः  
 ॐ कुक्कुटिने नमः ९०  
 ॐ बहुलाय नमः  
 ॐ वादिने नमः  
 ॐ कामदाय नमः  
 ॐ भूरिवर्धनाय नमः  
 ॐ अमोघाय नमः  
 ॐ अमृतदाय नमः  
 ॐ अग्नये नमः  
 ॐ शत्रुघ्नाय नमः  
 ॐ सर्वबोधनाय नमः  
 ॐ अनघाय नमः १००

ॐ अमराय नमः

ॐ श्रीमते नमः

ॐ उन्नताय नमः

ॐ अग्निसम्भवाय नमः

ॐ पिशाचराजाय नमः

ॐ सूर्याभाय नमः

ॐ शिवात्मने नमः

ॐ सनातनाय नमः

॥ इति श्री स्कन्दमहापुराणे माहेश्वरखण्डान्तर्गते कुमारिकाखण्डे श्री कार्तिकेयाष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णा ॥

## ॥ कृष्णाष्टोत्तरशतनामावलि: ॥

ॐ श्रीकृष्णाय नमः  
 ॐ कमलानाथाय नमः  
 ॐ वासुदेवाय नमः  
 ॐ सनातनाय नमः  
 ॐ वसुदेवात्मजाय नमः  
 ॐ पुण्याय नमः  
 ॐ लीलामानुषविग्रहाय नमः  
 ॐ श्रीवत्सकौस्तुभधराय नमः  
 ॐ यशोदावत्सलाय नमः  
 ॐ हरये नमः १०  
 ॐ चतुर्भुजात्तचक्रासि-  
 गदाशङ्खाम्बुजायुधाय  
 नमः  
 ॐ देवकीनन्दनाय नमः  
 ॐ श्रीशाय नमः  
 ॐ नन्दगोपप्रियात्मजाय नमः  
 ॐ यमुनावेगसंहारिणे नमः  
 ॐ बलभद्रप्रियानुजाय नमः  
 ॐ पूतनाजीवितहराय नमः  
 ॐ शकटासुरभञ्जनाय नमः  
 ॐ नन्दव्रजजनानन्दिने नमः  
 ॐ सच्चिदानन्दविग्रहाय नमः २०  
 ॐ नवनीतविलिप्ताङ्गाय नमः  
 ॐ नवनीतनटाय नमः

ॐ अनघाय नमः  
 ॐ नवनीतनवाहाराय नमः  
 ॐ मुचुकुन्दप्रसादकाय नमः  
 ॐ षोडशस्त्रीसहस्रेशाय नमः  
 ॐ त्रिभङ्गीमधुराकृतये नमः  
 ॐ शुकवागमृताब्धीन्दवे नमः  
 ॐ गोविन्दाय नमः  
 ॐ योगिनां पतये नमः ३०  
 ॐ वत्सवाटचराय नमः  
 ॐ अनन्ताय नमः  
 ॐ धेनुकासुरमर्दनाय नमः  
 ॐ तृणीकृततृणावर्ताय नमः  
 ॐ यमलार्जुनभञ्जनाय नमः  
 ॐ उत्तालतालभेत्रे नमः  
 ॐ तमालश्यामलाकृतये नमः  
 ॐ गोपगोपीश्वराय नमः  
 ॐ योगिने नमः  
 ॐ कोटिसूर्यसमप्रभाय नमः ४०  
 ॐ इलापतये नमः  
 ॐ परस्मै ज्योतिषे नमः  
 ॐ यादवेन्द्राय नमः  
 ॐ यदूद्वहाय नमः  
 ॐ वनमालिने नमः  
 ॐ पीतवाससे नमः

ॐ पारिजातापहारकाय नमः  
 ॐ गोवर्धनाचलोद्धर्त्रे नमः  
 ॐ गोपालाय नमः  
 ॐ सर्वपालकाय नमः ५०  
 ॐ अजाय नमः  
 ॐ निरञ्जनाय नमः  
 ॐ कामजनकाय नमः  
 ॐ कञ्जलोचनाय नमः  
 ॐ मधुघ्ने नमः  
 ॐ मथुरानाथाय नमः  
 ॐ द्वारकानायकाय नमः  
 ॐ बलिने नमः  
 ॐ बृन्दावनान्तसञ्चारिणे नमः  
 ॐ तुलसीदामभूषणाय नमः ६०  
 ॐ स्यमन्तकमणेर्हर्त्रे नमः  
 ॐ नरनारायणात्मकाय नमः  
 ॐ कुब्जाकृष्णाम्बरधराय नमः  
 ॐ मायिने नमः  
 ॐ परमपूषाय नमः  
 ॐ मुष्टिकासुरचाणूरमल्लयुद्ध-  
 विशारदाय  
 नमः  
 ॐ संसारवैरिणे नमः  
 ॐ कंसारये नमः  
 ॐ मुरारये नमः  
 ॐ नरकान्तकाय नमः ७०

ॐ अनादिब्रह्मचारिणे नमः  
 ॐ कृष्णाव्यसनकर्षकाय नमः  
 ॐ शिशुपालशिरश्छेत्रे नमः  
 ॐ दुर्योधनकुलान्तकाय नमः  
 ॐ विदुराक्रूरवरदाय नमः  
 ॐ विश्वरूपप्रदर्शकाय नमः  
 ॐ सत्यवाचे नमः  
 ॐ सत्यसङ्कल्पाय नमः  
 ॐ सत्यभामारताय नमः  
 ॐ जयिने नमः ८०  
 ॐ सुभद्रापूर्वजाय नमः  
 ॐ विष्णवे नमः  
 ॐ भीष्ममुक्तिप्रदायकाय नमः  
 ॐ जगद्गुरवे नमः  
 ॐ जगन्नाथाय नमः  
 ॐ वेणुनादविशारदाय नमः  
 ॐ वृषभासुरविध्वंसिने नमः  
 ॐ बाणासुरकरान्तकाय नमः  
 ॐ युधिष्ठिरप्रतिष्ठात्रे नमः  
 ॐ बर्हिर्बर्हावतंसकाय नमः ९०  
 ॐ पार्थसारथये नमः  
 ॐ अव्यक्ताय नमः  
 ॐ गीतामृतमहोदधये नमः  
 ॐ कालीयफणिमाणिक्यरञ्जितश्री-  
 पदाम्बुजाय  
 नमः

ॐ दामोदराय नमः  
 ॐ यज्ञभोक्त्रे नमः  
 ॐ दानवेन्द्रविनाशकाय नमः  
 ॐ नारायणाय नमः  
 ॐ परब्रह्मणे नमः  
 ॐ पन्नगाशनवाहनाय नमः १००  
 ॐ जलक्रीडासमासक्तगोपी-  
 वस्त्रापहारकाय

नमः  
 ॐ पुण्यश्लोकाय नमः  
 ॐ तीर्थपादाय नमः  
 ॐ वेदवेद्याय नमः  
 ॐ दयानिधये नमः  
 ॐ सर्वतीर्थात्मकाय नमः  
 ॐ सर्वग्रहरूपिणे नमः  
 ॐ परात्पराय नमः

॥ इति श्री ब्रह्माण्डमहापुराणे वायुप्रोक्ते श्री कृष्णाष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णा ॥

## ॥ गङ्गाष्टोत्तरशतनामावलि: ॥

ॐ गङ्गायै नमः  
 ॐ त्रिपथगादेव्यै नमः  
 ॐ शम्भुमौलिविहारिण्यै नमः  
 ॐ जाह्नव्यै नमः  
 ॐ पापहन्त्र्यै नमः  
 ॐ महापातकनाशिन्यै नमः  
 ॐ पतितोद्धारिण्यै नमः  
 ॐ स्रोतस्वत्यै नमः  
 ॐ परमवेगिन्यै नमः  
 ॐ विष्णुपादाब्जसम्भूतायै नमः १०  
 ॐ विष्णुदेहकृतालयायै नमः  
 ॐ स्वर्गाब्धिनिलयायै नमः  
 ॐ साध्व्यै नमः  
 ॐ स्वर्णद्यै नमः  
 ॐ सुरनिम्नगायै नमः  
 ॐ मन्दाकिन्यै नमः  
 ॐ महावेगायै नमः  
 ॐ स्वर्णशृङ्गप्रभेदिन्यै नमः  
 ॐ देवपूज्यतमायै नमः  
 ॐ दिव्यायै नमः २०  
 ॐ दिव्यस्थाननिवासिन्यै नमः  
 ॐ सुचारुनीररुचिरायै नमः  
 ॐ महापर्वतभेदिन्यै नमः  
 ॐ भागीरथ्यै नमः

ॐ भगवत्यै नमः  
 ॐ महामोक्षप्रदायिन्यै नमः  
 ॐ सिन्धुसङ्गतायै नमः  
 ॐ शुद्धायै नमः  
 ॐ रसातलनिवासिन्यै नमः  
 ॐ महाभोगायै नमः ३०  
 ॐ भोगवत्यै नमः  
 ॐ सुभगानन्ददायिन्यै नमः  
 ॐ महापापहरायै नमः  
 ॐ पुण्यायै नमः  
 ॐ परमाह्लाददायिन्यै नमः  
 ॐ पार्वत्यै नमः  
 ॐ शिवपत्न्यै नमः  
 ॐ शिवशीर्षगतालयायै नमः  
 ॐ शम्भोर्जटामध्यगतायै नमः  
 ॐ निर्मलायै नमः ४०  
 ॐ निर्मलाननायै नमः  
 ॐ महाकलुषहन्त्र्यै नमः  
 ॐ जह्नुपुत्र्यै नमः  
 ॐ जगत्प्रियायै नमः  
 ॐ त्रैलोक्यपावन्यै नमः  
 ॐ पूर्णायै नमः  
 ॐ पूर्णब्रह्मस्वरूपिण्यै नमः  
 ॐ जगत्पूज्यतमायै नमः



ॐ चारुरूपिण्यै नमः  
 ॐ जगदम्बिकायै नमः ५०  
 ॐ लोकानुग्रहकर्त्र्यै नमः  
 ॐ सर्वलोकदयापरायै नमः  
 ॐ याम्यभीतिहरायै नमः  
 ॐ तारायै नमः  
 ॐ पारायै नमः  
 ॐ संसारतारिण्यै नमः  
 ॐ ब्रह्माण्डभेदिन्यै नमः  
 ॐ ब्रह्मकमण्डलुकृतालयायै नमः  
 ॐ सौभाग्यदायिन्यै नमः  
 ॐ पुंसां निर्वाणपददायिन्यै नमः  
 ६०  
 ॐ अचिन्त्यचरितायै नमः  
 ॐ चारुरुचिरातिमनोहरायै नमः  
 ॐ मर्त्यस्थायै नमः  
 ॐ मृत्युभयहायै नमः  
 ॐ स्वर्गमोक्षप्रदायिन्यै नमः  
 ॐ पापापहारिण्यै नमः  
 ॐ दूरचारिण्यै नमः  
 ॐ वीचिधारिण्यै नमः  
 ॐ कारुण्यपूर्णायै नमः  
 ॐ करुणामय्यै नमः ७०  
 ॐ दुरितनाशिन्यै नमः  
 ॐ गिरिराजसुतायै नमः  
 ॐ गौरीभगिन्यै नमः

ॐ गिरिशप्रियायै नमः  
 ॐ मेनकागर्भसम्भूतायै नमः  
 ॐ मैनाकभगिनीप्रियायै नमः  
 ॐ आद्यायै नमः  
 ॐ त्रिलोकजनन्यै नमः  
 ॐ त्रैलोक्यपरिपालिन्यै नमः  
 ॐ तीर्थश्रेष्ठतमायै नमः ८०  
 ॐ श्रेष्ठायै नमः  
 ॐ सर्वतीर्थमय्यै नमः  
 ॐ शुभायै नमः  
 ॐ चतुर्वेदमय्यै नमः  
 ॐ सर्वायै नमः  
 ॐ पितृसन्तृप्तिदायिन्यै नमः  
 ॐ शिवदायै नमः  
 ॐ शिवसायुज्यदायिन्यै नमः  
 ॐ शिववल्लभायै नमः  
 ॐ तेजस्विन्यै नमः ९०  
 ॐ त्रिनयनायै नमः  
 ॐ त्रिलोचनमनोरमायै नमः  
 ॐ सप्तधारायै नमः  
 ॐ शतमुख्यै नमः  
 ॐ सगरान्वयतारिण्यै नमः  
 ॐ मुनिसेव्यायै नमः  
 ॐ मुनिसुतायै नमः  
 ॐ जह्नुजानुप्रभेदिन्यै नमः  
 ॐ मकरस्थायै नमः

ॐ सर्वगतायै नमः १००  
 ॐ सर्वाशुभनिवारिण्यै नमः  
 ॐ सुदृश्यायै नमः  
 ॐ चाक्षुषीतृप्तिदायिन्यै नमः  
 ॐ मकरालयायै नमः

ॐ सदानन्दमय्यै नमः  
 ॐ नित्यानन्ददायै नमः  
 ॐ नगपूजितायै नमः  
 ॐ सर्वदेवाधिदेवैः  
 परिपूज्यपदाम्बुजायै नमः

॥ इति श्री महाभागवते महापुराणे श्री गङ्गाष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णा ॥

## ॥ गणपत्यष्टोत्तरशतनामावलि: ॥

ॐ गणेश्वराय नमः  
 ॐ गणक्रीडाय नमः  
 ॐ महागणपतये नमः  
 ॐ विश्वकर्त्रे नमः  
 ॐ विश्वमुखाय नमः  
 ॐ दुर्जयाय नमः  
 ॐ धूर्जयाय नमः  
 ॐ जयाय नमः  
 ॐ सुरूपाय नमः  
 ॐ सर्वनेत्राधिवासाय नमः १०  
 ॐ वीरासनाश्रयाय नमः  
 ॐ योगाधिपाय नमः  
 ॐ तारकस्थाय नमः  
 ॐ पुरुषाय नमः  
 ॐ गजकर्णकाय नमः  
 ॐ चित्राङ्गाय नमः  
 ॐ श्यामदशनाय नमः  
 ॐ भालचन्द्राय नमः  
 ॐ चतुर्भुजाय नमः  
 ॐ शम्भुतेजसे नमः २०  
 ॐ यज्ञकायाय नमः  
 ॐ सर्वात्मने नमः  
 ॐ सामबृंहिताय नमः  
 ॐ कुलाचलांसाय नमः

ॐ व्योमनाभये नमः  
 ॐ कल्पद्रुमवनालयाय नमः  
 ॐ निम्ननाभये नमः  
 ॐ स्थूलकुक्षये नमः  
 ॐ पीनवक्षसे नमः  
 ॐ बृहद्भुजाय नमः ३०  
 ॐ पीनस्कन्धाय नमः  
 ॐ कम्बुकण्ठाय नमः  
 ॐ लम्बोष्ठाय नमः  
 ॐ लम्बनासिकाय नमः  
 ॐ सर्वायवसम्पूर्णाय नमः  
 ॐ सर्वलक्षणलक्षिताय नमः  
 ॐ इक्षुचापधराय नमः  
 ॐ शूलिने नमः  
 ॐ कान्तिकन्दलिताश्रयाय नमः  
 ॐ अक्षमालाधराय नमः ४०  
 ॐ ज्ञानमुद्रावते नमः  
 ॐ विजयावहाय नमः  
 ॐ कामिनीकामनाकाममालिनी-  
 केलिलालिताय  
 नमः  
 ॐ अमोघसिद्धये नमः  
 ॐ आधाराय नमः  
 ॐ आधाराधेयवर्जिताय नमः

ॐ इन्दीवरदलश्यामाय नमः  
 ॐ इन्दुमण्डलनिर्मलाय नमः  
 ॐ कर्मसाक्षिणे नमः  
 ॐ कर्मकर्त्रे नमः ५०  
 ॐ कर्मकर्मफलप्रदाय नमः  
 ॐ कमण्डलुधराय नमः  
 ॐ कल्पाय नमः  
 ॐ कपर्दिने नमः  
 ॐ कटिसूत्रभृते नमः  
 ॐ कारुण्यदेहाय नमः  
 ॐ कपिलाय नमः  
 ॐ गुह्यागमनिरूपिताय नमः  
 ॐ गुहाशयाय नमः  
 ॐ गुहाब्धिस्थाय नमः ६०  
 ॐ घटकुम्भाय नमः  
 ॐ घटोदराय नमः  
 ॐ पूर्णानन्दाय नमः  
 ॐ परानन्दाय नमः  
 ॐ धनदाय नमः  
 ॐ धरणीधराय नमः  
 ॐ बृहत्तमाय नमः  
 ॐ ब्रह्मपराय नमः  
 ॐ ब्रह्मण्याय नमः  
 ॐ ब्रह्मवित्प्रियाय नमः ७०  
 ॐ भव्याय नमः  
 ॐ भूतालयाय नमः

ॐ भोगदात्रे नमः  
 ॐ महामनसे नमः  
 ॐ वरेण्याय नमः  
 ॐ वामदेवाय नमः  
 ॐ वन्द्याय नमः  
 ॐ वज्रनिवारणाय नमः  
 ॐ विश्वकर्त्रे नमः  
 ॐ विश्वचक्षुषे नमः ८०  
 ॐ हवनाय नमः  
 ॐ हव्यकव्यभुजे नमः  
 ॐ स्वतन्त्राय नमः  
 ॐ सत्यसङ्कल्पाय नमः  
 ॐ सौभाग्यवर्धनाय नमः  
 ॐ कीर्तिदाय नमः  
 ॐ शोकहारिणे नमः  
 ॐ त्रिवर्गफलदायकाय नमः  
 ॐ चतुर्बाहवे नमः  
 ॐ चतुर्दन्ताय नमः ९०  
 ॐ चतुर्थातिसम्भवाय नमः  
 ॐ सहस्रशीर्षे पुरुषाय नमः  
 ॐ सहस्राक्षाय नमः  
 ॐ सहस्रपादे नमः  
 ॐ कामरूपाय नमः  
 ॐ कामगतये नमः  
 ॐ द्विरदाय नमः  
 ॐ द्वीपरक्षकाय नमः

ॐ क्षेत्राधिपाय नमः

ॐ क्षमाभर्त्रे नमः १००

ॐ लयस्थाय नमः

ॐ लङ्कुप्रियाय नमः

ॐ प्रतिवादिमुखस्तम्भाय नमः

ॐ दुष्टचित्तप्रसादनाय नमः

ॐ भगवते नमः

ॐ भक्तिसुलभाय नमः

ॐ याज्ञिकाय नमः

ॐ याजकप्रियाय नमः

॥ इति श्री गणेशपुराणे उपासनाखण्डे श्री गणपत्यष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णा ॥

## ॥ गकारादि गणपति अष्टोत्तरशतनामावलि: ॥

ॐ गकाररूपाय नमः  
 ॐ गम्बीजाय नमः  
 ॐ गणेशाय नमः  
 ॐ गणवन्दिताय नमः  
 ॐ गणनीयाय नमः  
 ॐ गणाय नमः  
 ॐ गण्याय नमः  
 ॐ गणनातीतसद्गुणाय नमः  
 ॐ गगनादिकसृजे नमः  
 ॐ गङ्गासुताय नमः १०  
 ॐ गङ्गासुतार्चिताय नमः  
 ॐ गङ्गाधरप्रीतिकराय नमः  
 ॐ गवीशेड्याय नमः  
 ॐ गदापहाय नमः  
 ॐ गदाधरनुताय नमः  
 ॐ गद्यपद्यात्मककवित्वदाय नमः  
 ॐ गजास्याय नमः  
 ॐ गजलक्ष्मीवते नमः  
 ॐ गजवाजिरथप्रदाय नमः  
 ॐ गङ्गानिरतशिक्षाकृतये नमः २०  
 ॐ गणितज्ञाय नमः  
 ॐ गण्डदानाञ्चिताय नमः  
 ॐ गन्त्रे नमः  
 ॐ गण्डोपलसमाकृतये नमः

ॐ गगनव्यापकाय नमः  
 ॐ गम्याय नमः  
 ॐ गमनादिविवर्जिताय नमः  
 ॐ गण्डदोषहराय नमः  
 ॐ गण्डभ्रमद्भ्रमरकुण्डलाय नमः  
 ॐ गतागतज्ञाय नमः ३०  
 ॐ गतिदाय नमः  
 ॐ गतमृत्यवे नमः  
 ॐ गतोद्भवाय नमः  
 ॐ गन्धप्रियाय नमः  
 ॐ गन्धवाहाय नमः  
 ॐ गन्धसिन्धूरबृन्दगाय नमः  
 ॐ गन्धादिपूजिताय नमः  
 ॐ गव्यभोक्त्रे नमः  
 ॐ गर्गादिसन्नुताय नमः  
 ॐ गरिष्ठाय नमः ४०  
 ॐ गरभिदे नमः  
 ॐ गर्वहराय नमः  
 ॐ गरलिभूषणाय नमः  
 ॐ गविष्ठाय नमः  
 ॐ गर्जितारावाय नमः  
 ॐ गम्भीरहृदयाय नमः  
 ॐ गदिने नमः  
 ॐ गलत्कुष्ठहराय नमः

ॐ गर्भप्रदाय नमः  
 ॐ गर्भार्भरक्षकाय नमः ५०  
 ॐ गर्भाधाराय नमः  
 ॐ गर्भवासिशिशुङ्गानप्रदाय  
 नमः  
 ॐ गरुत्मत्तुल्यजवनाय नमः  
 ॐ गरुडध्वजवन्दिताय नमः  
 ॐ गयेडिताय नमः  
 ॐ गयाश्राद्धफलदाय नमः  
 ॐ गयाकृतये नमः  
 ॐ गदाधरावतारिणे नमः  
 ॐ गन्धर्वनगरार्चिताय नमः  
 ॐ गन्धर्वगानसन्तुष्टाय नमः ६०  
 ॐ गरुडाग्रजवन्दिताय नमः  
 ॐ गणरात्रसमाराध्याय नमः  
 ॐ गर्हणास्तुतिसाम्यधिये नमः  
 ॐ गर्ताभनाभये नमः  
 ॐ गव्यूतिदीर्घतुण्डाय नमः  
 ॐ गभस्तिमते नमः  
 ॐ गर्हिताचारदूराय नमः  
 ॐ गरुडोपलभूषिताय नमः  
 ॐ गजारिविक्रमाय नमः  
 ॐ गन्धमूषवाजिने नमः ७०  
 ॐ गतश्रमाय नमः  
 ॐ गवेषणीयाय नमः  
 ॐ गहनाय नमः

ॐ गहनस्थमुनिस्तुताय नमः  
 ॐ गवयच्छिदे नमः  
 ॐ गण्डकभिदे नमः  
 ॐ गह्वरापथवारणाय नमः  
 ॐ गजदन्तायुधाय नमः  
 ॐ गर्जद्रिपुद्गाय नमः  
 ॐ गजकर्णिकाय नमः ८०  
 ॐ गजचर्मामयच्छेत्रे नमः  
 ॐ गणाध्यक्षाय नमः  
 ॐ गणार्चिताय नमः  
 ॐ गणिकानर्तनप्रीताय नमः  
 ॐ गच्छते नमः  
 ॐ गन्धफलीप्रियाय नमः  
 ॐ गन्धकादिरसाधीशाय नमः  
 ॐ गणकानन्ददायकाय नमः  
 ॐ गरभादिजनुर्हर्त्रे नमः  
 ॐ गण्डकीगाहनोत्सुकाय नमः  
 ९०  
 ॐ गण्डूषीकृतवाराशये नमः  
 ॐ गरिमालघिमादिदाय नमः  
 ॐ गवाक्षवत्सौधवासिने नमः  
 ॐ गर्भिताय नमः  
 ॐ गर्भिणीनुताय नमः  
 ॐ गन्धमादनशैलाभाय नमः  
 ॐ गण्डभेरुण्डविक्रमाय नमः  
 ॐ गदिताय नमः

ॐ गद्गदारावसंस्तुताय नमः

ॐ गह्वरीपतये नमः १००

ॐ गजेशाय नमः

ॐ गरीयसे नमः

ॐ गद्येड्याय नमः

ॐ गतभिदे नमः

ॐ गदितागमाय नमः

ॐ गर्हणीयगुणाभावाय नमः

ॐ गङ्गादिकशुचिप्रदाय नमः

ॐ

गणनातीतविद्याश्रीबलायुष्यादिदायकाय  
नमः

॥ इति गकारादि गणपत्यष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णः ॥



## ॥ गोदाष्टोत्तरशतनामावलि: ॥

ॐ श्रीरङ्गनायक्यै नमः  
 ॐ गोदायै नमः  
 ॐ विष्णुचित्तात्मजायै नमः  
 ॐ सत्यै नमः  
 ॐ गोपीवेषधरायै नमः  
 ॐ देव्यै नमः  
 ॐ भूसुतायै नमः  
 ॐ भोगशालिन्यै नमः  
 ॐ तुलसीकाननोद्भूतायै नमः  
 ॐ श्रीधन्विपुरवासिन्यै नमः १०  
 ॐ भट्टनाथप्रियकर्यै नमः  
 ॐ श्रीकृष्णहितभोगिन्यै नमः  
 ॐ आमुक्तमाल्यदायै नमः  
 ॐ बालायै नमः  
 ॐ रङ्गनाथप्रियायै नमः  
 ॐ परायै नमः  
 ॐ विश्वम्भरायै नमः  
 ॐ कलालापायै नमः  
 ॐ यतिराजसहोदर्यै नमः  
 ॐ कृष्णानुरक्तायै नमः २०  
 ॐ सुभगायै नमः  
 ॐ सुलभश्रियै नमः  
 ॐ सलक्षणायै नमः  
 ॐ लक्ष्मीप्रियसरव्यै नमः

ॐ श्यामायै नमः  
 ॐ दयाञ्चितदृगञ्चलायै नमः  
 ॐ फल्गुन्याविर्भवायै नमः  
 ॐ रम्यायै नमः  
 ॐ धनुर्मासकृतव्रतायै नमः  
 ॐ चम्पकाशोक-पुन्नाग-मालती-  
 विलसत्-कचायै नमः  
 ३०  
 ॐ आकारत्रयसम्पन्नायै नमः  
 ॐ नारायणपदाश्रितायै नमः  
 ॐ श्रीमदष्टाक्षरीमन्त्र-राजस्थित-  
 मनोरथायै  
 नमः  
 ॐ मोक्षप्रदाननिपुणायै नमः  
 ॐ मनुरत्नाधिदेवतायै नमः  
 ॐ ब्रह्मण्यायै नमः  
 ॐ लोकजनन्यै नमः  
 ॐ लीलामानुषरूपिण्यै नमः  
 ॐ ब्रह्मज्ञानप्रदायै नमः  
 ॐ मायायै नमः ४०  
 ॐ सच्चिदानन्दविग्रहायै नमः  
 ॐ महापतिव्रतायै नमः  
 ॐ विष्णुगुणकीर्तनलोलुपायै नमः  
 ॐ प्रपन्नार्तिहरायै नमः

ॐ नित्यायै नमः  
 ॐ वेदसौधविहारिण्यै नमः  
 ॐ श्रीरङ्गनाथमाणिक्यमञ्जर्यै नमः  
 ॐ मञ्जुभाषिण्यै नमः  
 ॐ पद्मप्रियायै नमः  
 ॐ पद्महस्तायै नमः ५०  
 ॐ वेदान्तद्वयबोधिनीयै नमः  
 ॐ सुप्रसन्नायै नमः  
 ॐ भगवत्यै नमः  
 ॐ श्रीजनार्दनदीपिकायै नमः  
 ॐ सुगन्धवयवायै नमः  
 ॐ चारुरङ्गमङ्गलदीपिकायै नमः  
 ॐ ध्वजवज्राङ्कुशाब्जाङ्क-मृदुपाद-  
 लताञ्चितायै  
 नमः  
 ॐ तारकाकारनखरायै नमः  
 ॐ प्रवालमृदुलाङ्गुल्यै नमः  
 ॐ कूर्मोपमेय-पादोर्ध्वभागायै  
 नमः ६०  
 ॐ शोभनपार्ष्णिकायै नमः  
 ॐ वेदार्थभावतत्त्वज्ञायै नमः  
 ॐ लोकाराध्याङ्घ्रिपङ्कजायै नमः  
 ॐ आनन्दबुद्बुदाकार-सुगुल्फायै  
 नमः  
 ॐ परमायै नमः  
 ॐ अणुकायै नमः

ॐ तेजःश्रियोज्ज्वलधृतपादाङ्गुलि-  
 सुभूषितायै  
 नमः  
 ॐ मीनकेतन-तूणीर-चारुजङ्घा-  
 विराजितायै  
 नमः  
 ॐ ककुद्वज्जानुयुग्माढ्यायै नमः  
 ॐ स्वर्णरम्भाभसक्थिकायै नमः  
 ७०  
 ॐ विशालजघनायै नमः  
 ॐ पीनसुश्रोण्यै नमः  
 ॐ मणिमेखलायै नमः  
 ॐ आनन्दसागरावर्त-  
 गम्भीराम्भोज-नाभिकायै  
 नमः  
 ॐ भास्वद्वलित्रिकायै नमः  
 ॐ चारुजगत्पूर्ण-महोदर्यै नमः  
 ॐ नववल्लीरोमराज्यै नमः  
 ॐ सुधाकुम्भायितस्तन्यै नमः  
 ॐ कल्पमालानिम्बुजायै नमः  
 ॐ चन्द्रखण्डनखाञ्चितायै नमः ८०  
 ॐ सुप्रवाशाङ्गुलीन्यस्तमहा-  
 रत्नाङ्गुलीयकायै  
 नमः  
 ॐ नवारुणप्रवालाभ-पाणिदेश-  
 समञ्चितायै

नमः

ॐ कम्बुकण्ठयै नमः

ॐ सुचुबुकायै नमः

ॐ बिम्बोष्ठयै नमः

ॐ कुन्ददन्तयुजे नमः

ॐ कारुण्यरस-निष्यन्द-नेत्रद्वय-  
सुशोभितायै

नमः

ॐ मुक्ताशुचिस्मितायै नमः

ॐ चारुचाम्पेयनिभनासिकायै

नमः

ॐ दर्पणाकार-विपुल-कपोल-  
द्वितयाञ्चितायै नमः

१०

ॐ अनन्तार्क-प्रकाशोद्यन्मणि-  
ताटङ्क-शोभितायै

नमः

ॐ कोटिसूर्याग्निसङ्काश-  
नानाभूषण-भूषितायै

नमः

ॐ सुगन्धवदनायै नमः

ॐ सुभ्रुवे नमः

ॐ अर्धचन्द्रललाटिकायै नमः

ॐ पूर्णचन्द्राननायै नमः

ॐ नीलकुटिलालकशोभितायै

नमः

ॐ सौन्दर्यसीमायै नमः

ॐ

विलसत्-कस्तूरी-तिलकोज्ज्वलायै  
नमः

ॐ धगद्ध-गायमानोद्यन्मणि-  
सीमन्त-भूषणायै नमः

१००

ॐ जाज्वल्यमाल-सद्रत्न-  
दिव्यचूडावतंसकायै

नमः

ॐ सूर्यार्धचन्द्र-विलसत्-  
भूषणञ्चित-वेणिकायै

नमः

ॐ अत्यर्कानल-तेजोधिमणि-  
कञ्चुकधारिण्यै

नमः

ॐ सद्रत्नाञ्चितविद्योत-  
विद्युत्कुञ्जाभ-शाटिकायै

नमः

ॐ नानामणिगणाकीर्ण-  
हेमाङ्गदसुभूषितायै

नमः

ॐ कुङ्कुमागरु-कस्तूरी-  
दिव्यचन्दन-चर्चितायै

नमः

ॐ स्वोचितौज्ज्वल्य-विविध-

विचित्र-मणि-हारिण्यै

नमः

ॐ असङ्ख्येय-सुखस्पर्श-

सर्वातिशय-भूषणायै

नमः

ॐ मल्लिका-पारिजातादि

दिव्यपुष्प-स्रगञ्चितायै नमः

ॐ श्रीरङ्गनिलयायै नमः ११०

ॐ पूज्यायै नमः

ॐ दिव्यदेशसुशोभितायै नमः

॥ इति श्री गोदाष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णा ॥

## ॥ चन्द्रशेखरेन्द्र सरस्वती अष्टोत्तरशतनामावलि: ॥

ॐ श्री  
काञ्ची-कामकोटि-पीठाधीश्वराय  
नमः  
ॐ श्री  
चन्द्रशेखरेन्द्र-सरस्वती-गुरुभ्यो  
नमः  
ॐ सन्न्यासाश्रमशिखराय नमः  
ॐ काषाय-दण्डधारिणे नमः  
ॐ सर्वपीडाप्रायश्चित्ताय नमः  
ॐ स्वामीनाथाय नमः  
ॐ करुणासागराय नमः  
ॐ जगदाकर्षणशक्तये नमः  
ॐ सर्वचराचरहृदयस्थाय नमः  
ॐ भक्तपरिपालकश्रेष्ठाय नमः १०  
ॐ धर्मपरिपालकाय नमः  
ॐ श्री जयेन्द्रसरस्वत्याचार्याय  
नमः  
ॐ ब्रह्मोपदेशकाय नमः  
ॐ शक्तिस्वरूपकाय नमः  
ॐ भक्तजनप्रियाय नमः  
ॐ ब्रह्म-विष्णु-शिवैक्य एकरूपाय  
नमः  
ॐ काशीक्षेत्रवासाय नमः  
ॐ कैलासशिखरवासाय नमः

ॐ सर्वधर्मपरिपोषकाय नमः  
ॐ चतुर्वर्णरक्षकाय नमः २०  
ॐ लोकरक्षितसङ्कल्पाय नमः  
ॐ सर्वनीष्टापराय नमः  
ॐ सर्वपापहराय नमः  
ॐ धर्मरक्षकसन्तुष्टाय नमः  
ॐ भक्तार्पितधनस्वीकर्त्रे नमः  
ॐ सर्वोपनिषद् व्युत्पन्नाय नमः  
ॐ सर्वशास्त्रगमनाय नमः  
ॐ सर्वलोकपितामहाय नमः  
ॐ भक्ताभीष्टप्रदायकाय नमः  
ॐ ब्राह्मण्यपोषकाय नमः ३०  
ॐ नानाविधपुष्पार्चिताय नमः  
ॐ रुद्राक्षकिरीटधारिणे नमः  
ॐ भस्मोद्धूलितवेषकाय नमः  
ॐ सर्वज्ञाय नमः  
ॐ सर्वचराचरव्याघ्रे नमः  
ॐ अनेकशिष्यपरिपालकाय नमः  
ॐ चञ्चलमनध्वंसिने नमः  
ॐ अभयहस्ताय नमः  
ॐ भयापहाय नमः  
ॐ यज्ञपुरुषाय नमः ४०  
ॐ यज्ञकर्त्रे नमः  
ॐ यज्ञसम्पन्नाय नमः

ॐ यज्ञसहायकाय नमः  
 ॐ यज्ञफलदाय नमः  
 ॐ यज्ञप्रियाय नमः  
 ॐ सर्वोपमानयोग्याय नमः  
 ॐ स्फटिक-तुलसी-रुद्राक्ष-हार-  
 धारिणे  
 नमः  
 ॐ ब्रह्म-क्षत्रिय-वैश्य-शूद्रादि  
 चतुर्वर्णजनसमदृष्टाय नमः  
 ॐ ऋग्यजुस्सामाथर्वणादि  
 चतुर्वेदरक्षकाय नमः  
 ॐ दक्षिणामूर्तिस्वरूपाय नमः ५०  
 ॐ जाग्रत्-स्वप्न-  
 सुषुप्त्याद्यवस्थानुग्रहाय  
 नमः  
 ॐ  
 कोटिसूर्यप्रकाशतेजोमयशरीराय  
 नमः  
 ॐ साधुसङ्गरक्षकाय नमः  
 ॐ अश्वगजगोपूजप्रियाय नमः  
 ॐ गुरुपादुकापूजातुरन्तराय नमः  
 ॐ कनकाभिषिक्ताय नमः  
 ॐ स्वर्णबिल्वदलपूज्याय नमः  
 ॐ सर्वजीवमोक्षदाय नमः  
 ॐ मूकवाग्दाननिपुणाय नमः  
 ॐ नेत्रदीक्षादानाय नमः ६०

ॐ द्वादशलिङ्गस्थापिताय नमः  
 ॐ गानरसप्रियाय नमः  
 ॐ श्री जयेन्द्रसरस्वती-पूजिताय  
 नमः  
 ॐ सकलकलासिद्धिदाय नमः  
 ॐ चतुर्वर्णजनपूजिताय नमः  
 ॐ  
 अनेकभाषा-सम्भाषण-सिद्धिदाय  
 नमः  
 ॐ अष्टसिद्धिप्रदायकाय नमः  
 ॐ श्रीशारदामठस्थाय नमः  
 ॐ नित्यानन्दानसुप्रीताय नमः  
 ॐ प्रार्थनामात्रसुलभाय नमः ७०  
 ॐ पादयात्रप्रियाय नमः  
 ॐ नानाविध-मत-पण्डिताय नमः  
 ॐ श्रुतिस्मृतिपुराणाय नमः  
 ॐ  
 देव-यक्ष-किन्नर-किम्पुरुष-पूज्याय  
 नमः  
 ॐ श्रवणानन्दाय नमः  
 ॐ दर्शनानन्दाय नमः  
 ॐ जिह्वानन्दाय नमः  
 ॐ चिन्तितानन्दाय नमः  
 ॐ शैव-वैष्णव-भेद-ध्वंसिने नमः  
 ॐ शङ्कहराय नमः ८०  
 ॐ शङ्खहस्ताय नमः

ॐ वीणामृदङ्गसकलवाद्य-  
नादस्वरूपाय  
नमः  
ॐ राग-स्वर-साहित्य-रसिकाय  
नमः  
ॐ नटन-नाट्य-नाटकादि  
सकलकलाश्रयाय नमः  
ॐ हृदय-गुहेशाय नमः  
ॐ रुद्र-चमक-वर्णित स्वरूपाय  
नमः  
ॐ केदारेश्वरनाथाय नमः  
ॐ अविद्यानाशकाय नमः  
ॐ निष्काम्य-कर्मोपदेशकाय नमः  
ॐ लघुभक्तिमार्गोपदेशकाय नमः  
९०  
ॐ लिङ्गस्वरूपाय नमः  
ॐ शालग्रामसूक्ष्मस्वरूपाय नमः  
ॐ शृङ्गेरी-द्वारकादि  
चतुर्मठसमदृष्टाय नमः

ॐ जितेन्द्रियाय नमः  
ॐ शरणागतवत्सलाय नमः  
ॐ श्रीशैलशिखरवासाय नमः  
ॐ दमरुकनाद-वेदशृष्टिकाय नमः  
ॐ वृषभारूढाय नमः  
ॐ दुर्मतनाशकाय नमः  
ॐ आभिचारिकदोषहर्त्रे नमः १००  
ॐ मिथ्याहराय नमः  
ॐ मृत्युविमोचकशक्तये नमः  
ॐ सुदर्शनचक्रप्रतिष्ठिताय नमः  
ॐ दस्य कर्मानुग्रहाय नमः  
ॐ अनूराधानक्षत्रजाताय नमः  
ॐ सर्वलोकगमनाय नमः  
ॐ श्रीत्रिपुरसुन्दरी-समेत-  
श्रीचन्द्रमौलीश्वर-पूजा-प्रियाय  
नमः  
ॐ वेङ्कटेश्वरानन्द-हृदयवासाय  
नमः

काञ्ची कामकोटि पीठाधीश्वर शङ्कराचार्य श्री चन्द्रशेखरेन्द्र सरस्वती अष्टोत्तर-शतनामावलि:

## ॥ जगदानन्दकारक शतनामावलि: ॥

ॐ जगदानन्दकारकाय नमः  
 ॐ जानकीप्राणनायकाय नमः  
 ॐ गगनाधिपसद्कुलजाय नमः  
 ॐ राजराजेश्वराय नमः  
 ॐ सुगुणाकराय नमः  
 ॐ सुरसेव्याय नमः  
 ॐ भव्यदायकाय नमः  
 ॐ सदा  
 सकल-जगदानन्दकारकाय नमः  
 ॐ  
 अमर-तारक-निचय-कुमुदहिताय  
 नमः  
 ॐ परिपूर्णाय नमः १०  
 ॐ अनघाय नमः  
 ॐ सुराय नमः  
 ॐ सुरभूजाय नमः  
 ॐ दधि-पयोधि-वास-हरणाय  
 नमः  
 ॐ सुन्दरतरवदनाय नमः  
 ॐ सुधामयवचो वृन्दाय नमः  
 ॐ गोविन्दाय नमः  
 ॐ सानन्दाय नमः  
 ॐ मावराय नमः  
 ॐ अजरायै नमः २०

ॐ आप्ताय नमः  
 ॐ शुभकराय नमः  
 ॐ अनेक-जगदानन्दकारकाय  
 नमः  
 ॐ निगम-नीरजामृतज-पोषकाय  
 नमः  
 ॐ  
 अनिमिष-वैरि-वारिद-समीरणाय  
 नमः  
 ॐ खग-तुरङ्गाय नमः  
 ॐ सद्कवि-हृदालयाय नमः  
 ॐ  
 अगणित-वानराधिप-नताङ्घ्रियुगाय  
 नमः  
 ॐ जगदानन्दकारकाय नमः  
 ॐ इन्द्रनील मणि सन्निभापघनाय  
 नमः ३०  
 ॐ चन्द्र-सूर्य-नयनाय नमः  
 ॐ अप्रमेयाय नमः  
 ॐ वाग्निन्द्र-जनकाय नमः  
 ॐ सकलेशाय नमः  
 ॐ शुभ्राय नमः  
 ॐ नागेन्द्र-शयनाय नमः  
 ॐ शमन-वैरि-सन्नुताय नमः



ॐ जगदानन्दकारकाय नमः

ॐ पाद-विजित-मौनि-शापाय

नमः

ॐ सव-परिपालाय नमः ४०

ॐ वरमन्त्र-ग्रहण-लोलाय नमः

ॐ परम-शान्ताय नमः

ॐ सिद्धाय नमः

ॐ जनकजाधिपाय नमः

ॐ सरोजभव-वरदाय नमः

ॐ अखिल-जगदानन्दकारकाय

नमः

ॐ सृष्टि-स्थित्यन्त-कारकाय नमः

ॐ अमिताय नमः

ॐ कामित-फलदाय नमः

ॐ असमान-गात्राय नमः ५०

ॐ शचीपतिनुताय नमः

ॐ अब्धि-मदहराय नमः

ॐ अनुराग-राग-राजित-कथा-

सारहिताय

नमः

ॐ जगदानन्दकारकाय नमः

ॐ सज्जन-मानसाब्धि-सुधाकराय

नमः

ॐ कुसुम-विमानाय नमः

ॐ सुरसारिपु-कराब्ज-लालित-

चरणाय

नमः

ॐ अवगुणासुरगण-मद-हरणाय

नमः

ॐ सनातनाजनुताय नमः

ॐ जगदानन्दकारकाय नमः ६०

ॐ ओङ्कार पञ्जर-कीराय नमः

ॐ

पुरहर-सरोजभव-केशवादिरूपाय

नमः

ॐ वासव-रिपु-जनकान्तकाय

नमः

ॐ कलाधराय नमः

ॐ कलाधराप्ताय नमः

ॐ घृणाकराय नमः

ॐ शरणागत-जन-पालनाय नमः

ॐ सुमनोरमणाय नमः

ॐ निर्विकाराय नमः

ॐ निगमसारतराय नमः ७०

ॐ जगदानन्दकारकाय नमः

ॐ करधृत-शर-जालाय नमः

ॐ सुरमदापहरणाय नमः

ॐ अवनी-सुर-सुरावनाय नमः

ॐ कवीनाय नमः

ॐ

बिलज-मौनि-कृत-चरित्र-सन्नुताय

नमः

ॐ श्री त्यागराजनुताय नमः  
 ॐ जगदानन्दकारकाय नमः  
 ॐ पुराणपुरुषाय नमः  
 ॐ नृवरात्मजाय नमः ८०  
 ॐ आश्रित-पराधीनाय नमः  
 ॐ खर-विराध-रावण-विरावणाय  
 नमः  
 ॐ अनघाय नमः  
 ॐ पराशर-मनोहराय नमः  
 ॐ अविकृताय नमः  
 ॐ त्यागराज-सन्नुताय नमः  
 ॐ जगदानन्दकारकाय नमः  
 ॐ अगणित-गुणाय नमः

ॐ कनक-चेलाय नमः  
 ॐ साल-विदलनाय नमः ९०  
 ॐ अरुणाभ-समान-चरणाय नमः  
 ॐ अपार-महिम्ने नमः  
 ॐ अद्भुताय नमः  
 ॐ सुकवि-जन-हृद्सदनाय नमः  
 ॐ सुर-मुनिगण-विहिताय नमः  
 ॐ कलश-नीरनिधिजा-रमणाय  
 नमः  
 ॐ पाप-गज-नृसिंहाय नमः  
 ॐ वराय नमः  
 ॐ त्यागराजादि-नुताय नमः  
 ॐ जगदानन्दकारकाय नमः १००

॥ इति श्री जगदानन्दकारक नामावलिः सम्पूर्णा ॥

## ॥ देवसेना अष्टोत्तरशतनामावलि: ॥

ॐ देवसेनायै नमः  
 ॐ देवलोकजनन्यै नमः  
 ॐ दिव्यसुन्दर्यै नमः  
 ॐ देवपूज्यायै नमः  
 ॐ दयारूपायै नमः  
 ॐ दिव्याभरणभूषितायै नमः  
 ॐ दारिद्र्यनाशिन्यै नमः  
 ॐ देव्यै नमः  
 ॐ दिव्यपङ्कजधारिण्यै नमः  
 ॐ दुःस्वप्ननाशिन्यै नमः १०  
 ॐ दुष्टशमन्यै नमः  
 ॐ दोषवर्जितायै नमः  
 ॐ पीताम्बरायै नमः  
 ॐ पद्मवासायै नमः  
 ॐ परानन्दायै नमः  
 ॐ परात्परायै नमः  
 ॐ पूर्णायै नमः  
 ॐ परमकल्याण्यै नमः  
 ॐ प्रकटायै नमः  
 ॐ पापनाशिन्यै नमः २०  
 ॐ प्राणेश्वर्यै नमः  
 ॐ परायै शक्त्यै नमः  
 ॐ परमायै नमः  
 ॐ परमेश्वर्यै नमः

ॐ महावीर्यायै नमः  
 ॐ महाभोगायै नमः  
 ॐ महापूज्यायै नमः  
 ॐ महाबलायै नमः  
 ॐ माहेन्द्र्यै नमः  
 ॐ महत्यै नमः ३०  
 ॐ मायायै नमः  
 ॐ मुक्ताहारविभूषितायै नमः  
 ॐ ब्रह्मानन्दायै नमः  
 ॐ ब्रह्मरूपायै नमः  
 ॐ ब्रह्माण्यै नमः  
 ॐ ब्रह्मपूजितायै नमः  
 ॐ कार्तिकेयप्रियायै नमः  
 ॐ कान्तायै नमः  
 ॐ कामरूपायै नमः  
 ॐ कलाधरायै नमः ४०  
 ॐ विष्णुपूज्यायै नमः  
 ॐ विश्ववेद्यायै नमः  
 ॐ वेदवेद्यायै नमः  
 ॐ वज्रिजातायै नमः  
 ॐ वरप्रदायै नमः  
 ॐ विशाखकान्तायै नमः  
 ॐ विमलायै नमः  
 ॐ विशालाक्ष्यै नमः

ॐ सत्यसन्धायै नमः

ॐ सत्प्रभावायै नमः

५०

ॐ सिद्धिदायै नमः

ॐ स्कन्दवल्लभायै नमः

ॐ सुरेश्वर्यै नमः

ॐ सर्ववन्द्यायै नमः

ॐ सुन्दर्यै नमः

ॐ साम्यवर्जितायै नमः

ॐ हतदैत्यायै नमः

ॐ हानिहीनायै नमः

ॐ हर्षदात्र्यै नमः

ॐ हतासुरायै नमः

६०

ॐ हितकर्त्र्यै नमः

ॐ हीनदोषायै नमः

ॐ हेमाभायै नमः

ॐ हेमभूषणायै नमः

ॐ लयहीनायै नमः

ॐ लोकवन्द्यायै नमः

ॐ ललितायै नमः

ॐ ललनोत्तमायै नमः

ॐ लम्बवामकरायै नमः

ॐ लभ्यायै नमः

७०

ॐ लज्जढ्यायै नमः

ॐ लाभदायिन्यै नमः

ॐ अचिन्त्यशक्त्यै नमः

ॐ अचलायै नमः

ॐ अचिन्त्यरूपायै नमः

ॐ अक्षरायै नमः

ॐ अभयायै नमः

ॐ अम्बुजाक्ष्यै नमः

ॐ अमराराध्यायै नमः

ॐ अभयदायै नमः

८०

ॐ असुरभीतिदायै नमः

ॐ शर्मदायै नमः

ॐ शक्रतनयायै नमः

ॐ शङ्करात्मजवल्लभायै नमः

ॐ शुभायै नमः

ॐ शुभप्रदायै नमः

ॐ शुद्धायै नमः

ॐ शरणागतवत्सलायै नमः

ॐ मयूरवाहनदयितायै नमः

ॐ महामहिमशालिन्यै नमः ९०

ॐ मदहीनायै नमः

ॐ मातृपूज्यायै नमः

ॐ मन्मथारिसुतप्रियायै नमः

ॐ गुणपूर्णायै नमः

ॐ गणाराध्यायै नमः

ॐ गौरीसुतमनःप्रियायै नमः

ॐ गतदोषायै नमः

ॐ गतावद्यायै नमः

ॐ गङ्गाजातकुटुम्बिन्यै नमः

ॐ चतुरायै नमः

१००

ॐ चन्द्रवदनायै नमः

ॐ चन्द्रचूडभवप्रियायै नमः

ॐ रम्यरूपायै नमः

ॐ रमावन्द्यायै नमः

ॐ रुद्रसूनुमनःप्रियायै नमः

ॐ मङ्गलायै नमः

ॐ मधुरालापायै नमः

ॐ महेशतनयप्रियायै नमः

॥ इति श्री देवसेना अष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णा ॥

## ॥ रामाष्टोत्तरशतनामावलि: ॥

ॐ श्रीरामाय नमः  
 ॐ रामभद्राय नमः  
 ॐ रामचन्द्राय नमः  
 ॐ शाश्वताय नमः  
 ॐ राजीवलोचनाय नमः  
 ॐ श्रीमते नमः  
 ॐ राजेन्द्राय नमः  
 ॐ रघुपुङ्गवाय नमः  
 ॐ जानकीवल्लभाय नमः  
 ॐ जैत्राय नमः १०  
 ॐ जितामित्राय नमः  
 ॐ जनार्दनाय नमः  
 ॐ विश्वामित्रप्रियाय नमः  
 ॐ दान्ताय नमः  
 ॐ शरणत्राणतत्पराय नमः  
 ॐ वालिप्रमथनाय नमः  
 ॐ वाग्मिने नमः  
 ॐ सत्यवाचे नमः  
 ॐ सत्यविक्रमाय नमः  
 ॐ सत्यव्रताय नमः २०  
 ॐ व्रतधराय नमः  
 ॐ सदा हनुमदाश्रिताय नमः  
 ॐ कौसलेयाय नमः  
 ॐ खरध्वंसिने नमः

ॐ विराधवधपण्डिताय नमः  
 ॐ विभीषणपरित्रात्रे नमः  
 ॐ हरकोदण्डखण्डनाय नमः  
 ॐ सप्ततालप्रभेत्त्रे नमः  
 ॐ दशग्रीवशिरोहराय नमः  
 ॐ जामदग्न्यमहादर्पदलनाय नमः  
 ३०  
 ॐ ताटकान्तकाय नमः  
 ॐ वेदान्तसाराय नमः  
 ॐ वेदात्मने नमः  
 ॐ भवरोगस्य भेषजाय नमः  
 ॐ दूषणत्रिशिरोहन्त्रे नमः  
 ॐ त्रिमूर्तये नमः  
 ॐ त्रिगुणात्मकाय नमः  
 ॐ त्रिविक्रमाय नमः  
 ॐ त्रिलोकात्मने नमः  
 ॐ पुण्यचारित्रकीर्तनाय नमः ४०  
 ॐ त्रिलोकरक्षकाय नमः  
 ॐ धन्विने नमः  
 ॐ दण्डकारण्यकर्तनाय नमः  
 ॐ अहल्याशापशमनाय नमः  
 ॐ पितृभक्ताय नमः  
 ॐ वरप्रदाय नमः  
 ॐ जितेन्द्रियाय नमः

ॐ जितक्रोधाय नमः  
 ॐ जितामित्राय नमः  
 ॐ जगद्गुरवे नमः ५०  
 ॐ ऋक्षवानरसङ्घातिने नमः  
 ॐ चित्रकूटसमाश्रयाय नमः  
 ॐ जयन्तत्राणवरदाय नमः  
 ॐ सुमित्रापुत्रसेविताय नमः  
 ॐ सर्वदेवादिदेवाय नमः  
 ॐ मृतवानरजीवनाय नमः  
 ॐ मायामारीचहन्त्रे नमः  
 ॐ महादेवाय नमः  
 ॐ महाभुजाय नमः  
 ॐ सर्वदेवस्तुताय नमः ६०  
 ॐ सौम्याय नमः  
 ॐ ब्रह्मण्याय नमः  
 ॐ मुनिसंस्तुताय नमः  
 ॐ महायोगाय नमः  
 ॐ महोदाराय नमः  
 ॐ सुग्रीवेप्सितराज्यदाय नमः  
 ॐ सर्वपुण्याधिकफलाय नमः  
 ॐ स्मृतसर्वाघनाशनाय नमः  
 ॐ अनादये नमः  
 ॐ आदिपुरुषाय नमः ७०  
 ॐ महापुरुषाय नमः  
 ॐ पुण्योदयाय नमः  
 ॐ दयासाराय नमः

ॐ पुराणपुरुषोत्तमाय नमः  
 ॐ स्मितवक्त्राय नमः  
 ॐ मितभाषिणे नमः  
 ॐ पूर्वभाषिणे नमः  
 ॐ राघवाय नमः  
 ॐ अनन्तगुणगम्भीराय नमः  
 ॐ धीरोदात्तगुणोत्तमाय नमः ८०  
 ॐ मायामानुषचारित्राय नमः  
 ॐ महादेवादिपूजिताय नमः  
 ॐ सेतुकृते नमः  
 ॐ जितवारीशाय नमः  
 ॐ सर्वतीर्थमयाय नमः  
 ॐ हरये नमः  
 ॐ श्यामाङ्गाय नमः  
 ॐ सुन्दराय नमः  
 ॐ शूराय नमः  
 ॐ पीतवाससे नमः ९०  
 ॐ धनुर्धराय नमः  
 ॐ सर्वयज्ञाधिपाय नमः  
 ॐ यज्जिने नमः  
 ॐ जरामरणवर्जिताय नमः  
 ॐ शिवलिङ्गप्रतिष्ठात्रे नमः  
 ॐ सर्वापगुणवर्जिताय नमः  
 ॐ परमात्मने नमः  
 ॐ परस्मै ब्रह्मणे नमः  
 ॐ सच्चिदानन्दविग्रहाय नमः

ॐ परस्मै ज्योतिषे नमः      १००  
 ॐ परस्मै धाम्ने नमः  
 ॐ पराकाशाय नमः  
 ॐ परात्पराय नमः

ॐ परेशाय नमः  
 ॐ पारगाय नमः  
 ॐ पाराय नमः  
 ॐ सर्वदेवात्मकाय नमः  
 ॐ पराय नमः

॥ इति श्री पद्मपुराणे उत्तरखण्डे श्री रामाष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णा ॥



## ॥ लक्ष्म्यष्टोत्तरशतनामावलि: ॥

ॐ प्रकृत्यै नमः  
 ॐ विकृत्यै नमः  
 ॐ विद्यायै नमः  
 ॐ सर्वभूतहितप्रदायै नमः  
 ॐ श्रद्धायै नमः  
 ॐ विभूत्यै नमः  
 ॐ सुरभ्यै नमः  
 ॐ परमात्मिकायै नमः  
 ॐ वाचे नमः  
 ॐ पद्मालयायै नमः १०  
 ॐ पद्मायै नमः  
 ॐ शुच्यै नमः  
 ॐ स्वाहायै नमः  
 ॐ स्वधायै नमः  
 ॐ सुधायै नमः  
 ॐ धन्यायै नमः  
 ॐ हिरण्मय्यै नमः  
 ॐ लक्ष्म्यै नमः  
 ॐ नित्यपुष्टायै नमः  
 ॐ विभावरीयै नमः २०  
 ॐ अदित्यै नमः  
 ॐ दित्यै नमः  
 ॐ दीप्तायै नमः  
 ॐ वसुधायै नमः

ॐ वसुधारिण्यै नमः  
 ॐ कमलायै नमः  
 ॐ कान्तायै नमः  
 ॐ कामाक्ष्यै नमः  
 ॐ क्रोधसम्भवायै नमः  
 ॐ अनुग्रहपदायै नमः ३०  
 ॐ बुद्ध्यै नमः  
 ॐ अनघायै नमः  
 ॐ हरिवल्लभायै नमः  
 ॐ अशोकाममृतायै नमः  
 ॐ दीप्तायै नमः  
 ॐ लोकशोकविनाशिन्यै नमः  
 ॐ धर्मनिलयायै नमः  
 ॐ करुणायै नमः  
 ॐ लोकमात्रे नमः  
 ॐ पद्मप्रियायै नमः ४०  
 ॐ पद्महस्तायै नमः  
 ॐ पद्माक्ष्यै नमः  
 ॐ पद्मसुन्दर्यै नमः  
 ॐ पद्मोद्भवायै नमः  
 ॐ पद्ममुख्यै नमः  
 ॐ पद्मनाभप्रियायै नमः  
 ॐ रमायै नमः  
 ॐ पद्ममालाधरायै नमः

ॐ देव्यै नमः  
 ॐ पद्मिन्यै नमः ५०  
 ॐ पद्मगन्धिन्यै नमः  
 ॐ पुण्यगन्धायै नमः  
 ॐ सुप्रसन्नायै नमः  
 ॐ प्रसादाभिमुख्यै नमः  
 ॐ प्रभायै नमः  
 ॐ चन्द्रवदनायै नमः  
 ॐ चन्द्रायै नमः  
 ॐ चन्द्रसहोदर्यै नमः  
 ॐ चतुर्भुजायै नमः  
 ॐ चन्द्ररूपायै नमः ६०  
 ॐ इन्दिरायै नमः  
 ॐ इन्दुशीतलायै नमः  
 ॐ आह्लादजनन्यै नमः  
 ॐ पुष्ट्यै नमः  
 ॐ शिवायै नमः  
 ॐ शिवकर्यै नमः  
 ॐ सत्यै नमः  
 ॐ विमलायै नमः  
 ॐ विश्वजनन्यै नमः  
 ॐ तुष्ट्यै नमः ७०  
 ॐ दारिद्र्यनाशिन्यै नमः  
 ॐ प्रीतिपुष्करिण्यै नमः  
 ॐ शान्तायै नमः  
 ॐ शुक्लमाल्याम्बरायै नमः

ॐ श्रियै नमः  
 ॐ भास्कर्यै नमः  
 ॐ बिल्वनिलयायै नमः  
 ॐ वरारोहायै नमः  
 ॐ यशस्विन्यै नमः  
 ॐ वसुन्धरायै नमः ८०  
 ॐ उदाराङ्ग्यै नमः  
 ॐ हरिण्यै नमः  
 ॐ हेममालिन्यै नमः  
 ॐ धनधान्यकर्यै नमः  
 ॐ सिद्ध्यै नमः  
 ॐ स्त्रैणसौम्यायै नमः  
 ॐ शुभप्रदायै नमः  
 ॐ नृपवेश्मगतानन्दायै नमः  
 ॐ वरलक्ष्म्यै नमः  
 ॐ वसुप्रदायै नमः ९०  
 ॐ शुभायै नमः  
 ॐ हिरण्यप्राकारायै नमः  
 ॐ समुद्रतनयायै नमः  
 ॐ जयायै नमः  
 ॐ मङ्गलायै नमः  
 ॐ देव्यै नमः  
 ॐ विष्णुवक्षःस्थलस्थितायै नमः  
 ॐ विष्णुपत्न्यै नमः  
 ॐ प्रसन्नाक्ष्यै नमः  
 ॐ नारायणसमाश्रितायै नमः १००

ॐ दारिद्र्यध्वंसिन्यै नमः

ॐ देव्यै नमः

ॐ सर्वोपद्रवहारिण्यै नमः

ॐ नवदुर्गायै नमः

ॐ महाकाल्यै नमः

ॐ ब्रह्मविष्णुशिवात्मिकायै नमः

ॐ त्रिकालज्ञानसम्पन्नायै नमः

ॐ भुवनेश्वर्यै नमः

॥ इति श्री लक्ष्म्यष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णा ॥

## ॥ वल्ली अष्टोत्तरशतनामावलि: ॥

ॐ महावल्लयै नमः  
 ॐ वन्द्यायै नमः  
 ॐ वनवासायै नमः  
 ॐ वरलक्ष्म्यै नमः  
 ॐ वरप्रदायै नमः  
 ॐ वाणीस्तुतायै नमः  
 ॐ वीतमोहायै नमः  
 ॐ वामदेवसुतप्रियायै नमः  
 ॐ वैकुण्ठतनयायै नमः  
 ॐ वर्यायै नमः १०  
 ॐ वनेचरसमाहृतायै नमः  
 ॐ दयापूर्णायै नमः  
 ॐ दिव्यरूपायै नमः  
 ॐ दारिद्र्यभयनाशिन्यै नमः  
 ॐ देवस्तुतायै नमः  
 ॐ दैत्यहन्त्र्यै नमः  
 ॐ दोषहीनायै नमः  
 ॐ दयाम्बुधये नमः  
 ॐ दुःखहन्त्र्यै नमः  
 ॐ दुष्टदूरायै नमः २०  
 ॐ दुरितघ्न्यै नमः  
 ॐ दुरासदायै नमः  
 ॐ नाशहीनायै नमः  
 ॐ नागनुतायै नमः

ॐ नारदस्तुतवैभवायै नमः  
 ॐ लवलीकुञ्जसम्भूतायै नमः  
 ॐ ललितायै नमः  
 ॐ ललनोत्तमायै नमः  
 ॐ शान्तदोषायै नमः  
 ॐ शर्मदात्र्यै नमः ३०  
 ॐ शरजन्मकुटुम्बिन्यै नमः  
 ॐ पद्मिन्यै नमः  
 ॐ पद्मवदनायै नमः  
 ॐ पद्मनाभसुतायै नमः  
 ॐ परायै नमः  
 ॐ पूर्णरूपायै नमः  
 ॐ पुण्यशीलायै नमः  
 ॐ प्रियङ्गुवनपालिन्यै नमः  
 ॐ सुन्दर्यै नमः  
 ॐ सुरसंस्तुतायै नमः ४०  
 ॐ सुब्रह्मण्यकुटुम्बिन्यै नमः  
 ॐ मान्यायै नमः  
 ॐ मनोहरायै नमः  
 ॐ मायायै नमः  
 ॐ महेश्वरसुतप्रियायै नमः  
 ॐ कुमार्यै नमः  
 ॐ करुणापूर्णायै नमः  
 ॐ कार्तिकेयमनोहरायै नमः

ॐ पद्मनेत्रायै नमः  
 ॐ परानन्दायै नमः ५०  
 ॐ पार्वतीसुतवल्लभायै नमः  
 ॐ महादेव्यै नमः  
 ॐ महामायायै नमः  
 ॐ मल्लिकाकुसुमप्रियायै नमः  
 ॐ चन्द्रवक्त्रायै नमः  
 ॐ चारुरूपायै नमः  
 ॐ चाम्पेयकुसुमप्रियायै नमः  
 ॐ गिरिवासायै नमः  
 ॐ गुणनिधये नमः  
 ॐ गतावन्यायै नमः ६०  
 ॐ गुहप्रियायै नमः  
 ॐ कलिहीनायै नमः  
 ॐ कलारूपायै नमः  
 ॐ कृत्तिकासुतकामिन्यै नमः  
 ॐ गतदोषायै नमः  
 ॐ गीतगुणायै नमः  
 ॐ गङ्गाधरसुतप्रियायै नमः  
 ॐ भद्ररूपायै नमः  
 ॐ भगवत्यै नमः  
 ॐ भाग्यदायै नमः ७०  
 ॐ भवहारिण्यै नमः  
 ॐ भवहीनायै नमः  
 ॐ भव्यदेहायै नमः  
 ॐ भवात्मजमनोहरायै नमः

ॐ सौम्यायै नमः  
 ॐ सर्वेश्वर्यै नमः  
 ॐ सत्यायै नमः  
 ॐ साध्यै नमः  
 ॐ सिद्धसमर्चितायै नमः  
 ॐ हानिहीनायै नमः ८०  
 ॐ हरिसुतायै नमः  
 ॐ हरसूनुमनःप्रियायै नमः  
 ॐ कल्याण्यै नमः  
 ॐ कमलायै नमः  
 ॐ कल्यायै नमः  
 ॐ कुमारसुमनोहरायै नमः  
 ॐ जनिहीनायै नमः  
 ॐ जन्महन्त्र्यै नमः  
 ॐ जनार्दनसुतायै नमः  
 ॐ जयायै नमः ९०  
 ॐ रमायै नमः  
 ॐ रामायै नमः  
 ॐ रम्यरूपायै नमः  
 ॐ राज्ञ्यै नमः  
 ॐ राजरवाट्टायै नमः  
 ॐ नीतिज्ञायै नमः  
 ॐ निर्मलायै नमः  
 ॐ नित्यायै नमः  
 ॐ नीलकण्ठसुतप्रियायै नमः  
 ॐ शिवरूपायै नमः १००

ॐ सुधाकारायै नमः

ॐ शिखिवाहनवल्लभायै नमः

ॐ व्याधात्मजायै नमः

ॐ व्याधिहन्त्र्यै नमः

ॐ विविधागमसंस्तुतायै नमः

ॐ हर्षदात्र्यै नमः

ॐ हरिभवायै नमः

ॐ हरसूनुप्रियङ्गनायै नमः

॥ इति श्री वल्ल्यष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णा ॥

## ॥ विष्णोरष्टोत्तरशतदिव्यस्थानीयनामावलि: ॥

ॐ श्रीवैकुण्ठे वासुदेवाय नमः  
 ॐ आमोदे कर्षणाय नमः  
 ॐ प्रमोदे प्रद्युम्नाय नमः  
 ॐ सम्मोदे ऐरुद्धाय नमः  
 ॐ सत्यलोके विष्णवे नमः  
 ॐ सूर्यमण्डले पद्माक्षाय नमः  
 ॐ क्षीराब्धौ शेषशयनाय नमः  
 ॐ श्वेतद्वीपे तु तारकाय नमः  
 ॐ बदर्या नारायणाय नमः  
 ॐ नैमिषे हरये नमः १०  
 ॐ हरिक्षेत्रे शालग्रामाय नमः  
 ॐ अयोध्यायां रघूत्तमाय नमः  
 ॐ मथुरायां बालकृष्णाय नमः  
 ॐ मायायां मधुसूदनाय नमः  
 ॐ काश्यां भोगशयनाय नमः  
 ॐ अमवन्त्यां अवनीपतये नमः  
 ॐ द्वारवत्यां यादवेन्द्राय नमः  
 ॐ ब्रजे गोपीजनप्रियाय नमः  
 ॐ वृन्दावने नन्दसूनवे नमः  
 ॐ कालियहृदे गोविन्दाय नमः २०  
 ॐ गोवर्धने गोपवेषाय नमः  
 ॐ गोमन्तपर्वते शौरये नमः  
 ॐ हरिद्वारे जगत्पतये नमः  
 ॐ प्रयागे माधवाय नमः

ॐ गयायां गदाधराय नमः  
 ॐ गङ्गासागरगे विष्णवे नमः  
 ॐ चित्रकूटे राघवाय नमः  
 ॐ नन्दिग्रामे राक्षसघ्नाय नमः  
 ॐ प्रभासे विश्वरूपाय नमः  
 ॐ श्रीकूर्मे कूर्ममचलाय नमः ३०  
 ॐ नीलाद्रौ पुरुषोत्तमाय नमः  
 ॐ सिंहाचले महासिंहाय नमः  
 ॐ तुलसीवने गदिनां नमः  
 ॐ घृतशैले पापहराय नमः  
 ॐ श्वेताद्रौ सिंहरूपाय नमः  
 ॐ धर्मपुर्यां योगानन्दाय नमः  
 ॐ काकुले आन्ध्रनायकाय नमः  
 ॐ गारुडाद्रौ अहोबिले  
 ॐ हिरण्यासुरमर्दनाय नमः  
 ॐ पाण्डुरङ्गे विट्ठलाय नमः  
 ॐ वेङ्कटाद्रौ रमासखाय नमः ४०  
 ॐ यादवाद्रौ नारायणाय नमः  
 ॐ घटिकाचले नृसिंहाय नमः  
 ॐ काञ्च्यां वारणगिरौ  
 ॐ कमललोचनवरदाय नमः  
 ॐ काञ्च्यां परमेशपुरे  
 ॐ यथोक्तकारिणे नमः  
 ॐ काञ्च्यां पाण्डवदूताय नमः

ॐ काञ्च्यां त्रिविक्रमाय नमः  
 ॐ काञ्च्यां कामासिक्यां नृसिंहाय  
 नमः  
 ॐ काञ्च्यां कामासिक्यां अष्टभुजाय  
 नमः  
 ॐ काञ्च्यां मेघाकाराय नमः  
 ॐ काञ्च्यां शुभाकाराय नमः ५०  
 ॐ काञ्च्यां शेषाकाराय नमः  
 ॐ काञ्च्यां शोभनाय नमः  
 ॐ काञ्च्यां कामकोट्यां शुभप्रदाय  
 नमः  
 ॐ काञ्च्यां कालमेघाय नमः  
 ॐ काञ्च्यां खगारूढाय नमः  
 ॐ काञ्च्यां कोटिसूर्यसमप्रभाय  
 नमः  
 ॐ काञ्च्यां दिव्याय नमः  
 ॐ काञ्च्यां दीपप्रकाशाय नमः  
 ॐ काञ्च्यां प्रवालवर्णाय नमः  
 ॐ काञ्च्यां दीपाभाय नमः ६०  
 ॐ श्रीगृध्रसरसस्तीरे  
 विजयराघवाय नमः  
 ॐ महापुण्ये वीक्षारण्ये  
 वीरराघवाय नमः  
 ॐ तोताद्रौ तुङ्गशयनाय नमः  
 ॐ गजस्थले गजार्तिघ्नाय नमः  
 ॐ बलिपुरे महाबलाय नमः

ॐ भक्तिसारे जगत्पतये नमः  
 ॐ श्रीमुष्णे महावराहाय नमः  
 ॐ महीन्द्रे पद्मलोचनाय नमः  
 ॐ श्रीरङ्गे जगन्नाथाय नमः  
 ॐ श्रीधामे जानकीप्रियाय नमः ७०  
 ॐ सारक्षेत्रे सारनाथाय नमः  
 ॐ खण्डने हरचापहाय नमः  
 ॐ श्रीनिवासस्थले पूर्णाय नमः  
 ॐ स्वर्णमन्दिरे सुवर्णाय नमः  
 ॐ व्याघ्रपुर्यां महाविष्णावे नमः  
 ॐ भक्तिस्थाने भक्तिदाय नमः  
 ॐ श्वेतहृदे शान्तमूर्तये नमः  
 ॐ अग्निपुर्यां सुरप्रियाय नमः  
 ॐ भार्गवस्थाने भर्गाय नमः  
 ॐ वैकुण्ठे माधवाय नमः ८०  
 ॐ पुरुषोत्तमे भक्तसखाय नमः  
 ॐ चक्रतीर्थे सुदर्शनाय नमः  
 ॐ कुम्भकोणे चक्रपाणये नमः  
 ॐ भूतस्थाने शार्ङ्गिणाय नमः  
 ॐ कपिस्थले गजार्तिघ्नाय नमः  
 ॐ चित्रकूटके गोविन्दाय नमः  
 ॐ उत्तमायां अनुत्तमाय नमः  
 ॐ श्वेताद्रौ पद्मलोचनाय नमः  
 ॐ पार्थस्थले परब्रह्मणे नमः  
 ॐ कृष्णाकोट्यां मधुद्विषे नमः ९०  
 ॐ नन्दपुर्यां महानन्दाय नमः



ॐ वृद्धपुर्यां वृषाश्रयाय नमः  
 ॐ सङ्गमग्रामे असङ्गाय नमः  
 ॐ शरण्ये शरणाय नमः  
 ॐ दक्षिणद्वारकायां गोपालाय  
 नमः  
 ॐ सिंहक्षेत्रे महासिंहाय नमः  
 ॐ मणिमण्डपे मल्लारये नमः  
 ॐ निबिडे निबिडाकाराय नमः  
 ॐ धानुष्के जगदीश्वराय नमः  
 ॐ मौहूरे कालमेघाय नमः १००  
 ॐ मधुरायां सुन्दराय नमः

ॐ वृषभाद्रौ परमस्वामिने नमः  
 ॐ श्रीमद्वरगुणे नाथाय नमः  
 ॐ कुरुकायां रमासखये नमः  
 ॐ गोष्ठीपुरे गोष्ठपतये नमः  
 ॐ दर्भसंस्तरे शयानाय नमः  
 ॐ धन्विमङ्गलके शौरये नमः  
 ॐ भ्रमरस्थले बलाढ्याय नमः  
 ॐ कुरङ्गे पूर्णाय नमः  
 ॐ वटस्थले कृष्णाय नमः ११०  
 ॐ क्षुद्रनद्यां अच्युताय नमः  
 ॐ अनन्तके पद्मनाभाय नमः

॥ इति श्री विष्णोरष्टोत्तरशतदिव्यस्थानीयनामावलिः सम्पूर्णा ॥

## ॥ वेङ्कटेशाष्टोत्तरशतनामावलि: (वराहपुराणान्तर्गता) ॥

ॐ वेङ्कटेशाय नमः  
 ॐ शेषाद्रिनिलयाय नमः  
 ॐ वृषट्गोचराया नमः  
 ॐ विष्णवे नमः  
 ॐ सदञ्जनगिरीशाय नमः  
 ॐ वृषाद्रिपतये नमः  
 ॐ मेरुपुत्रगिरीशाय नमः  
 ॐ सरस्वामितटीजुषे नमः  
 ॐ कुमारकल्पसेव्याय नमः  
 ॐ वज्रट्गिविषयाय नमः १०  
 ॐ  
 सुवर्चलासुतन्यस्तसेनापत्यभराय  
 नमः  
 ॐ रामाय नमः  
 ॐ पद्मनाभाय नमः  
 ॐ वायुस्तुताय नमः  
 ॐ त्यक्तवैकुण्ठलोकाय नमः  
 ॐ गिरिकुञ्जविहारिणे नमः  
 ॐ हरिचन्दनगोत्रेन्द्रस्वामिने नमः  
 ॐ शङ्कराजन्यनेत्राब्जविषयाय  
 नमः  
 ॐ वसूपरिचरत्रात्रे नमः  
 ॐ कृष्णाय नमः २०  
 ॐ अभ्यिकन्यापरिष्वक्तवक्षसे

नमः  
 ॐ वेङ्कटाय नमः  
 ॐ सनकादिमहायोगिपूजिताय  
 नमः  
 ॐ देवजित्प्रमुखानन्त-  
 दैत्यसङ्घप्रणाशिने  
 नमः  
 ॐ  
 श्वेतद्वीपवसन्मुक्तपूजिताङ्घ्रियुगाय  
 नमः  
 ॐ शेषपर्वतरूपत्वप्रकाशन-  
 पराय नमः  
 ॐ सानुस्थापितताक्ष्याय नमः  
 ॐ ताक्ष्याचलनिवासिने नमः  
 ॐ मायागूढविमानाय नमः  
 ॐ गरुडस्कन्धवासिने नमः ३०  
 ॐ अनन्तशिरसे नमः  
 ॐ अनन्ताक्षाय नमः  
 ॐ अनन्तचरणाया नमः  
 ॐ श्रीशैलनिलयाय नमः  
 ॐ दामोदराय नमः  
 ॐ नीलमेघनिभाय नमः  
 ॐ ब्रह्मादिदेवदुर्दर्शविश्वरूपाय  
 नमः

ॐ

वैकुण्ठगतसद्धेमविमानान्तर्गताय

नमः

ॐ अगस्त्याभ्यर्थिताशेष-

जनदृग्गोचराय

नमः

ॐ वासुदेवाय नमः ४०

ॐ हरये नमः

ॐ तीर्थपञ्चकवासिने नमः

ॐ वामदेवप्रियाय नमः

ॐ जनकेष्टप्रदाय नमः

ॐ

मार्कण्डेयमहातीर्थजातुपुण्यप्रदाय

नमः

ॐ वाक्पतिब्रह्मधात्रे नमः

ॐ चन्द्रलावण्यदायिने नमः

ॐ नारायणनगेशाय नमः

ॐ ब्रह्मकृतोत्सवाय नमः

ॐ

शङ्खचक्रवरानम्रलसत्करतलाय

नमः ५०

ॐ द्रवन्मृगमदासक्तविग्रहाय नमः

ॐ केशवाय नमः

ॐ नित्ययौवनमूर्तये नमः

ॐ अर्थितार्थप्रदात्रे नमः

ॐ विश्वतीर्थाघहारिणे नमः

ॐ तीर्थस्वामिसरःस्नात-

जनाभीष्टप्रदायिने

नमः

ॐ कुमारधारिकावास-

स्कन्दाभीष्टप्रदाय

नमः

ॐ जानुदघ्नसमुद्भूतपोत्रिणे नमः

ॐ कूर्ममूर्तये नमः

ॐ किन्नरद्वन्द्वशापान्तप्रदात्रे नमः

६०

ॐ विभवे नमः

ॐ वैखानसमुनिश्रेष्ठपूजिताय नमः

ॐ सिंहाचलनिवासाय नमः

ॐ श्रीमन्नारायणाय नमः

ॐ सद्भक्तनीलकण्ठार्च्यनृसिंहाय

नमः

ॐ कुमुदाक्षगणश्रेष्ठसेनापत्यप्रदाय

नमः

ॐ दुर्मेधः प्राणहर्त्रे नमः

ॐ श्रीधराय नमः

ॐ क्षत्रियान्तकरामाय नमः

ॐ मत्स्यरूपाय नमः ७०

ॐ पाण्डवारिप्रहर्त्रे नमः

ॐ श्रीकराय नमः

ॐ

उपत्यकाप्रदेशस्थशङ्करध्यानमूर्तये

नमः

ॐ

रुक्माञ्जसरसीकूललक्ष्मीकृततपस्विने

नमः

ॐ

लसल्लक्ष्मीकराम्भोजदत्तकल्हारकस्त्रणे

नमः

ॐ शालग्रामनिवासाय नमः

ॐ शुक्लदृग्गोचराय नमः

ॐ

नारायणार्थिताशेषजनदृग्विषयाय

नमः

ॐ मृगयारसिकाय नमः

ॐ ऋषभासुरहारिणे नमः ८०

ॐ अञ्जनागोत्रपतये नमः

ॐ वृषभाचलवासिने नमः

ॐ अञ्जनासुतदात्रे नमः

ॐ माधवीयाघहारिणे नमः

ॐ प्रियाङ्गुप्रियभक्षाय नमः

ॐ श्वेतकोलवराय नमः

ॐ

नीलधेनुपयोधारासेकदेहोद्भवाय

नमः

ॐ शङ्करप्रियमित्राय नमः

ॐ चोलपुत्रप्रियाय नमः

ॐ सुधर्मिणे नमः ९०

ॐ सुचैतन्यप्रदात्रे नमः

ॐ मधुघातिने नमः

ॐ

कृष्णारव्यविप्रवेदान्तदेशिकत्वप्रदाय

नमः

ॐ वराहाचलनाथाय नमः

ॐ बलभद्राय नमः

ॐ त्रिविक्रमाय नमः

ॐ महते नमः

ॐ हृषीकेशाय नमः

ॐ अच्युताय नमः

ॐ नीलाद्रिनिलयाय नमः १००

ॐ क्षीराब्धिनाथाय नमः

ॐ वैकुण्ठाचलवासिने नमः

ॐ मुकुन्दाय नमः

ॐ अनन्ताय नमः

ॐ

विरिञ्चाभ्यर्तितानीतसौम्यरूपाय

नमः

ॐ

सुवर्णमुखरीस्नातमनुजाभीष्टदायिने

नमः

ॐ

हलायुधजगत्तीर्थसमस्तफलदायिने

नमः

ॐ गोविन्दाय नमः

ॐ श्रीनिवासाय नमः

॥ इति श्री वराहपुराणे श्री वेङ्कटेशाष्टोत्तरशतनामावलि: सम्पूर्णा ॥

## ॥ वेङ्कटेशाष्टोत्तरशतनामावलि: ॥

ॐ ओङ्कारपरमर्थाय नमः  
 ॐ नरनारायणात्मकाय नमः  
 ॐ मोक्षलक्ष्मीप्राणकान्ताय नमः  
 ॐ वेङ्कटाचलनायकाय नमः  
 ॐ करुणापूर्णहृदयाय नमः  
 ॐ टेङ्कारजपसुप्रीताय नमः  
 ॐ शास्त्रप्रमाणगम्याय नमः  
 ॐ यमाद्यष्टाङ्गगोचराय नमः  
 ॐ भक्तलोकैकवरदाय नमः  
 ॐ वरेण्याय नमः १०  
 ॐ भयनाशनाय नमः  
 ॐ यजमानस्वरूपाय नमः  
 ॐ हस्तन्यस्तसुदर्शनाय नमः  
 ॐ रमावतारमङ्गेशाय नमः  
 ॐ णाकारजपसुप्रीताय नमः  
 ॐ यज्ञेशाय नमः  
 ॐ गतिदात्रे नमः  
 ॐ जगतीवल्लभाय नमः  
 ॐ वराय नमः  
 ॐ रक्षःसन्दोहसंहर्त्रे नमः २०  
 ॐ वर्चस्विने नमः  
 ॐ रघुपुङ्गवाय नमः  
 ॐ दानधर्मपराय नमः  
 ॐ याजिने नमः

ॐ घनश्यामलविग्रहाय नमः  
 ॐ हरादिसर्वदेवेड्याय नमः  
 ॐ रामाय नमः  
 ॐ यदुकुलाग्रण्ये नमः  
 ॐ श्रीनिवासाय नमः  
 ॐ महात्मने नमः ३०  
 ॐ तेजस्विने नमः  
 ॐ तत्त्वसन्निधये नमः  
 ॐ त्वमर्थलक्ष्यरूपाय नमः  
 ॐ रूपवते नमः  
 ॐ पावनाय नमः  
 ॐ यशसे नमः  
 ॐ सर्वेशाय नमः  
 ॐ कमलाकान्ताय नमः  
 ॐ लक्ष्मीसल्लापसम्मुखाय नमः  
 ॐ चतुर्मुखप्रतिष्ठात्रे नमः ४०  
 ॐ राजराजवरप्रदाय नमः  
 ॐ चतुर्वेदशिरोरत्नाय नमः  
 ॐ रमणाय नमः  
 ॐ नित्यवैभवाय नमः  
 ॐ दासवर्गपरित्रात्रे नमः  
 ॐ नारदादिमुनिस्तुताय नमः  
 ॐ यादवाचलवासिने नमः  
 ॐ खिद्यद्भक्तार्तिभञ्जनाय नमः

ॐ लक्ष्मीप्रसादकाय नमः  
 ॐ विष्णवे नमः ५०  
 ॐ देवेशाय नमः  
 ॐ रम्यविग्रहाय नमः  
 ॐ माधवाय नमः  
 ॐ लोकनाथाय नमः  
 ॐ लालिताखिलसेवकाय नमः  
 ॐ यक्षगन्धर्ववरदाय नमः  
 ॐ कुमाराय नमः  
 ॐ मातृकार्चिताय नमः  
 ॐ रटद्वालकपोषिणे नमः  
 ॐ शेषशैलकृतस्थलाय नमः ६०  
 ॐ षाड्गुण्यपरिपूर्णाय नमः  
 ॐ द्वैतदोषनिवारणाय नमः  
 ॐ तिर्यग्जन्तुवर्चितद्वये नमः  
 ॐ नेत्रानन्दकरोत्सवाय नमः  
 ॐ द्वादशोत्तमलीलाय नमः  
 ॐ दरिद्रजनरक्षकाय नमः  
 ॐ शत्रुकृत्यादिभीतिघ्नाय नमः  
 ॐ भुजङ्गशयनप्रियाय नमः  
 ॐ जाग्रद्रहस्यावासाय नमः  
 ॐ शिष्टपरिपालकाय नमः ७०  
 ॐ वरेण्याय नमः  
 ॐ पूर्णबोधाय नमः  
 ॐ जन्मसंसारभेषजाय नमः  
 ॐ कार्तिकेयवपुर्धारिणे नमः

ॐ यतिशेखरभाविताय नमः  
 ॐ नरकादिभयध्वंसिने नमः  
 ॐ रथोत्सवकलाधराय नमः  
 ॐ लोकार्चामुख्यमूर्तये नमः  
 ॐ केशवाद्यवतारवते नमः ८०  
 ॐ शास्त्रश्रुतानन्तलीलाय नमः  
 ॐ यमशिक्षानिबर्हणाय नमः  
 ॐ मानसंरक्षणपराय नमः  
 ॐ इरिणाङ्कुरधान्यदाय नमः  
 ॐ नेत्रहीनाक्षिदायिने नमः  
 ॐ मतिहीनमतिप्रदाय नमः  
 ॐ हिरण्यदानग्राहिणे नमः  
 ॐ मोहजालनिकृन्तनाय नमः  
 ॐ दधिलाजाक्षतार्च्याय नमः  
 ॐ यातुधानविनाशनाय नमः ९०  
 ॐ यजुर्वेदशिखागम्याय नमः  
 ॐ वेङ्कटाय नमः  
 ॐ दक्षिणास्थिताय नमः  
 ॐ सारपुष्करिणीतीराय नमः  
 ॐ रात्रौ देवगणार्चिताय नमः  
 ॐ यत्नवत्फलसन्धात्रे नमः  
 ॐ श्रीजापधनवृद्धिकृते नमः  
 ॐ क्लीङ्कारजपकाम्यार्थ-  
 प्रदानसदयान्तराय नमः  
 ॐ स्वसर्वसिद्धिसन्धात्रे नमः  
 ॐ नमस्कर्तुरभीष्टदाय नमः १००

ॐ मोहितखिललोकाय नमः  
 ॐ नानारूपव्यवस्थिताय नमः  
 ॐ राजीवलोचनाय नमः  
 ॐ यज्ञवराहाय नमः  
 ॐ गणवेङ्कटाय नमः

ॐ तेजोराशीक्षणाय नमः  
 ॐ स्वामिने नमः  
 ॐ हार्दाविद्यानिवारणाय नमः  
 १०८  
 ॐ श्रीवेङ्कटेश्वराय नमः

॥ इति श्री वेङ्कटेशाष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णा ॥



## ॥ शक्त्यष्टोत्तरशतदिव्यस्थानीयनामावलि: ॥

ॐ वाराणस्यां विशालाक्ष्यै नमः  
 ॐ नैमिषे लिङ्गधारिण्यै नमः  
 ॐ प्रयागे ललितादेव्यै नमः  
 ॐ गन्धमादने कामाक्ष्यै नमः  
 ॐ मानसे कुमुदायै नमः  
 ॐ अम्बरे विश्वकायायै नमः  
 ॐ गोमन्ते गोमत्यै नमः  
 ॐ मन्दरे कामचारिण्यै नमः  
 ॐ चैत्ररथे मदोत्कटायै नमः  
 ॐ हस्तिनापुरे जयन्त्यै नमः १०  
 ॐ कान्यकुब्जे गौर्यै नमः  
 ॐ मलयपर्वते रम्भायै नमः  
 ॐ एकाम्रके कीर्तिमत्यै नमः  
 ॐ विश्वे विश्वेश्वर्यै नमः  
 ॐ पुष्करे पुरुहूतायै नमः  
 ॐ केदारे मार्गदायिन्यै नमः  
 ॐ हिमवतःपृष्ठे नन्दायै नमः  
 ॐ गोकर्णे भद्रकर्णिकायै नमः  
 ॐ स्थानेश्वरे भवान्यै नमः  
 ॐ बिल्वके बिल्वपत्रिकायै नमः  
 २०  
 ॐ श्रीशैले माधव्यै नमः  
 ॐ भद्रेश्वरे भद्रायै नमः  
 ॐ वराहशैले जयायै नमः

ॐ कमलालये कमलायै नमः  
 ॐ रुद्रकोट्यां रुद्राण्यै नमः  
 ॐ कालञ्जरे गिरौ काल्यै नमः  
 ॐ महालिङ्गे कपिलायै नमः  
 ॐ मर्कोटे मुकुटेश्वर्यै नमः  
 ॐ शालग्रामे महादेव्यै नमः  
 ॐ शिवलिङ्गे जलप्रियायै नमः ३०  
 ॐ मायापुर्यां कुमार्यै नमः  
 ॐ सन्ताने ललितायै नमः  
 ॐ सहस्राक्षे उत्पलाक्ष्यै नमः  
 ॐ कमलाक्षे महोत्पलायै नमः  
 ॐ गङ्गायां मङ्गलायै नमः  
 ॐ पुरुषोत्तमे विमलायै नमः  
 ॐ विपाशायां अमोघाक्ष्यै नमः  
 ॐ पुण्ड्रवर्धने पाटलायै नमः  
 ॐ सुपार्श्वे नारायण्यै नमः  
 ॐ विकूटे भद्रसुन्दर्यै नमः ४०  
 ॐ विपुले विपुलायै नमः  
 ॐ मलयाचले कल्याण्यै नमः  
 ॐ कोटितीर्थे कोटव्यै नमः  
 ॐ माधवे वने सुगन्धायै नमः  
 ॐ कुब्जाम्रके त्रिसन्ध्यायै नमः  
 ॐ गङ्गाद्वारे रतिप्रियायै नमः  
 ॐ शिवकुण्डे सुनन्दायै नमः

ॐ देविकातटे नन्दिन्यै नमः  
 ॐ द्वारवत्यां रुक्मिण्यै नमः  
 ॐ वृन्दावने वने राधायै नमः ५०  
 ॐ मथूरायां देविकायै नमः  
 ॐ पाताले परमेश्वर्यै नमः  
 ॐ चित्रकूटे सीतायै नमः  
 ॐ विन्ध्ये विन्ध्याधिवासिन्यै नमः  
 ॐ सह्याद्रौ एकवीरायै नमः  
 ॐ हरिश्चन्द्रे चन्द्रिकायै नमः  
 ॐ रामतीर्थे रमणायै नमः  
 ॐ यमुनायां मृगावत्यै नमः  
 ॐ करवीरे महालक्ष्म्यै नमः  
 ॐ विनायके उमादेव्यै नमः ६०  
 ॐ वैद्यनाथे अरोगायै नमः  
 ॐ महाकाले महेश्वर्यै नमः  
 ॐ उष्णतीर्थेषु अभयायै नमः  
 ॐ विन्ध्यकन्दरे अमृतायै नमः  
 ॐ माण्डव्ये माण्डव्यै नमः  
 ॐ महेश्वरे पुरे स्वाहायै नमः  
 ॐ छागलाण्डे प्रचण्डायै नमः  
 ॐ मकरन्दके चण्डिकायै नमः  
 ॐ सोमेश्वरे वरारोहायै नमः  
 ॐ प्रभासे पुष्करावत्यै नमः ७०  
 ॐ सरस्वत्यां पारावारतटे देवमात्रे  
 नमः  
 ॐ महालये महाभागायै नमः

ॐ पयोष्यां पिङ्गलेश्वर्यै नमः  
 ॐ कृतशौचे सिंहिकायै नमः  
 ॐ कार्तिकेये यशस्कर्यै नमः  
 ॐ उत्पलावर्तके लोलायै नमः  
 ॐ शोणसङ्गमे सुभद्रायै नमः  
 ॐ सिद्धपुरे मात्रे लक्ष्म्यै नमः  
 ॐ भरताश्रमे अङ्गनायै नमः  
 ॐ जालन्धरे विश्वमुख्यै नमः ८०  
 ॐ किष्किन्धपर्वते तारायै नमः  
 ॐ देवदारुवने पुष्ट्यै नमः  
 ॐ काश्मीर मण्डले मेधायै नमः  
 ॐ हिमाद्रौ भीमादेव्यै नमः  
 ॐ विश्वेश्वरे पुष्ट्यै नमः  
 ॐ कपालमोचने शुद्ध्यै नमः  
 ॐ कायावरोहणे मात्रे नमः  
 ॐ शङ्खोद्धारे ध्वन्यै नमः  
 ॐ पिण्डारके धृत्यै नमः  
 ॐ चद्रभागायां कालायै नमः ९०  
 ॐ अक्षोदे शिवकारिण्यै नमः  
 ॐ वेणायां अमृतायै नमः  
 ॐ बदर्या उर्वश्यै नमः  
 ॐ उत्तरकुरौ औषध्यै नमः  
 ॐ कृशद्वीपे कुशोदकायै नमः  
 ॐ हेमकूटे मन्मथायै नमः  
 ॐ मुकुटे सत्यवादिन्यै नमः  
 ॐ अश्वत्थे वन्दनीयायै नमः

ॐ वैश्रवणालये निधये नमः  
 ॐ वेदवदने गायत्र्यै नमः १००  
 ॐ शिवसन्निधौ पार्वत्यै नमः  
 ॐ देवलोके इन्द्राण्यै नमः  
 ॐ ब्रह्मास्येषु सरस्वत्यै नमः  
 ॐ सूर्यबिम्बे प्रभायै नमः

ॐ मातृणां वैष्णव्यै नमः  
 ॐ सतीनां अरुन्धत्यै नमः  
 ॐ रामासु तिलोत्तमायै नमः  
 ॐ सर्वशरीरिणां चित्ते  
 ब्रह्मकलानामशक्त्यै नमः

॥ इति श्री मत्स्यमहापुराणे श्री शक्त्यष्टोत्तरशतदिव्यस्थानीयनामावलिः सम्पूर्णा ॥

## ॥ शिवाष्टोत्तरशतनामावलि: ॥

ॐ शिवाय नमः

ॐ महेश्वराय नमः

ॐ शम्भवे नमः

ॐ पिनाकिने नमः

ॐ शशिशेखराय नमः

ॐ वामदेवाय नमः

ॐ विरूपाक्षाय नमः

ॐ कपर्दिने नमः

ॐ नीललोहिताय नमः

ॐ शङ्कराय नमः १०

ॐ शूलपाणिने नमः

ॐ खट्वाङ्गिने नमः

ॐ विष्णुवल्लभाय नमः

ॐ शिपिविष्टाय नमः

ॐ अम्बिकानाथाय नमः

ॐ श्रीकण्ठाय नमः

ॐ भक्तवत्सलाय नमः

ॐ भवाय नमः

ॐ शर्वाय नमः

ॐ त्रिलोकेशाय नमः २०

ॐ शितिकण्ठाय नमः

ॐ शिवाप्रियाय नमः

ॐ उग्राय नमः

ॐ कपालिने नमः

ॐ कामारये नमः

ॐ अन्धकासुरसूदनाय नमः

ॐ गङ्गाधराय नमः

ॐ ललाटाक्षाय नमः

ॐ कालकालाय नमः

ॐ कृपानिधये नमः ३०

ॐ भीमाय नमः

ॐ परशुहस्ताय नमः

ॐ मृगपाणये नमः

ॐ जटाधराय नमः

ॐ कैलासवासिने नमः

ॐ कवचिने नमः

ॐ कठोराय नमः

ॐ त्रिपुरान्तकाय नमः

ॐ वृषाङ्काय नमः

ॐ वृषभारूढाय नमः ४०

ॐ भस्मोद्धूलितविग्रहाय नमः

ॐ सामप्रियाय नमः

ॐ स्वरमयाय नमः

ॐ त्रयीमूर्तये नमः

ॐ अनीश्वराय नमः

ॐ सर्वज्ञाय नमः

ॐ परमात्मने नमः

ॐ सोमलोचनाय नमः

ॐ सूर्यलोचनाय नमः  
 ॐ अग्निलोचनाय नमः ५०  
 ॐ हविर्यज्ञमयाय नमः  
 ॐ सोमाय नमः  
 ॐ पञ्चवक्त्राय नमः  
 ॐ सदाशिवाय नमः  
 ॐ विश्वेश्वराय नमः  
 ॐ वीरभद्राय नमः  
 ॐ गणनाथाय नमः  
 ॐ प्रजापतये नमः  
 ॐ हिरण्यरेतसे नमः  
 ॐ दुर्धर्षाय नमः ६०  
 ॐ गिरीशाय नमः  
 ॐ गिरिशाय नमः  
 ॐ अनघाय नमः  
 ॐ भुजङ्गभूषणाय नमः  
 ॐ भर्गाय नमः  
 ॐ गिरिधन्विने नमः  
 ॐ गिरिप्रियाय नमः  
 ॐ कृत्तिवाससे नमः  
 ॐ पुरारातये नमः  
 ॐ भगवते नमः ७०  
 ॐ प्रमथाधिपाय नमः  
 ॐ मृत्युञ्जयाय नमः  
 ॐ सूक्ष्मतनवे नमः  
 ॐ जगद्धापिने नमः

ॐ जगद्गुरवे नमः  
 ॐ व्योमकेशाय नमः  
 ॐ महासेनजनकाय नमः  
 ॐ चारुविक्रमाय नमः  
 ॐ रुद्राय नमः  
 ॐ भूतपतये नमः ८०  
 ॐ स्थाणवे नमः  
 ॐ अहिर्बुध्याय नमः  
 ॐ दिगम्बराय नमः  
 ॐ अष्टमूर्तये नमः  
 ॐ अनेकात्मने नमः  
 ॐ सात्त्विकाय नमः  
 ॐ शुद्धविग्रहाय नमः  
 ॐ शाश्वताय नमः  
 ॐ खण्डपरशवे नमः  
 ॐ अजपाशविमोचकाय नमः ९०  
 ॐ मृडाय नमः  
 ॐ पशुपतये नमः  
 ॐ देवाय नमः  
 ॐ महादेवाय नमः  
 ॐ अव्ययाय नमः  
 ॐ प्रभवे नमः  
 ॐ पूषदन्तभिदे नमः  
 ॐ अव्यग्राय नमः  
 ॐ दक्षाध्वरहराय नमः  
 ॐ हराय नमः १००

ॐ भगनेत्रभिदे नमः

ॐ अव्यक्ताय नमः

ॐ सहस्राक्षाय नमः

ॐ सहस्रपादे नमः

ॐ अपवर्गप्रदाय नमः

ॐ अनन्ताय नमः

ॐ तारकाय नमः

ॐ परमेश्वराय नमः

॥ इति शाक्तप्रमोदे श्री शिवाष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णा ॥

## ॥ शिवाष्टोत्तरशतदिव्यस्थानीयनामावलि: ॥

ॐ कैवल्यशैले श्रीकण्ठाय नमः  
 ॐ हिमवति केदाराय नमः  
 ॐ काशीपुर्या विश्वनाथाय नमः  
 ॐ श्रीशैले मल्लिकार्जुनाय नमः  
 ॐ प्रयागे नीलकण्ठेशाय नमः  
 ॐ गयायां रुद्राय नमः  
 ॐ कालञ्जरपुरे नीलकण्ठेश्वराय  
 नमः  
 ॐ द्राक्षारामे भीमेशाय नमः  
 ॐ मायूरे अम्बिकेश्वराय नमः  
 ॐ ब्रह्मावर्ते देवलिङ्गाय नमः १०  
 ॐ प्रभासे शशिभूषणाय नमः  
 ॐ श्वेतहस्तिपुरे श्रीमते  
 वृषध्वजाय नमः  
 ॐ गोकर्णे गोकर्णेशाय नमः  
 ॐ सोमनाथके सोमेशाय नमः  
 ॐ श्रीरूपे त्यागराजाय नमः  
 ॐ वेदे वेदपुरीश्वराय नमः  
 ॐ भीमारामे भीमेशाय नमः  
 ॐ मन्थने कालिकेश्वराय नमः  
 ॐ मधुरायां चोक्कनाथाय नमः  
 ॐ मानसे माधवेश्वराय नमः २०  
 ॐ श्रीवाञ्छके चम्पकेशाय नमः  
 ॐ पञ्चवट्यां वटेश्वराय नमः

ॐ गजारण्ये वैद्येशाय नमः  
 ॐ तीर्थाद्रौ तीर्थकेश्वराय नमः  
 ॐ कुम्भकोणे कुम्भेशाय नमः  
 ॐ लेपाक्ष्यां पापनाशनाय नमः  
 ॐ कण्वपुर्या कण्वेशाय नमः  
 ॐ मध्ये मध्वार्जुनेश्वराय नमः  
 ॐ हरिहरपुरे  
 श्रीशङ्करनारायणेश्वराय नमः  
 ॐ विरञ्चिपुर्या मार्गेशाय नमः ३०  
 ॐ पञ्चनद्यां गिरीश्वराय नमः  
 ॐ पम्पापुर्या विरूपाक्षाय नमः  
 ॐ सोमाद्रौ मल्लिकार्जुनाय नमः  
 ॐ त्रिमकूटे अगस्त्येशाय नमः  
 ॐ सुब्रह्मण्ये अहिपेश्वराय नमः  
 ॐ महाबलशिलोच्चये  
 महाबलेश्वराय नमः  
 ॐ दक्षिणावर्ते अर्केश्वराय नमः  
 ॐ महापुण्ये वेदारण्ये  
 वेदारण्येश्वराय नमः  
 ॐ सोमपुर्या मूर्तित्रयात्मकाय  
 सोमेश्वराय नमः  
 ॐ अवन्त्यां रामलिङ्गेशाय नमः  
 ४०  
 ॐ काश्मीरे विजयेश्वराय नमः

ॐ महानन्दिपुरे  
 महानन्दिपुरेश्वराय नमः  
 ॐ कोटितीर्थे कोटीशाय नमः  
 ॐ वृद्धे वृद्धाचलेश्वराय नमः  
 ॐ महापुण्ये ककुद्गिरौ  
 गङ्गाधरेश्वराय नमः  
 ॐ चामराज्यनगरे  
 चामराजेश्वराय नमः  
 ॐ नन्दिगिरौ नन्दीश्वराय नमः  
 ॐ बधिराचले चण्डेशाय नमः  
 ॐ गरपुरे नञ्जुण्डेशाय नमः  
 ॐ शतशृङ्गे अधिपेश्वराय नमः ५०  
 ॐ घनानन्दाचले सोमाय नमः  
 ॐ नल्लूरे विमलेश्वराय नमः  
 ॐ नीडानाथपुरे नीडानाथेश्वराय  
 नमः  
 ॐ एकान्ते रामलिङ्गेशाय नमः  
 ॐ श्रीनागे कुण्डलीश्वराय नमः  
 ॐ श्रीकन्यायां त्रिभङ्गीशाय नमः  
 ॐ उत्सङ्गे राघवेश्वराय नमः  
 ॐ मत्स्यतीर्थे तीर्थेशाय नमः  
 ॐ त्रिकूटे ताण्डवेश्वराय नमः  
 ॐ प्रसन्नपुरे मार्गसहायेशाय नमः  
 ६०  
 ॐ गण्डक्यां शिवनाभाय नमः  
 ॐ श्रीपतौ श्रीपतीश्वराय नमः

ॐ धर्मपुर्यां धर्मलिङ्गाय नमः  
 ॐ कन्याकुब्जे कलाधराय नमः  
 ॐ वाणिग्रामे विरिञ्चेशाय नमः  
 ॐ नेपाले नकुलेश्वराय नमः  
 ॐ जगन्नाथे मार्कण्डेयाय नमः  
 ॐ नर्मदातटे स्वयम्भुवे नमः  
 ॐ धर्मस्थले मञ्जुनाथाय नमः  
 ॐ त्रिरूपके व्यासेशाय नमः ७०  
 ॐ स्वर्णावत्यां कलिङ्गेशाय नमः  
 ॐ निर्मले पन्नगेश्वराय नमः  
 ॐ पुण्डरीके जैमिनीशाय नमः  
 ॐ अयोध्यायां मधुरेश्वराय नमः  
 ॐ सिद्धवट्यां सिद्धेशाय नमः  
 ॐ श्रीकूर्मे त्रिपुरान्तकाय नमः  
 ॐ मणिकुण्डलतीर्थे  
 मणिमुक्तानदीश्वराय नमः  
 ॐ वटाटव्यां कृत्तिवाससे नमः  
 ॐ त्रिवेण्यां सङ्गमेश्वराय नमः  
 ॐ स्तनितायां मल्लेशाय नमः ८०  
 ॐ इन्द्रकीले अर्जुनेश्वराय नमः  
 ॐ शेषाद्रौ कपिलेशाय नमः  
 ॐ पुष्पे पुष्पगिरीश्वराय नमः  
 ॐ चित्रकूटे भुवनेशाय नमः  
 ॐ उज्जिन्यां कालिकेश्वराय नमः  
 ॐ ज्वालामुख्यां शूलटङ्काय नमः  
 ॐ मङ्गल्यां सङ्गमेश्वराय नमः



ॐ तज्जापुर्या बृहतीशाय नमः  
 ॐ वह्निपुष्करे रामेशाय नमः  
 ॐ लङ्काद्वीपे मत्स्येशाय नमः ९०  
 ॐ गन्धमादने कूर्मेशाय नमः  
 ॐ विन्ध्याचले वराहेशाय नमः  
 ॐ अहोबिले नृसिंहाय नमः  
 ॐ कुरुक्षेत्रे वामनेशाय नमः

ॐ कपिलतीर्थके परशुरामेशाय  
 नमः  
 ॐ सेतौ रामेश्वराय नमः  
 ॐ साकेते बलरामेशाय नमः  
 ॐ वारणावते बौद्धेशाय नमः  
 ॐ तत्त्वक्षेत्रे कल्कीशाय नमः  
 ॐ महेन्द्रके कृष्णेशाय नमः १००

॥ इति ललितागमे ज्ञानपादे शिवलिङ्गप्रादुर्भावपटलान्तर्गते  
 श्रीशिवाष्टोत्तरशतदिव्यस्थानीयनामावलिः सम्पूर्णा ॥

## ॥ सरस्वत्यष्टोत्तरशतनामावलि: ॥

ॐ सरस्वत्यै नमः  
 ॐ महाभद्रायै नमः  
 ॐ महामायायै नमः  
 ॐ वरप्रदायै नमः  
 ॐ श्रीप्रदायै नमः  
 ॐ पद्मनिलयायै नमः  
 ॐ पद्माक्ष्यै नमः  
 ॐ पद्मवक्रकायै नमः  
 ॐ शिवानुजायै नमः  
 ॐ पुस्तकभृते नमः १०  
 ॐ ज्ञानमुद्रायै नमः  
 ॐ रमायै नमः  
 ॐ परायै नमः  
 ॐ कामरूपायै नमः  
 ॐ महाविद्यायै नमः  
 ॐ महापातकनाशिन्यै नमः  
 ॐ महाश्रयायै नमः  
 ॐ मालिन्यै नमः  
 ॐ महाभोगायै नमः  
 ॐ महाभुजायै नमः २०  
 ॐ महाभागायै नमः  
 ॐ महोत्साहायै नमः  
 ॐ दिव्याङ्गायै नमः  
 ॐ सुरवन्दितायै नमः

ॐ महाकाल्यै नमः  
 ॐ महापाशायै नमः  
 ॐ महाकारायै नमः  
 ॐ महाङ्कुशायै नमः  
 ॐ पीतायै नमः  
 ॐ विमलायै नमः ३०  
 ॐ विश्वायै नमः  
 ॐ विद्युन्मालायै नमः  
 ॐ वैष्णव्यै नमः  
 ॐ चन्द्रिकायै नमः  
 ॐ चन्द्रवदनायै नमः  
 ॐ चन्द्रलेखविभूषितायै नमः  
 ॐ सावित्र्यै नमः  
 ॐ सुरसायै नमः  
 ॐ देव्यै नमः  
 ॐ दिव्यालङ्कारभूषितायै नमः ४०  
 ॐ वाग्देव्यै नमः  
 ॐ वसुदायै नमः  
 ॐ तीव्रायै नमः  
 ॐ महाभद्रायै नमः  
 ॐ महाबलायै नमः  
 ॐ भोगदायै नमः  
 ॐ भारत्यै नमः  
 ॐ भामायै नमः

ॐ गोविन्दायै नमः  
 ॐ गोमत्यै नमः ५०  
 ॐ शिवायै नमः  
 ॐ जटिलायै नमः  
 ॐ विन्ध्यवासायै नमः  
 ॐ विन्ध्याचलविराजितायै नमः  
 ॐ चण्डिकायै नमः  
 ॐ वैष्णव्यै नमः  
 ॐ ब्राह्म्यै नमः  
 ॐ ब्रह्मज्ञानैकसाधनायै नमः  
 ॐ सौदामिन्यै नमः  
 ॐ सुधामूर्त्यै नमः ६०  
 ॐ सुभद्रायै नमः  
 ॐ सुरपूजितायै नमः  
 ॐ सुवासिन्यै नमः  
 ॐ सुनासायै नमः  
 ॐ विनिद्रायै नमः  
 ॐ पद्मलोचनायै नमः  
 ॐ विद्यारूपायै नमः  
 ॐ विशालाक्ष्यै नमः  
 ॐ ब्रह्मजायायै नमः  
 ॐ महाफलायै नमः ७०  
 ॐ त्रयीमूर्त्यै नमः  
 ॐ त्रिकालज्ञायै नमः  
 ॐ त्रिगुणायै नमः  
 ॐ शास्त्ररूपिण्यै नमः

ॐ शुम्भासुरप्रमथिन्यै नमः  
 ॐ शुभदायै नमः  
 ॐ स्वरात्मिकायै नमः  
 ॐ रक्तबीजनिहन्त्र्यै नमः  
 ॐ चामुण्डायै नमः  
 ॐ अम्बिकायै नमः ८०  
 ॐ मुण्डकायप्रहरणायै नमः  
 ॐ धूम्रलोचनमर्दन्यै नमः  
 ॐ सर्वदेवस्तुतायै नमः  
 ॐ सौम्यायै नमः  
 ॐ सुरासुरनमस्कृतायै नमः  
 ॐ कालरात्र्यै नमः  
 ॐ कलाधारायै नमः  
 ॐ रूपसौभाग्यदायिन्यै नमः  
 ॐ वाग्देव्यै नमः  
 ॐ वरारोहायै नमः ९०  
 ॐ वाराह्यै नमः  
 ॐ वारिजासनायै नमः  
 ॐ चित्राम्बरायै नमः  
 ॐ चित्रगन्धायै नमः  
 ॐ चित्रमाल्यविभूषितायै नमः  
 ॐ कान्तायै नमः  
 ॐ कामप्रदायै नमः  
 ॐ वन्द्यायै नमः  
 ॐ विद्याधरसुपूजितायै नमः  
 ॐ श्वेताननायै नमः १००

ॐ नीलभुजायै नमः

ॐ चतुर्वर्गफलप्रदायै नमः

ॐ चतुराननसाम्राज्यायै नमः

ॐ रक्तमध्यायै नमः

ॐ निरञ्जनायै नमः

ॐ हंसासनायै नमः

ॐ नीलजङ्घायै नमः

ॐ ब्रह्मविष्णुशिवात्मिकायै नमः

॥ इति श्री सरस्वत्यष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णा ॥

## ॥ सीताष्टोत्तरशतनामावलि: ॥

ॐ श्रीसीतायै नमः  
 ॐ जानक्यै नमः  
 ॐ देव्यै नमः  
 ॐ वैदेह्यै नमः  
 ॐ राघवप्रियायै नमः  
 ॐ रमायै नमः  
 ॐ अवनिसुतायै नमः  
 ॐ रामायै नमः  
 ॐ राक्षसान्तप्रकारिण्यै नमः  
 ॐ रत्नगुप्तायै नमः १०  
 ॐ मातुलुङ्ग्यै नमः  
 ॐ मैथिल्यै नमः  
 ॐ भक्ततोषदायै नमः  
 ॐ पद्माक्षजायै नमः  
 ॐ कञ्जनेत्रायै नमः  
 ॐ स्मितास्यायै नमः  
 ॐ नूपुरस्वनायै नमः  
 ॐ वैकुण्ठनिलयायै नमः  
 ॐ मायै नमः  
 ॐ श्रियै नमः २०  
 ॐ मुक्तिदायै नमः  
 ॐ कामपूरण्यै नमः  
 ॐ नृपात्मजायै नमः  
 ॐ हेमवर्णायै नमः

ॐ मृदुलाङ्ग्यै नमः  
 ॐ सुभाषिण्यै नमः  
 ॐ कुशाम्बिकायै नमः  
 ॐ दिव्यदायै नमः  
 ॐ लवमात्रे नमः  
 ॐ मनोहरायै नमः ३०  
 ॐ हनुमद्वन्दितपदायै नमः  
 ॐ मुग्धायै नमः  
 ॐ केयूरधारिण्यै नमः  
 ॐ अशोकवनमध्यस्थायै नमः  
 ॐ रावणादिकमोहिन्यै नमः  
 ॐ विमानसंस्थितायै नमः  
 ॐ सुभ्रुवे नमः  
 ॐ सुकेश्यै नमः  
 ॐ रशनान्वितायै नमः  
 ॐ रजोरूपायै नमः ४०  
 ॐ सत्त्वरूपायै नमः  
 ॐ तामस्यै नमः  
 ॐ वह्निवासिन्यै नमः  
 ॐ हेममृगासक्तचित्तायै नमः  
 ॐ वाल्मीक्याश्रमवासिन्यै नमः  
 ॐ पतिव्रतायै नमः  
 ॐ महामायायै नमः  
 ॐ पीतकौशेयवासिन्यै नमः

ॐ मृगनेत्रायै नमः  
 ॐ बिम्बोष्ठ्यै नमः ५०  
 ॐ धनुर्विद्याविशारदायै नमः  
 ॐ सौम्यरूपायै नमः  
 ॐ दशरथस्तुषायै नमः  
 ॐ चामरवीजितायै नमः  
 ॐ सुमेधादुहित्रे नमः  
 ॐ दिव्यरूपायै नमः  
 ॐ त्रैलोक्यपालिन्यै नमः  
 ॐ अन्नपूर्णायै नमः  
 ॐ महालक्ष्म्यै नमः  
 ॐ धियै नमः ६०  
 ॐ लज्जायै नमः  
 ॐ सरस्वत्यै नमः  
 ॐ शान्त्यै नमः  
 ॐ पुष्ट्यै नमः  
 ॐ क्षमायै नमः  
 ॐ गौर्यै नमः  
 ॐ प्रभायै नमः  
 ॐ अयोध्यानिवासिन्यै नमः  
 ॐ वसन्तशीतलायै नमः  
 ॐ गौर्यै नमः ७०  
 ॐ स्नानसन्तुष्टमानसायै नमः  
 ॐ रमानामभद्रसंस्थायै नमः  
 ॐ हेमकुम्भपयोधरायै नमः  
 ॐ सुरार्चितायै नमः

ॐ धृत्यै नमः  
 ॐ कान्त्यै नमः  
 ॐ स्मृत्यै नमः  
 ॐ मेघायै नमः  
 ॐ विभावर्यै नमः  
 ॐ लघूदरायै नमः ८०  
 ॐ वरारोहायै नमः  
 ॐ हेमकङ्कणमण्डितायै नमः  
 ॐ द्विजपत्न्यर्पितनिजभूषायै नमः  
 ॐ राघवतोषिण्यै नमः  
 ॐ श्रीरामसेवनरतायै नमः  
 ॐ रत्नताटङ्कधारिण्यै नमः  
 ॐ रामवामाङ्गसंस्थायै नमः  
 ॐ रामचन्द्रैकरञ्जन्यै नमः  
 ॐ सरयूजलसङ्कीडाकारिण्यै नमः  
 ॐ राममोहिन्यै नमः ९०  
 ॐ सुवर्णतुलितायै नमः  
 ॐ पुण्यायै नमः  
 ॐ पुण्यकीर्त्यै नमः  
 ॐ कलावत्यै नमः  
 ॐ कलकण्ठायै नमः  
 ॐ कम्बुकण्ठायै नमः  
 ॐ रम्भोर्वै नमः  
 ॐ गजगामिन्यै नमः  
 ॐ रामार्पितमनायै नमः  
 ॐ रामवन्दितायै नमः १००

ॐ रामवल्लभायै नमः

ॐ श्रीरामपदचिह्नाङ्गायै नमः

ॐ रामरामेतिभाषिण्यै नमः

ॐ रामपर्यङ्कशयनायै नमः

ॐ रामाङ्घ्रिक्षालिन्यै नमः

ॐ वरायै नमः

ॐ कामधेन्वन्नसन्तुष्टायै नमः

ॐ मातुलुङ्गकरे धृतायै नमः

ॐ दिव्यचन्दनसंस्थायै नमः

ॐ श्रियै नमः ११०

ॐ मूलकासुरमर्दिन्यै नमः

॥ इति श्री आनन्दरामायणे श्री सीताष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णा ॥

## ॥ सुब्रह्मण्यस्य हस्तस्थितस्य अस्त्रायुध अष्टोत्तरशतनामावलि: ॥

ॐ सुब्रह्मण्य-हस्ताम्बुजास्त्राय  
नमः

ॐ गुहास्त्राय नमः

ॐ ब्रह्मास्त्राय नमः

ॐ विष्ण्वास्त्राय नमः

ॐ एकादशरुद्रास्त्राय नमः

ॐ शिवास्त्राय नमः

ॐ क्षूरिकास्त्राय नमः

ॐ प्रत्यङ्गरास्त्राय नमः

ॐ महापाशुपतास्त्राय नमः

ॐ महासुदर्शनास्त्राय नमः १०

ॐ वृषभास्त्राय नमः

ॐ सूर्यास्त्राय नमः

ॐ ओङ्कारप्रणवास्त्राय नमः

ॐ सर्वशत्रुनाशकास्त्राय नमः

ॐ पिनाकपाशादिवरुणास्त्राय

नमः

ॐ नाराचास्त्राय नमः

ॐ सर्वशत्रुध्वंसन-हेतुभूतास्त्राय

नमः

ॐ शरभास्त्राय नमः

ॐ कालानलास्त्राय नमः

ॐ बडवानलास्त्राय नमः २०

ॐ कालकालाग्न्यास्त्राय नमः

ॐ प्रचण्डमारुतवेगास्त्राय नमः

ॐ वायव्यास्त्राय नमः

ॐ शतसहस्रकोटिप्रकाशास्त्राय

नमः

ॐ सहस्रज्वालास्त्राय नमः

ॐ महाशत्रुभयङ्करास्त्राय नमः

ॐ आग्नेयास्त्राय नमः

ॐ पराशक्त्यात्मकास्त्राय नमः

ॐ वज्रास्त्राय नमः

ॐ शक्त्यास्त्राय नमः ३०

ॐ दण्डास्त्राय नमः

ॐ खड्गास्त्राय नमः

ॐ पाशास्त्राय नमः

ॐ ध्वजास्त्राय नमः

ॐ गदास्त्राय नमः

ॐ त्रिशूलास्त्राय नमः

ॐ पद्मास्त्राय नमः

ॐ चक्रास्त्राय नमः

ॐ अस्यास्त्राय नमः

ॐ चर्मास्त्राय नमः ४०

ॐ कपालास्त्राय नमः

ॐ गुडारास्त्राय नमः



ॐ कुन्दात्यस्त्राय नमः  
 ॐ परश्वास्त्राय नमः  
 ॐ शङ्खास्त्राय नमः  
 ॐ घण्टास्त्राय नमः  
 ॐ चापास्त्राय नमः  
 ॐ शरास्त्राय नमः  
 ॐ बाणास्त्राय नमः  
 ॐ पुष्पबाणास्त्राय नमः ५०  
 ॐ अङ्कुशास्त्राय नमः  
 ॐ डमरुकास्त्राय नमः  
 ॐ सर्वशक्त्यस्त्राय नमः  
 ॐ मुसलास्त्राय नमः  
 ॐ हलास्त्राय नमः  
 ॐ तारकासुरसंहारास्त्राय नमः  
 ॐ सिंहवक्रसंहारास्त्राय नमः  
 ॐ गजमुखासुरसंहारास्त्राय नमः  
 ॐ अजमुखासुरसंहारास्त्राय नमः  
 ॐ भानुगोपासुरसंहारास्त्राय नमः  
 ६०  
 ॐ उग्रगोपासुरसंहारास्त्राय नमः  
 ॐ महापद्मासुरध्वंसकास्त्राय नमः  
 ॐ कृत्तिकासुरभञ्जनास्त्राय नमः  
 ॐ असुरकुलान्तकास्त्राय नमः  
 ॐ नववीरपूजितास्त्राय नमः  
 ॐ वीरबाह्वन्दितास्त्राय नमः  
 ॐ षड्चक्रास्त्राय नमः

ॐ फट्कारास्त्राय नमः  
 ॐ हूम्फट् कारास्त्राय नमः  
 ॐ सर्वव्याधिविनाशकास्त्राय नमः  
 ७०  
 ॐ सर्वमृत्युप्रशमनास्त्राय नमः  
 ॐ सर्वरोगहरास्त्राय नमः  
 ॐ सर्वजनाकर्षणास्त्राय नमः  
 ॐ सर्वधनाकर्षणास्त्राय नमः  
 ॐ सर्वशापपरिपूर्णास्त्राय नमः  
 ॐ सर्वशब्दाकर्षणास्त्राय नमः  
 ॐ सर्वरसाकर्षणास्त्राय नमः  
 ॐ सर्वबुद्ध्याकर्षणास्त्राय नमः  
 ॐ सर्वकामाकर्षणास्त्राय नमः  
 ॐ सर्वबीजाकर्षणास्त्राय नमः ८०  
 ॐ सर्वभोगाकर्षणास्त्राय नमः  
 ॐ सर्वविघ्नप्रशमनास्त्राय नमः  
 ॐ सर्वधैर्याकर्षणा स्त्राय नमः  
 ॐ सर्वसिद्धिप्रदायकास्त्राय नमः  
 ॐ सर्वरक्षाकरास्त्राय नमः  
 ॐ सर्वसम्पत्-प्रदायकास्त्राय नमः  
 ॐ सर्वदुःखविमोचनास्त्राय नमः  
 ॐ सर्वमङ्गलप्रदायकास्त्राय नमः  
 ॐ कलिदोषहरास्त्राय नमः  
 ॐ कलिपापहरास्त्राय नमः ९०  
 ॐ करुणापूरितास्त्राय नमः  
 ॐ कामितार्थप्रदास्त्राय नमः

ॐ सर्वभूतोच्छाटनास्त्राय नमः

ॐ सर्ववैद्योन्मादमोचनास्त्राय

नमः

ॐ

परमन्त्रतन्त्रयन्त्राभिचारोच्छाटनास्त्राय

नमः

ॐ सत्सन्तानप्रदास्त्राय नमः

ॐ स्कन्दास्त्राय नमः

ॐ षण्मुखास्त्राय नमः

ॐ शरवणास्त्राय नमः

ॐ कार्तिकेयास्त्राय नमः १००

ॐ कुमारास्त्राय नमः

ॐ शिखिवाहनास्त्राय नमः

ॐ द्विषड्भुजास्त्राय नमः

ॐ द्विषणेत्रास्त्राय नमः

ॐ विशाखास्त्राय नमः

ॐ बाहुलेयास्त्राय नमः

ॐ पार्वतीप्रियनन्दनास्त्राय नमः

ॐ षाण्मातुरास्त्राय नमः

॥ इति श्री सुब्रह्मण्यस्य हस्तस्थितस्य अस्त्रायुधाष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णा ॥

## ॥ सूर्याष्टोत्तरशतनामावलि: ॥

ॐ सूर्याय नमः  
 ॐ अर्यमणे नमः  
 ॐ भगाय नमः  
 ॐ त्वष्ट्रे नमः  
 ॐ पूषणे नमः  
 ॐ अर्काय नमः  
 ॐ सवित्रे नमः  
 ॐ रवये नमः  
 ॐ गभस्तिमते नमः  
 ॐ अजाय नमः  
 ॐ कालाय नमः  
 ॐ मृत्यवे नमः  
 ॐ धात्रे नमः  
 ॐ प्रभाकराय नमः  
 ॐ पृथिव्यै नमः  
 ॐ अद्ध्यो नमः  
 ॐ तेजसे नमः  
 ॐ खाय नमः  
 ॐ वायवे नमः  
 ॐ परायणाय नमः  
 ॐ सोमाय नमः  
 ॐ बृहस्पतये नमः  
 ॐ शुक्राय नमः  
 ॐ बुधाय नमः

१०

२०

ॐ अङ्गारकाय नमः  
 ॐ इन्द्राय नमः  
 ॐ विवस्वते नमः  
 ॐ दीप्तांशवे नमः  
 ॐ शुचये नमः  
 ॐ शौरये नमः  
 ॐ शनैश्चराय नमः  
 ॐ ब्रह्मणे नमः  
 ॐ विष्णवे नमः  
 ॐ रुद्राय नमः  
 ॐ स्कन्दाय नमः  
 ॐ वरुणाय नमः  
 ॐ यमाय नमः  
 ॐ वैद्युताग्रये नमः  
 ॐ जाठरश्चाग्रये नमः  
 ॐ ऐन्धनग्रये नमः  
 ॐ तेजसां पतये नमः  
 ॐ धर्मध्वजाय नमः  
 ॐ वेदकर्त्रे नमः  
 ॐ वेदाङ्गाय नमः  
 ॐ वेदवाहनाय नमः  
 ॐ कृताय नमः  
 ॐ त्रेतायै नमः  
 ॐ द्वापराय नमः

३०

४०

ॐ सर्वमलाश्रयाय कलये नमः  
 ॐ कलाकाष्ठामुहूर्तेभ्यो नमः ५०  
 ॐ क्षपायै नमः  
 ॐ यामाय नमः  
 ॐ क्षणाय नमः  
 ॐ संवत्सरकराय नमः  
 ॐ अश्वत्थाय नमः  
 ॐ कालचक्राय विभावसवे नमः  
 ॐ शाश्वताय पुरुषाय नमः  
 ॐ योगिने नमः  
 ॐ व्यक्ताव्यक्ताय नमः  
 ॐ सनातनाय नमः ६०  
 ॐ कालाध्यक्षाय नमः  
 ॐ प्रजाध्यक्षाय नमः  
 ॐ विश्वकर्मणे नमः  
 ॐ तमोनुदाय नमः  
 ॐ वरुणाय नमः  
 ॐ सागराय नमः  
 ॐ अम्शवे नमः  
 ॐ जीमूताय नमः  
 ॐ जीवनाय नमः  
 ॐ अरिघ्ने नमः ७०  
 ॐ भूताश्रयाय नमः  
 ॐ भूतपतये नमः  
 ॐ सर्वलोकनमस्कृताय नमः  
 ॐ स्रष्ट्रे नमः

ॐ संवर्तकाय नमः  
 ॐ वह्नये नमः  
 ॐ सर्वस्यादये नमः  
 ॐ अलोलुपाय नमः  
 ॐ अनन्ताय नमः  
 ॐ कपिलाय नमः ८०  
 ॐ भानवे नमः  
 ॐ कामदाय नमः  
 ॐ सर्वतोमुखाय नमः  
 ॐ जयाय नमः  
 ॐ विशालाय नमः  
 ॐ वरदाय नमः  
 ॐ सर्वधातुनिषेचित्रे नमः  
 ॐ मनः सुपर्णाय नमः  
 ॐ भूतादये नमः  
 ॐ शीघ्रगाय नमः ९०  
 ॐ प्राणधारकाय नमः  
 ॐ धन्वतरये नमः  
 ॐ धूमकेतवे नमः  
 ॐ आदिदेवाय नमः  
 ॐ अदितेः सुताय नमः  
 ॐ द्वादशात्मने नमः  
 ॐ अरविन्दाक्षाय नमः  
 ॐ पितृमातृपितामहेभ्यो नमः  
 ॐ स्वर्गद्वाराय नमः  
 ॐ प्रजाद्वाराय नमः १००

ॐ मोक्षद्वाराय नमः

ॐ त्रिविष्टपाय नमः

ॐ देहकर्त्रे नमः

ॐ प्रशान्तात्मने नमः

ॐ विश्वात्मने नमः

ॐ विश्वतोमुखाय नमः

ॐ चराचरात्मने नमः

ॐ सूक्ष्मात्मने नमः

ॐ मैत्रेयाय नमः

ॐ करुणान्विताय नमः

११०

॥ इति श्रीमन्महाभारते वनपर्वणि धौम्ययुधिष्ठिरसंवादे  
श्री सूर्याष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णा ॥

## हरिहराष्टोत्तरशतनामावलि:

ॐ गोविन्दाय नमः

ॐ माधवाय नमः

ॐ मुकुन्दाय नमः

ॐ हरये नमः

ॐ मुरारये नमः

ॐ शम्भवे नमः

ॐ शिवाय नमः

ॐ ईशाय नमः

ॐ शशिशेखराय नमः

ॐ शूलपाणये नमः १०

ॐ दामोदराय नमः

ॐ अच्युताय नमः

ॐ जनार्दनाय नमः

ॐ वासुदेवाय नमः

ॐ गङ्गाधराय नमः

ॐ अन्धकरिपवे नमः

ॐ हराय नमः

ॐ नीलकण्ठाय नमः

ॐ वैकुण्ठाय नमः

ॐ कैटभरिपवे नमः २०

ॐ कमठाय नमः

ॐ अञ्जपाणये नमः

ॐ भूतेशाय नमः

ॐ खण्डपरशवे नमः

ॐ मृडाय नमः

ॐ चण्डिकेशाय नमः

ॐ विष्णवे नमः

ॐ नृसिंहाय नमः

ॐ मधुसूदनाय नमः

ॐ चक्रपाणये नमः ३०

ॐ गौरीपतये नमः

ॐ गिरिशाय नमः

ॐ शङ्कराय नमः

ॐ चन्द्रचूडाय नमः

ॐ नारायणाय नमः

ॐ असुरनिबर्हणाय नमः

ॐ शार्ङ्गपाणये नमः

ॐ मृत्युञ्जयाय नमः

ॐ उग्राय नमः

ॐ विषमेक्षणाय नमः ४०

ॐ कामशत्रवे नमः

ॐ श्रीकान्ताय नमः

ॐ पीतवसनाय नमः

ॐ अम्बुदनीलाय नमः

ॐ शौरये नमः

ॐ ईशानाय नमः

ॐ कृत्तिवसनाय नमः

ॐ त्रिदशैकनाथाय नमः

ॐ लक्ष्मीपतये नमः

ॐ मधुरिपवे नमः ५०

ॐ पुरुषोत्तमाय नमः

ॐ आद्याय नमः

ॐ श्रीकण्ठाय नमः

ॐ दिग्वसनाय नमः

ॐ शान्ताय नमः

ॐ पिनाकपाणये नमः

ॐ आनन्दकन्दाय नमः

ॐ धरणीधराय नमः

ॐ पद्मनाभाय नमः

ॐ सर्वेश्वराय नमः ६०

ॐ त्रिपुरसूदनाय नमः

ॐ देवदेवाय नमः

ॐ ब्रह्मण्यदेवाय नमः

ॐ गरुडध्वजाय नमः

ॐ शङ्खपाणये नमः

ॐ त्र्यक्षाय नमः

ॐ उरगाभरणाय नमः

ॐ बालमृगाङ्गमौलिने नमः

ॐ श्रीरामाय नमः

ॐ राघवाय नमः ७०

ॐ रमेश्वराय नमः

ॐ रावणारये नमः

ॐ भूतेशाय नमः

ॐ मन्मथरिपवे नमः

ॐ प्रमथाधिनाथाय नमः

ॐ चाणूरमर्दनाय नमः

ॐ हृषीकपतये नमः

ॐ मुरारये नमः

ॐ शूलिने नमः

ॐ गिरीशाय नमः ८०

ॐ रजनीशकलावतंसाय नमः

ॐ कंसप्रणाशनाय नमः

ॐ सनातनाय नमः

ॐ केशिनाशाय नमः

ॐ भर्गाय नमः

ॐ त्रिनेत्राय नमः

ॐ भवाय नमः

ॐ भूतपतये नमः

ॐ पुरारये नमः

ॐ गोपीपतये नमः ९०

ॐ यदुपतये नमः

ॐ वसुदेवसूनवे नमः

ॐ कर्पूरगौराय नमः

ॐ वृषभध्वजाय नमः

ॐ भालनेत्राय नमः

ॐ गोवर्धनोद्धरणाय नमः

ॐ धर्मधुरीणाय नमः

ॐ गोपाय नमः

ॐ स्थाणवे नमः

ॐ त्रिलोचनाय नमः १००

ॐ पिनाकधराय नमः

ॐ स्मरारये नमः

ॐ कृष्णाय नमः

ॐ अनिरुद्धाय नमः

ॐ कमलाकराय नमः

ॐ कल्मषारये नमः

ॐ विश्वेश्वराय नमः

ॐ त्रिपथगार्द्रजटाकलापायै नमः

॥ इति श्री स्कन्दमहापुराणे काशीखण्डपूर्वार्धे  
यमप्रोक्तं श्री हरिहराष्टोत्तरशतनामावलिः सम्पूर्णा ॥





